www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

संगीत सौरभ

भाग ३

संपादक

ब्रह्मवर्चस्

प्रकाशक

युग निर्माण योजना

गायत्री तपोभूमि, मथुरा (उ. प्र.)

२००५

[मूल्य ३५

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

प्रकाशक —
युग निर्माण योजना
गायत्री तपोभूमि, मथुरा-3
फोनः- (0565) 2530399,2530128

तृतीय आवृत्ति
२००५

मूल्य ३५.००

मुद्रक —
युग निर्माण योजना प्रेस
गायत्री तपोभूमि, मथुरा (उ. प्र.)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

समर्पण

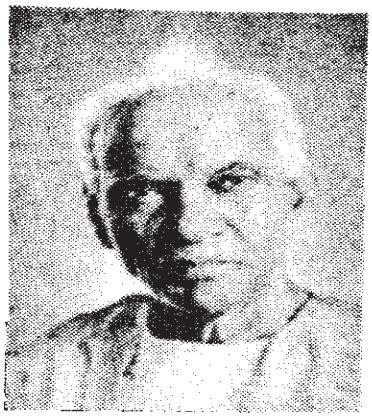

वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ-
पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

स्नेहसलिला माता-
भगवती देवी शर्मा

भगवत्याः जगन्मातुः,
श्रीरामस्य जगद्गुरोः ।
पादुकायुगले वन्दे,
श्रद्धाप्रज्ञास्वरूपयोः ॥

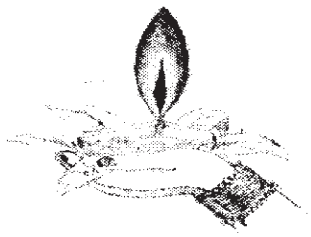

त्वदीयं वस्तु गोविन्द! तुभ्
समर्पये।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

भावार्थ

उस प्राण स्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतरात्मा में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करें।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

संगीत के माध्यम से जन-जागरण, दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन, सत्प्रवृत्ति संवर्धन जैसे अभियानों को गतिशील बनाने के लिए बड़ी संख्या में युग गायक तैयार करने की दृष्टि से 'संगीत सौरभ' के भाग १ और २ प्रकाशित किये जा चुके हैं। भाषण की अपेक्षा संगीत का प्रभाव जनमानस पर अधिक सुगमता से होता देखा गया है। पूज्य गुरुदेव (युगऋषि, वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ पं० श्रीराम शर्मा आचार्य) ने एक बार कार्यकर्त्ताओं को यह तथ्य अनेक ढंग से समझाने का प्रयास किया है।

एक बार कहने लगे भाषण के माध्यम से अपनी बात पहुँचानी हो, तो तमाम शर्तें बीच में आती हैं। बात भले ही बड़ी उपयोगी और प्रामाणिक हो; लेकिन उसे प्रस्तुत करने के लिए वक्ता का अभ्यास और उसकी प्रतिष्ठा भी जरूरी है। वह न हो तो लोग बात सुनने के लिए तैयार ही नहीं होंगे। वक्ता कोई प्रतिष्ठित संत हो, राजनेता हो, जनप्रिय वक्ता हो तभी बात बनती है; लेकिन यदि वही बात संगीत के माध्यम से कही जाय, तो उक्त सभी शर्तों की पूर्ति जरूरी नहीं। संगीत की सरसता स्वत: जन-चेतना को आकर्षित एवं प्रभावित करने में समर्थ होती है। इसीलिए धर्मतंत्र से लोकशिक्षण जागरण के साथ संगीत की विधा का भी व्यापक प्रयोग करने का प्रयास किया जा रहा है।

संगीत सौरभ भाग १ और २ की लोकप्रियता को देखते हुए भाग ३ के संपादन/प्रकाशन की तैयारी की गई है। समय की माँग के अनुरूप इसमें ईश-वन्दना, मातृ-वन्दना, गुरु-वन्दना, संकीर्तन आदि के साथ विभिन्न पर्वों पर गाये जाने वाले प्रेरणाप्रद गीतों का समावेश किया गया है। प्रेरक पर्वों का प्रयोग अब युग निर्माण अभियान की हर संगीत इकाई अपने-अपने क्षेत्र में करने लगी है। पर्व-गीतों के प्रयोग से पर्व-समारोहों को अधिक प्रभावपूर्ण बनाने में मदद मिलती है। इसी प्रकार विद्यालयों में नई पीढ़ी को दिशा एवं प्रेरणा देने के लिए भी उपयोगी गीतों को इसमें शामिल किया गया है। इस प्रकार ६९ लोकप्रिय धुनों वाले प्रेरक गीतों की स्वर-लिपियाँ उनसे सम्बद्ध तालों सहित इसमें प्रस्तुत की गई हैं। रामचरितमानस के दोहा, चौपाई, सोरठा, छन्द, श्लोक एवं आरती गाने की स्वर लिपियों के साथ राधेश्याम तर्ज को भी साथ लेने से इसकी उपयोगिता काफी बढ़ गई है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

इस भाग में ताल प्रकरण को अलग से भी महत्त्व दिया गया है। गीतों की स्वरलिपि के साथ तो तालों के सीधे-सीधे प्रयोग भी दर्शाए जा सकते हैं। जब गायक-वादकों की कुशलता बढ़ने लगती है, तो ताल के अधिक प्रभावी प्रयोगों की आवश्यकता अनुभव होने लगती है। सामान्य रूप से प्रयोग में आने वाले प्रमुख तालों तीनताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा उनके उपांगों- परचिय, ठेका, उठान, कायदा, टुकड़ा, रेला आदि के साथ इस प्रकार दिया गया है कि ताल की सामान्य जानकारी रखने वाले वादक भी स्वयं या किन्हीं जानकारों के थोड़े से मार्गदर्शन से ही अपना अभ्यास बढ़ा सकें। जैसे पहले भाग में बैञ्जो, मैंडोलियन, बाँसुरी आदि बजाने की प्रारम्भिक विधि दी गई थी। उसी प्रकार इसमें सितार बजाने सम्बन्धी आवश्यक जानकारी एकाध राग सहित दे दी गई है।

संगीत के माध्यम से युग प्रेरणाएँ संचरित करने के लिए संगीत साधकों के लिए यह पुस्तक उपयोगी, लाभप्रद सिद्ध होगी, ऐसी आशा है। अधिक से अधिक युग साधक इसका अधिकाधिक लाभ उठा सकें, ऐसी शुभकामना-प्रार्थना के साथ यह संग्रह लोकार्पित किया जा रहा है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

भाग-३

१. प्राक्कथन ५-६

२. गीत १-१३७

सरस्वती वन्दना, जगद्वन्द्य माँ शक्ति दो (मातृ वन्दना), वेदमाता, देवमाता, विश्वमाता को नमन, हम अपने पथ को पा जायें, एक तुम्हीं आधार सद्गुरु (गुरु वन्दना), ज्योति से ज्योति जगाओ सद्गुरु, श्रद्धा सहित जो आया, तुम्हारे पद्म चरणों में, हम लौह खण्ड ही हैं, हरिओम हरि ओम सब मिल गाओ (कीर्तन), तुम्हारे दिव्य दर्शन की (प्रेरणा-परक गीत), चलना सिखा दिया है, ऐसा कोई सुमन नहीं है, स्वस्थ शरीर स्वच्छ मन अपना, देख खुला है द्वारा पुजारी, जोश न ठण्डा होने पाये, चलेंगे हम जगत जननी, कोठरी मन की सदा रख साफ वन्दे, जिसने दीप जलाये जग में, धन्य है जिन्दगी यह हमारी, जागेगा इन्सान जमाना देखेगा, उनके पद चिह्नों पर चलकर, आत्म साधना ऐसी हो, आदत बुरी सुधार लो, सौन्दर्य से तुम्हारे, समय रहते जगो साथी, हमने पायी थाह आज माँ, मुझे रैन में दिन-मान बन के, कर रहे हैं साधना हम, रुके नहीं पतवार माझी, साथ दे जाओ जरा, जब जब पीड़ित पाप पतन से, जिन्दगी हवन करें चलो समाज के लिये, वन्दना के इन स्वरों में, बदला जाये दृष्टि-कोण यदि, अब नव-युग की गंगोत्री से, किये मन्त्र जप माला फेरी, मानवता का पतन देखकर, जब तक करुणा पिघल न जाये, हमारा है यह दृढ़ संकल्प, स्वयं भगवान हमारे गुरु, सीख नहीं पाये चादर, आपका स्वागत है श्रीमान (स्वागत गीत), दुनियाँ आगे बढ़ती जाये रहे क्यों पीछे नारी रे (नारी जागरण), शायद रूठ गई नारी से, चाँद सितारों से हम इसकी (स्कूल कालेज के लिए), नन्हे बच्चों आने वाले, चन्दन सी इस की माटी, नौजवानों उठो याद कर लो जरा (देश भक्ति), इस धरा के लिये, हमको अपनी भारत की मिट्टी से, गढ़ फिर कोई दीप नया तू, इस दहेज ने ही फैलाया (दहेज प्रथा), तुम्हें जन्म-दिन की बधाई (जन्म दिन), भागीरथ तो गये किन्तु (गायत्री जयन्ती), जब जन्में कृष्ण भगवान (जन्माष्टमी), घर घर में निराली ज्योति जले (दीपावली), सन्देश नया कुछ लाया, ज्योति जले घर घर में, दीपावली शुभ पर्व पर, आई दीवाली आई दीवाली, आज दीप से दीप

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जलाओ, प्रेम उमंगें खुशियाँ लाया, शिव का सुमिरन हर घड़ी (महाशिवरात्री), मन में नव उल्लास भर (होली), आओ आओ सुहागिन नारि (कलशयात्रा), दीपयज्ञ का पर्व आया रे (दीपयज्ञ), देव संस्कृति दिग्विजय को (अश्वमेध यज्ञ), जन्म लिया फिर भागीरथ ने (स्वर एवं तालिलिपि), अणुव्रत विदाई (अणुव्रत विदाई)

३. ताल शब्द की व्युत्पत्ति १३८-१७७

तीन ताल

परिचय, ठेका, उठान, कायदा, परन, टुकड़ा, मोहरा तीन-तीन समान वाले बोल, गततोड़ा, गत, चक्रदार, फरमाइशी चक्रदार, रेला, चक्करदार तिहाई, ९धा की तिहाई, दमदार तिहाई, बेदम तिहाई।

एकताल

परिचय, ठेका, लोम-विलोम के बोल, गततोड़ा, कायदा, टुकड़ा।

झपताल

परिचय, ठेका, कायदा, गोपूच्छा, टुकड़ा, त्रिपज्ली टुकड़ा ९धा का, रेला।

रूपक ताल

परिचय, ठेका, कायदा, आड़ी, टुकड़ा, रेला, बेदम तिहाई।

कहरवा ताल

परिचय, ठेका, बदला हुआ ठेका, उठान, बॉट, बल, गत, लड़ी, चलन, लग्गी, रेला, मोहरा, तिहाई।

दादरा ताल

परिचय, ठेका, बदला हुआ ठेका, प्रस्तार, बॉट, गत, मुखड़ा, मोहरा, टुकड़ा, लग्गी, रेला।

प्रज्ञा बैण्ड (रिदम)

स्लो मार्च, (वाल्स) मार्च फास्ट, सावधान, विश्राम गति योग, प्रज्ञा योग, लाठी योग।

४. कुछ प्रचलित-अप्रचलित तालों के ठेके १७८-१८७

तीन ताल विलम्बित, एकताल, विलम्बित, रुद्रताल, कायदा, टुकड़ा, चक्रदार तिहाई सहित, चौताल, सूल ताल, धमार ताल, आड़ाचार ताल, झूमरा ताल,

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दीपचन्दी ताल, तेवरा ताल, पश्तो ताल, तिलवाड़ा ताल, जलताल, गजझंपा ताल, टप्पा ताल, खेमटा ताल, बसंत ताल, मत्त ताल, भानुमती ताल, प्रतापशिखर ताल, भजन ठेका, करमा ताल, दादरा ताल, सुवा ताल, पंथी ताल, जेंवारा ताल, गौरा ताल, होली ताल, गर्वा ताल पंचमसवारी ताल, कायदा सहित।

५. लहरा (नगमा) १८८-१९५

तीन ताल में राग भीमपलासी, कलावती, झिझोटी आदि। एकताल का, चौताल में राग चन्द्रकौन्स विलावल भैरवी, सवारी ताल में राग वृन्दावनीसारंग, झपताल में, कौशिकध्वनि हिंडोल, चन्द्रकौंस आदि। कहरवा का, रूपक का, दादरा का एवम् भजन का।

६. सितार १९६-२०१

सितार का संक्षिप्त इतिहास व घराना, सितार बजाने की बैठक, सितार बजाने का सूत्र, मिजराप या स्टाइगर से दादिरदारा बजाना, सितार में झाला बजाने का तरीका। सितार के पर्दों की जानकारी। सितार मिलाने की विधि। सितार में राग यमन बिलम्बित गत (मसीतखानी) एवम् द्रुतगत (रजारवानी)।

७. राधेश्याम तर्ज २०२-२०५

राधेश्याम तर्ज, दोहा एवम् रघुपति राघव राजाराम।

८. रामायण तर्ज २०६-२२३

चौपाई, दोहा, सोरठा, छन्द, श्लोक एवम् आरती।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

शुक्लां ब्रह्मविचारसारपरमाम्,
आद्यां जगद्व्यापिनीं,
वीणापुस्तकधारिणीमभयदां,
जाड्यान्धकारापहाम्।
हस्ते स्फाटिकमालिकां विदधतीं,
पद्मासने संस्थिताम्,
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं,
बुद्धिप्रदां शारदाम्।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

संगीत सौरभ ३

सरस्वती वन्दना

माँ शारदे वर दे हमें - तेरे चरण का प्यार दे।
भव वन्ध के तूफान से - माता तू हमको तार दे।
हंसासिनी पद्मासिनी - हे वीणा वादिनी शारदे।
शुभ्र वस्त्र धारिणी माँ हमें - वरदान दे माँ शारदे। माँ शारदे....
काट दे अज्ञान को - उर में तेरा ही प्रकाश हो।
और हर हृदय में ध्यान तेरा - मान दे सम्मान दे। माँ शारदे....
सरस्वती माँ तेरे बालक - विनती करें कर जोर के।
दीजे हमें सद्बुद्धि माता - आज अपने द्वार से। मां शारदे.....

माँ शारदे वर दे हमें

			स्थायी		रूपक ताल	
०			१		२	
१	२	३	४	५	६	७
					सा	–
					माँ	ऽ
ध़	–	प	ध़	–	प	म
शा	ऽ	र	दे	ऽ	व	र
प	–	म	प	–	सा	–
दे	ऽ	ह	में	ऽ	ते	ऽ
नि़ध़	नि़ध़	नि़	सा	ग	म	सां
रेऽ	ऽऽ	च	र	ण	का	ऽ
ध़	–	पध़	म	–	सा	–
प्या	ऽ	रऽ	दे	ऽ	भ	व
ध़	–	प	ध़	–	प	म
बं	ऽ	ध	के	ऽ	तू	ऽ
प	–	म	प	–	सा	–
फा	ऽ	न	से	ऽ	मा	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

नि॒ध॒	नि॒ध॒	नि॒	सा	ग	म	सां
ताऽ	ऽऽ	तू	ह	म	को	ऽ
ध॒	–	पध॒	म	–	सा	–
ता	ऽ	रऽ	दे	ऽ	माँ	ऽ
ध॒	–	प	नि॒	ध॒		
शा	ऽ	र	दे	ऽ		

अन्तरा

					ध॒	नि॒
					हं	ऽ
सां	–	नि॒	सां	–	ध॒	नि॒
सा	ऽ	सि	नी	ऽ	प	द्
रें	–	सां	रें	–	सां	रें
मा	ऽ	सि	नी	ऽ	हे	ऽ
गुं	–	गुंमं	रें	सां	सां	सां
वी	ऽ	णाऽ	वा	ऽ	दि	नि
नि॒ध॒	नि॒	रें	सां	–	सां	सां
शाऽ	ऽ	र	दे	ऽ	शु	भ्र
सां	–	सारें	सारें	सां	नि॒	नि॒
व	ऽ	स्त्रऽ	धाऽ	ऽ	रि	णि
नि॒	–	नि॒सां	नि॒सां	ध॒	सां	सां
माँ	ऽ	हऽ	मेंऽ	ऽ	शु	भ्र
सां	–	सारें	सांरें	सां	नि॒	नि॒
व	ऽ	स्त्रऽ	धाऽ	ऽ	रि	णि
नि॒	–	नि॒सां	नि॒सां	–	सा	–
माँ	ऽ	हऽ	मेंऽ	ऽ	व	र
नि॒ध॒	नि॒ध॒	नि॒	सा	ग	म	सां
दाऽ	ऽऽ	न	दे	ऽ	माँ	ऽ
ध॒	–	पध॒	म	–		
शा	ऽ	रऽ	दे	ऽ		

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जगद्वन्द्य माँ शक्ति दो साधना दो

जगद्वन्द्य माँ शक्ति दो साधना दो।
अचल अर्चना दो - अटल वन्दना दो ॥
हमें भक्ति दो सर्वदा - प्रेम मण्डित।
हमें ज्योति दो वह - सदा जो अखण्डित।
न इच्छा रहे ना - बसे वासना मां।
तुम्ही में मगन मन - यही कामना दो। जगत.....
न हो हर्ष में शोक में क्षुब्ध यह मन।
सतावें न सुख-दुख - कटे मोह बन्धन।
सभी यह तुम्हारा - तुम्हारे सभी हैं।
तुम्ही सर्वमय हो - यही भावना दो॥ जगद्वन्द्य....
कभी काम की - कल्पना न कँपाये।
कभी क्रोध प्रतिशोध - होकर न आये।
जले राग की आग में - मन न मेरा।
यही धारणा दो - यही भावना दो।
विषय वासना - विष भरी है कटारी।
यही बुद्धि दे दो - बनें सदाचारी।
मिले मान अपमान - पथ में तुम्हारे।
लगें सब परमप्रिय - यही धारणा दो। जगत्वन्द्य....

जगद्वन्द्य माँ

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
		ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	–	–	–	–	सा	–	नि़
		ज	ग	द्	वं	ऽ	द्य	माँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श	ऽ	क्ति
रे	–	–	–	–	रे	–	रे	रे	सा	रे	ग	ग	–	रे	सा
दो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ध	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ज	ग	द्	वं	ऽ	द्य	माँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	ग	–	प	–	प	ध	–	–	–	–	ध	–	ध
ऽ	ऽ	ज	ग	द्	वं	ऽ	द्य	माँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श	ऽ	क्ति

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ध	प	नि	ध	प	प	–	प	प	मं	ध	प	मं	प	ग	–
दो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ध	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	ग	–	प	–	प	सां	–	ध	–	–	ध	–	ध
ऽ	ऽ	ज	ग	द्	वं	ऽ	द्य	माँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श	ऽ	क्ति
ध	प	नि	ध	प	प	–	प	प	मं	ध	प	मं	प	ग	रे
दो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ध	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	–	–	–	सा	–	–	नि̇
ऽ	ऽ	अ	च	ल	अ	ऽ	र्च	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	नि̇	नि̇	रे	रे	–	रे	रे	सा	रे	ग	ग	–	रे	सा
ऽ	ऽ	अं	टं	ल	वं	ऽ	द	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ज	ग	द्	वं	ऽ	द्य	माँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–														
ऽ	ऽ														

अन्तरा

		ग	ग	–	प	–	प	ध	–	–	–	–	ध	–	ध
		ह	में	ऽ	भ	ऽ	क्ति	दो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	र्व
ध	प	नि	ध	प	प	ग	ग	रे	सा	रे	ग	ग	–	रे	–
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	म	मं	ऽ	ऽ	ऽ	डि	ऽ	त	ऽ
–	–	रे	रे	–	रे	–	रे	रे	–	–	–	रे	–	रे	सा
ऽ	ऽ	ह	में	ऽ	ज्यो	ऽ	ति	दो	ऽ	ऽ	ऽ	व	ऽ	ह	ऽ
–	–	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	–	–	–	सा	–	सा	–
ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	जो	ऽ	अ	खँ	ऽ	ऽ	ऽ	डि	ऽ	त	ऽ
–	–	ग	ग	–	प	–	ध	सां	नि	रें	सां	ध	–	–	–
ऽ	ऽ	न	इ	ऽ	च्छा	ऽ	र	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	ध	प	ग	ग	रे	सा	रे	ग	ग	–	रे	सा
ऽ	ऽ	ब	से	ऽ	वा	ऽ	स	ना	ऽ	ऽ	ऽ	माँ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	–	सा	–	सा	–	सा	नि̇
ऽ	ऽ	तु	म्हीं	ऽ	में	ऽ	म	ग	ऽ	न	ऽ	म	ऽ	न	ऽ
–	–	नि	नि̇	रे	रे	–	रे	रे	सा	रे	ग	ग	–	रे	सा
ऽ	ऽ	यं	हीं	ऽ	का	ऽ	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–														
ऽ	ऽ														

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

वेदमाता देवमाता विश्वमाता को नमन

आस्था हम खो चुके - अज्ञान से लाचार हैं।
ज्योति पाने को नयी - आये तुम्हारे द्वार हैं॥
ज्ञान दो सद्भाव दो- सत्कर्म का दो आचरण॥ १॥ वेदमाता०॥

चाहते तो हैं बहुत पर - मनोबल से दीन हैं।
सध नहीं संकल्प पाते - साधना से हीन हैं॥
प्रेरणा दो शक्ति दो माँ - श्रेष्ठ कुछ कर लें जतन॥ २॥ वेदमाता०॥

आज पीड़ाग्रस्त है यह - विश्व सुन्दर आपका।
बन गया मानव स्वयं - कारण पतन सन्ताप का॥
हो तुम्हीं युगशक्ति अम्बे - रोक दो पीड़ा पतन॥ ३॥ वेदमाता०॥

हम तुम्हारे पूत बनकर - साधना में ढल सकें।
और बन युगदूत तेरे - मार्ग पर भी चल सके॥
शौर्य दो वैराग्य दो माँ - पाप का कर दो शमन॥ ४॥ वेदमाता०॥

विश्वमाता को नमन

स्थायी — रूपक ताल

०			१		२		०			१		२	
१	२	३	४	५	६	७	१	२	३	४	५	६	७
सा	–	रे	ग	–	ग	–	धप	ध	प	ग	रे	रे	–
वे	ऽ	द	मा	ऽ	ता	ऽ	देऽ	ऽ	व	मा	ऽ	ता	ऽ
नि॒	ध॒	नि॒	रे	–	ग	प	रे	ग	रे	सा	–	–	–
वि	ऽ	श्व	मा	ऽ	ता	ऽ	को	ऽ	न	म	न	ऽ	ऽ
							अन्तरा						
प	ग	–	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां	–	सां	–
आ	ऽ	ऽ	स्था	ऽ	ह	म	खो	ऽ	चु	के	ऽ	अ	ऽ
नि	सां	ध	नि	–	निसां	रें	नि	सां	ध	प	–	–	–
ज्ञा	ऽ	न	से	ऽ	लाऽ	ऽ	चा	ऽ	र	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
प	ग	ग	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां	–	सां	–
ज्यो	ऽ	ति	पा	ऽ	ने	ऽ	को	ऽ	न	यी	ऽ	आ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

नि	सां	ध	नि	-	निसां	रें		नि	सां	ध	प	-	प	-
ये	ऽ	तु	म्हा	ऽ	रेऽ	ऽ		द्वा	ऽ	र	हैं	ऽ	आ	ऽ
नि	-	सां	ध	-	प	-		ग	-	प	रे	-	सा	-
ये	ऽ	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ		द्वा	ऽ	र	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
सा	-	रे	ग	-	ग	-		धप	ध	प	ग	रे	रे	-
ज्ञा	ऽ	न	दो	ऽ	स	द्		भाऽ	ऽ	व	दो	ऽ	स	ऽ
नि़	ध़	नि़	रे	-	ग	प		रे	ग	रे	सा	-	-	-
त्क	ऽ	र्म	का	ऽ	दो	ऽ		आ	ऽ	च	र	ण	ऽ	ऽ

हम अपने पथ को पा जायें।

इतना विश्वास हमें दो माँ॥

तम की वेला है - राह कठिन।

कण्टक मेला है - राह कठिन॥

चौराहे पर चौराहे हैं।

पग-पग रेला है - राह कठिन॥ १॥

भटकावों में न कहीं आयें - वह पुण्य प्रकाश हमें दो माँ॥ हम०॥

बादल बिजली में होड़ ठनी।

गहरे दल-दल से राह सनी॥

पाँवों का वेग - रोकने को।

शूलों की भीड़ - लगी इतनी॥ २॥

धीरज से पाँव बढ़ा पायें - अपना मधुहास हमें दो माँ॥ हम०॥

हो बुद्धि शुद्ध - शुभ चाह बने।

हर पाँव उठे तो - राह बने॥

उठती तूफानी आँधी में।

साकार बनें जीवन सपने॥ ३॥

तम पर प्रकाश बन छा जायें - जलता हर स्वाँस हमें दो माँ॥ हम०॥

पूरी दुनियाँ के संगीत का मूल भारतीय संगीत में है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

हम अपने पथ को पा जायें

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
														प़	सा
														ह	म
–	सा–	सा	रे	सा	नि़	सा	रे	–	मग़	रे	सा	सा	–	प	प
ऽ	अप	ने	ऽ	प	थ	को	ऽ	ऽ	पाऽ	जा	ऽ	यें	ऽ	इ	त
–	म–	ग़	सा	रे	–	ग़	म	मप	ग़	–रे	सा	सा	–	प़	सा
ऽ	नाऽ	वि	ऽ	श्वा	ऽ	स	ह	मेंऽ	ऽ	ऽदो	ऽ	माँ	ऽ	ह	म
–	सा–	सा	रे	सा	नि़	सा	रे	–	मग़	रे	सा	सा	–		
ऽ	अप	ने	ऽ	प	थ	को	ऽ	ऽ	पाऽ	जा	ऽ	यें	ऽ		
						अन्तरा									
														प	–
														त	म
–	म–	ग़	सा	रे	–	ग़	म	–	ग़	–रे	सा	सा	–	प	–
ऽ	कीऽ	बे	ऽ	ला	ऽ	है	ऽ	ऽ	रा	ऽह	क	ठि	न	कं	ऽ
–	म–	ग़	सा	रे	–	ग़	म	–	ग़	–रे	सा	सा	–	म	–
ऽ	टक	मे	ऽ	ला	ऽ	है	ऽ	ऽ	रा	ऽह	क	ठि	न	चौ	ऽ
–	म	म	–	म	–	म	ग़	–	पम़	ध़	प	प	–	म	–
ऽ	रा	हे	ऽ	प	र	चौ	ऽ	ऽ	राऽ	हे	ऽ	हैं	ऽ	चौ	ऽ
–	म	म	–	म	नि़	–प़	ग़	–	पम़	ध़	प	प	–	प	–
ऽ	रा	हे	ऽ	प	र	ऽचौ	ऽ	ऽ	राऽ	हे	ऽ	हैं	ऽ	प	ग
–	म–	ग़	सा	रे	–	ग़	म	–	ग़	–रे	सा	सा	–	प़	सा
ऽ	पग़	रे	ऽ	ला	ऽ	है	ऽ	ऽ	रा	ऽह	क	ठि	न	भ	ट
–	सा–	सा	रे	सा	नि़	सा	रे	–	मग़	रे	सा	सा	–	प	प
ऽ	काऽ	वों	ऽ	में	ऽ	न	क	ऽ	हींऽ	आ	ऽ	यें	ऽ	व	ह
–	म–	ग़	सा	रे	–	ग़	म	मप	ग़	–रे	सा	सा	–		
ऽ	पुऽ	ण्य	प्र	का	ऽ	श	ह	मेंऽ	ऽ	ऽदो	ऽ	माँ	ऽ		

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

एक तुम्हीं आधार सद्गुरु

एक तुम्हीं आधार सद्गुरु।
एक तुम्हीं आधार - - - ॥

जब तक मिलो न तुम जीवन में।
शांति कहाँ मिल सकती मन में॥
खोज फिरा संसार सद्गुरु।
एक तुम्हीं आधार - - - ॥

कैसा भी हो तैरन हारा।
मिले न जब तक शरण सहारा॥
हो न सका उस पार सद्गुरु।
एक तुम्हीं आधार - - - ॥

हे प्रभु तुम ही विविध रूपों में।
हमें बचाते भव कूपों से॥
ऐसे परम उदार सद्गुरु।
एक तुम्हीं आधार - - - ॥

छा जाता जग में अँधियारा।
तब पाने प्रकाश की धारा॥
आते तेरे द्वार सद्गुरु।
एक तुम्हीं आधार - - - ॥

हम आये हैं द्वार तुम्हारे।
अब उद्धार करो दुख हारे॥
सुन लो दास पुकार सद्गुरु।
एक तुम्हीं आधार - - - ॥

संगीत आत्मिक उन्नति और स्वस्थ शरीर का साधन है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

एक तुम्हीं आधार

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	रे	रे	रे	रे	सा	रेप	मप	ग	–	–	म	रे	रेग	सा	सा
ए	ऽ	क	तु	म्हीं	ऽ	आऽ	ऽऽ	धा	ऽ	ऽ	र	स	दुऽ	गु	रु
सा	नि़	रे	सा	ध़	–	नि़	–	सा	–	–	–	–	–	–	–
ए	ऽ	क	तु	म्हीं	ऽ	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	र	०	०	०	०

अन्तरा

सा	सा	रे	रे	ग	ग	म	म	प	प	प	–	म	म	प	–
ज	ब	त	क	मि	लो	ऽ	न	तु	म	जी	ऽ	व	न	में	ऽ
म	–	म	म	प	–	प	प	म	प	नि़	प	मगु	म	रे	सा
शा	ऽ	न्ति	क	हाँ	ऽ	मि	ल	स	क	ती	ऽ	मऽ	न	में	ऽ
सा	सा	रे	रे	ग	ग	म	म	नि़	ध	म	–	प	प	प	–
ज	ब	त	क	मि	लो	ऽ	न	तु	म	जी	ऽ	व	न	में	ऽ
म	–	म	म	प	–	प	प	म	प	नि़	प	मगु	म	रे	सा
शा	ऽ	न्ति	क	हाँ	ऽ	मि	ल	स	क	ती	ऽ	मऽ	न	में	ऽ
सा	रे	रे	रे	रे	सा	रेप	मप	ग	–	–	म	रे	रेग	सा	सा
खो	ऽ	जे	फि	रा	ऽ	संऽ	ऽऽ	सा	ऽ	ऽ	र	स	दुऽ	गु	रु
सा	नि़	रे	सा	ध़	–	नि़	–	सा	–	–	–	–	–	–	–
ए	ऽ	क	तु	म्हीं	ऽ	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	र	०	०	०	०

ज्योति से ज्योति जगाओ सद्गुरु

ज्योति से ज्योति जगाओ सद्गुरु।
अन्तर तिमिर मिटाओ सद्गुरु॥
हे परमेश्वर हे सर्वेश्वर।
निज किरणें दर्शाओ सद्गुरु॥
हे योगेश्वर हे ज्ञानेश्वर।
अवगुण दूर भगाओ सद्गुरु॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

हम बालक तेरी शरण में आये।
दिव्य दरश दिखलाओ सद्गुरु॥

हाथ जोड़कर करें आरती।
प्रेम सुधा बरसाओ सद्गुरु॥

अन्तर में युग-युग से सोई।
सोई शक्ति जगाओ सद्गुरु॥

साँची ज्योति जगे अन्तर में।
सोऽहम नाद जगाओ सद्गुरु॥

जीवन में श्री राम अविनाशी।
चरण की शरण लगाओ सद्गुरु॥

ज्योति से ज्योति जगाओ सद्गुरु

				स्थायी								कहरवा ताल			
x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प़	सा	सा	रे	नि़	-	सा	रे	मगु	-मु	रेगु	सारे	नि़	निरे	सा	सा
ज्यो	ऽ	ति	से	ज्यो	ऽ	ति	ज	गाऽ	ऽऽ	ओऽ	ऽऽ	स	दुऽ	गु	रु
प़	सा	सा	रे	नि़	नि़	सा	रे	मगु	-मु	रेगु	सारे	नि़	निरे	सा	सा
अं	ऽ	त	र	ति	मि	र	मि	टाऽ	ऽऽ	ओऽ	ऽऽ	स	दुऽ	गु	रु
				अन्तरा											
नि़	सा	गु	म	प	-	प	प	गु	म	नि़	प	गु	-मु	रे	सा
हे	ऽ	प	र	मे	ऽ	श्व	र	हे	ऽ	स	ऽ	वें	ऽऽ	श्व	र
नि़	सा	गु	म	पनि़	धनि़	प	प	गु	म	नि़	प	गु	-मु	रे	सा
हे	ऽ	प	र	मेऽ	ऽऽ	श्व	र	हे	ऽ	स	ऽ	वें	ऽऽ	श्व	र
प़	सा	सा	रे	नि़	-	सा	रे	मगु	-मु	रेगु	सारे	नि़	निरे	सा	सा
नि	ज	कि	र	णें	ऽ	द	ऽ	शाऽ	ऽऽ	ओऽ	ऽऽ	स	दुऽ	गु	रु

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

श्रद्धा सहित जो आया

श्रद्धा सहित जो आया - गुरुदेव की शरण में।
स्वर्णिम सुयोग पाया - गुरुदेव की शरण में।

विपरीत आँधियों में - जो पाँव डगमगाये।
जिनको डरा रहे हैं- हर पल कुरूप साये।
उनमें नई उमंगें - उत्साह प्राण भरती।
शीतल सुरम्य छाया - गुरुदेव की शरण में।।

गुरुदेव से जुड़ा जो - मन से विमल बना है।
कल जो रहा मरुस्थल - शीतल सजल बना है।
सूखे हुए हृदय में संवेदना बहायी।
जब शीश यह झुकाया - गुरुदेव की शरण में।।

गुरुदेव की कृपा का बादल सदा बरसता।
लेकिन कठोर पत्थर - जब बूँद को तरसता।
पाता कृपा कि जिसने - व्यक्तित्व झील जैसा।
विस्तृत गहन बनाया - गुरुदेव की शरण में।।

धुलने लगे तभी से - कल्मष जनम जनम के।
कटने लगे कठिनतम - भ्रमपाश घोर तम के।
गुरु ने कुशल करों से -हीरा हमें बनाया।
आलोक जगमगाया - गुरुदेव की शरण में।।

चरणारविंद का जो मकरन्द बन गया है।
दैवी सुगंध पाकर - वह वंद्य बन गया है।
छल छद्म छोड़ सारे - सबसे मिला हृदय से।
कोई नहीं पराया - गुरुदेव की शरण में।।

सामान्यत: संगीत के मुख्य उद्देश्य सौन्दर्यानुभूति, हृदय की शिक्षा, नैतिकता की अभिवृद्धि तथा आनन्द की प्राप्ति है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

श्रद्धा सहित जो आया

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
														सा	रे
														श्र	ऽ
गु॒	प	–	–	ध	ध	सां	प	ध	–	ध	–	–	–	प	ध
द्धा	ऽ	ऽ	ऽ	स	हि	त	जो	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	गु	रु
प	–	–	गु॒	रे	गु॒	प	गु॒	रे	सा	सा	–	–	–	प	ध
दे	ऽ	ऽ	ऽ	व	की	ऽ	श	र	ण	में	ऽ	ऽ	ऽ	स्व	ऽ
सां	–	–	–	सां	सां	गुं॒	रें	सां	–	–	नि	ध	नि॒	प	ध
र्णि	म	ऽ	ऽ	सु	यो	ऽ	ग	पा	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	स्व	ऽ
सां	–	–	–	सां	सां	गुं॒	रें	सां	–	सां	–	–	–	ध	ध
र्णि	म	ऽ	ऽ	सु	यो	ऽ	ग	पा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	गु	रु
ध	–	–	–	प	ग	ध	प	प	–	प	–	गु॒	रे	सा	रे
दे	ऽ	ऽ	ऽ	व	की	ऽ	श	र	ण	में	ऽ	ऽ	ऽ	श्र	ऽ
गु॒	प	–	–	ध	ध	सां	प	ध	–	ध	–	–	–	प	ध
द्धा	ऽ	ऽ	ऽ	स	हि	त	जो	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	गु	रु
प	–	–	गु॒	रे	गु॒	प	गु॒	रे	सा	सा	–	–	–	–	–
दे	ऽ	ऽ	ऽ	व	की	ऽ	श	र	ण	में	ऽ	ऽ	ऽ	०	०
					अन्तरा										
सां	–	सां	–	सां	सां	रें	सां	नि	प	ध	–	–	–	प	म॑
वि	प	री	ऽ	त	आँ	ऽ	धि	यों	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रे	म॑	म॑	–	प	प	नि॒	नि॒	ध	प	प	–	–	–	–	–
जो	ऽ	पाँ	ऽ	व	ड	ग	म	गा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	सां	रें	सां	नि	प	ध	–	–	–	प	म॑
जि	न	को	ऽ	ड	रा	ऽ	र	हे	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रे	म॑	म॑	–	प	प	नि॒	नि॒	ध	प	प	–	–	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ह	र	प	ल	कु	रू	ऽ	प	सा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रें	–	रें	–	रें	रें	–	सां	प	ध	ध	–	प	–	–	–
उ	न	में	ऽ	न	ई	ऽ	उ	मं	ऽ	गें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	–	प	ग	ध	प	प	–	प	–	गु	रे	सा	रे
उ	ऽ	त्सा	ऽ	ह	प्रा	ऽ	ण	भ	र	ती	ऽ	ऽ	ऽ	शी	ऽ
गु	प	–	–	ध	ध	सां	प	ध	–	ध	–	–	–	प	ध
त	ल	ऽ	ऽ	सु	र	ऽ	म्य	छा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	गु	रु
प	–	–	गु	रे	गु	प	गु	रे	सा	सा	–	–	–		
दे	ऽ	ऽ	ऽ	व	की	ऽ	श	र	ण	में	ऽ	ऽ	ऽ		

तुम्हारे पद्म चरणों में

नमन सौ बार है गुरुवर॥
कृपा की एक किरण दे दो - दु:खी संसार है गुरुवर॥

कृपा से आपकी नद भी - सुपावन नीर बन जाता।
कृपा पाकर मरुस्थल भी - कि गंगा तीर बन जाता॥ १॥

मनुजता पर तुम्हारा तो -बहुत आभार है गुरुवर॥ तुम्हारे०॥

तुम्हें छू लौह कण भी हो गए - अनमोल कञ्चन से।
निरर्थक वृक्ष भी सुरभित - हुए हर ओर चन्दन से॥ २॥

सहज सान्निध्य से सब का - किया उपकार है गुरुवर॥ तुम्हारे०॥

तुम्हीं ने सूत्र सिखलाया - विचारों को बदलने का।
तिमिर में आचरण बल से - दिए की भाँति जलने का॥ ३॥

प्रखरता की मिली तुमसे - हमें पतवार है गुरुवर॥ तुम्हारे०॥

तुम्हारी ज्ञान गंगा की - सुधा सबको पिलायेंगे।
हृदय निष्प्राण हैं जिनके - सरस उनको बनायेंगे॥ ४॥

बने जीवन्त वे जिनको - सृजन स्वीकार है गुरुवर॥ तुम्हारे०॥

समर्पित ज्यों शिवाजी का - गुरु के वास्ते प्रण था।
विवेकानन्द का गुरु के - लिए जैसा समर्पण था॥ ५॥

हमारे कर्म चिन्तन पर - वही अधिकार है गुरुवर॥ तुम्हारे०॥

छन्दोहीनो न शब्दोऽस्ति न छन्दः शब्दवर्जितः (शौनक)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तुम्हारे पद्म चरणों में

स्थायी

विलम्बित दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
		-प़	प़	नि़	सा	ग	-	-म	रे	सा	नि़
		०तु	म्हा	रे	ऽ	प	ऽ	द्म	चर	णों	ऽ
सा	-	-सा	साप	प	ध	म	-	-प	ग	सा	गरे
में	ऽ	ऽन	मन	सौ	ऽ	बा	ऽ	ऽर	है	ऽ	गुरु
सा	नि़	-प	प़	नि़	सा	ग	-	-म	रे	-	सानि़
वर	ऽ	ऽन	मन	सौ	ऽ	बा	ऽ	ऽर	है	ऽ	गुरु
सा	-	-ग	ग	म	ध	ध	ध	-ध	पम	म-	धप
वर	०	ऽकृ	पा	की	ऽ	ए	क	ऽकि	रण	देऽ	ऽऽ
प	-	-ग	ग	म	सां	ध	ध	-ध	पम	म-	धप
दो	ऽ	ऽकृ	पा	की	ऽ	ए	क	ऽकि	रण	देऽ	ऽऽ
प	-	-प	प	प	ध	म	-	-प	ग	सा	गरे
दो	ऽ	ऽदु	खी	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	है	ऽ	गुरु
सा	नि़	-प	प़	नि़	सा	ग	-	-म	रे	-	सानि़
वर	ऽ	ऽदु	खी	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	है	ऽ	गुरु
सा	-										
वर	०										

अन्तरा

		-सा	सा	सा	रे	नि़	-	नि़	ध़	ध़	नि़
		०कृ	पा	से	ऽ	आ	ऽ	ऽप	की	न	द
ध़	प़	-प	नि़	नि़	-	सा	ग़	-ग	रेसा	रेग़	रेसा
भी	ऽ	ऽसु	पा	व	न	नी	ऽ	ऽर	बऽ	नऽ	जाऽ
सा	-	-ग	ग	ग	-	म	-	-म	पम	ध-	-प
ता	ऽ	ऽकृ	पा	पा	ऽ	कर	ऽ	ऽम	रुऽ	स्थऽ	ऽल
मग़	-	-ग	ग़	म	प	मग़	मनि़	पम	ग़	रे	सा

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

भीऽ	ऽ	ऽकि	गं	गा	ऽ	तीऽ	ऽऽ	ऽर	बन	जा	ऽ
सा	–	-ग	ग	म	ध	ध	–	-ध	पम	म–	धप
ता	ऽ	ऽम	नुज	ता	ऽ	पर	ऽ	ऽतु	म्हाऽ	राऽ	ऽऽ
प	–	-ग	ग	म	सां	ध	–	-ध	पम	म–	धप
तो	ऽ	ऽम	नुज	ता	ऽ	पर	ऽ	ऽतु	म्हाऽ	राऽ	ऽऽ
प	–	-प	प	प	ध	म	–	-प	ग	सा	गरे
तो	ऽ	ऽब	हुत	आ	ऽ	भा	ऽ	ऽर	है	ऽ	गुरु
सा	नि़	-प	प़	नि़	सा	ग	–	-म	रे	–	सानि़
वर	ऽ	ऽब	हुत	आ	ऽ	भा	ऽ	ऽर	है	ऽ	गुरु
सा	–										
वर	०										

हम लौह खण्ड ही हैं

हम लौह खण्ड ही हैं, पारस हमें छुला दो।
हैं आप सिद्ध पारस, सोना हमें बना दो॥
नीरस हुआ है जीवन - संवेदना नहीं है।
हैं प्राण, पर उछलती -सद्प्रेरणा नहीं है॥
अमृत कलश छलककर - अमृत हमें पिला दो॥
हम लौह खण्ड ही हैं।

मृग-सा भटक रहे हैं - हो कामना ग्रसित हम।
हे आप्त काम गुरुवर - हो कामधेनु ही तुम॥
पय-तृप्ति का पिलाकर - निष्काम ही बना दो॥
हम लौह खण्ड ही हैं।

हम कल्पना जगत में - रहे सदा भटकते।
मिलती न शांति-छाया - रहते हैं सिर पटकते॥
हे कल्पवृक्ष! अपनी छाया, सुखद दिला दो।
हम लौह खण्ड ही हैं।

गुरुमंत्र आपका ही - आकार हो गया है।
प्रज्ञा स्वरूप ही तो - साकार हो गया है॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आनन्द कन्द हमको - आनन्द रस चखा दो।
हम लौह खण्ड ही हैं।
प्रज्ञा प्रकाश में हम - बढ़ते चलें निरन्तर।
सोपान साधना के - चढ़ते चले निरन्तर।।
उज्ज्वल भविष्य से अब - अविलम्ब ही पिला दो।
हम लौह खण्ड ही हैं।

हम लौह खण्ड ही हैं

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प	–	प	म	ग़	ग़	म	ग़	ग़	सा	सा	–	–	–	–	–
ह	म	लौ	ऽ	ह	खं	ऽ	ड	ही	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	प	प	प	प	ध	म	प	सां	–	–	नि़	प	–	म	ग़
पा	ऽ	र	स	ह	में	ऽ	छु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	नि़	रें	सां	सां	–	सां	–	नि़	–	ध	–
हैं	ऽ	आ	ऽ	प	सि	ऽ	द्ध	पा	ऽ	र	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	ध	–	ध	नि़	सां	ध	नि़	प	प	–	ध	नि़	सां	–
सो	ऽ	ना	ऽ	ह	में	ऽ	ब	ना	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	नि़	रें	सां	सां	–	सां	–	नि़	–	ध	–
हैं	ऽ	आ	ऽ	प	सि	ऽ	द्ध	पा	ऽ	र	स	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	ध	–	ध	नि़	सां	ध	नि़	प	ध	म	प	ग़	म	ग़
सो	ऽ	ना	ऽ	ह	में	ऽ	ब	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म	ग़	ग़	म	ग़	ग़	सा	सा	–	–	–	–	–
ह	म	लौ	ऽ	ह	खं	ऽ	ड	ही	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	प	प	प	प	ध	म	प	सां	–	–	नि़	प	–	म	ग़
पा	ऽ	र	स	ह	में	ऽ	छु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म	ग़	ग़	म	ग़	ग़	सा	सा	–	–	–	–	–
ह	म	लौ	ऽ	ह	खं	ऽ	ड	ही	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

अन्तरा

सां	–	सां	सां	सां	नि̲	रें	सां	सां	–	सां	–	नि̲	–	ध	–
नी	ऽ	र	स	हु	आ	ऽ	है	जी	ऽ	व	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	ध	–	ध	नि̲	सां	ध	नि̲	प	प	–	ध	नि̲	सां	–
सं	ऽ	वे	ऽ	द	ना	ऽ	न	हीं	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	नि̲	रें	सां	सां	–	सां	–	नि̲	–	ध	–
है	ऽ	प्रा	ऽ	ण	प	र	ऽ	छ	ल	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	ध	–	ध	नि̲	सां	ध	नि̲	प	ध	म	प	ग̲	म	ग̲
स	द्	प्रे	ऽ	र	णा	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म	ग̲	ग̲	म	ग̲	ग̲	सा	सा	–	–	–	–	–
अ	ऽ	मृ	त	क	ल	श	छ	ल	क	क	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	प	प	प	प	ध	म	प	सां	–	–	नि̲	प	–	म	ग̲
अ	ऽ	मृ	त	ह	में	ऽ	पि	ला	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ

हरि ओम हरि ओम सब मिल गाओ

हरि ॐ हरि ॐ सब मिल गाओ।
काम करो हरि का सब हरि के हो जाओ॥

बैर भाव सब दूर भगाओ।
तू-तू मैं-मैं अलग हटाओ॥
एक पिता के पुत्र सभी हैं।
आपस में सब प्रेम बढ़ाओ॥ हरि ॐ०॥

दीन-हीन अब मत कहलाओ।
अपनी सोई शक्ति जगाओ॥
लेना-लेना ही मत सोचो।
सब के सुख-दाता बन जाओ॥ हरि ॐ०॥

सुख को बाँटो - दुख बँटाओ।
जन-जन में अपनत्व जगाओ॥
पाप पतन का चक्र काट दो।
अन्तर का देवत्व जगाओ॥ हरि ॐ०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

मन में श्रद्धा भाव जगाओ।
जन-जन के सेवक बन जाओ।।
सब में अपने प्रभु को देखो।
सादर सबको शीश झुकाओ।। हरि ॐ०।।

हरि ओम सब मिल गाओ

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
०	रे	रेसा	रे	मग	-म	रे	सा	०	नि	धनि	नि	सा	-	सा	-
x	ह	रिओ	म	हऽ	रिऽ	ओ	म	x	स	बमि	ल	गा	ऽ	ओ	ऽ
०	रे	रेम	म	प	-	प	-	०	म	पनि	प	ग	-म	रे	सा
x	स	बमि	ल	गा	ऽ	ओ	ऽ	x	स	बमि	ल	गा	ऽऽ	ओ	ऽ
०	रे	रेम	म	पनि	धनि	प	-	०	म	पनि	प	ग	-म	रे	सा
x	स	बमि	ल	गाऽ	ऽऽ	ओ	ऽ	x	स	बमि	ल	गा	ऽऽ	ओ	ऽ
०	रे	रेसा	रे	मग	-म	रे	सा	०	नि	धनि	नि	सा	-	सा	-
x	का	मक	रो	हऽ	रिऽ	का	सब	x	ह	रिके	हो	जा	ऽ	ओ	ऽ
०	रे	रेसा	रे	मग	-म	रे	सा	०	नि	धनि	नि	सा	-	सा	-
x	ह	रिओ	म	हऽ	रिऽ	ओ	म	x	स	बमि	ल	गा	ऽ	ओ	ऽ

अन्तरा

०	प	मध	प	ग	-म	रे	सा	०	रे	-म	म	प	-	प	-
x	बै	ऽर	भा	ऽ	ऽव	स	ब	x	दू	ऽर	भ	गा	ऽ	ओ	ऽ
०	ध	-ध	-	ध	-	ध	-	०	सां	निनि	सां	ध	-	प	-
x	तू	ऽतु	ऽ	मैं	ऽ	मैं	ऽ	x	अ	लग	ह	हा	ऽ	ओ	ऽ
०	प	-नि	नि	सां	-	सां	-	०	सां	निरें	सां	ध	-नि	प	-
x	ए	ऽक	पि	ता	ऽ	के	ऽ	x	पु	ऽत्र	स	भी	ऽऽ	हैं	ऽ
०	प	-नि	नि	सांगं	रेगं	सां	-	०	सां	निरें	सां	ध	-नि	प	-
x	ए	ऽक	पि	ताऽ	ऽऽ	के	ऽ	x	पु	ऽत्र	स	भी	ऽऽ	हैं	ऽ
०	रे	-म	म	प	-	म	प	प	सां	-नि	प	ग	-म	रे	सा
x	आ	ऽप	स	में	ऽ	स	ब	प्रे	ऽ	ऽम	ब	ढ़ा	ऽऽ	ओ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तुम्हारे दिव्य दर्शन की हम इच्छा ले के आये हैं।

तुम्हारे दिव्य दर्शन की हम इच्छा ले के आये हैं।
पिलादो प्रेम का अमृत पिपासा लेके आये हैं।

रतन अनमोल लाते लाने वाले भेंट को तेरी।
प्रभो हम आँसुओं की मंजु माला लेके आये हैं।

जगत के रंग सब फीके तू अपने रंग में रँग दे।
हम अपना यह महा बदरंग बाना लेके आये हैं।

प्रकाशान्नद हो जायें प्रभु अँधेरी कुटिया में।
तुम्हारा आसरा विश्वास आशा लेके आये हैं।

तुम्हारे दिव्य दर्शन की

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
			सा	सा	रे	सा	नि̇	–	सा	ग	ग	ग	सा	ग	म́
			तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	दि	ऽ	व्य	द	र	श	न
प	–	–	प	म́	ग	ग	रे	–	म́	–	प	ग	–	रे	–
की	ऽ	ऽ	हम	इ	ऽ	च्छा	ऽ	ऽ	ले	ऽ	के	आ	ऽ	ये	ऽ
सा	–	–	सा	सा	रे	सा	नि̇	–	सा	ग	ग	ग	सा	ग	म́
हैं	ऽ	ऽ	पि	ला	ऽ	दो	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	म	का	ऽ	अ	ऽ
प	–	–	प	म́	ग	ग	रे	–	म́	–	प	ग	–	रे	–
मृ	त	ऽ	पि	पा	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ले	ऽ	के	आ	ऽ	ये	ऽ
सा	–	–													
हैं	ऽ	ऽ													

अन्तरा

			प	प	–	नि	–	सां	–	–	सां	नि	ध	नि	रें
			ज	ग	त	के	ऽ	रं	ऽ	ऽ	ग	स	ब	फी	ऽ
सां	–	–	नि	नि	ध	ध	प	–	प	नि	ध	प	ग	म́	ध
के	ऽ	ऽ	तू	अ	प	ने	ऽ	ऽ	रं	ऽ	ग	में	ऽ	रँ	ग
प	–	–	प	म́	ग	ग	रे	–	म́	–	प	ग	–	रे	–
दे	ऽ	ऽ	तू	अ	प	ने	ऽ	ऽ	रं	ऽ	ग	में	ऽ	रँ	ग

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सा	–	–	सा	सा	रे	सा	नि	–	सा	ग	ग	ग	सा	ग	म॑
दे	ऽ	ऽ	हम	अ	प	ना	ऽ	ऽ	य	ह	म	हा	ऽ	ब	द
प	–	–	प	म॑	ग	ग	रे	–	म॑	–	प	ग	–	रे	–
रं	ऽ	ऽ	ग	बा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ले	ऽ	के	आ	ऽ	ये	ऽ
सा	–	–													
हैं	ऽ	ऽ													

चलना सिखा दिया है

चलना सिखा दिया है गलना सिखा दिया है।
घनघोर आँधियों में जलना सिखा दिया है॥

हम को मिला हुआ है गुरुदेव का महाबल
माँ ने हमें दिया है अपना पुनीत आँचल
इस प्यार के सहारे ढलना सिखा दिया है।
घनघोर आँधियों में जलना सिखा दिया है॥

सुख दुख यहाँ हैं दोनों मैदान और दल-दल
संसार एक पथ है जिसमें न फूल केवल॥
काँटो भरी डगर में चलना सिखा दिया है।
घनघोर आँधियों में जलना सिखा दिया है॥

चारों तरफ पड़े हैं छल छद्म पाँव डाले
आस्तीन में छुपे हैं अपने ही नाग काले
उनकी चुनौतियों को दलना सिखा दिया है।
घनघोर आँधियों में जलना सिखा दिया है॥

फूलों की सेज के तो इच्छुक सभी यहाँ पर
लेकिन प्रकाश के कण दिखते नहीं कहीं पर
तम की महानिशा में पलना सिखा दिया है।
घनघोर आँधियों में जलना सिखा दिया है॥

साधन भरे पड़े हैं पर साधना नहीं है
भगवान तो वही है आराधना नहीं है।
अपनी उपासना को फलना सिखा दिया है।
घनघोर आँधियों में जलना सिखा दिया है॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

चलना सिखा दिया है

स्थायी

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
ग	ग	ग	प	प	ध	प	ध	सां	–	–	नि	ध	प	सां	–
च	ल	ना	ऽ	सि	खा	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
नि	नि	नि	सां	ध	ध	म	म	म	ध	–	प	म	ग	रे	सा
ग	ल	ना	ऽ	सि	खा	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	ग	प	प	ध	प	ध	सां	–	–	नि	ध	प	सां	–
च	ल	ना	ऽ	सि	खा	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
गं	–	गं	–	गं	रें	मं	गं	सां	–	नि	सां	ध	–	प	–
घ	न	घो	ऽ	र	आँ	ऽ	धि	यों	ऽ	ऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ
नि	नि	नि	सां	ध	ध	म	म	म	ध	–	प	म	ग	रे	सा
ज	ल	ना	ऽ	सि	खा	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	ग	प	प	ध	प	ध	सां	–	–	नि	ध	प	सां	–
च	ल	ना	ऽ	सि	खा	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

प	–	प	–	प	प	ग	म	ध	–	ध	–	ग	म	ध	–
ह	म	को	ऽ	मि	ला	ऽ	हु	आ	ऽ	है	ऽ	०	०	०	०
नि	नि	नि	सां	ध	ध	म	म	ध	प	प	–	मं	प	म	ग
गु	रु	दे	ऽ	व	का	ऽ	म	हा	ऽ	ब	ल	०	०	०	०
प	–	प	–	प	प	ग	म	ध	–	ध	–	ग	म	ध	–
माँ	ऽ	ने	ऽ	ह	में	ऽ	दि	या	ऽ	है	ऽ	०	०	०	०
नि	नि	नि	सां	ध	ध	म	म	ध	प	प	–	ध	सां	रें	गं
अ	प	ना	ऽ	पु	नी	ऽ	त	आँ	ऽ	च	ल	०	०	०	०
गं	–	गं	–	गं	रें	मं	गं	सां	–	नि	सां	ध	–	प	–
इ	स	प्या	ऽ	र	के	ऽ	स	हा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
नि	नि	नि	सां	ध	ध	म	म	म	ध	–	प	म	ग	रे	सा
ढ	ल	ना	ऽ	सि	खा	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

कहरवा ताल

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ऐसा कोई सुमन नहीं है

ऐसा कोई सुमन नहीं है - जो न खिला इस धरती पर।
कितना प्यार भरा है इसमें - शान्तिकुंज कितना सुन्दर॥
पावन प्रेम पिता का इसमें - माँ का मधुर दुलार भरा।
स्नेह भरा भाई भाई में - बहनों का सत्कार भरा॥
गूँजा करते गान यहाँ पर - मानवीय गौरव के स्वर॥
जहाँ अखण्ड ज्योति जलती है - जग उजियारा करती है।
अंधकार कर दूर आतमा - में नूतन बल भरती है॥
संस्कृति के संदीप यहाँ पर - रहते हैं प्रतिपल भरकर॥
सेवा के सन्देश रात दिन - यहाँ पुकारा करते हैं।
यहाँ शत्रु तक अपने मन का - मैल बुहारा करते हैं॥
अर्ध निशा में गीत सुनाती - गंगा की कल-कल हर-हर॥
यज्ञ यहाँ की प्राणवायु में - बल आरोग्य बढ़ाते हैं।
सविता नित नूतन किरणों से - जिसका मान बढ़ाते हैं॥
यहाँ स्वयं गायत्री माता - हाथ फेरती है सिर पर॥
एक बार आने से इसमें - मन भर जाया करता है।
बार-बार आने को फिर - जी ललचाया करता है॥
ऐसी ममता प्यार महत्ता - छाई रहती इस दर पर॥
शान्तिकुंज से दिव्य भावनाएँ - भरकर ले जाना तुम।
मुरझाये धरती अम्बर में - यह प्रकाश फैलाना तुम॥
रहे न कोई स्नेह शून्य जन - प्रेम भाव भरना घर-घर॥

ऐसा कोई सुमन नहीं है

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	–	सा	रे	ग़	–	ध़	–	प	म	प	ग़	म	–	म	–
ऐ	ऽ	सा	ऽ	को	ऽ	ई	ऽ	सु	म	न	न	हीं	ऽ	है	ऽ
म	–	म	प	प	म	म	ग़	ग़	म	म	प	प	–	–	–
जो	ऽ	न	खि	ला	ऽ	इ	स	ध	र	ती	ऽ	प	र	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

प	ध़	ध़	–	ध़	–	ध़	प	नि़	ध़	ध़	प	प	म	म	ग़
कि	त	ना	ऽ	प्या	ऽ	र	भ	रा	ऽ	है	ऽ	इ	स	में	ऽ
ग़	–	म	प	–	ध़	प	म	म	–	म	ग़	रे़	ग़	रे़	सा
शा	ऽ	न्ति	कुं	ऽ	ज	कि	त	ना	ऽ	सुं	ऽ	द	र	ऽ	ऽ
सा	–	सा	रे़	ग़	–	ध़	–	प	म	प	ग़	म	–	म	–
ऐ	ऽ	सा	ऽ	को	ऽ	ई	ऽ	सु	म	न	न	हीं	ऽ	है	ऽ
						अन्तरा									
सां	–	सां	नि़	नि़	ध़	ध़	नि़	नि़	सां	सां	–	सां	–	सां	–
पा	ऽ	व	न	प्रे	ऽ	म	पि	ता	ऽ	का	ऽ	इ	स	में	ऽ
सां	गुं	गुं	–	रें़	गुं	रें़	सां	सां	–	–	सां	सां	–	नि़	ध़
माँ	ऽ	का	ऽ	म	धु	र	दु	ला	ऽ	र	भ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
सां	रें़	रें़	रें़	रें़	–	रें़	सां	गुं	रें़	रें़	सां	सां	नि़	नि़	ध़
स्त्रे	ऽ	ह	भ	रा	ऽ	भा	ऽ	ई	ऽ	भा	ऽ	ई	ऽ	में	ऽ
नि़	सां	सां	नि़	ध़	–	प	म	म	प	प	नि़	ध़	–	–	प
ब	ह	नों	ऽ	का	ऽ	स	ऽ	त्का	ऽ	र	भ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	नि़	नि़	सां	ध़	–	प	म	म	–	म	ग़	रे़	ग़	रे़	सा
ब	ह	नों	ऽ	का	ऽ	स	ऽ	त्का	ऽ	र	भ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	सा	रे़	ग़	–	ध़	–	प	म	प	ग़	म	–	म	–
गूँ	ऽ	जा	ऽ	क	र	ते	ऽ	गा	ऽ	न	य	हाँ	ऽ	प	र
सां	–	ध़	–	म	–	रे़	–	ग	–	ग़	रे़	सा	–	–	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सा	–	सा	रे़	ग़	–	ध़	–	प	म	प	ग़	म	–	म	–
गूँ	ऽ	जा	ऽ	क	र	ते	ऽ	गा	ऽ	न	य	हाँ	ऽ	प	र
म	–	म	प	–	म	म	ग़	ग़	म	म	प	प	–	–	–
मा	ऽ	न	वी	ऽ	य	गौ	ऽ	र	व	के	ऽ	स्व	र	ऽ	ऽ
प	ध़	ध़	–	ध़	–	ध़	प	नि़	ध़	ध़	प	प	म	म	ग़
कि	त	ना	ऽ	प्या	ऽ	र	भ	रा	ऽ	है	ऽ	इ	स	में	ऽ
ग़	–	म	प	–	ध़	प	म	म	–	म	ग़	रे़	ग़	रे़	सा
शा	ऽ	न्ति	कुं	ऽ	ज	कि	त	ना	ऽ	सुं	ऽ	द	र	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

स्वस्थ शरीर स्वच्छ मन

स्वस्थ शरीर स्वच्छ मन अपना - सभ्य समाज बनायेंगे।
नया सबेरा नया उजाला - इस धरती पर लायेंगे॥
बेला आई नये सृजन की - नयी उमंगें ले जीवन की।
सोने वाले पछतायेंगे - बढ़ने वाले यश पायेंगे॥
युग साधक बन तन मन धन से हम युग धर्म निभायेंगे॥
यह शरीर मन्दिर है प्रभु का - यह अणु में प्रमाण है विभु का।
इसे असंयम सता न पाये - संयम स्वस्थ बलिष्ठ बनायें॥
नवयुग के अनुरूप श्रेष्ठ हम - निज अभ्यास बनायेंगे॥
मन ही शत्रु, मित्र भी मन है - इस पर आधारित जीवन है।
भव बन्धन मन का विकार है - मुक्ति इसी का संस्कार है॥
मन ही सच्चा आसन प्रभु का - इसको स्वच्छ बनायेंगे॥
नवयुग श्रेष्ठ समाज रचेगा - प्रेम क्षेम सहकार बढ़ेगा।
मूढ़ रूढ़ियाँ हम तोड़ेंगे - संस्कृति सूत्रों को जोड़ेंगे॥
सतयुग जैसे शुभ समाज को - फिर साकार बनायेंगे॥

स्वस्थ शरीर स्वच्छ मन

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	प्	प	प	प	–	प	प	–	ध़	नि़	सां	नि़	ध़	प	–
स्व	ऽ	स्थ	श	री	ऽ	र	स्व	ऽ	च्छ	म	न	अ	प	ना	ऽ
प	सां	सां	सां	नि़	–	ध़	प	प	–	ध़	प	म	–	ग़	–
स	ऽ	भ्य	स	मा	ऽ	ज	ब	ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ
ग़	ग़	–	ग़	रे	–	ग़	–	रे	ग़	–	ग़	रे	–	ग़	–
न	या	ऽ	स	वे	ऽ	रा	ऽ	न	या	ऽ	उ	जा	ऽ	ला	ऽ
नि़	–	सा	–	रे़	–	म	–	ग़	–	रे़	सा	सा	–	–	–
इ	स	ध	र	ती	ऽ	प	र	ला	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

प	सां	सां	–	सां	–	सां	–	नि̲	नि̲	–	ध	प	ध	ध	म
बे	ऽ	ला	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	न	ये	ऽ	सृ	ज	न	की	ऽ
म	प	–	प	प	–	प	ध̲	सां	नि̲	ध̲	प	प	–	प	–
न	ई	ऽ	उ	मं	ऽ	गें	ऽ	ले	ऽ	जी	ऽ	व	न	की	ऽ
प	सां	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–	गं̲	–
सो	ऽ	ने	ऽ	वा	ऽ	ले	ऽ	प	छ	ता	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ
–	–	–	–	रें̲	–	सां	नि̲	नि̲	सां	सां	–	सां	–	सां	रें̲
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	ढ़	ने	ऽ	वा	ऽ	ले	ऽ
मं	गं̲	रें̲	सां	सां	–	सां	–	प	सां	सां	–	सां	–	सां	–
य	श	पा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	सो	ऽ	ने	ऽ	वा	ऽ	ले	ऽ
नि̲	–	नि̲	ध	प	ध	ध	म	म	प	प	–	प	–	प	ध̲
प	छ	ता	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ब	ढ़	ने	ऽ	वा	ऽ	ले	ऽ
सां	नि̲	ध̲	प	प	–	प	–	सा	प	प	प	प	–	प	प
य	श	पा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	न	व	यु	ग	के	ऽ	अ	नु
प	ध̲	नि̲	सां	नि̲	ध̲	प	–	प	सां	सां	–	नि̲	–	ध̲	प
रू	ऽ	प	श्रे	ऽ	ष्ठ	ह	म	नि	ज	अ	ऽ	भ्या	ऽ	स	ब
प	–	ध̲	प	म	–	गु̲	–	गु̲	गु̲	–	गु̲	रे	–	गु̲	–
ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	न	या	ऽ	स	वे	ऽ	रा	ऽ
रे	गु̲	–	गु̲	रे	–	गु̲	–	नि̲	–	सा	–	रे̲	–	म	–
न	या	ऽ	उ	जा	ऽ	ला	ऽ	इ	स	ध	र	ती	ऽ	प	र
गु̲	–	रे̲	सा	सा	–	–	–								
ला	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ								

देख खुला है द्वार पुजारी

देख खुला है द्वार पुजारी।
बैठ गया क्यों फेंक धूल में - फूलों का यह हार पुजारी॥
स्वर्ण कमल से खिले हुए हैं- मन्दिर के वे कलश मनोहर॥
मलयानिल के मृदु अंचल में - फहर रहा के तन पट सुन्दर॥
दृग मींचे तू सोच रहा क्या - देख तनिक उस पार पुजारी॥ ०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

क्या सहलाता इन छालों को - तू पूजा का थाल उठाले।
देख रहा तू क्या पथ पर ये - पर्वत ये नदियाँ ये नाले॥
शीतल हो जायेंगे क्षण में - ये जलते अँगार पुजारी॥ ०॥

पल में अरे समाँ जायेंगे - तम प्रवाह में ये सब सागर।
मिल जायेंगी नदियाँ तुझ में - डूबेंगे नभ चुम्बी गिरिवर॥
रुक न सकी है अब तक जग में - शुद्ध प्रेम की धार पुजारी॥ ०॥

साज सजाये आज जा रहा - तू जिसकी पूजा करने को।
आयेगा वह स्वयं दौड़कर - तुझ से पथ में ही मिलने को॥
गूँथ हृदय के पुष्प तुझे वह - पहनायेगा हार पुजारी॥ ०॥

देख खुला है द्वार पुजारी

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	रे	सा	नि़	सा	–	रे	–	–	प	ग़	म	रे	–	सा	–
०	दे	ख	खु	ला	ऽ	है	ऽ	ऽ	द्वा	र	पु	जा	ऽ	री	ऽ
–	रें	रें	रें	रें	–	रें	–	–	नि़	धध़	ध़	नि़	सां	सां	–
०	बै	ठ	ग	या	ऽ	क्यों	ऽ	ऽ	फें	ऽक	धू	ऽ	ल	में	ऽ
–	रें	रें	रें	रें	मं	रें	सां	–	नि़	धध़	ध़	नि़	सां	सां	–
०	बै	ठ	ग	या	ऽ	क्यों	ऽ	ऽ	फें	ऽक	धू	ऽ	ल	में	ऽ
–	म	प	–	प	सां	सां	सां	–	प	गग़	म	रे	–	सा	–
०	फू	लों	ऽ	का	ऽ	य	ह	ऽ	हा	ऽऱ	पु	जा	ऽ	री	ऽ
–	रे	सा	नि़	सा	–	रे	–	–	प	ग़	म	रे	–	सा	–
०	दे	ख	खु	ला	ऽ	है	ऽ	ऽ	द्वा	र	पु	जा	ऽ	री	ऽ

अन्तरा

–	म	प	प	नि़	ध़	नि़	–	–	सां	सां	सां	नि़	–	सां	–
०	स्व	र्ण	क	म	ल	से	ऽ	ऽ	खि	ले	हु	ए	ऽ	हैं	ऽ
–	रें	रें	रें	रें	–	रें	सां	–	सांनि़	रें	सां	ध़	नि़	प	प
०	मं	दि	र	के	ऽ	वे	ऽ	ऽ	कल़	श	म	नो	ऽ	ह	र
–	म़	प	–	नि़	ध़	नि़	–	–	सां़	सां	–	नि़	–	सां	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

०	मल	या	ऽ	नि	ल	के	ऽ	ऽ	मृदु	अं	ऽ	च	ल	में	ऽ
–	रें–	रें	रें	रें	–	रें	सां	–	सांनि	रें	सां	ध	नि	प	प
०	फ़ह	र	र	हा	ऽ	के	ऽ	ऽ	तन	प	ट	सुं	ऽ	द	र
–	रें–	रें	–	रें	–	रें	–	–	नि	धध	ध	नि	सां	सां	–
०	दृग	मी	ऽ	चे	ऽ	तू	ऽ	ऽ	सो	ऽच	र	हा	ऽ	क्या	ऽ
–	रें–	रें	–	रें	मं	रें	सां	–	नि	धध	ध	नि	सां	सां	–
०	दृग	मी	ऽ	चे	ऽ	तू	ऽ	ऽ	सो	ऽच	र	हा	ऽ	क्या	ऽ
–	म	प	प	प	सां	सां	सां	–	प	गग	म	रे	–	सा	–
०	दे	ख	त	नि	क	उ	स	ऽ	पा	ऽर	पु	जा	ऽ	री	ऽ

जोश न ठण्डा होने पाये

जोश न ठण्डा होने पाये - कदम मिलाकर चल।
मंजिल तेरे पग चूमेगी - आज नहीं तो कल॥

सबकी हिम्मत सब की ताकत - सब की मेहनत एक।
सब की इज्जत सब की दौलत सब की किस्मत एक॥
शूल बिछे अगणित राहों में राह बनाता चल॥ मंजिल०॥

नूतन बेदी बलिदानों की माँगे आज जवानी।
देनी होगी हमें देश हित फिर से अब कुर्बानी॥
बलिदानों का ढेर लगा - इतिहास बदलता चल॥ मंजिल०॥

सब का मन्दिर, सबकी मस्जिद, गिरिजाघर गुरुद्वारा।
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई भारत सब को प्यारा॥
एक-एक से मिलकर बनता संघ शक्ति का बल॥ मंजिल०॥

जोश न ठण्डा होने पाये

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सां	–	–	सां	सां	–	सां	–	सां	–	रें	–	सां	–	गं	–
जो	ऽ	श	न	ठं	ऽ	डा	ऽ	हो	ऽ	ने	ऽ	पा	ऽ	ये	ऽ
–	–	–	–	–	–	गं	रें	रें	–	रें	सां	सां	–	सां	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	हो	ऽ	ने	ऽ	पा	ऽ	ये	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

–	–	–	–	–	–	–	–	सां	–	–	सां	सां	–	सां	नि
–ऽ	–ऽ	–ऽ	–ऽ	–ऽ	–ऽ	–ऽ	–ऽ	जो	ऽ	श	न	ठं	ऽ	डा	ऽ
रें	सां	सां	नि	नि	ध	ध	प	नि	नि	–	नि	ध	–	प	मं
हो	ऽ	ने	ऽ	पा	ऽ	ये	ऽ	क	द	म	मि	ला	ऽ	क	र
प	–	–	–	ग	–	रे	सा	सा	–	ग	–	मं	–	प	–
च	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	जि	ल	ते	ऽ	रे	ऽ
नि	ध	ध	प	प	मं	मं	ग	ग	प	प	मं	ग	–	रे	सा
प	ग	चू	ऽ	मे	ऽ	गी	ऽ	आ	ऽ	ज	न	हीं	ऽ	तो	ऽ
सा	–	–	–	–	–	–	–	सा	–	ग	–	मं	–	प	–
क	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	जि	ल	ते	ऽ	रे	ऽ
नि	ध	ध	प	प	मं	मं	ग	ग	प	प	मं	ग	–	रे	सा
प	ग	चू	ऽ	मे	ऽ	गी	ऽ	आ	ऽ	ज	न	हीं	ऽ	तो	ऽ
सा	–	–	–	–	–	–	–	सां	–	–	सां	सां	–	सां	–
क	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	श	न	ठं	ऽ	डा	ऽ
सां	–	रें	–	सां	–	गं	–	–	–	–	–	–	–	गं	रें
हो	ऽ	ने	ऽ	पा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ
रें	–	रें	सां	सां	–	सां	–	–	–	–	–	–	–	–	–
हो	ऽ	ने	ऽ	पा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

प	–	प	मं	मं	ग	ग	–	प	–	प	मं	मं	ग	ग	–
स	ब	की	ऽ	हि	ऽ	म्म	त	स	ब	की	ऽ	ता	ऽ	क	त
प	–	प	मं	मं	ग	ग	ग़	ग	–	–	–	ग	मं	प	ध
स	ब	की	ऽ	मे	ह	न	त	ए	ऽ	ऽ॰	क	०	०	०	०
ध	–	ध	–	प	मं	मं	–	ध	–	ध	–	प	मं	मं	–
स	ब	की	ऽ	इ	ऽ	ञ्ञ	त	स	ब	की	ऽ	दौ	ऽ	ल	त
नि	–	नि	–	ध	–	नि	–	सां	–	–	–	–	–	–	–
स	ब	की	ऽ	कि	ऽ	स्म	त	ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क
सां	–	–	सां	सां	–	सां	–	सां	–	रें	–	सां	–	गं	–
शू	ऽ	ल	बि	छे	ऽ	अ	ग	णि	त	रा	ऽ	हों	ऽ	में	ऽ
–	–	–	–	–	–	गं	रें	रें	–	रें	सां	सां	–	सां	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ग	णि	त	रा	ऽ	हों	ऽ	में	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	सां	–	–	सां	सां	–	सां	नि
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	शू	ऽ	ल	बि	छे	ऽ	अ	ग

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

रें	सां	सां	नि	नि	ध	ध	प	नि	–	नि	नि	ध	–	प	मं
णि	त	रा	ऽ	हों	ऽ	में	ऽ	रा	ऽ	ह	ब	ना	ऽ	ता	ऽ
प	–	–	–	ग	–	रे	सा	सा	–	ग	–	मं	–	प	–
च	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मं		जि	ल	ते	ऽ	रे	ऽ
नि	ध	ध	प	प	मं	मं	ग	ग	प	प	मं	ग	–	रे	सा
प	ग	चू	ऽ	मे	ऽ	गी	ऽ	आ	ऽ	ज	न	हीं	ऽ	तो	ऽ
सा	–	–	–	–	–	–	–	सा	–	ग	–	मं	–	प	–
क	ज	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ	जि	ल	ते	ऽ	रे	ऽ
नि	ध	ध	प	प	मं	मं	ग	ग	प	प	मं	ग	–	रे	सा
प	ग	चू	ऽ	मे	ऽ	गी	ऽ	आ	ऽ	ज	न	हीं	ऽ	तो	ऽ
सा	–	–	–	–	–	–	–								
क	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

चलेंगे हम जगत जननी

चलेंगे हम जगत जननी - तुम्हारे ही इशारों पर।
न है चिन्ता कि डूबें या - पहुँच जायें किनारों पर॥
भटकते ही रहे अब तक - अन्धेरी वीथियों में हम।
रहे बस खोजते मोती - तटों की सीपियों में हम॥
बड़े सौभाग्य से आये यहाँ - माँ के दुआरों पर॥ १॥ न है चिन्ता०॥

तुम्हारे शब्द में हमने सुनी - गुरुदेव की वाणी।
तुम्हारे स्नेह में देखी - गुरु की दृष्टि कल्याणी॥
उसी से पार होंगे हम - समय की तेज धारों पर॥ २॥ न है चिन्ता०॥

हमारे कान में गुरु की - तुम्हीं ने बात दुहराई।
शिथिलता के पलों में माँ - तुम्हीं से प्रेरणा पायी॥
हमारी हर प्रगति होगी - तुम्हारे ही सहारों पर॥ ३॥ न है चिन्ता०॥

करें हम काम गुरुवर का - हमें वह, शक्ति दे दो माँ।
दुःखी असहाय मानव में - हमें अनुरक्ति दे दो माँ॥
करें हर सुख समर्पित माँ - हजारों बेसहारों, पर॥ ४॥ न है चिन्ता०॥

कृपा हम पर करो हे माँ - सहज संवेदना जागे।
घृणा, संकीर्ण स्वार्थों की - हृदय से भावना भागे॥
मनुज गौरव करे फिर से - यहाँ, सत्संस्कारों पर॥ ५॥ न है चिन्ता०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सुसंस्कृति की सुरक्षा को - विवेकानन्द हम होंगे।
कि बन्दावैरागी से हम - जरा भी तो न कम होंगे॥
जमाना नाज कर लेगा, पुनः इन पंचप्यारों पर॥६॥ न है चिन्ता॥

चलेंगे हम जगत जननी

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
			सा	सा	ग॒	मध॒	पध॒	म	–	–	म	म	मसा	सा	गग॒
			च	लें	ऽ	गेऽ	ऽऽ	ह	म	ऽ	ज	ग	तऽ	ज	ऽन॒
ग॒	रे॒	–	रेग॒	सा	नि॒	नि॒	ध॒	ध॒	ग॒	–	गम	गम	-ग॒	रे॒	सा
नी	ऽ	ऽ	तुऽ	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ही	ऽ	ऽ	इऽ	शाऽ	ऽऽ	रों	ऽ
सा	–	–	म	निध॒	सांनि॒	सांगं॒	रेंगं॒	सां	–	–	सां	सांगं॒	रेंगं॒	सां	नि॒
प	र	ऽ	न	हैऽ	ऽऽ	चिंऽ	ऽऽ	ता	ऽ	ऽ	कि	डूऽ	ऽऽ	बे	ऽ
सां	–	–	सां	सांनि॒	नि॒	ध॒	प	नि॒	–	–	निसां	धनि॒	-ध॒	प	म
या	ऽ	ऽ	प	हुँऽ	च	जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	किऽ	नाऽ	ऽऽ	रों	ऽ
म	–	–	सा	सा	ग॒	मध॒	पध॒	म	–	–	म	म	मसा	सा	गग॒
प	र	ऽ	च	लें	ऽ	गेऽ	ऽऽ	ह	म	ऽ	ज	ग	तऽ	ज	ऽन॒
ग॒	रे॒	–	रेग॒	सा	नि॒	नि॒	ध॒	ध॒	ग॒	–	गम	गम	-ग॒	रे॒	सा
नी	ऽ	ऽ	तुऽ	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ही	ऽ	ऽ	इऽ	शाऽ	ऽऽ	रों	ऽ
सा	–	–													
प	र	ऽ													

अन्तरा

			ध॒	ध॒	–	ध॒	–	–	म	ध॒	म	ग॒	रे॒	ग॒	ग॒
			भ	ट	क	ते	ऽ	ऽ	ही	ऽ	र	हे	ऽ	अ	ब
म	–	–	रे॒	ग॒	प	प	–	–	नि॒	सां	सांनि॒	नि॒	प	प	म
त	क	ऽ	अँ	धे	ऽ	री	ऽ	ऽ	वी	ऽ	थिऽ	यों	ऽ	में	ऽ
म	–	–	नि॒	नि॒	–	नि॒	–	–	नि॒	सां	नि॒	नि॒	प	नि॒	–
ह	म	ऽ	र	हे	ऽ	ब	स	ऽ	खो	ऽ	ज	ते	ऽ	मो	ऽ
सां	–	–	सां	सां	–	सां	–	नि॒	नि॒	सां	सांनि॒	नि॒	प	प	म
ती	ऽ	ऽ	त	टों	ऽ	की	ऽ	ऽ	सी	ऽ	पिऽ	यों	ऽ	में	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

म	–	–	सा	सा	ग	मधु	पधु	म	–	–	म	म	सा	सा	ग
ह	म	ऽ	ब	ड़े	ऽ	सौऽ	ऽऽ	भा	ऽ	ऽ	ग्य	से	ऽ	आ	ऽ
ग	रे	–	रेग	सा	नि	नि	ध	ध	ग	–	गम	गम	–ग	रे	सा
ये	ऽ	ऽ	यऽ	हाँ	ऽ	माँ	ऽ	के	ऽ	ऽ	दुऽ	आऽ	ऽऽ	रों	ऽ
सा	–	–	म	निध	सांनि	सांगं	रेंगं	सां	–	–	सां	सांगं	रेंगं	सां	नि
प	र	ऽ	न	हैऽ	ऽऽ	चिंऽ	ऽऽ	ता	ऽ	ऽ	कि	डूऽ	ऽऽ	बे	ऽ
सां	–	–	सां	सांनि	नि	ध	प	नि	–	–	निसां	धनि	–घ	प	म
या	ऽ	ऽ	प	हुँऽ	च	जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	किऽ	नाऽ	ऽऽ	रों	ऽ
म	–	–													
प	र	ऽ													

कोठरी मन की सदा रख साफ वन्दे

कोठरी मन की सदा रख साफ वन्दे
कौन जाने कब स्वयं प्रभु आन बैठे।
तुम बुलाते हो उसे यदि भावना से।
कौन जाने कब निमंत्रण मान बैठे।।

दर्द यदि उभरे कभी मन में तुम्हारे,
खर्च मत करना बिना सोचे बिचारे।
दर्द से रिस्ता सदा प्रभु का रहा है।
नाम करूणा सिंधु ही उसका रहा है।
एक भी आंसू न कर बर्बाद वन्दे।
कौन जाने कब समन्दर मांग बैठे।

चाह हो तो राह बन जाती गगन में।
चाह से उत्साह भरता मन बन्दन में।
चाह पूरी हो यही सब मांगते हैं।
किन्तु उसका मर्म कब पहचानते हैं।
स्वर्ग भूतल पर गढ़े कैसे विधाता।
नर्क में ही सुख मनुज यदि मान बैठे।

रोज मानव कर रहा दुख की शिकायत,
दुष्टता की कर रहा फिर क्यों हिमायत।
दुख हरेंगे प्रभु स्वयं अवतार लेकर।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

मानवी पुरूषार्थ को पर साथ लेकर।
सूर्य उगकर भी भला क्या हित करेगा।
आँख से पट्टी अगर हम बांध बैठे।

मांगने की रीति सी कुछ चल पड़ी है।
कृपणता से प्रीति सी कुछ हो चली है।
क्यों नहीं परमार्थ पथ का मान रखते।
क्यों नहीं इन्सानियत की शान रखते।
है तुम्हें दाता विधाता ने बनाया।
क्यों अरे खुद को भिखारी मान बैठे।

कोठरी मन की सदा (१)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	सा	ग	ग	ग	–	ग	म	प	–	–	प	प	ध	सां	नि
०	को	ऽ	ठ	री	ऽ	म	न	की	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	र	ख
ध	प	ध	प	प	–	प	–	–	–	–	–	ध	म	प	ध
सा	ऽ	ऽ	फ	बं	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	म	म	प	म	ग	रे	रे	रे
०	कौ	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	क	ब	स्व	यं	ऽ	प्र	भु
ग	रे	–	सा	सा	–	सा	–	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
आ	ऽ	ऽ	न	बै	ऽ	ठे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
–	सा	ग	ग	ग	–	ग	म	प	–	–	प	प	ध	सां	नि
०	तु	म	बु	ला	ऽ	ते	ऽ	हो	ऽ	ऽ	उ	से	ऽ	य	दि
ध	प	ध	प	प	–	प	–	–	–	–	–	ध	म	प	ध
भा	ऽ	ऽ	व	ना	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	म	म	प	म	ग	रे	रे	रे
०	कौ	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	क	ब	नि	मं	ऽ	त्र	ण
ग	रे	–	सा	सा	–	सा	–	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
मा	ऽ	ऽ	न	बै	ऽ	ठे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
–	सा	ग	ग	ग	–	ग	म	प	–	–	प	प	ध	सां	नि
०	को	ऽ	ठ	री	ऽ	म	न	की	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	र	ख

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ध	प	ध	प	प	–	प	–	–	–	–	–	–	–	–	–
सा	ऽ	ऽ	फ	ब	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
						अन्तरा १									
–	ग	–	ग	ग	–	ग	रे	रे	सा	–	सा	सा	नि़	नि़	नि़
०	द	ऽ	र्द	य	दि	उ	भ	रे	ऽ	ऽ	क	भी	ऽ	म	न
सा	–	–	ग	रे	सा	सा	–	–	–	–	–	रे	ग	म	–
में	ऽ	ऽ	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	म	–	म	म	–	म	ग	म	प	–	प	प	ध	सां	नि
०	ख	ऽ	र्च	म	त	क	र	ना	ऽ	ऽ	बि	ना	ऽ	सो	ऽ
ध	प	ध	प	प	–	प	–	रें	–	–	सां	नि	ध	–	प
चे	ऽ	ऽ	वि	चा	ऽ	रे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
–	प	–	प	ध	सां	सां	–	सां	–	–	सां	सां	–	सां	सां
०	द	ऽ	र्द	से	ऽ	रि	ऽ	श्ता	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	प्र	भु
नि	–	ध	प	ध	–	नि	–	–	–	–	–	म	प	ध	नि
का	ऽ	ऽ	र	हा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	नि	–	नि	नि	–	नि	ध	ध	–	–	प	प	म	म	ग
०	ना	ऽ	म	क	रु	णा	ऽ	सिं	ऽ	ऽ	धु	भी	ऽ	उ	स
म	–	–	प	प	–	प	–	–	–	–	–	ध	म	प	ध
का	ऽ	ऽ	र	हा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	म	म	प	म	ग	रे	रे	रे
०	ना	ऽ	म	क	रु	णा	ऽ	ऽ	सिं	ऽ	धु	भी	ऽ	उ	स
ग	रे	–	सा	सा	–	सा	–	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
का	ऽ	ऽ	र	हा	ऽ	है	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
–	सा	ग	ग	ग	–	ग	म	प	–	–	प	प	ध	सां	नि
०	ए	ऽ	क	भी	ऽ	आँ	ऽ	सू	ऽ	ऽ	न	क	र	ब	ऽ
ध	प	ध	प	प	–	प	–	–	–	–	–	ध	म	प	ध
र्बा	ऽ	ऽ	द	वं	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	म	म	प	म	ग	रे	रे	रे
०	कौ	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	क	ब	स	म	ऽ	न्द	र
ग	रे	–	सा	सा	–	सा	–	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
माँ	ऽ	ऽ	ग	बै	ऽ	ठे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा २

–	ग	–	ग	ग	–	ग	रे	रे	–	–	सा	सा	ध़	ध़	सा
०	चा	ऽ	ह	हो	ऽ	तो	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ह	ब	नं	जा	ऽ
रे	म	–	म	म	–	म	–	–	–	–	–	रे	म	प	ध
ती	ऽ	ऽ	ग	ग	न	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	प	–	–	म	म	–	म	नि़
०	चा	ऽ	ह	से	ऽ	उ	ऽ	त्सा	ऽ	ऽ	ह	भ	र	ता	ऽ
नि़	ध	–	प	प	–	प	–	सां	–	–	नि	ध	नि	प	–
म	न	ऽ	ब	द	न	मे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
–	प	–	प	ध	सां	सां	–	सां	–	–	सां	सां	–	रें	गं
०	चा	ऽ	ह	पू	ऽ	री	ऽ	हो	ऽ	ऽ	य	ही	ऽ	स	ब
रें	–	–	सां	सां	–	सां	–	–	–	–	–	नि	प	ध	नि
माँ	ऽ	ऽ	ग	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	नि़	–	नि	नि	–	नि	ध	ध	–	–	प	प	म	म	ग
०	कि	ऽ	न्तु	उ	स	का	ऽ	म	ऽ	ऽ	र्म	क	ब	प	ह
म	–	–	प	प	–	प	–	–	–	–	–	ध	म	प	ध
चा	ऽ	ऽ	न	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	म	म	प	म	ग	रे	रे	रे
०	कि	ऽ	न्तु	उ	स	का	ऽ	ऽ	म	ऽ	र्म	क	ब	प	ह
ग	रे	–	सा	सा	–	सा	–	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
चा	ऽ	ऽ	न	ते	ऽ	हैं	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
–	सा	ग	ग	ग	–	ग	म	प	–	–	प	प	ध	सां	नि
०	स्व	ऽ	र्ग	भू	ऽ	त	ल	प	र	ऽ	ग	ढ़े	ऽ	कै	ऽ
ध	प	ध	प	प	–	प	–	–	–	–	–	ध	म	प	ध
से	ऽ	ऽ	वि	धा	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	म	म	प	म	ग	रे	रे	रे
०	न	ऽ	र्क	में	ऽ	ही	ऽ	ऽ	सु	ख	म	नु	ज	य	दि
ग	रे	–	सा	सा	–	सा	–	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
म	ऽ	ऽ	न	बै	ऽ	ठे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०

साहित्य-संगीत-कला-विहीनः

साक्षात् पशुः पुच्छ-विषाण-हीनः॥ – भर्तृहरि

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जिसने दीप जलाये जग में

जिसने दीप जलाये जग में - तिल तिल जलकर ज्ञान के।
सौदागर हम स्वयं बन गये - उस संस्कृति की जान के।
ऐसी भी कृतघ्नता कैसी - जिसने हमें प्रकाश दिया।
अपनी उस महान संस्कृति का - अपने हाथ विनाश दिया।।
ऐसे तो आचरण न होते - समझदार इन्सान के।।
जिसने सुगढ़ बनाया गढ़कर - हम जैसे पाषाण को।।
संस्कार दे देव बनाया - उच्छृङ्खल शैतान को।।
काटे हाथ पैर हमने ही - निर्माता भगवान के।।
विकृतियों के आघातों से संस्कृति को विद्रूप किया।
संस्कृति की शालीन सती को - वैश्या जैसा रूप दिया।।
बने दुसाशन चीर उतारे - संस्कृति के सम्मान के।।
संस्कृति की हत्या करके हम क्या जीवित रह पायेंगे।
इससे तो हम आत्मघात के ही दोषी कहलायेंगे।।
शारीरिक भोगों के पीछे - शत्रु बने हम प्राण के।।
छोड़े भोगवाद को आओ - त्यागवाद को अपनायें।
कर सम्मान देवसंस्कृति का - जगत् गुरु फिर कहलायें।।
यही सूत्र है इस धरती पर आज स्वर्ग निर्माण के।।
संस्कृति पुरुष पुकार रहा है - संस्कृति का सम्मान करें।
हम समाज, परिवार, व्यक्ति का - विकृतियों से त्राण करें।
अग्रदूत हमको बनना है, नवयुग के अभियान के।
उस संस्कृति को फैलायेंगे सैनिक युग-निर्माण के।।

जिसने दीप जलाये जग में

				स्थायी								कहरवा ताल			
x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प	–	प	ध़	ध़	सां	सां	सां	नि़	सां	सां	नि़	ध़	प	प	–
जि	स	ने	ऽ	दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	ये	ऽ	ज	ग	में	ऽ
ध़	प	नि़	ध़	सां	नि़	गं़	रें़	सा	–	–	नि़	ध़	नि़	सां	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प	–	प	ध़	ध़	सां	सां	सां	नि़	सां	सां	नि़	ध़	प	प	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जि	स	ने	ऽ	दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	ये	ऽ	ज	ग	में	ऽ
प	ध़	ध़	प	प	म	म	ग़	ग़	रे़	–	म	ग़	–	रे़	सा
ति	ल	ति	ल	ज	ल	क	र	ज्ञा	–	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	–	ध़	सा	सां	–	सा	रे़	ग़	ग़	म	म	–	म	म	ग़
सौ	ऽ	दा	ऽ	ग	र	ह	म	स्व	य	म्	ब	न	ग	ये	ऽ
प	–	प	ध़	म	–	ग़	–	रे	–	–	म	ग़	–	रे़	सा
उ	स	सं	ऽ	स्कृ	ति	की	ऽ	जा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
रे़	–	रे़	म	ग़	–	रे़	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
उ	स	सं	ऽ	स्कृ	ति	की	ऽ	जा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

म	–	म	ग	म	–	म	ग	म	म	म	ग	म	–	म	–
ऐ	ऽ	सी	ऽ	भी	ऽ	कृ	त	ऽ	घ्न	ता	ऽ	कै	ऽ	सी	ऽ
म	–	म	ग	प	म	–	ग़	ग़	–	ग़	रे	ग़	–	–	–
जि	स	ने	ऽ	ह	में	ऽ	प्र	का	ऽ	श	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ
ग़	–	ग़	ध़	ध़	–	प	ध़	–	म	म	ग़	ग़	रे़	रे़	–
अ	प	नी	ऽ	उ	स	म	हा	ऽ	न्	सं	ऽ	स्कृ	ति	का	ऽ
रे़	–	रे़	म	ग़	–	रे़	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
अ	प	ने	ऽ	हा	ऽ	थ	वि	ना	ऽ	श	कि	या	ऽ	ऽ	ऽ
ग़	–	म	–	ध़	–	नि़	–	सां	सां	सां	रें़	नि़	–	सां	–
ऐ	ऽ	से	ऽ	तो	ऽ	आ	ऽ	च	र	ण	न	हो	ऽ	ते	ऽ
गं़	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	सां	रें़
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गं़	मं	गं़	रें़	सां	नि़	गं़	रें़	सां	–	–	नि़	ध़	नि़	सां	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प	–	प	ध़	ध़	सां	सां	–	नि़	सां	सां	नि़	ध	प	प	–
ऐ	ऽ	से	ऽ	तो	ऽ	आ	ऽ	च	र	ण	न	हो	ऽ	ते	ऽ
प	ध़	ध़	प	–	म	म	ग़	ग़	रे़	–	म	ग़	–	रे़	सा
स	म	झ	दा	ऽ	र	इ	ऽ	न्सा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	–	ध़	सा	सा	–	सा	रे़	ग़	ग़	म	म	–	म	म	ग़
सौ	ऽ	दा	ऽ	ग	र	ह	म	स्व	य	म्	ब	न	ग	ये	ऽ
प	–	प	ध़	म	–	ग़	–	रे	–	–	म	ग़	–	रे़	सा
उ	स	सं	ऽ	स्कृ	ति	की	ऽ	जा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
रे़	–	रे़	म	ग़	–	रे़	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
उ	स	सं	ऽ	स्कृ	ति	की	ऽ	जा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

धन्य है जिन्दगी यह हमारी

धन्य है जिन्दगी यह हमारी, नाथ पाकर सहारा तुम्हारा।
हे प्रभो द्वार पर हम खड़े हैं, शेष जीवन है सारा तुम्हारा।।

हर तरफ था भयंकर समुन्दर, जीर्ण थी नाथ जीवन की नैया।
क्या पता यह कहाँ डूब जाती, जो न मिलता किनारा तुम्हारा।।

कामना है तुम्हें जिन्दगी में, सुन सकें जागते और सोते।
हर निमिष बांसुरी के सुरों सा, पा सकें हम इशारा तुम्हारा।।

तेज तूफान में अंधियों मे, पाँव ये जब कभी डगमगाये।
थाम ले हाथ बढ़कर हमारा, हाथ भगवन दुबारा तुम्हारा।।

पुत्र सा प्यार पाते रहें हम, पाँव निर्भय बढ़ाते रहें हम।
जन्म जन्मान्तरों तक रहे ये, नाथ रिश्ता हमारा तुम्हारा।।

हर तरफ जब अंधेरा घिरा हो, और कोई नहीं आसरा हो।
रास्ता तब दिखाये गगन से, ध्रुव सरीखा सितारा तुम्हारा।।

बुद्धि वह दो कि जो भी मिला है, लोकहित में उसे हम लगायें।
ताकि भगवन हमारे लिए हो, फिर खुला हो दुआरा तुम्हारा।।

धन्य है जिन्दगी यह हमारी

स्थायी

x			०		
१	२	३	४	५	६
			सा	–	रे
			ध	ऽ	न्य
ग	–	ग	म	–	ग
गी	ऽ	य	ह	ऽ	ह
–	–	सा	नि़	–	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	थ
सा	–	रे	–	–	ग
हा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	तु
–	–	–	ग	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	प्र
प	–	म	ग	–	रे

बिलम्बित दादरा ताल

x			०		
१	२	३	४	५	६
रे	ग	ग	–	–	ग
है	ऽ	जि	ऽ	ऽ	न्द
रे	ग	रे	–	–	–
मा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	ध़	नि़	ध़	–	नि़
पा	ऽ	क	र	ऽ	स
ग	–	सा	सा	–	–
म्हा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
म	प	प	–	–	प
भो	ऽ	द्वा	ऽ	ऽ	र
ग	–	म	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

प	र	ह	म	ऽ	ख		ड़े	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	ध	–	ध		ध	प	प	म	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	शे	ऽ	ष		जी	ऽ	व	न	ऽ	है
म	–	म	ध	–	प		प	–	प	–	–	ध
सा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	तु		म्हा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	ग	ग	–	म		म	प	प	–	–	प
ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	प्र		भो	ऽ	द्वा	ऽ	ऽ	र
प	–	म	ग	–	रे		ग	–	म	–	–	–
प	र	ह	म	ऽ	ख		ड़े	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	ध	–	ध		ध	प	प	म	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	शे	ऽ	ष		जी	ऽ	व	न	ऽ	है
म	–	म	ध	–	प		प	–	प	–	–	ग
सा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	तु		म्हा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
रे	–	सा	सा	–	रे		रे	ग	ग	–	–	ग
ऽ	ऽ	ऽ	ध	ऽ	न्य		है	ऽ	जि	ऽ	ऽ	न्द
ग	–	ग	म	–	ग		रे	ग	रे	–	–	–
गी	ऽ	य	ह	ऽ	ह		मा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	नि़	–	सा		नि़	ध़	नि़	ध़	–	नि़
ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	थ		पा	ऽ	क	ऱ	ऽ	स़
सा	–	रे	–	–	ग		ग	–	सा	सा	–	–
हा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	तु		म्हा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
–	–	–										
ऽ	ऽ	ऽ										

अन्तरा

			ग	–	म		म	प	प	–	–	प
			ह	र	त		र	फ	था	ऽ	ऽ	भ
प	–	प	–	म	म		प	–	ध	–	–	–
भं	ऽ	क	र	ऽ	स		म	ऽ	न्द	र	ऽ	ऽ
–	–	–	ध	–	ध		ध	प	प	म	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	जी	ऽ	र्ण		थी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	थ
म	–	म	ध	–	प		प	–	प	–	–	ध
जी	ऽ	व	न	ऽ	की		नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

म	प	ग	ग	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	ह	ऽ	त
प	–	प	–	–	म
भं	ऽ	क	र	ऽ	स
ध	–	–	ध	–	ध
ऽ	ऽ	ऽ	जी	ऽ	र्ण
म	–	म	ध	–	प
जी	ऽ	व	न	ऽ	की
रे	–	सा	सा	–	रे
ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	प
ग	–	ग	म	–	ग
हाँ	ऽ	डू	ऽ	ऽ	ब
–	–	सा	नि	–	सा
ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	न
सा	–	रे	–	–	ग
ना	ऽ	रा	ऽ	ऽ	तु
–	–	–			
ऽ	ऽ	ऽ			

म	प	प	–	–	प
र	फ	था	ऽ	ऽ	भ
प	–	सां	नि	रें	सां
म	ऽ	न्द	र	ऽ	ऽ
ध	प	प	म	–	म
थी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	थ
प	–	प	–	–	ग
नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग	ग	–	–	ग
ता	ऽ	य	ह	ऽ	क
रे	ग	रे	–	–	–
जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ
नि	ध	नि	ध	–	नि
मिं	लं	तां	ऽं	ऽ	किं
ग	–	सा	सा	–	–
म्हा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ

जागेगा इंसान जमाना देखेगा

जागेगा इन्सान जमाना देखेगा।
नवयुग का निर्माण जमाना देखेगा॥
देवता बनेंगे मेरे धरती के प्यारे।
हम सुधरें तो जग को सुधारें॥
चमकेगा देश हमारा मेरे साथी रे।
आँखों में कल का नजारा मेरे साथी रे॥
धरती पर भगवान जमाना देखेगा॥
मिल जुल के होंगे सारे खुशियों के मेले।
कोई न रो पायेगा दुःख में अकेले॥
जागेगा देश हमारा मेरे साथी रे।
आँखों में कल का नजारा मेरे साथी रे॥
कल का हिन्दुस्तान जमाना देखेगा।
जागेगा इन्सान जमाना देखेगा॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जागेगा इन्सान जमाना देखेगा

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	ग॒	ग॒	–	ग॒	रे॒	रे॒	सा	सा	नि॒	–	नि॒	नि॒	ग॒	रे॒	ग॒
जा	ऽ	गे	ऽ	गा	ऽ	इं	ऽ	सा	ऽ	न	ज	मा	ऽ	ना	ऽ
रे॒	सा	सा	–	सा	–	–	–	प	–	प	–	प	–	प	–
दे	ऽ	खे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	न	व	यु	ग	का	ऽ	नि	ऽ
प	ध॒	–	ध॒	ध॒	–	ध॒	–	प	–	म	ग॒	म	–	ग॒	–
र्मा	ऽ	ण	ज	मा	ऽ	ना	ऽ	दे	ऽ	खे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	प	–	प	नि॒	नि॒	ध॒	–	ध॒	ध॒	–	ध॒	–
न	व	यु	ग	का	ऽ	नि	ऽ	र्मा	ऽ	ण	ज	मा	ऽ	ना	ऽ
प	–	म	ग॒	म	–	ग॒	सा	सा	ग॒	ग॒	–	ग॒	रे॒	रे॒	सा
दे	ऽ	खे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गे	ऽ	गा	ऽ	इं	ऽ
सा	नि॒	–	नि॒	नि॒	ग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	सा	–	सा	–	–	–
सा	ऽ	न	ज	मा	ऽ	ना	ऽ	दे	ऽ	खे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

–	–	प	–	प	–	प	–	प	–	प	म	ध॒	प	प	–
०	०	मि	ल	जु	ल	क	र	हों	ऽ	गे	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ
–	–	ध॒	नि॒	–	ध॒	–	प	प	–	म	ग॒	म	–	ग॒	–
ऽ	ऽ	खु	शि	ऽ	यों	ऽ	के	मे	ऽ	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	–	प	–	प	–	प	–	प	म	ध॒	प	प	–
०	०	को	ऽ	ई	ऽ	न	ऽ	रो	ऽ	पा	ऽ	ये	ऽ	गा	ऽ
–	–	ध॒	नि॒	–	ध॒	–	प	प	–	म	ग॒	म	–	ग॒	रे॒
ऽ	ऽ	दुः	ख	ऽ	में	ऽ	अ	के	ऽ	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	रे॒	ग॒	–	–	रे॒	–	सा
ऽ	०	जा	ऽ	गे	ऽ	गा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श	ऽ	ह
नि॒	–	नि॒	–	नि॒	ग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	सा	–	सा	–	–	–
मा	ऽ	रा	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	थी	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	रे॒	ग॒	–	–	रे॒	–	सा

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

०	०	आँ	ऽ	खों	ऽ	में	ऽ	क	ल	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	न
नि़	–	नि़	–	नि़	ग़	रे़	ग़	रे़	सा	सा	–	सा	–	–	–
जा	ऽ	रा	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	थी	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	प	–	प	–	प	ध़	–	ध़	ध़	–	ध़	–
क	ल	का	ऽ	हि	ऽ	न्दु	ऽ	स्ता	ऽ	न	ज	मा	ऽ	ना	ऽ
प	–	म	ग़	म	–	ग़	–	प	–	प	–	प	–	प	नि़
दे	ऽ	खे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	क	ल	का	ऽ	हि	ऽ	न्दु	ऽ
नि़	ध़	–	ध़	ध़	–	ध़	–	प	–	म	ग़	म	–	ग़	सा
स्ता	ऽ	न	ज	मा	ऽ	ना	ऽ	दे	ऽ	खे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ

उनके पद चिह्नों पर चलकर

उनके पद चिह्नों पर चलकर - यश गौरव हम पायें।
कि जिन ने अमर किया इतिहास - आज हम उनकी जय गायें।।
मातृभूमि के लिए जिन्होंने - अगणित कष्ट उठाये थे।
वन-वन भटके पर न जिन्होंने अपने शीश झुकाये थे।।
बच्चे भूखे रहे न फिर भी - जो किञ्चित् घबराये थे।
जाति धर्म के हित संघर्षों के कण्टक अपनाये थे।।
सही देश के लिए जिन्होंने - अगणित विपदायें।
जिये सत्य के लिए सदा जो - कष्ट अनेकों विहँस सहे।
आन निभाई चाहे बिककर - मरघट में बन भृत्य रहे।।
सम्पति त्याग नारि सुत बेचे - दुख की सीमा कौन कहे।
फिर भी कष्ट पुण्य सम समझे रहे सत्य का पंथ गहे।।
सत्यमार्ग से डिगे न चाहे - आई विपदायें।
दानशील भी हुए यहाँ पर - तन, मन, धन देने वाले।
कवच और कुण्डल भी अपने - जिनने हँस हँस दे डाले।।
मरण सेज पर भी आ पहुँचे - याचक वन छलने वाले।
स्वर्ण विमण्डित दाँत तोड़कर - दानशील ने दे डाले।।
अपने व्रत के लिए वार दीं - सारी क्षमतायें।
जीवन भर तप किया जिन्होंने - शक्ति अपरिमित पाई थी।
पर क्या अपने हित किञ्चित् भी उनने वह अपनाई थी।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

लेकिन जब इस पावन भू पर - दनुजों की बन आई थी।
दिया विहँस निज अस्थिदान - तब देवों ने जय पाई थी।
जिनकी जीवन ज्योति देखकर - जन-जन पथ पायें।

वेद मूर्ति जो बने भगीरथ ज्ञानगङ्ग भू पर लाये।
तप से सूक्ष्म जगत शोधितकर तपोनिष्ठ वे कहलाये।।
ऋषि जीवन की परिपाटी को - जन जीवन से जोड़ दिया।
जन-जन में देवत्व जगाकर - चक्र आसुरी तोड़ दिया।।
उनके निर्देशों पर चल कर - नवयुग हम पायें।

उनके पद चिह्नों पर चलकर

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
ग	–	म	–	प	–	नि	–	नि	सां	सां	–	सां	–	सां	–
उ	न	के	ऽ	प	द	चि	ऽ	ह्वों	ऽ	प	र	च	ल	क	र
नि	सां	सां	नि̲	नि̲	प	प	म	म	प	प	–	म	–	ग	–
य	श	गौ	ऽ	र	व	ह	म	पा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	म	–	प	–	नि	–	नि	सां	सां	–	सां	–	सां	–
उ	न	के	ऽ	प	द	चि	ऽ	ह्वों	ऽ	प	र	च	ल	क	र
नि	सां	सां	नि̲	नि̲	प	प	म	म	प	प	म	म	ग	ग	–
य	श	गौ	ऽ	र	व	ह	म	पा	ऽ	यें	कि	जि	न	ने	ऽ
म	प	–	प	म	प	म	ग	ग	–	ग	ग	–	ग	ग	सा
अ	म	र	कि	या	ऽ	इ	ति	हा	ऽ	स	आ	ऽ	ज	ह	म
सा	प	प	–	म	प	म	ग	ग	–	–	ग	ग	–	ग	–
उ	न	की	ऽ	ज	य	गा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	कि	जि	न	ने	ऽ
म	प	–	प	म	प	म	ग	ग	–	ग	ग	–	ग	ग	सा
अ	म	र	कि	या	ऽ	इ	ति	हा	ऽ	स	आ	ऽ	ज	ह	म
सा	प	प	–	म	प	म	ग	ग	–	–	–	–	–	–	–
उ	न	की	ऽ	ज	य	गा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

अन्तरा

ग	म	म	म	–	म	म	ग	ग	ग	–	ग	ग	–	ग	ग़
मा	ऽ	तृ	भू	ऽ	मि	के	ऽ	लि	ये	ऽ	जि	न्हों	ऽ	ने	ऽ
ग	म	म	म	म	–	म	ग	ग	–	ग	–	ग	–	–	–
अ	ग	णि	त	क	ऽ	ष्ट	उ	ठा	ऽ	ये	ऽ	थे	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	म	–	म	–	म	ग	ग	–	ग	ग	ग	–	ग	ग़
व	न	व	न	भ	ट	के	ऽ	प	र	न	जि	न्हों	ऽ	ने	ऽ
ग	म	म	–	म	–	म	ग	ग	–	ग	–	ग	–	–	–
अ	प	ने	ऽ	शी	ऽ	श	झु	का	ऽ	ये	ऽ	थे	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	–	नि़	प	प	सां	–	सां	सां	–	नि़	प
ब	ऽ	द्ये	ऽ	भू	ऽ	खे	ऽ	र	हे	ऽ	न	फि	र	भी	ऽ
प	नि़	नि़	सां	सां	गं	गं	–	गं	रें	रें	सां	सां	–	–	–
जो	ऽ	किं	ऽ	चि	त	घ	ब	रा	ऽ	ये	ऽ	थे	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	सां	–	सां	नि़	प	प	सां	सां	–	सां	–	नि़	प
जा	ऽ	ति	ध	ऽ	र्म	के	ऽ	हि	त	सं	ऽ	घ	ऽ	र्षों	ऽ
प	नि़	नि़	सां	सां	गं	गं	–	गं	रें	रें	सां	सां	–	–	–
के	ऽ	कं	ऽ	ट	क	अ	प	ना	ऽ	ये	ऽ	थे	ऽ	ऽ	ऽ
सां	गं	–	गं	–	गं	गं	–	गं़	गं	–	गं	गं़	गं	गं़	सां
स	ही	ऽ	दे	ऽ	श	के	ऽ	लि	ये	ऽ	जि	न्हों	ऽ	ने	ऽ
नि	सां	सां	नि़	नि़	प	प	म	म	प	–	म	म	ग	ग	–
अ	ग	णि	त	वि	प	दा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	कि	जि	न	ने	ऽ
म	प	–	प	म	प	म	ग	ग	–	ग	ग	–	ग	ग	सा
अ	म	र	कि	या	ऽ	इ	ति	हा	ऽ	स	आ	ऽ	ज	ह	म
सा	प	प	–	म	प	म	ग	ग	–	–	ग	ग	–	ग	–
उ	न	की	ऽ	ज	य	गा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	कि	जि	न	ने	ऽ
म	प	–	प	म	प	म	ग	ग	–	ग	ग	–	ग	ग	सा
अ	म	र	कि	या	ऽ	इ	ति	हा	ऽ	स	आ	ऽ	ज	ह	म
सा	प	प	–	म	प	म	ग	ग	–	–	–	–	–	–	–
उ	न	की	ऽ	ज	य	गा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

गायन की अमूल्य निधि देकर परमात्मा ने मनुष्य की पीड़ा को कम किया।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आत्म साधना ऐसी हो

आत्म साधना ऐसी हो जो - चटका दे चट्टान को।
शाश्वत प्राण ज्योति पी जाये - अंधकार अज्ञान को॥
साधक वह जो झेले जग के - पाप-ताप अभिशाप को।
सागर मंथन के पहले जो - मथले अपने आप को॥
औरों को दे सुधारत्न - खुद कर लेता विषपान है।
तपकर स्वयं ज्योति जग को - देना जिसका अरमान है॥
मानव करे वन्दना ऐसी - छूले तन मन प्राण को॥
जप-तप-पूजा पाठ साधना - जीवन की सौगात है।
तिमिर निशा के बाद सदा ही - आता सुखद प्रभात है॥
जिसका है विश्वास अलौकिक - धर्म, कर्म, ईमान में।
कर देता सर्वस्व-न्योछावर - जनहित के कल्याण में॥
जो देखे अन्तस् आँखों से - कण-कण में भगवान को॥
बुझने देता ज्योति नहीं जो - शाश्वत ज्ञान मशाल की।
करता है परवाह नहीं वह - काल ब्याल विकराल की॥
बाँटा करता सारे जग को - अमर ज्ञान सद्भाव जो।
प्रेम सुधा से भर देता है - जग के दुखते घाव जो॥
रात-रात भर जाग अकेला - लाता नये विहान को॥
विचलित होता कभी नहीं जो - आतप, वर्षा, शीत में।
जिसे आत्म सुख मिलता सच्चा - आत्म ज्ञान संगीत में॥
जो करता है सतत् साधना - शान्तिकुञ्ज की छाव में।
आत्म सुरभि भर देता क्षण में - मुरझे हुए गुलाब में॥
मुट्ठी में बाँधे फिरता जो - प्रलयंकर तूफान को॥

आत्मा साधना ऐसी हो

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	–	सा	सा	–	सा	रे	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–
आ	ऽ	त्म	सा	ऽ	ध	ना	ऽ	ऐ	ऽ	सी	ऽ	हो	ऽ	जो	ऽ
प	–	ध	–	प	–	ध	–	सां	–	–	सां	सां	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

च	ट	का	ऽ	दे	ऽ	च	ऽ	ट्टा	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	सां	सां	–	सां	सां	ध	ध	ध	–	प	–	प	–
शा	ऽ	श्व	त	ज्ञा	ऽ	न	ज्यो	ऽ	ति	पी	ऽ	जा	ऽ	ये	ऽ
ग	–	ग	रे	–	रे	रे	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	–
अं	ऽ	ध	का	ऽ	र	अ	ऽ	ज्ञा	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	सा	सा	–	सा	रे	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–
आ	ऽ	त्म	सा	ऽ	ध	ना	ऽ	ऐ	ऽ	सी	ऽ	हो	ऽ	जो	ऽ
प	–	ध	–	प	–	ध	–	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
च	ट	का	ऽ	दे	ऽ	च	ऽ	ट्टा	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	ऽ
						अन्तरा									
ग	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–
सा	ऽ	ध	क	व	ह	जो	ऽ	झे	ऽ	ले	ऽ	ज	ग	के	ऽ
रे	–	ग	ग	सा	सा	रे	–	म	–	–	म	म	–	–	–
पा	ऽ	प	ता	ऽ	प	अ	भि	शा	ऽ	ऽ	प	को	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–
सा	ऽ	ग	र	मं	ऽ	थ	न	के	ऽ	प	ह	ले	ऽ	जो	ऽ
म	–	प	–	ग	–	म	–	प	–	–	प	प	–	–	–
म	थ	ले	ऽ	अ	प	ने	ऽ	आ	ऽ	ऽ	प	को	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध	–	प	–	ध	–	प	ध	–	प	–	प	ध	–
औ	ऽ	रों	ऽ	को	ऽ	दे	ऽ	सु	धा	ऽ	र	ऽ	ल	खु	द
प	–	ध	–	प	–	ध	–	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
क	र	ले	ऽ	ता	ऽ	वि	ष	पा	ऽ	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	सां	सां	–	सां	सां	ध	ध	ध	–	प	–	प	–
त	प	क	र	स्व	य	म्	ज्यो	ऽ	ति	ज	ग	को	ऽ	दे	ऽ
ग	–	ग	रे	रे	–	रे	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	–
ना	ऽ	जि	स	का	ऽ	अ	र	मा	ऽ	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	सा	–	सा	सा	रे	रे	ग	ग	ग	–	ग	–	ग	–
मा	ऽ	न	व	क	रें	ऽ	व	ऽ	न्द	ना	ऽ	ऐ	ऽ	सी	ऽ
प	–	ध	–	प	–	ध	–	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
छू	ऽ	ले	ऽ	त	न	म	न	प्रा	ऽ	ऽ	ण	को	ऽ	ऽ	ऽ
रें	–	रें	–	रें	सां	रें	गं	रें	–	–	सां	सां	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

छू	ऽ	ले	ऽ	त	न	म	न	प्रा	ऽ	ऽ	ण	को	ऽ	ऽ	ऽ
रें	–	रें	–	रें	सां	रें	गं	रें	–	–	सां	सां	–	–	–
छू	ऽ	ले	ऽ	त	न	म	न	प्रा	ऽ	ऽ	ण	को	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	सां	सां	–	सां	सां	ध	ध	ध	–	प	–	प	–
शा	ऽ	श्व	त	ज्ञा	ऽ	न	ज्यो	ऽ	ति	पी	ऽ	जा	ऽ	ये	ऽ
ग	–	ग	रे	–	रे	रे	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	–
अं	ऽ	ध	का	ऽ	र	अ	ऽ	ज्ञा	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	ऽ

आदत बुरी सुधार लो

आदत बुरी सुधार लो, बस हो गया भजन।
मन की तरंग मार लो, बस हो गया भजन॥आदत०॥

दृष्टि में तेरे दोष है, दुनियाँ निहारती।
समता का अंजन आंज लो, बस हो गया भजन॥आदत०॥

आये कहाँ से और अब, जाना कहाँ तुम्हें।
मन में यही विचार लो, बस हो गया भजन॥आदत०॥

नेकी सभी के साथ में, जितनी बने करो।
मत सिर बदी का भार लो, बस हो गया भजन॥आदत०॥

कटुता मनों से त्याग दो - मीठे वचन कहो।
वाणी का स्वर सुधार लो, बस हो गया भजन॥आदत ०॥

अच्छे बुरे जो भी तुम्हें, कर्मों के फल दिये।
हँस कर सभी गुजार दो, बस हो गया भजन॥आदत०॥

आदत बुरी सुधार लो

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
ग	–	म	प	म	ग	–	रे	ग	–	–	ग	रे	–	सा	–
आ	ऽ	द	त	बु	री	ऽ	सु	धा	ऽ	ऽ	र	लो	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	ग	प	प	ध	–	ध	सां	नि̲	–	सां	ध	–	प	–
ब	स	हो	ऽ	ग	या	ऽ	भ	ज	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ग	–	म	प	म	प	–	रे	ग	–	–	ग	रे	–	सा	–
म	न	की	ऽ	त	रं	ऽ	ग	मा	ऽ	ऽ	र	लो	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	ग	प	प	ध	–	ध	सां	नि̲	–	सां	ध	–	प	–
ब	स	हो	ऽ	ग	या	ऽ	भ	ज	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	म	प	म	ग	–	रे	प	–	–	प	प	–	–	–
आ	ऽ	द	त	बु	री	ऽ	सु	धा	ऽ	ऽ	र	लो	ऽ	ऽ	ऽ
						अन्तरा									
सां	–	सां	–	सां	नि̲	–	ध	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
दृ	ऽ	ष्टि	ऽ	में	ते	ऽ	रे	दो	ऽ	ऽ	ष	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	नि̲	सां	–	गं	रें	–	सां	सां	–	–	–	नि̲	सां	ध	–
दु	नि	याँ	ऽ	नि	हा	ऽ	र	ती	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	खो	ऽ
सां	–	सां	–	सां	नि̲	–	ध	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
दृ	ऽ	ष्टि	ऽ	में	ते	ऽ	रे	दो	ऽ	ऽ	ष	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	नि̲	सां	–	गं	रें	–	सां	सां	–	–	–	–	–	–	–
दु	नि	याँ	ऽ	नि	हा	ऽ	र	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	–	गं	–	गं	रें	–	गं	मं	–	–	–	गं	–	सां	–
दु	नि	याँ	ऽ	नि	हा	ऽ	र	ती	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	खो	ऽ
नि̲	–	सां	–	गं	रें	–	सां	सां	–	–	–	–	–	–	–
दु	नि	याँ	ऽ	नि	हा	ऽ	र	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	नि̲	–	ध	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
दृ	ऽ	ष्टि	ऽ	में	ते	ऽ	रे	दो	ऽ	ऽ	ष	है	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	–	ध	प	–	ध	नि̲	–	–	–	ध	–	प	ग
दु	नि	याँ	ऽ	नि	हा	ऽ	र	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	म	प	म	ग	–	रे	ग	–	–	ग	रे	–	सा	–
स	म	ता	ऽ	का	अं	ऽ	जन	आँ	ऽ	ऽ	ज	लो	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	ग	प	प	ध	–	ध	सां	नि̲	–	सां	ध	–	प	–
ब	स	हो	ऽ	ग	या	ऽ	भ	ज	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

गायन से पीड़ित हृदय और मन को शान्ति और संतोष मिलता है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सौन्दर्य से तुम्हारे

सौन्दर्य से तुम्हारे सुन्दर जहान सारा।
हर रूप में तुम्हारा सौन्दर्य प्राण प्यारा॥

तुम राग रश्मि छवि में, मुस्कान में रमे हो।
वीरान बाग वन में, सुनसान में रमे हो॥
नदियों में निर्झरों में, कलगान है तुम्हारा॥सौन्दर्य०॥

रवि शशि गगन सितारे, सब रूप हैं तुम्हारे।
अणु रूप है तुम्हारा, विभु रूप है तुम्हारा॥
तुमने अरूप रहकर, हर रूप को सँवारा॥सौन्दर्य०॥

तुम व्याप्त वेदना में, दु:ख यातना में तुम हो।
हर अंश की व्यथा में, हर पूर्णता में तुम हो।
विषपान भी करेंगे, ले आसरा तुम्हारा॥सौन्दर्य०॥

हे देव! तव दया से, हो निर्विकार जीवन।
हँसते सुमन-सुमन से, विक से खिले तपोवन॥
करुणा कृपा निकेतन, हे नाथ दो सहारा॥सौन्दर्य०॥

सौन्दर्य से तुम्हारे

स्थायी विलम्बित दादरा ताल

x			०			x		०			
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
				प	–	ग़	म	रे	रे	नि़	नि़
				सौ	ऽ	न्द	ऽ	र्य	स	ऽ	तु
सा	–	सा	रे	नि़	–	सा	ग़	ग़	गम	पनि़	प–
म्हा	ऽ	रे	ऽ	सु	ऽ	न्द	र	ज	हाऽ	ऽऽ	नऽ
ग़	म	रे	सा	प	प	ग़	म	रे	रे	नि़	नि़
सा	ऽ	रा	ऽ	ह	र	रू	ऽ	प	में	ऽ	तु
सा	–	सा	रे	नि़	–	सा	ग़	ग़	गम	पनि़	प–
म्हा	ऽ	रा	ऽ	सौ	ऽ	न्द	ऽ	र्य	प्राऽ	ऽऽ	णऽ
ग़	म	रे	सा	प	–	ग़	म	रे	रे	नि़	नि़
प्या	ऽ	रा	ऽ	सौ	ऽ	न्द	ऽ	र्य	से	ऽ	तु
सा	–	सा	–								
म्हा	ऽ	रे	ऽ								

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

				पम	प	ग	–	म	प	नि	नि
				तुऽ	म	रा	ऽ	ग	र	ऽ	श्मि
नि	सां	सां	–	सां	रें	नि	–	धप	ध	–	पम
छ	वि	में	ऽ	मु	ऽ	स्का	ऽ	नऽ	में	ऽ	रऽ
प	–	प	–	पम	प	ग	–	म	प	नि	नि
में	ऽ	हो	ऽ	वीऽ	ऽ	रा	ऽ	न	बा	ऽ	ग
नि	सां	सां	–	सां	रें	नि	–	धप	ध	–	पम
व	न	में	ऽ	सु	न	सा	ऽ	नऽ	में	ऽ	रऽ
प	–	प	–	प	प	ग	म	रे	रे	नि़	नि़
में	ऽ	हो	ऽ	न	दि	यों	ऽ	में	नि	ऽ	झं
सा	–	सा	रे	नि़	नि़	सा	ग	ग	गम	पनि	प–
रों	ऽ	में	ऽ	क	ल	गा	ऽ	न	हैऽ	ऽऽ	तुऽ
ग	म	रे	सा								
म्हा	ऽ	रा	ऽ								

समय रहते जगो साथी

समय रहते जगो साथी - न किञ्चित देर हो जाये।
सजाते ही रहो तुम दीप - जब तक भोर हो जाये॥

अमृत बरसा मगर तब जब - शवों से भर गया मरघट।
रहा उपयोग क्या पतवार का - आ ही गया जब तट॥
तड़पते ही रहे यदि प्राण - अंकुर मिट गयी आशा।
सँभालो जिन्दगी का क्रम - पलट जाये न परिभाषा॥
बढ़ा लो तुम चरण निर्भय - न पश्चाताप रह जाये॥ १॥ समय०॥

चुनौती दे रही तुमको - सिहरती रात यह काली।
न है सूरज, न है चन्दा - सजाओ आज दीवाली॥
करो अर्जित पुनः अर्जुन - सरीखा शक्ति और संयम।
जला दो ज्ञान के दीपक - मिटे अविवेक रूपी तम॥
रुके पहले पतन, तब फिर सृजन का सूर्य मुस्काये॥ २॥ समय०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

समय की माँग है, खुद जाग जाओ प्रात से पहले।
व्यवस्थाएँ जुटाओ, रोशनी की रात से पहले।
भटक जाये न कोई - राह के संकेत हों निश्चित।
न मुरझा जायें नव अंकुर - प्रथम कर दो उन्हें सिञ्चित।
नया युग आ रहा है, भाव स्वागत के न सो जायें॥ ३॥समय०॥

समय रहते जगो साथी

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
			सा	रे	नि़	सा	रे़	म	–	–	म	पम़	प	ग़	–
			स	म	य	र	ह	ते	ऽ	ऽ	ज	गोऽ	ऽ	सा	ऽ
मध़	पनि़	ध़	प	म	ग़	रे़	नि़	रे़	–	–	म	गरे़	ग़	रे़	सा
थीऽ	ऽऽ	ऽ	न	किं	ऽ	चि	त	दे	ऽ	ऽ	र	होऽ	ऽ	जा	ऽ
सा	–	–	सा	रे	नि़	सा	रे़	म	–	–	म	पम़	प	ग़	–
ये	ऽ	ऽ	स	जा	ऽ	ते	ऽ	ही	ऽ	ऽ	र	होऽ	ऽ	तु	म
मध़	पनि़	ध़	प	म	ग़	रे़	नि़	रे़	–	–	म	गरे़	ग़	रे़	सा
दीऽ	ऽऽ	ऽ	प	त	ब	त	क	भो	ऽ	ऽ	र	होऽ	ऽ	जा	ऽ
सा	–	–													
ये	ऽ	ऽ													

अन्तरा

			ध़	ध़	–	प	–	ध़	–	–	ध़	ध़	–	प	म
			अ	मृ	त	ब	र	सा	ऽ	ऽ	म	ग	र	त	ब
प	–	–	म	म	ग़	ग़	सा	–	सा	ग़	म	धप़	नि़ध़	प	म
ज	ब	ऽ	श	वों	ऽ	से	ऽ	ऽ	भ	र	ग	याऽ	ऽऽ	म	र
म	–	–	ध़	ध़	–	प	–	ध़	–	–	ध़	ध़	–	प	म
घ	ट	ऽ	र	हा	ऽ	उ	प	यो	ऽ	ऽ	ग	क्या	ऽ	प	त
प	–	–	म	म	ग़	ग़	सा	–	सा	ग़	म	धप़	नि़ध़	प	म
वा	ऽ	ऽ	र	का	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ग	याऽ	ऽऽ	ज	ब
म	–	–	नि़	नि़	–	ध	–	नि़	–	–	नि़	नि़	–	नि़	म

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

त	ट	ऽ	त	ड़	प	ते	ऽ	ही	ऽ	ऽ	र	हे	ऽ	य	दि
मधु	निसां	-	नि	धु	-	धु	-	-	प	धु	प	म	-	प	-
प्राऽ	ऽऽ	ऽ	ण	अं	ऽ	कु	र	ऽ	मि	ट	ग	ई	ऽ	आ	ऽ
धु	-	-	नि	नि	-	ध	-	नि	-	-	नि	नि	-	नि	म
शा	ऽ	ऽ	स	म्हा	ऽ	लो	ऽ	जिं	ऽ	ऽ	द	गी	ऽ	का	ऽ
मधु	निसां	-	नि	धु	-	धु	-	-	प	धु	प	म	-	प	-
क्रग	ऽऽ	ऽ	प	ल	ट	जा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	न	प	रि	भा	ऽ
धु	-	-	प	प	म	म	गु	-	रे	-	म	गुरे	गु	रे	सा
षा	ऽ	ऽ	प	ल	ट	जा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	न	पऽ	रि	भा	ऽ
सा	-	-	सा	रे	नि	सा	रे	म	-	-	म	पम	प	गु	-
षा	ऽ	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	लो	ऽ	तु	म	ऽ	च	रऽ	ण	नि	ऽ
मधु	पनि	धु	प	म	गु	रे	नि	रे	-	-	म	गुरे	गु	रे	सा
भय	ऽऽ	ऽ	न	प	ऽ	श्वा	ऽ	ता	ऽ	ऽ	प	होऽ	ऽ	जा	ऽ
सा	-	-													
ये	ऽ	ऽ													

हमने पायी थाह आज माँ तेरे मन की पीर की

हमने पायी थाह आज माँ तेरे मन की पीर की।
चले चदरिया ओढ़ बसन्ती, हम बलिदानी वीर की॥

यही बसन्ती चादर ओढ़ी नानक ने रैदास ने।
ऊँच-नीच का भेद मिटाया था - श्रद्धा विश्वास ने॥
'सीय राममय' सारे जग को - जाना तुलसी दास ने।
'मों को कहाँ ढूँढता बन्दे' मैं तो तेरे पास में॥
गूँज उठी थी इसी वेष में बानी संत कबीर की॥ १॥ चले चदरिया०॥

पहना था यह वेष बसन्ती - जब रणवीर प्रताप ने।
छुड़ा दिए छक्के दुश्मन के - फिर चेतक की टाप ने॥
इसी वेष में निकले बिस्मिल - भगतसिंह आजाद थे।
किये निछावर प्राण न लेकिन - मुख पर दु:ख अवसाद थे॥
कड़ी बनेंगे हम भी बलिदानों की उस जंजीर की॥ २॥ चले चदरिया०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

गये विवेकानन्द विश्व में - इस बासन्ती वेश में।
फहरायी थी ध्वजा देवसंस्कृति की देश-विदेश में॥
वह संस्कृति जिसकी सुगन्धि पर जन-जन को अभिमान था।
जिसके कारण मिला जगद्गुरु का - हमको सम्मान था॥
जिसके सम्मुख गंध न भायी - चन्दन और अबीर की॥३॥ चले चदरिया०॥

माँ है शपथ तुम्हारी हम सब जायेंगे संसार में।
मन न किसी का रहने देंगे - भँवरों में मझधार में॥
शान्तिकुंज से निकल पड़े हम - इस बासन्ती वेश में।
पायेगा संसार शान्ति अब - गुरुवर के सन्देश में॥
चिन्ता रही न हमको धन की - साधन और शरीर की॥४॥ चले चदरिया०॥

हमने पायी थाह आज माँ

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
म	प	नि	नि	निसां	सांसां	-सां	सां	-	-	-	-	पसां	निप	सांनि	पम
हम	ने	पा	यी	थाऽ	हआ	ऽज	माँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	००	००	००	००
प	-म	रेम	प	म	प	नि	नि	निसां	सांसां	- सां	सां	निसां	सांनि	निप	पम
०	००	००	०	हम	ने	पा	यी	थाऽ	हआ	ऽज	माँ	तेऽ	रेऽ	मन	कीऽ
प	-प	प	-	मनि	पम	रेसा	नि	निनि	-नि	नि-	निसा	सारे	रेरे	रे	रे
पी	ऽर	की	ऽ	००	००	००	०	चले	ऽच	दरि	याऽ	ओऽ	ढ़ब	सं	ती
रेप	पम	मरे	रेसा	सा	-सा	सा	-	निनि	-नि	नि-	निसा	सारे	रेरे	रे	रे
हम	बलि	दाऽ	नीऽ	वी	ऽर	की	ऽ	चले	ऽच	दरि	याऽ	ओऽ	ढ़ब	सं	ती
-	सा	-रे	प	मप	-म	रे	सा	-	रे	-	सा	सा	-	-	-
०	ह	मब	लि	दाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	ऽ	वी	ऽ	र	की	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

पप	-नि	प	म	प	प	प	प	म	प	रे	म	प	-प	प	-
यही	ऽब	सं	ती	चा	दर	ओ	ढ़ी	ना	नक	ने	रै	दा	ऽस	ने	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

नि	निनि	-नि	नि	नि	निनि	नि	नि	म	प	रें	सां	सां	-सां	सां	-
ऊँ	चनी	ऽच	का	भे	दमि	टा	या	था	श्र	द्धा	वि	श्वा	ऽस	ने	ऽ
रेंरें	-रें	-रें	रें	रें	रेंमं	रेंसां	सांनि	नि	नि	सारिं	रेंसां	सां	-सां	सां	-
सिया	ऽरा	ऽम	मय	सा	रेऽ	जग	कोऽ	जा	ना	तुल	सीऽ	दा	ऽस	ने	ऽ
पसां	सांनि	निप	-प	-नि	निप	पम	मरे	रेप	पम	मरे	रेसा	सा	-सा	सा	-
मोऽ	कोऽ	कहाँ	ऽढूँ	ऽढ	ताऽ	बऽ	न्देऽ	मैंऽ	तोऽ	तेऽ	रेऽ	पा	ऽस	में	ऽ
म	प	नि	नि	निसां	-सां	-सां	सां	-	-	-	-	पसां	निप	सांनि	पम
गूँ	जऽ	ठी	थी	इसी	ऽवे	ऽश	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	००	००	००	००
प	-म	रेम	प	म	प	नि	नि	निसां	-सां	-सां	सां	निसां	सांनि	निप	पम
०	००	००	०	गूँ	जऽ	ठी	थी	इसी	ऽवे	ऽश	में	वाऽ	णीऽ	संऽ	तक
प	-प	प	-	मनि	मप	रेसा	नि	निनि	-नि	नि-	निसा	सारे	रेरे	रे	रे
बी	ऽर	की	ऽ	००	००	००	०	चले	ऽच	दरि	याऽ	ओऽ	ढ़ब	सं	ती
रेप	मप	मरे	रेसा	सा	-सा	सा	-	निनि	-नि	नि-	निसा	सारे	रेरे	रे	रे
हम	बलि	दाऽ	नीऽ	वी	ऽर	की	ऽ	चले	ऽच	दरि	याऽ	ओऽ	ढ़ब	सं	ती
रेप	पम	मरे	रेसा	सा	-सा	सा	-								
हम	बलि	दाऽ	नीऽ	वी	ऽर	की	ऽ								

मुझे रैन में दिनमान बन के आप मिल गये

मुझे रैन में दिनमान - बन के आप मिल गए।
मुझको मेरे भगवान बन के - आप मिल गए॥

माता जी औ गुरुदेव की ये परमकृपा है।
आपके हर काम में - तो राम छिपा है॥

अभिशाप को वरदान बन के आप मिल गए॥ १॥ मुझको०॥

आप मिले फिर भला - मिलने को बचा क्या।
रचना तो रची आपने - हमने है रचा क्या॥

दुर्बल को अभयदान बन के आप मिल गए॥ २॥ मुझको०॥

आप जीर्ण नाव की - पतवार हो गए।
भवसिन्धु की मझधार - हम तो पार हो गए॥

व्यवधान को निदान बन के - आप मिल गए॥ ३॥ मुझको०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

गुरुदेव के साहित्य की - सेवा में जियेंगे।
प्राण-प्राण काव्य का - पीयूष पियेंगे॥
रस रिक्त को रसखान - बनके आप मिल गए॥४॥ मुझको०॥

यह शान्तिकुञ्ज तो बस - वैकुण्ठधाम है।
गुणग्राम है ललाम है - औ त्राहिमाम् है॥
प्रभु प्यार के प्रधान, बन के आप मिल गए॥५॥ मुझको०॥

मुझे रैन में दिनमान

स्थायी — बिलम्बित कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
														सा	ग़
														मु	झे
प	–	–	–	प	प	ध़	म	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
रै	ऽ	ऽ	ऽ	न	में	दि	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ब	न	के
ध़	–	–	–	ध़	ध़	नि़	ध़	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	मि	ल	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झे
प	–	–	–	प	प	ध़	म	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
रै	ऽ	ऽ	ऽ	न	में	दि	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ब	न	के
ध़	–	–	–	ध़	ध़	नि़	ध़	प	–	–	–	–	–	प	ध़
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	मि	ल	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झ
सां	–	–	–	सां	सां	सां	नि़	नि़	सां	रें	सां	सां	सां	नि़	नि़
को	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	भ	ग	वा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ब	न	के
नि़	ध़	–	–	ध़	ध़	नि़	ध़	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	मि	ल	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झे
प	–	–	–	प	प	ध़	म	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
रै	ऽ	ऽ	ऽ	न	में	दि	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ब	न	के
ध़	–	–	–	ध़	ध़	नि़	ध़	प	–	–	–	–	–		
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	मि	ल	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ		

ॐकार 'प्रणव' की ध्वनि भी इसी दिव्य संगीत को कहा गया है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

														प	ध़
														मा	ऽ
सां	–	–	–	सां	नि़	प	ध़	सां	–	–	सां	सां	–	नि	सां
ता	ऽ	ऽ	ऽ	जी	औ	गु	रु	दे	ऽ	ऽ	व	की	ऽ	ये	ऽ
सां	रें	–	–	–	सां	नि़	ध़	ध़	नि़	प	–	–	–	–	–
प	र	म	ऽ	ऽ	कृ	पा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गुं	–	–	–	गुं	गुं	गुं	मं	गुं	मं	–	गुं	रें	सां	सां	नि़
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	के	ह	र	का	ऽ	ऽ	म	में	ऽ	तो	ऽ
नि़	ध़	–	–	–	नि़	नि़	रें	रें	सां	–	–	–	–	–	–
रा	ऽ	ऽ	ऽ	म	छि	पा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गुं	–	–	–	गुं	गुं	गुं	मं	गुं	मं	–	गुं	रें	सां	सां	नि़
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	के	ह	र	का	ऽ	ऽ	म	में	ऽ	तो	ऽ
नि़	ध़	–	–	–	ध़	नि़	ध़	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
रा	ऽ	ऽ	ऽ	प	छि	पा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	भि
प	–	–	–	प	प	ध़	म	प	–	–	–	म	ग़	सा	ग़
शा	ऽ	ऽ	ऽ	प	को	व	र	दा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ब	न	के
ध़	–	–	–	ध़	ध़	नि़	ध़	प	–	–	–	म	ग़		
आ	ऽ	ऽ	ऽ	प	मि	ल	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ		

कर रहे हैं साधना हम शक्ति गुरुवर आप देना

कर रहे हैं साधना हम - शक्ति गुरुवर आप देना।
देखना हम गिर न पायें - बीच में ही थाम लेना॥

कम पड़ी ऊर्जा अतः - आवाज हे गुरुवर! लगाई।
चल रहे हैं राह वह जो - आपने हम को बताई॥

शक्ति चलने की सतत् दो - बीच में यह पग रुकें ना॥ १॥ कर रहे हैं०॥

ध्यान में डूबे हृदय तो - हो प्रभामय छवि तुम्हारी।
दमकती हो तेज से प्रभु - प्राणमय आभा सुखारी॥

साथ ही वर दो कि सह लें - तेज वह ये निबल नैना॥ २॥ कर रहे हैं०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जन्म सार्थक हो गया - तुमने हमें यह कार्य सौंपा।
धन्य हैं हम जगतहित की - योजना का अंश रोपा॥
अब किये बिन काम गुरुवर - हृदय को पड़ता न चैना॥३॥ कर रहे हैं०॥

आप ही गुरु आप सविता - आप गायत्री हमारे।
शक्ति लेने अतः आये - आपके ही हृदय द्वारे॥
प्रभु हमें आलोक दो - मिट जाय यह अज्ञान रैना॥४॥ कर रहे हैं०॥

कर रहे हैं साधना हम

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	सा	ग॒	सा	ध़	नि़	प़	ध़	सा	–	–	नि़	रे	सा	सा	–
०	क	र	र	हे	ऽ	हैं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ध	ना	ऽ	ह	म
–	सा	–	सा	सा	रे	नि़	सा	ग॒	–	–	रे	म	ग॒	ग॒	–
०	श	ऽ	क्ति	गु	रु	व	र	आ	ऽ	ऽ	प	दे	ऽ	ना	ऽ
–	सा	–	ग॒	प	–	प	–	–	ध॒	नि॒	ध॒	प	–	म	ग॒
०	दे	ऽ	ख	ना	ऽ	ह	म	ऽ	गि	र	न	पा	ऽ	यें	ऽ
–	सा	–	ग॒	प	–	प	–	–	ध॒	नि॒	ध॒	प	–	प	–
०	दे	ऽ	ख	ना	ऽ	ह	म	ऽ	गि	र	न	पा	ऽ	यें	ऽ
–	प	ध॒	म	ग॒	रे	रे	–	–	ग	म	ग॒	सा	–	सा	–
०	बी	ऽ	च	में	ऽ	ही	ऽ	ऽ	था	ऽ	म	ले	ऽ	ना	ऽ
–	सा	ग॒	सा	ध़	नि़	प़	ध़	सा	–	–	नि़	रे	सा	सा	–
०	क	र	र	हे	ऽ	हैं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ध	ना	ऽ	ह	म

अन्तरा

–	नि़	–	नि़	नि़	–	नि़	–	सा	–	–	सा	सा	–	सा	–
०	क	म	प	ड़ी	ऽ	ऊ	ऽ	र्जा	ऽ	ऽ	अ	तः	ऽ	आ	ऽ
–	ग॒	–	ग॒	ग॒	–	ग॒	सा	–	सा	म	ग॒	सा	–	रे	सा
ऽ	वा	ऽ	ज	है	ऽ	गु	रु	ऽ	व	र	ल	गा	ऽ	यी	ऽ
नि़	ग	–	ग	ग	–	ग	सा	–	ग	म	ग	म	–	म	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ऽ	च	ल	र	हे	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ह	व	ह	जो	ऽ
–	ध़	–	ध़	ध़	–	ध़	म	–	म	नि़	ध़	प	–	प	–
०	आ	ऽ	प	ने	ऽ	ह	म	ऽ	को	ऽ	ब	ता	ऽ	यी	ऽ
–	प	–	ध़	सां	–	सां	–	–	नि़	–	ध़	प	–	प	–
०	श	ऽ	क्ति	च	ल	ने	ऽ	ऽ	की	ऽ	स	त	त्	दो	ऽ
–	प	–	ध़	सां	–	सां	–	–	नि़	–	ध़	प	–	प	–
०	श	ऽ	क्ति	च	ल	ने	ऽ	ऽ	की	ऽ	स	त	त्	दो	ऽ
–	प	ध़	म	ग़	रे	रे	–	–	ग़	म	ग़	सा	–	सा	–
०	बी	ऽ	च	में	ऽ	य	ह	ऽ	प	ग	रु	के	ऽ	ना	ऽ

रुके नहीं पतवार

रुके नहीं पतवार - माँझियों! रुके नहीं पतवार।
माँझियों! रुके नहीं पतवार॥

बाढ़ भयंकर आयी है।
घटा अभी भी छायी है॥
तट पर भीड़ अपार - माँझियों! रुके नहीं पतवार॥ १॥ रुके नहीं०॥

सब जाने अनजानों को।
अपने और विरानों को॥
पहुँचा दो उस पार - माँझियों! रुके नहीं पतवार॥ २॥ रुके नहीं०॥

तुम में साहस है बल है।
शक्ति प्राण का सम्बल है॥
क्यों होगी फिर हार - माँझियों! रुके नहीं पतवार॥ ३॥ रुके नहीं०॥

साहस है, बल है, श्रम है।
हमको फिर किसका गम है॥
पथ देगी खुद धार- माँझियों! रुके नहीं पतवार॥ ४॥ रुके नहीं०॥

संगीत के प्रभाव से जीव-जन्तुओं की भाँति पौधे भी मुक्त नहीं हैं। राग-रागनियों का प्रभाव गन्ना, धान, शकरकंद, नारियल आदि पर पड़ता है – डॉ० टी० एन० सिंह

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

रुके नहीं पतवार

स्थायी — दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
–	–	सा	ग	–	म	प	–	–	ध	प	ध
०	०	रु	के	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	प	त	ऽ
ध	सां	–	–	–	–	नि̲	ध	प	म	प	ग
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
–	–	ग	म	–	प	ग	म	ग	रे	–	सा
०	०	रु	के	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	प	ऽ	त
सा	नि̲	–	–	–	–	सा	–	ग	ग	–	–
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	मा	ऽ	ऽ	झी	ऽ	ऽ
–	–	ग	म	–	प	ग	म	ग	रे	–	सा
०	०	रु	के	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	प	ऽ	त
सा	–	–	–	प	–	ग	म	रे	ग	सा	–
वा	ऽ	ऽ	र	०	०	०	०	०	०	०	०
–	–	सा	ग	–	म	प	–	–	ध	प	ध
०	०	रु	के	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	प	त	ऽ
ध	सां	–	–	–	–						
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र						

अन्तरा

						–	–	प	–	प	–
						०	०	अ	ति	भी	ऽ
ध	सां	–	सां	सां	–	–	–	रें	गं	सां	रें
ष	ण	ऽ	ज	ल	ऽ	०	०	प्ला	ऽ	व	न
रें	गं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	पं
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सां	रें	सां	नि	ध	प	–	ध	नि̲	–
०	०	शे	ऽ	ष	अ	भी	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ
–	–	ध्र	नि̲	ध्र	प	प	–	–	नि	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

०	०	सा	ऽ	व	न	है	ऽ	ऽ	०	०	०
–	–	नि	–	सां	रें	नि	सां	नि	ध	प	प
०	०	त	ट	प	र	भी	ऽ	ऽ	ड़	ऽ	अ
म	प	–	ग	–	म	प	–	नि	नि	–	–
पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	मा	ऽ	ऽ	झी	ऽ	ऽ
–	–	नि	–	सां	रें	नि	सां	नि	ध	प	प
०	०	त	ट	प	र	भी	ऽ	ऽ	ड़	ऽ	अ
म	प	–	ग	–	–	नि̲	–	–	ध̲	प	म
पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	मा	ऽ	ऽ	झी	ऽ	ऽ
ग	–	ग	म	–	प	ग	म	ग	रे	–	सा
ऽ	०	रु	के	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	प	ऽ	त
सा	–	–	–	–	–						
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र						

साथ दे जाओ जरा आवाज तुमको दे रहा हूँ

साथ दे जाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ।
भार उठवाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ।।

देख मानवता सिसकती - आँख अपनी भर गयी थी।
मनुज की चीत्कार उर में - घाव गहरा कर गयी थी।।
चीख सुन जाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ।। १।। भार०।।

और तब से एक क्षण भी - चैन से कब बैठ पाया।
मेटने यह ताप खुद को - सूर्य के व्रत सा तपाया।।
रोशनी लाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ।। २।।भार०।।

ले लिया संकल्प अब तो - युग बदलने का बड़ा है।
हर कदम पर राह में - लेकिन सखे! पत्थर अड़ा है।।
यह सरकावाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ।। ३।।भार०।।

शत्रु है सबसे बड़ा - अज्ञान, उसको मारना है।
डूबते जीवन कलश को - डोर थाम उबारना है।।
डोर खिंचवाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ।। ४।।भार०।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

है बड़ा दायित्व सब - कल्मष-कषाय निकालना है।
और करनी सत्य, शिव - सुन्दरम् की स्थापना है॥
प्रिय बदल जाओ जरा - आवाज तुमको दे रहा हूँ॥५॥भार०॥

साथ दे जाओ जरा

स्थायी — रूपक ताल

०			१		२		०			१		२	
१	२	३	४	५	६	७	१	२	३	४	५	६	७
नि॒	–	रे	ग	–	ग	म	रे	ग	रे	सा	–	सा	–
सा	ऽ	थ	दे	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ	ज	रा	ऽ	आ	ऽ
प	–	प	प	–	प	–	प	मं॑	ध	प	मं॑	प	–
वा	ऽ	ज	तु	म	को	ऽ	दे	ऽ	र	हा	ऽ	हूँ	ऽ
ध	नि॒	ध	प	मं॑	प	–	सां	नि	रें	सां	–	प	–
भा	ऽ	र	उ	ठ	वा	ऽ	ओ	ऽ	ज	रा	ऽ	आ	ऽ
ग	म	रे	ग	–	म	प	ग	म	रे	नि॒	रे	सा	–
वा	ऽ	ज	तु	म	को	ऽ	दे	ऽ	र	हा	ऽ	हूँ	ऽ
नि॒	–	रे	ग	–	ग	म	रे	ग	रे	सा	–	–	–
सा	ऽ	थ	दे	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ	ज	रा	ऽ	०	०

अन्तरा

प	ग	म	प	–	प	म	प	ध	ध	ध	–	ध	प
दे	ऽ	ख	मा	ऽ	न	व	ता	ऽ	सि	स	क	ती	ऽ
पध	नि॒	नि॒	नि॒	–	नि॒	–	नि॒	–	नि॒सां	नि॒सां	-नि॒	धनि॒	धप
आँऽ	ऽ	ख	अ	प	नी	ऽ	भ	र	गऽ	ईऽ	ऽऽ	थीऽ	ऽऽ
प	ग॑	म	प	–	प	म	प	ध	ध	ध	–	ध	प
म	नु	ज	की	ऽ	चि	ऽ	त्का	ऽ	र	उ	र	में	ऽ
पध	नि॒	नि॒	नि॒	–	नि॒	–	नि॒	–	नि॒सां	नि॒सां	-नि॒	धनि॒	धप
घाऽ	ऽ	व	ग	ह	रा	ऽ	क	र	गऽ	ईऽ	ऽऽ	थीऽ	ऽऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सां	–	सां	सां	–	सां	–	नि̲	–	नि̲	सां	–	सां	रें	
ची	ऽ	ख	सु	न	जा	ऽ	ओ	ऽ	ज	रा	ऽ	आ	ऽ	
रें	गं	सां	सां	नि̲	नि̲	–	नि̲	–	नि̲सां	नि̲सां	-नि̲	धनि̲	धप	
वा	ऽ	ज	तु	म	को	ऽ	दे	ऽ	रऽ	हाऽ	ऽऽ	हूँऽ	ऽऽ	
ग	प	ध	नि̲	–	ध	प	रे	ग	प	ग	रे	सा	–	
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

जब जब पीड़ित पाप पतन से यह धरती हो जाती।

जब जब पीड़ित पाप पतन से यह धरती हो जाती।
तब-तब नये रूपधर - धरकर दिव्य चेतना आती।
करने हल्का भू का भार - आते धरती पर अवतार।।
पीड़ित हुई आज मानवता - चिन्तन में विकृतियाँ आई।
अंधकार में भटका मानव - भीषण विपदायें गहराई।
करुणा से हो उठी द्रवित - फिर -युग स्रष्टा की छाती।।यू ही युग०।।
धन्य हुआ फिर आँवलखेड़ा - उसने दिव्य विभूति पाई।
पंडित रूपराम शर्मा घर - अवतारी सत्ता फिर आई।
नवयुग के मत्स्यावतार की - वह भूमिका निभाती।।यू ही युग०।।
बालक श्रीराम शर्मा में - वह विशेषता दी दिखलाई।
स्वयं हिमालय की ऋषि सत्ता - आतम बोध कराने आई।
गुरु रूप में रही उन्हें वह - चौबीस वर्ष तपाती।। यू ही युग०।।
गायत्री को साध्य बनाकर - अविरल ज्योति अखण्ड जलाई।
युग का अंधकार हरने की - उससे सतत् प्रेरणा पाई।।
बनकर ज्योति अखण्ड रही वह - ज्ञान क्रान्ति चलवाती।।यू ही युग०।।
युग निर्माण योजना द्वारा - परिवर्तन प्रक्रिया चलाई।
अन्ध विश्वासो आडम्बर से - जन मानस को मुक्ति दिलाई।
उनकी ज्ञान मशाल विश्व को - नूतन पथ दिखलाती।।यू ही युग०।।
जाति पाति का भेद मिटाकर - गायत्री सब तक पहुँचाई।
ऊँच-नीच का भाव मिटाकर - यज्ञाहुति सबसे डलवाई।।
युग ऋषि के सन्मुख जन श्रद्धा - नत मस्तक हो जाती।।यू ही युग०।।

संगीत के प्रभाव से शारीरिक शिक्षा में सरसता एवं सजीवता आ जाती है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जब जब पीड़ित पाप पतन से

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प	–	ध़	प	प	–	ध़	प	प	–	ध़	प	प	–	प	–
ज	ब	ज	ब	पी	ऽ	ड़ि	त	पा	ऽ	प	प	त	न	से	ऽ
प	–	ध़	प	म	–	ग़	रे	ग़	–	म	–	–	–	–	–
य	ह	ध	र	ती	ऽ	हो	ऽ	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	प	म	म	–	प	म	–	म	प	म	म	–	म	–
त	ब	त	ब	न	ये	ऽ	रु	ऽ	प	ध	र	ध	र	क	र
नि़	–	ध़	नि़	–	ध़	ध़	प	प	–	प	म	ग़	रे	सा	–
दि	ऽ	व्य	चे	ऽ	त	ना	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	क	र	ने	ऽ
सा	–	रे	–	रे	–	म	–	ग़	–	–	–	रे	–	नि़	–
ह	ऽ	ल्का	ऽ	भू	ऽ	का	ऽ	भा	ऽ	ऽ	र	आ	ऽ	ते	ऽ
सा	–	रे	ग़	रे	–	सा	–	सा	–	–	–	सा	–	सा	–
ध	र	ती	ऽ	प	र	अ	व	ता	ऽ	ऽ	र	क	र	ने	ऽ
सा	–	रे	–	रे	–	म	–	ग़	–	–	–	रे	–	नि़	–
ह	ऽ	ल्का	ऽ	भू	ऽ	का	ऽ	भा	ऽ	ऽ	र	आ	ऽ	ते	ऽ
सा	–	रे	ग़	रे	–	सा	–	सा	–	–	–	–	–	–	–
ध	र	ती	ऽ	प	र	अ	व	ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

–	–	रे	–	–	रे	–	नि़	सा	–	सा	–	–	–	सा	–
०	०	पी	ऽ	ऽ	ड़ि	ऽ	त	हु	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
–	–	रे	–	रे	–	–	नि़	सा	–	–	–	सा	–	–	–
ऽ	ऽ	ज	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	व	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	म	–	–	म	–	–	म	–	–	–	म	–	ग़	–
ऽ	ऽ	चि	ऽ	ऽ	न्त	ऽ	न	में	ऽ	ऽ	ऽ	वि	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	म	–	ध	प	–	प	–	–	–	म	ग़	रे	सा
ऽ	ऽ	कृ	ति	ऽ	याँ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	रे	–	–	रे	–	नि़	सा	–	सा	–	सा	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ऽ	ऽ	अं	ऽ	ऽ	ध	ऽ	का	ऽ	ऽ	र	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	रे	–	–	रे	–	नि़	सा	–	–	–	सा	–	–	–
ऽ	ऽ	भ	ऽ	ट	का	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	व	ऽ
–	–	म	–	–	म	–	–	म	–	–	–	म	–	ग़	–
ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ष	ऽ	ण	वि	ऽ	प	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	म	–	ध़	प	–	प	–	–	–	प	–	–	–
ऽ	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ग	ह	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध़	प	प	–	ध़	प	प	प	ध़	प	प	–	प	–
क	रु	णा	ऽ	से	ऽ	हो	ऽ	उ	ठी	ऽ	द्र	वि	त	फि	र
प	–	ध़	प	म	–	ग़	रे	ग़	–	म	–	–	–	–	–
यु	ग	सृ	ऽ	ष्टा	ऽ	की	ऽ	छा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	प	म	म	–	प	म	म	–	प	म	म	–	म	–
यूँ	ऽ	ही	ऽ	यु	ग	पी	ऽ	ड़ा	ऽ	से	ऽ	पी	ऽ	ड़ि	त
नि़	–	ध़	नि़	–	ध़	ध़	प	प	–	प	म	ग़	रे	सा	–
दि	ऽ	व्य	चे	ऽ	त	ना	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	क	र	ने	ऽ
सा	–	रे	–	रे	–	म	–	ग़	–	–	–	रे	–	नि़	–
ह	ऽ	ल्का	ऽ	भू	ऽ	का	ऽ	भा	ऽ	ऽ	र	आ	ऽ	ते	ऽ
सा	–	रे	ग़	रे	–	सा	–	सा	–	–	–	सा	–	सा	–
ध	र	ती	ऽ	प	र	अ	व	ता	ऽ	ऽ	र	क	र	ने	ऽ
सा	–	रे	–	रे	–	म	–	ग़	–	–	–	रे	–	नि़	–
ह	ऽ	ल्का	ऽ	भ	ऽ	का	ऽ	भा	ऽ	ऽ	र	आ	ऽ	ते	ऽ
सा	–	रे	ग़	रे	–	सा	–	सा	–	–	–	–	–	–	–
ध	र	ती	ऽ	प	र	अ	व	ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

जिन्दगी हवन करें चलो समाज के लिये

जिन्दगी हवन करें चलो समाज के लिए।
बहुत दिनों मरे-जिए हैं - तख्त-ताज के लिए।।
मिल गया मनुष्य तन - ज्ञान ज्योति मिल गयी।
किन्तु मात्र स्वार्थ में - ये जिन्दगी निकल गयी।।
मूल खो रहा मनुष्य - आज ब्याज के लिए।। १।। बहुत दिनों०।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

न्याय, नीति, प्रीति, रीति - दीन-हीन हो रही॥
प्यार आग बुझ रही - प्रकाश हीन हो रही॥
जिन्दगी बनी हुई मशीन आज के लिए॥ २॥ बहुत दिनों०॥

ज्ञान के विवेक के - प्राण हैं विलख रहे।
दुष्ट जोश पा रहे - कि श्रेष्ठ जन सिसक रहे॥
शीलवान प्रण करें - विवेक लाज के लिए॥ ३॥ बहुत दिनों०॥

घुट रही है जिन्दगी - लुट रहा है आदमी।
दब रही है चेतना - सिमट रहा है आदमी॥
बन सुधा संजीवनी - चलो इलाज के लिए॥ ४॥ बहुत दिनों०॥

रूढ़ि में सड़ें नहीं - कुरीतियाँ गढ़ें नहीं।
बढ़ें कदम प्रकाश के - विरोध में अड़ें नहीं॥
चलों चलें करें प्रयाण - आत्मराज के लिए॥ ५॥ बहुत दिनों०॥

जिन्दगी हवन करें

स्थायी — दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
सा	–	सा	ग	–	ग	प	–	प	प	–	प
जि	ऽ	न्द	गी	ऽ	ह	व	न	क	रें	ऽ	च
प	–	ध	प	–	ध	ग	–	प	ध	–	प
लो	ऽ	स	मा	ऽ	ज	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ब
सां	–	सां	ध	–	ध	प	–	प	ग	–	ग
हु	त	दि	नों	ऽ	म	रे	ऽ	जि	ये	ऽ	हैं
रे	–	रे	रे	–	रे	ग	–	रे	सा	–	–
त	ऽ	खा	ता	ऽ	ज	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ऽ
सा	–	सा	ग	–	ग	प	–	प	ध	–	प
जि	ऽ	न्द	गी	ऽ	ह	व	न	क	रें	ऽ	ऽ
सां	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

प	–	प	प	–	प	प	–	प	प	–	–
मि	ल	ग	या	ऽ	म	नु	ऽ	ष्य	त	न	ऽ
प	–	ध	प	–	ध	ग	–	प	ध	–	–
ज्ञा	ऽ	न	ज्यो	ऽ	ति	मि	ल	ग	यी	ऽ	ऽ
प	–	ध	प	–	ध	ग	–	प	ध	–	–
ज्ञा	ऽ	न	ज्यो	ऽ	ति	मि	ल	ग	यी	ऽ	ऽ
सां	–	सां	सां	–	सां	ध	–	ध	प	–	प
कि	ऽ	न्तु	मा	ऽ	त्र	स्वा	ऽ	र्थ	में	ऽ	ये
ग	–	ग	रे	–	रे	ग	–	रे	सा	–	–
जि	ऽ	न्द	गी	ऽ	नि	क	ल	ग	यी	ऽ	ऽ
सां	–	सां	गं	–	रें	गं	–	रें	सां	–	–
जि	ऽ	न्द	गी	ऽ	नि	क	ल	ग	यी	ऽ	ऽ
गं	–	गं	गं	–	गं	रें	–	रें	सां	–	सां
मू	ऽ	ल	खो	ऽ	र	हा	ऽ	म	नु	ऽ	ष्य
ध	–	सां	प	–	ध	ग	–	प	ध	–	–
आ	ऽ	ज	ब्या	ऽ	ज	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ऽ
ध	–	सां	प	–	ध	ग	–	प	ध	–	प
आ	ऽ	ज	ब्या	ऽ	ज	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ब
सां	–	सां	ध	–	ध	प	–	प	ग	–	ग
हु	त	दि	नों	ऽ	म	रे	ऽ	जि	ये	ऽ	हैं
रे	–	रे	रे	–	रे	ग	–	रे	सा	–	–
त	ऽ	ख्त	ता	ऽ	ज	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ऽ

वन्दना के इन स्वरों में - एक स्वर मेरा मिला लो

वन्दना के इनस्वरों में - एक स्वर मेरा मिला लो।
वन्दनीय माँ को न भूलूँ।
राग में जब मस्त झूलूँ।।
हो जहाँ बलि शीश अगणित,
एक सिर मेरा मिला लो।। १।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जब हृदय के तार बोलें।
शृङ्खला के बन्ध खोलें॥
अर्चना के इन कणों में -
एक कण मेरा मिला लो॥ २॥वन्दना के०॥

वन्दना के इन स्वरों में

स्थायी — विलम्बित कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	नि़	–	सा	रे	ग़	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	रे	सा	रे
०	व	ऽ	न्द	ना	ऽ	के	ऽ	इ	न	ऽ	स्व	रों	ऽ	में	ऽ
नि़	नि़	–	सा	रे	ग़	रे	सा	सा	–	–	नि़	सा	नि़	सा	–
०	ए	ऽ	क	स्व	र	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि़	ला	ऽ	लो	ऽ
–	प	–	प	प	–	म	ग	म	–	–	म	ग़	रे	रे	–
०	ए	ऽ	क	स्व	र	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ
–	प	–	प	प	–	म	ग	म	ग	म	म	ग़	रे	रे	–
०	ए	ऽ	क	स्व	र	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ
–	नि़	–	सा	रे	ग़	रे	सा	सा	–	–	म	ग़	रे	सा	नि़
०	ए	ऽ	क	स्व	र	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ
–	नि़	–	सा	रे	ग़	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	रे	सा	रे
०	व	ऽ	न्द	ना	ऽ	के	ऽ	इ	न	ऽ	स्व	रों	ऽ	में	ऽ
नि़	नि़	–	सा	रे	ग़	रे	सा	सा	–	–	नि़	सा	नि़	सा	–
०	ए	ऽ	क	स्व	र	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि़	ला	ऽ	लो	ऽ

अन्तरा

–	प	–	प	प	म	म	ग	ग	म	ग	म	म	प	प	–
०	व	ऽ	न्द	नी	ऽ	माँ	ऽ	को	ऽ	ऽ	न	भू	ऽ	लूँ	ऽ
–	प	नि़	ध	सां	नि़	ध	प	प	–	–	ध	म	ग	प	–
०	रा	ऽ	ग	में	ऽ	ज	ब	म	ऽ	ऽ	स्त	झू	ऽ	लूँ	ऽ
–	प	नि़	ध	प	–	म	ग	म	–	–	प	ग़	रे	सा	रे
०	अ	ऽ	र्च	ना	ऽ	के	ऽ	र	ऽ	ऽ	त	क	ण	में	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

नि॒	नि॒	–	सा	रे	ग॒	रे	सा	सा	–	–	नि॒	सा	नि॒	सा	–
०	ए	ऽ	क	क	ण	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ
–	प	–	प	प	–	म	ग	म	–	–	प	ग॒	रे	रे	–
०	ए	ऽ	क	क	ण	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ
–	प	–	प	प	–	म	ग	म	ग	म	प	ग॒	रे	रे	–
०	ए	ऽ	क	क	ण	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ
–	नि॒	–	सा	रे	ग॒	रे	सा	सा	–	–	नि॒	सा	नि॒	सा	–
०	ए	ऽ	क	क	ण	मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	लो	ऽ

बदला जाये दृष्टिकोण यदि तो इन्सान बदल सकता है

बदला जाये दृष्टिकोण यदि तो इन्सान बदल सकता है।
दृष्टिकोण के परिवर्तन से अरे जहान बदल सकता है।

कुछ भी नहीं असम्भव होता - जब संकल्प किये जाते है।
सकल्पों को जब साहस के - गतिमय चरण दिये जाते है।
बाधाओं की क्या विसात फिर - रुख तूफान बदल सकता है।

आसमान किससे क्या कहता - धरती किसको टोका करती।
मंजिल दूर भगाती किसको - गति कब किसको रोका करती।
सबको ही प्रकाश देने से - क्या दिनमान बदल सकता है।

लेकिन हम ही नहीं बदलते - घिसा पिटा जीवन जीते हैं।
ताना बाना बुना ना जाता - फटी हुई चादर सीते हैं।
मन चाहे ही परिधानों को - चाहे प्राण बदल सकता है।

युग परिवर्तन की बेला में - आओ दृष्टिकोण हम बदलें।
गंगा के प्रवाह सा बहने जीवन की धारायें बदलें।
शापित जनमानस का फिर तो - भाग्य विधान बदल सकता है।
अगर ज्ञान का सूर्य उदय हो - नवल विहान बदल सकता है।

संगीत समस्त विज्ञानों का मूलाधार है तथा ईश्वर के द्वारा इसका निर्माण विश्व के वर्तमान विसंवादी प्रवृत्तियों के निराकरण के लिए हुआ है। – प्लेटो

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

बदला जाये दृष्टिकोण

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	पम	प	सां	–	निप	म	प	ग	–	ग	म	रे	रे	सा	सा
०	बद	ला	ऽ	ऽ	जाऽ	ये	ऽ	दृ	ऽ	ष्टि	को	ऽ	ण	य	दि
–	मरे	म	–	प	–	प	प	नि	ध	ध	नि	नि	प	प	–
०	तोऽ	इ	ऽ	न्सा	ऽ	न	ब	द	ल	स	क	ता	ऽ	है	ऽ
–	सांनि	सां	रें	सां	सां	सां	–	–	पप	ध	नि	पध	मप	गम	रेग
०	दृऽ	ष्टि	को	ऽ	ण	के	ऽ	ऽ	परि	व	ऽ	र्तऽ	नऽ	सेऽ	ऽऽ
सा	मरे	म	म	प	–	प	प	नि	ध	ध	नि	नि	प	प	–
ऽ	अरे	ऽ	ज	हा	ऽ	न	ब	द	ल	स	क	ता	ऽ	है	ऽ
–	पम	प	सां	–	निप	म	प	ग	–	ग	म	रे	रे	सा	सा
०	बद	ला	ऽ	ऽ	जाऽ	ये	ऽ	दृ	ऽ	ष्टि	को	ऽ	ण	य	दि
–	मरे	म	–	प	–	प	प	नि	ध	ध	नि	नि	प	प	–
०	तोऽ	इ	ऽ	न्सा	ऽ	न	ब	द	ल	स	क	ता	ऽ	है	ऽ

अन्तरा

–	मरे	म	–	प	प	–	प	नि	ध	नि	सां	ध	–	प	–
०	कुछ	भी	ऽ	न	हीं	ऽ	अ	स	ऽ	म्भ	व	हो	ऽ	ता	ऽ
–	पध	सां	–	सां	–	सां	सां	सां	नि	रें	सां	ध	–	प	–
०	जब	सं	ऽ	क	ऽ	ल्प	कि	ये	ऽ	जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ
–	मरे	म	–	प	–	प	–	–	निध	नि	सां	ध	–	प	–
०	संऽ	क	ऽ	ल्पों	ऽ	को	ऽ	ऽ	जब	सा	ऽ	ह	स	के	ऽ
–	पध	सां	–	सां	–	सां	सां	सां	नि	रें	सां	ध	–	प	–
०	गति	म	य	च	र	ण	दि	ये	ऽ	जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ
–	पम	प	सां	–	निप	म	प	ग	–	ग	म	रे	रे	सा	सा
०	बाऽ	धा	ऽ	ऽ	ओंऽ	की	ऽ	क्या	ऽ	वि	सा	ऽ	त	फि	र
–	मरे	म	–	प	–	प	प	नि	ध	ध	नि	नि	प	प	–
०	रुख	तू	ऽ	फा	ऽ	न	ब	द	ल	स	क	ता	ऽ	है	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अब नवयुग की गंगोत्री से बही ज्ञान की धारा है

अब नवयुग की गंगोत्री से बही ज्ञान की धारा है।
हम युग का निर्माण करेंगे - यह संकल्प हमारा है।
गुरु सत्ता ने थकी मनुजता को नूतम विश्वास दिया।
पतितों के उधार के लिये - उन ने सदा प्रयास किया।
उनकी ही कारण सत्ता का - हमको सतत् सहारा है।
है दीपक की तरह चले हम करने युग निर्माण चलें।
जलती हुई मशाल हाथ में लेकर अमर निशान चलें।
आज असुरता के विनाश को चमका यही दुधारा है।
धरती के कौने-कौने में गली-गली में जायेंगे।
तपी हवाओं से मुरझाई - कली-कली विकसायेंगे।
गुरु का चिन्तन दुखी मनुजता की शीतल रस धारा है।
नया ज्ञान का सूर्य उगेगा - तिमिर नही रह पायेगा।
मानव में देवत्व जगेगा - स्वर्ग धरा पर आयेगा।
अंधकार कितना ही हो पर - सूरज कभी न हारा है।

अब नवयुग की गंगोत्री से

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
								प॒	–	प॒	–	ग॒	–	ग॒	–
								अ	ब	न॒	व	यु	ग	की	ऽ
रे	–	रे	सा	सा	–	सा	–	म	म	–	म	–	म	म	ग॒
गं	ऽ	गो	ऽ	त्री	ऽ	से	ऽ	ब	ही	ऽ	ज्ञा	ऽ	न	की	ऽ
प	–	प	–	प	–	–	–	सा	–	ग॒	–	प	–	–	–
धा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
प	–	प	–	प	–	म	ग॒	ग॒	म	–	ग॒	रे	सा	सा	रे
ह	म	यु	ग	का	ऽ	नि	ऽ	र्मा	ऽ	ण	क	रें	ऽ	गे	ऽ
नि॒	–	नि॒	ग॒	ग॒	रे	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
य	ह	सं	ऽ	क	ऽ	ल्प	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

प	–	प	–	प	–	म	ग़	ग़	म	–	ग़	रे	सा	सा	रे
ह	म	यु	ग	का	ऽ	नि	ऽ	र्मा	ऽ	ण	क	रें	ऽ	गे	ऽ
नि़	–	नि़	ग़	ग़	रे	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
य	ह	सं	ऽ	क	ऽ	ल्प	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

ग़	–	ग़	–	ग़	–	रे	सा	ग़	ग़	–	ग़	रे	–	सा	–
गु	रु	स	ऽ	त्ता	ऽ	ने	ऽ	थ	की	ऽ	म	नु	ज	ता	ऽ
म	–	म	–	म	–	म	ग़	प	–	प	प	प	–	–	–
को	ऽ	नू	ऽ	त	न	वि	ऽ	श्वा	ऽ	स	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	ग़	–	प	–	–	–	प	–	प	–	नि़	–	नि़	प
०	०	०	०	०	०	०	०	प	ति	तों	ऽ	के	ऽ	ऊ	ऽ
सां	नि़	नि़	नि़	प	प	म	ग़	म	प	प	म	ग़	रे	–	सा
द्धा	ऽ	र	के	ऽ	लि	ये	ऽ	उ	न	ने	ऽ	स	दा	ऽ	प्र
सा	–	सा	सा	सा	–	–	–	प	–	प	–	नि़	–	नि़	प
या	ऽ	स	कि	या	ऽ	ऽ	ऽ	उ	न	की	ऽ	ही	ऽ	का	ऽ
सां	नि़	नि़	प	प	–	प	–	सां	नि़	नि़	प	प	प	म	प
र	ण	स	ऽ	त्ता	ऽ	का	ऽ	ह	म	को	ऽ	स	त	त्	स
म	ग़	म	प	म	–	–	–	सा	–	ग़	–	प	–	–	–
हा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०
प	–	प	–	प	–	म	ग़	ग़	म	–	ग़	रे	सा	सा	रे
ह	म	यु	ग	का	ऽ	नि	ऽ	र्मा	ऽ	ण	क	रें	ऽ	गे	ऽ
नि़	–	नि़	ग़	ग़	रे	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
य	ह	सं	ऽ	क	ऽ	ल्प	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	प	–	म	ग़	ग़	म	–	ग़	रे	सा	सा	रे
ह	म	यु	ग	का	ऽ	नि	ऽ	र्मा	ऽ	ण	क	रें	ऽ	गे	ऽ
नि़	–	नि़	ग़	ग़	रे	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
य	ह	सं	ऽ	क	ऽ	ल्प	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

किये मन्त्र जप माला फेरी पूजन आठो याम का

किये मन्त्र जप माला फेरी पूजन आठो याम का।
रहे भाव संकीर्ण अगर तो यह पूजन किस काम का।।

हर पूनों हर नहाये गंगाजी के नीर में।
पर मन डूब न पाया बिल्कुल किसी दु:खी की पीर में।
करते रहे सफर हम निष्ठुर मन से चारों धाम का।।
रहे भाव संकीर्ण अगर तो यह पूजन किस काम का।।

ईश्वर ने जो दिया लगाया, केवल अपने वास्ते।
स्वार्थ पूर्ति हो जिनसे, हमने चुने वही सब रास्ते।
किया यत्न हर पल छिन हमने अपने सुख आराम का।।
रहे भाव संकीर्ण अगर तो यह पूजन किस काम का।।

प्रगति देखकर औरों की हम भरे द्वेष में लोभ में।
पूर्ण न हो पायी इच्छा तो भरे तीव्र विक्षोभ में।
ध्यान रहा हर समय हमें बस अपने ही धन धाम का।।
रहे भाव संकीर्ण अगर तो यह पूजन किस काम का।।

व्यर्थ ऐंठना अहंकार में भरकर झूठी शान में।
किन्तु माँगते रहना खुद के लिए सदा भगवान से।
सदा माँगते रहना घर-घर यहाँ सुबह और शाम का।।
रहे भाव संकीर्ण अगर तो यह पूजन किस काम का।।

जितना गड्ढा किया कि उतनी मिट्टी डालो खेत में।
प्रायश्चित का सूत्र दिया यह गुरुवर ने संकेत में।।
ध्यान न रह पाया यदि हमको पापों के परिणाम का।
रहे भाव संकीर्ण अगर तो यह पूजन किस काम का।।

घर में बजने वाले पियानों की आवाज सुनकर चूहे शान्ति से बिलों में रहते हैं– दुधारू पशु संगीत की ध्वनि सुनकर अधिक दूध देते हैं– डॉ० जार्जकेट विल्स, पशुमनोविज्ञानी

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

किये मन्त्र जप माला फेरी

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प	प	म	ग़	म	ग़	रे	सा	सा	–	सा	नि़	रे	सा	नि़	ध़
कि	ये	ऽ	म	ऽ	न्त्र	ज	प	मा	ऽ	ला	ऽ	फे	ऽ	री	ऽ
ग़	–	ग़	रे	म	ग़	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
पू	ऽ	ज	न	आ	ऽ	ठो	ऽ	या	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	सां	सां	–	सां	सां	–	नि़	–	नि़	ध	प	ध	प	म
र	हे	ऽ	भा	ऽ	व	सं	ऽ	की	ऽ	र्ण	अ	ग	र	तो	ऽ
प	ध़	ध़	–	ध़	नि़	ध़	प	प	–	–	म	ग़	म	ग़	–
य	ह	जी	ऽ	व	न	कि	स	का	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	म	ग़	म	ग़	रे	सा	सा	–	सा	नि़	रे	सा	नि़	ध़
कि	ये	ऽ	म	ऽ	न्त्र	ज	प	मा	ऽ	ला	ऽ	फे	ऽ	री	ऽ
ग़	–	ग़	रे	म	ग़	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
पू	ऽ	ज	न	आ	ऽ	ठो	ऽ	या	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

प	–	प	म	म	ग़	ग़	म	म	प	प	प	प	–	प	–
ह	र	पू	ऽ	नो	ऽ	ह	र	प	ऽ	र्व	न	हा	ऽ	ये	ऽ
ध	–	ध	–	नि़	–	सां	रें	सां	रें	–	सां	नि़	–	ध	म
गं	ऽ	गा	ऽ	जी	ऽ	के	ऽ	नी	ऽ	ऽ	र	में	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	ध	–	नि़	सां	ध़	नि़	ध़	प	–	प	प	–	–	–
गं	ऽ	गा	ऽ	जी	ऽ	के	ऽ	नी	ऽ	ऽ	र	में	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म	म	ग़	ग़	म	म	प	प	–	प	–	प	–
प	र	म	न	ड़ू	ऽ	ब	न	पा	ऽ	या	ऽ	बि	ल	कु	ल
ध	ध	–	ध	नि़	–	सां	रें	सां	रें	–	सां	नि़	–	ध	म
कि	सी	ऽ	दु	खी	ऽ	की	ऽ	पी	ऽ	ऽ	र	में	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	–	ध	नि़	सां	ध़	नि़	ध़	प	–	प	प	–	–	–
कि	सी	ऽ	दु	खी	ऽ	की	ऽ	पी	ऽ	ऽ	र	में	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

प	–	नि̲	–	सां	सां	–	नि̲	रें	सां	सां	–	सां	–	सां	–
क	र	ते	ऽ	र	हे	ऽ	स	फ	र	ह	म	नि	ऽ	ष्टु	र
प	सां	सां	नि̲	नि̲	ध	प	म	म	प	नि̲	ध̲	प	–	–	–
म	न	से	ऽ	चा	ऽ	रो	ऽ	धा	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	सां	सां	–	सां	सां	–	नि̲	–	नि̲	ध	प	ध	प	म
र	हे	ऽ	भा	ऽ	व	सं	ऽ	की	ऽ	र्ण	अ	ग	र	तो	ऽ
प	ध̲	ध̲	–	ध̲	नि̲	ध̲	प	प	–	–	म	ग̲	म	ग̲	–
य	ह	जी	ऽ	व	न	कि	स	का	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	ऽ

मानवता का पतन देखकर आज धरा अकुलाई है

मानवता का पतन देखकर आज धरा अकुलाई है
देव शक्तियों ने मिलकर दुर्गा शक्ति जगाई है।

जब-जब डगमग हुई धर्म की नाव भंवर में ज्वारों में।
विविध रूप में तब भगवन तुम प्रकट हुये अवतारों में।
रघुनायक बन अत्याचारी रावण यहाँ पछाड़ा था।
ईश्वर निष्ठा के अभाव में दम्भ कंस का मारा था।
शाश्वत यही कहानी प्रभु ने हर युग में दुहराई है।
देव शक्तियों ने मिलजुलकर दुर्गा शक्ति जगाई है।

मानवता को त्राण मिला था गौतम के संदेशों में।
धर्म चेतना का विस्तार हुआ था देश विदेशों में।
संस्कार से रहित मनुजता पुनः लक्ष्य पथ भूली है।
पल भर का कुछ पता नहीं पर भौतिकता में फूली है।
इस युग में भी प्रज्ञावतार बन ईश चेतना आई है।
देव शक्तियों ने मिलजुलकर दुर्गा शक्ति जगाई है।

वानर, रीछ, गिलहरी बनकर जो अब कदम बढ़ायेगा।
सेतु राम बाँधेंगे निश्चित पुण्य वही पा जायेगा।
उठना है गोवर्धन लेकिन लाठी जरा लगालो तुम।
प्रभु के सहयोगी बनने का श्रेय सहज ही पालो तुम।
उठो तुम्हारे इम्तहान की आज घड़ी यह आई है।
देव शक्तियों ने मिलजुलकर दुर्गा शक्ति जगाई है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

नवयुग का मस्त्यावतार यह पल-पल बढ़ता जाता है।
शत सहस्त्र से कोटि-कोटि बन अपना ओज दिखाता है।
विश्व रूप होगा यह कल को ऋषि ने हमें बताया है।
इसीलिये यह महायज्ञ का अनुष्ठान करवाया है।
अपनायेंगे वही राह जो युग ऋषि ने दिखलाई है।
देव शक्तियों ने मिलजुलकर दुर्गा शक्ति जगाई है।

मानवता का पतन देखकर

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	–	रे	–	ग़	–	ध़	–	–	–	–	–	–	–	–	–
मा	ऽ	न	व	ता	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	म	म	ग़	ग़	प	–	–	–	–	–	–	–	–	–
प	त	न	दे	ऽ	ख	क	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	रे	–	ग़	–	ध़	प	नि़	ध़	–	–	–	–	–	–
मा	ऽ	न	व	ता	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	म	म	ग़	ग़	प	–	–	–	–	–	–	–	–	–
प	त	न	दे	ऽ	ख	क	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म	ग़	–	रे	सा	सा	रे	रे	म	ग़	–	–	–
आ	ऽ	ज	ध	रा	ऽ	अ	कु	ला	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	रे	सा	रे	नि़	–	नि़	–	नि़	नि़	–	नि़	नि़	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	व	श	ऽ	क्ति	यों	ऽ
सा	नि़	ग़	सा	ध़	–	प़	–	प	–	प	म	ग़	–	रे	सा
ने	ऽ	मि	ल	जु	ल	क	र	दु	ऽ	र्गा	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज
सा	–	सा	–	सा	–	–	–	नि़	–	नि़	नि़	–	नि़	नि़	–
गा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	व	श	ऽ	क्ति	यों	ऽ
सा	नि़	ग़	सा	ध़	–	प़	–	प	–	प	म	ग़	–	रे	सा
ने	ऽ	मि	ल	जु	ल	क	र	दु	ऽ	र्गा	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज
सा	–	सा	–	सा	–	–	–	सा	–	रे	–	ग़	–	ध़	ध़
गा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ऽ	र्गा	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज
प	–	प	–	प	–	–	–								
गा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ								

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

								सा	–	रे	ग़	सा	–	रे	ग़
								ज	ब	ज	ब	ड	ग	म	ग
सा	सा	ग़	रे	सा	सा	सा	–	सा	–	सा	सा	रे	सा	म	रे
हु	ई	ऽ	ध	ऽ	र्म	की	ऽ	ना	ऽ	व	भँ	व	र	में	ऽ
नि़	–	नि़	–	नि़	–	–	–	नि़	नि़	–	रे	–	रे	रे	–
ज्वा	ऽ	रों	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	वि	वि	ध	रू	ऽ	प	में	ऽ
सा	–	सा	–	ग़	–	ग़	–	सा	–	रे	रे	ग़	–	ध़	–
त	ब	भ	ग	व	ऩ	तु	म	प्र	ग	ट	हु	ए	ऽ	अ	व
प	–	प	–	प	–	–	–	प	–	प	–	ध़	नि़	नि़	–
ता	ऽ	रों	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	र	घु	ना	ऽ	य	क	ब	न
ध़	–	ध़	प	प	म	म	–	म	रे	रे	रे	म	म	नि़	ध़
अ	ऽ	त्या	ऽ	चा	ऽ	री	ऽ	रा	ऽ	व	ण	य	हाँ	ऽ	प
प	–	प	–	प	–	–	–	ध	–	ध	–	ध	–	ध	–
छा	ऽ	ड़ा	ऽ	था	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	श्व	र	नि	ऽ	ष्ठा	ऽ
ध	नि़	प	प	–	प	प	–	रे	–	ग़	म	–	म	नि़	ध़
के	ऽ	अ	भा	ऽ	व	में	ऽ	द	ऽ	म्भ	कं	ऽ	स	का	ऽ
प	–	प	–	प	–	–	–	सा	–	रे	–	ग़	ध़	–	–
मा	ऽ	रा	ऽ	था	ऽ	ऽ	ऽ	शा	ऽ	श्व	त	य	ही	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	ध़	प	–	प	म	म	ग़	प	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	हा	ऽ	नी	ऽ	प्र	भु	ने	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	सा	–	रे	–	ग़	ध़	प	नि़
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	शा	ऽ	श्व	त	य	ही	ऽ	ऽ
ध़	–	–	–	–	–	–	ध़	प	–	प	म	म	ग़	प	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	हा	ऽ	नी	ऽ	प्र	भु	ने	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	प	–	प	म	ग़	–	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	र	यु	ग	में	ऽ	दु	ह
सा	रे	रे	म	ग़	–	–	–	–	–	–	रे	सा	रे	नि़	–
रा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	–	नि़	नि़	–	नि़	नि़	–	सा	नि़	ग़	सा	ध़	–	प	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दे	ऽ	व	श	ऽ	क्ति	यों	ऽ	ने	ऽ	मि	ल	जु	ल	क	र
प	–	प	म	गु	–	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
दु	ऽ	र्गा	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज	गा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	–	नि़	नि़	–	नि़	नि़	–	सा	नि़	गु	सा	ध़	–	प़	–
दे	ऽ	व	श	ऽ	क्ति	यों	ऽ	ने	ऽ	मि	ल	जु	ल	क	र
प	–	प	म	गु	–	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
दु	ऽ	र्गा	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज	गा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

जब तक करुणा पिघल न जाये चाव दरश के पलते रहना

जब तक करुणा पिघल न जाये चाव दरश के पलते रहना।
जब तक मिले न प्रभु का मन्दिर दीपक तब तक जलते रहना।
निकल पड़े तो मंजिल पाना, मानवता का स्वाभिमान है।
मन चाहा पा लेने में ही, इस जीवन की रही शान है।
जब तक मिले न लक्ष्य अनश्वर राही पथ पर चलते रहना।
उस गागर की उमर बड़ी है, पनघट पर निशान जो छोड़े।
जल धारा भी वही श्रेष्ठ है, जो धरती अम्बर को जोड़े।
जब तक बुझे न प्यास सिन्धु की, हिमगिरी तुम नित गलते रहना।
नहीं अंधेरा नियति हमारी, हम चिर ज्योतिपुंज के सुत हैं।
हमको सतत् प्रकाश चाहिए, मूल्य चुकाने हित प्रस्तुत है।
जब तक मिले न सविता भास्वर, मेरे प्राण पिघलते रहना।

जब तक करुणा पिघल न जाये

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०				
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८	
–	धध	नि़	सा	सा	–	सा	–	–	सासा	रे़	गु	रेगु	–	रेसा	नि़	
०	जब	त	क	क	रु	णा	ऽ	ऽ	पिघ	ल	न	जाऽ	ऽ	येऽ	ऽ	
–	रे़–	गु	म	गु	मप	म	–	–	रेगु	रे़	सा	सा	–	नि़सा	ध़	
०	चाऽ	व	द	र	शऽ	के	ऽ	ऽ	पल	ते	ऽ	र	ह	नाऽ	ऽ	

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

–	मम	प	ध	प	ध–	प	म	–	मम	प	ध	प	ध–	प	म
०	जब	त	क	मि	लेऽ	ऽ	न	ऽ	प्रभु	का	ऽ	मं	ऽऽ	दि	र
–	म–	प	नि	–	पनि	प	म	–	रेग	रे	सा	सा	–	निसा	ध
०	दीऽ	प	क	ऽ	तब	त	क	ऽ	जल	ते	ऽ	र	ह	नाऽ	ऽ
–	धध	नि	सा	सा	–	सा	–	–	सासा	रे	ग	रेग	–	रेसा	नि
०	जब	त	क	क	रु	णा	ऽ	ऽ	पिघ	ल	न	जाऽ	ऽ	येऽ	ऽ
०	रे–	ग	म	ग	मप	म	–	–	रेग	रे	सा	सा	–	सा	–
०	चाऽ	व	द	र	शऽ	के	ऽ	ऽ	पल	ते	ऽ	र	ह	ना	ऽ

अन्तरा

–	मम	–	ग	म	–	म	–	–	मग	रे	सा	ग	रे	रे	–
०	निक	ल	प	ड़े	ऽ	तो	ऽ	ऽ	मंऽ	जि	ल	पा	ऽ	ना	ऽ
–	रेग	ग	ग	–	ग	ग	–	–	मध	प	म	–	म	म	–
०	माऽ	न	व	ऽ	त्व	का	ऽ	ऽ	स्वाऽ	भि	मा	ऽ	न	है	ऽ
–	ध–	ध	–	ध	–	ध	–	–	नि–	नि	–	–	धनि	प	म
०	मन	चा	ऽ	हा	ऽ	पा	ऽ	ऽ	लेऽ	ने	ऽ	ऽ	मेंऽ	ही	ऽ
ग	ग–	ग	–	म	–	ध	प	–	निध	प	म	–	म	म	–
ऽ	इस	जी	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	रही	ऽ	शा	ऽ	न	है	ऽ
–	पम	ग	सा	ग	रे	रे	–	–	रेग	रे	सा	–	सा	निसा	ध
०	इस	जी	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	रही	ऽ	शा	ऽ	न	हैऽ	ऽ
–	धध	नि	सा	सा	सा	–	सा	–	सा–	रे	ग	रेग	–	रेसा	नि
०	जब	त	क	मि	ले	ऽ	न	ऽ	लऽ	क्ष्य	अ	नऽ	ऽ	श्वर	ऽ
–	रे–	ग	म	ग	मप	म	–	–	रेग	रे	सा	सा	–	निसा	ध
०	राऽ	ही	ऽ	प	थऽ	प	र	ऽ	चल	ते	ऽ	र	ह	नाऽ	ऽ

हमारा है यह दृढ़ संकल्प नया संसार बसायेंगे

हमारा है यह दृढ़ संकल्प नया संसार बसायेंगे।
नया इन्सान बनायेंगे।।
क्षीर सागर में सोया जो उसे झकझोर जगायेंगे।
उसे प्रिय है केवल इन्साफ जगत को यह समझायेंगे।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

कर्मफल देना जिसका काम नया भगवान बनायेंगे।।
विषमता नहीं टिकेगी कहीं एकता समता लायेंगे।
न होगा नारी का अपमान उसे गुणखान बनायेंगे।।
निकम्मे प्रचलन बदलेंगे धरा को स्वर्ग बनायेंगे।।
न आलस बरतेगा कोई, उठेंगे और उठायेंगे।
पसीने की रोटी पर्याप्त मुफ्त का माल न खायेंगे।
करें जो आदर्शों से प्रीति नया ईमान बनायेंगे।।
चलेंगे नहीं छद्म-पाखण्ड सच्चाई सब अपनायेंगे।
भ्रान्तियों की न गलेगी दाल ज्ञान के दीप जलायेंगे।
बढ़ेंगे अन्धकार को चीर नया अभियान रचायेंगे।।
उनींदे नहीं रहेंगे हम जगेंगे और जगायेंगे।
रहेंगे हिलमिलकर सब एक हँसेंगे और हँसायेंगे।
करें जो दुर्गा को साकार नया सहकार जगायेंगे।।

हमारा है यह दृढ़ संकल्प

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
			सा	सा	ग॒	ध॒	प	प	म	म	–	म	ग॒	ग॒	म
			ह	मा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	य	ह	दृ	ढ़	सं	ऽ
ग॒	म	–	सा	सा	–	नि॒	–	रे॒	–	–	म	ग॒	–	रे॒	सा
क	ऽ	ल्प	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	ब	सा	ऽ	यें	ऽ
सा	–	–	म	म	प	ध॒	सां	नि॒	–	–	ध॒	प	म	ग॒	प
गे	ऽ	ऽ	न	या	ऽ	इ	ऽ	न्सा	ऽ	न	ब	ना	ऽ	यें	ऽ
म	–	–	सा	सा	–	नि॒	–	रे॒	–	–	म	ग॒	–	रे॒	सा
गे	ऽ	ऽ	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	ब	सा	ऽ	यें	ऽ
सा	–	–	सा	सा	ग॒	ध॒	प	प	म	म	–	म	ग॒	ग॒	म
गे	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	य	ह	दृ	ढ़	सं	ऽ
ग॒	म	–	सा	सा	–	नि॒	–	रे॒	–	–	म	ग॒	–	रे॒	सा
क	ऽ	ल्प	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	ब	सा	ऽ	यें	ऽ
सा	–	–	–												
गे	ऽ	ऽ													

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

अन्तरा

			सां	-	सां	सां	रें	सां	नि	नि	सां	नि	ध	ध	नि
			छी	ऽ	र	सा	ऽ	ग	र	में	ऽ	सो	ऽ	या	ऽ
ध	म	-	म	म	-	ध	-	रें	-	-	रें	रें	गं	रें	सां
जो	ऽ	ऽ	उ	से	ऽ	झ	क	जो	ऽ	र	ज	गा	ऽ	यें	ऽ
सां	-	-	सां	सां	-	सां	रें	सां	नि	नि	सां	नि	ध	ध	नि
गे	ऽ	ऽ	उ	से	ऽ	प्रि	य	है	ऽ	के	ऽ	व	ल	इ	ऽ
ध	म	-	म	म	-	ध	-	रें	-	रें	रें	रें	गं	रें	सां
न्सा	ऽ	फ	ज	ग	त	को	ऽ	य	ह	स	म	झा	ऽ	यें	ऽ
सां	-	-	सां	सां	गं	रें	सां	नि	ध	ध	प	नि	ध	प	म
गे	ऽ	ऽ	ज	ग	त	को	ऽ	य	ह	स	म	झा	ऽ	यें	ऽ
म	-	-	सा	-	ग	ध	प	प	म	म	-	म	ग	ग	म
गे	ऽ	ऽ	क	ऽ	र्म	फ	ल	दे	ऽ	ना	ऽ	जि	स	का	ऽ
ग	म	-	सा	सा	-	नि	-	रे	-	-	म	ग	-	रे	सा
का	ऽ	म	न	या	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ब	ना	ऽ	यें	ऽ
सा	-	-													
गे	ऽ	ऽ													

स्वयं भगवान हमारे गुरु परम सौभाग्य हमारा है

स्वयं भगवान हमारे गुरु परम सौभाग्य हमारा है।
स्वयं नारायण नरतन धरे, हमारे बीच पधारा है।

गुरु तो आते जाते पर नारायण, कभी-कभी आते।
तभी अवतार हुआ करते, पाप धरती पर बढ़ जाते।
ब्रह्म ने स्वयं अवतरित हो, धरा का भार उतारा है।

आज भी पापाचारों ने धरा पर भार बढ़ाया है।
मनुजता फिर अकुलाई है, दनुज दल फिर इतराया है।
देव संस्कृति ने देवों को, विकल हो पुनः पुकारा है।

दें सकें तो दें जीवन दान, अन्यथा समयदान तो करें।
न बन पायें यदि भामाशाह, अपेक्षित अंशदान तो करें।
समर्पित करें उन्हें प्रतिभा उन्हीं ने जिसे सँवारा है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आरुणी और विवेकानन्दं समर्पण की विधि बतलाते।
स्वयं गुरु अपने जीवन से शिष्य की गरिमा समझाते।
शिष्य ने किया समर्पण तो, गुरु ने उसे निखारा है।

हमारे गुरु प्रज्ञावतार चलो प्रज्ञा को धारण करें।
दुष्ट चिन्तन को करें निरस्त मनुज का कष्ट निवारण करें।
करें सद्चिन्तन शरसंधान ज्ञान से ही तम हारा है।

गुरु के आवाहन पर आज हम सभी कुछ तो अर्पित करें।
बाँटने जन जन में गुरु ज्ञान, स्वयं को हम संकल्पित करें।
शिष्य हैं तो सोचें कितना गुरु का कर्ज उतारा है।

स्वयं भगवान हमारे गुरु

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
			ध़	ध़	सा	सा	रे	रे	ग	ग	ग	ग	रे	रे	सा
			स्व	यं	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ह	मा	ऽ	रे	ऽ
रे	म	–	म	म	–	म	प	ग	–	ग	सा	रे	ग	रे	सा
गु	रु	ऽ	प	र	म	सौ	ऽ	भा	ऽ	ग्य	ह	मा	ऽ	रा	ऽ
सा	–	–	प	प	–	प	ध	ध	सां	सां	–	सां	–	सां	रें
है	ऽ	ऽ	स्व	यं	ऽ	ना	ऽ	रा	ऽ	य	ण	न	र	त	न
सां	नि̲	–	ध	ध	प	प	म	प	ध	ध	प	म	ग	सा	ग
ध	रे	ऽ	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	बी	ऽ	च	प	धा	ऽ	रा	ऽ
रे	–	–	ध़	ध़	सा	सा	रे	रे	ग	ग	ग	ग	रे	रे	सा
है	ऽ	ऽ	स्व	यं	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ह	मा	ऽ	रे	ऽ
रे	म	–	म	म	–	म	प	ग	–	ग	सा	रे	ग	रे	सा
गु	रु	ऽ	प	र	म	सौ	ऽ	भा	ऽ	ग्य	ह	मा	ऽ	रा	ऽ
सा	–	–													
है	ऽ	ऽ													

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

अन्तरा

			म	–	म	म	–	म	–	म	–	म	ग	रे	ग
			आ	ऽ	ज	भी	ऽ	पा	ऽ	पा	ऽ	चा	ऽ	रों	ऽ
म	प	–	प	प	–	प	म	प	ध	ध	नि̲	ध	प	म	ध
ने	ऽ	ऽ	ध	रा	ऽ	प	र	भा	ऽ	र	ब	ढ़ा	ऽ	या	ऽ
प	–	–	म	म	–	म	–	म	–	म	–	म	ग	रे	ग
है	ऽ	ऽ	म	नु	ज	ता	ऽ	फि	र	अ	कु	ला	ऽ	ई	ऽ
म	प	–	प	प	–	प	म	प	ध	ध	नि̲	ध	प	म	ध
है	ऽ	ऽ	द	नु	ज	द	ल	फि	र	इ	त	रा	ऽ	या	ऽ
प	–	–	प	–	प	प	ध	ध	सां	सां	–	सां	–	सां	रें
है	ऽ	ऽ	दे	ऽ	व	सं	ऽ	स्कृ	ति	ने	ऽ	दे	ऽ	वों	ऽ
सां	नि̲	–	ध	ध	प	प	म	प	ध	–	प	म	ग	सा	ग
को	ऽ	ऽ	वि	क	ल	हो	ऽ	पु	नः	ऽ	पु	का	ऽ	रा	ऽ
रे	–	–													
है	ऽ	ऽ													

सीख नहीं पाये चादर ओढ़ने का ढंग रे

सीख नहीं पाये चादर ओढ़ने का ढंग रे।
मैली चादर पर कैसे चढ़ पाये रंग रे।

हमें मिली चादर उजली मैली कर डाली।
जिधर गये हमने उतनी कालिमा लगा ली।
मैला अब अतरंग है, मैला बहिरंग रे।। मैली चादर०।।

आओ हर कल्मष मन का सेवा से धोलें।
सबको अपना लें मन से, हम सब के होलें।
सेवा है सच्ची पूजा सेवा सत्संग रे।। मैली चादर०।।

सबका दुख दर्द बँटायें अपना सुख बाँटें।
हृदय-हृदय की खाई को, हँसकर हम पाटें।
किये नहीं तीरथ चाहे, गये नहीं गंग रे।। मैली चादर०।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

परहित में अपने साधन समय हम लगायें।
मन का हर मैल धुले फिर पुण्य हम कमायें।
हर कोना हो फिर उजला, उजला हर अंग रे।। मैली चादर०।।

निर्मल आचरण बनेगा, चमकेगा चिन्तन।
बहुत-बहुत चौड़ा होगा, भावों का आंगन।
नहीं कभी होगी मन की, गली कहीं तंग रे।। मैली चादर०।।

जीवन में शेष रहेगी, फिर नहीं निराशा।
पल भर आलस्य न होगा, फिर कहीं जरासा।
होगा उत्साह अनोखा, नित नयी उमंग रे।। मैली चादर०।।

सीख नहीं पाये चादर

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	–	सा	–	रे	म	–	म	प	म	म	–	म	–	प	ध
०	०	सी	ऽ	ख	न	ऽ	हीं	पा	ऽ	ये	ऽ	चा	ऽ	द	र
–	–	प	–	ध	प	–	म	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
ऽ	ऽ	ओ	ऽ	ढ़	ने	ऽ	का	ढं	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	रे	रे	सा	सा	नि़	नि़	–	नि़	रे	रे	–	रे	–
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ली	ऽ	चा	ऽ	द	र	प	र	कै	ऽ	से	ऽ
–	–	म	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ऽ	ऽ	च	ऽ	ढ़	पा	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	रे	रे	सा	सा	नि़	नि़	–	नि़	रे	रे	–	रे	–
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ली	ऽ	चा	ऽ	द	र	प	र	कै	ऽ	से	ऽ
–	–	म	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ऽ	ऽ	च	ऽ	ढ़	पा	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

–	–	म	प	–	ध	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–
०	०	ह	में	ऽ	मि	ली	ऽ	चा	ऽ	द	र	उ	ज	ली	ऽ
–	–	रें	सां	नि़	–	ध	प	प	ध	–	सां	नि़	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ऽ	ऽ	मै	ऽ	ली	ऽ	क	र	डा	ऽ	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सां	नि़	ध	–	प	म	प	–	–	म	म	–	–	–
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ली	ऽ	क	र	डा	ऽ	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	म	प	–	ध	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–	सां	–
ऽ	ऽ	जि	ध	र	ग	ये	ऽ	ह	म	ने	ऽ	उ	त	नी	ऽ
–	–	रें	सां	नि़	–	ध	प	प	ध	–	सां	नि़	–	–	–
ऽ	ऽ	का	ऽ	लि	मा	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सां	नि़	ध	–	प	म	प	–	–	म	म	–	–	–
ऽ	ऽ	का	ऽ	लि	मा	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	–	रे	म	म	–	प	म	म	म	–	म	म	–
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ला	ऽ	अ	ब	अं	ऽ	त	रं	ऽ	ग	है	ऽ
सां	–	–	–	–	–	–	–	नि़	रें	सां	नि़	ध	प	म	–
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	–	रे	म	म	–	प	म	म	म	–	म	प	ध
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ला	ऽ	अ	ब	अं	ऽ	त	रं	ऽ	ग	है	ऽ
–	–	प	–	ध	प	प	म	प	–	–	म	ग	रे	–	सा
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ला	ऽ	ब	हि	रं	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	रे	रे	सा	सा	नि़	नि़	–	नि़	रे	रे	–	रे	–
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ली	ऽ	चा	ऽ	द	र	प	र	कै	ऽ	से	ऽ
–	–	म	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ऽ	ऽ	च	ऽ	ढ़	पा	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	रे	रे	सा	सा	नि़	नि़	–	नि़	रे	रे	–	रे	–
ऽ	ऽ	मै	ऽ	ली	ऽ	चा	ऽ	द	र	प	र	कै	ऽ	से	ऽ
–	–	म	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ऽ	ऽ	च	ऽ	ढ़	पा	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ऽ	ऽ

संगीत से नाड़ी संस्थान में एक विशेष प्रकार की उत्तेजना उत्पन्न होती है, जिसके सहारे शरीरगत मल विसर्जन की शिथिलता दूर होती है–
(डॉ० मीड इंग्लैण्ड और एडवर्ड पोडी लास्की, अमेरिका)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आपका स्वागत है श्रीमान्

आपका स्वागत है श्रीमान
बड़े भाग्य जो आप बने हैं,
हम सब के मेहमान।। आपका०।।

हुए मनोरथ पूर्ण हमारे, श्रीमान जी से मिलकर।
चार चाँद लग गये हमारे, इस पावन अवसर पर।
आज आपके शुभागमन पर, बढ़ी हमारी शान।। आपका०।।

हम सबका उत्साह आपने, कितना आज बढ़ाया।
हुये कृतार्थ और हम सबका, मन फूला न समाया।
किस प्रकार से करें आपका, हम स्वागत सम्मान।। आपका०।।

अभिनन्दन हम करें आपका, उसे करें स्वीकार।
है श्रीमान प्रफुल्लित कितना, शान्तिकुंज परिवार।
करना क्षमा हुई जो भूलें, अगर कहीं अनजान।। आपका०।।

आज आपको मुख्य अतिथि, कहकर हम सब धन्य हुए।
जो भी भाव हमारे थे वह, सब अनुमन्य हुये।
इससे बड़े और हो सकते, क्या कोई अनुदान।। आपका०।।

आपका स्वागत है श्रीमान

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	ग–	ग	म	प	–	ध	नि	ध	प	–	–	–	सां–	सां	प
०	स्वाऽ	ग	त	है	ऽ	श्री	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	०	स्वाऽ	ग	त
–	पध	प	म	म	प	ग	ग	–	म	ध	–	–	पध	प	म
ऽ	हैऽ	श्री	ऽ	मा	ऽ	न	आ	ऽ	प	का	ऽ	ऽ	स्वाऽ	ग	त
ग	–	रे	सा	सा	–	–	ग	–	म	धप	ध	–	पध	प	म
है	ऽ	श्री	ऽ	मा	ऽ	न	आ	ऽ	प	काऽ	ऽ	ऽ	स्वाऽ	ग	त
ग	–	रे	सा	सा	–	–	–	–	प	ध	सां	–	सां	सां	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

है	ऽ	श्री	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	०	ब	ड़े	भा	ऽ	ग्य	जो	ऽ
नि̲	–	नि̲	नि̲	ध	प	प	–	–	प	ध	सां	–	सां	रें	गं
आ	ऽ	प	ब	ने	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ब	ड़े	भा	ऽ	ग्य	जो	ऽ
सां	नि̲	नि̲	नि̲	ध	प	प	–	–	पनि̲	नि̲	ध	ध	प	प	म
आ	ऽ	प	ब	ने	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	हम्	स	ब	के	ऽ	मे	ह
म	प	ग	ग	–	म	ध	–	–	पध्	प	म	ग	–	रे	सा
मा	ऽ	न	आ	ऽ	प	का	ऽ	ऽ	स्वाऽ	ग	त	है	ऽ	श्री	ऽ
सा	–	–	ग	–	म	धप्	ध	–	पध्	प	म	ग	–	रे	सा
मा	ऽ	न	आ	ऽ	प	काऽ	ऽ	ऽ	स्वाऽ	ग	त	है	ऽ	श्री	ऽ
सा	–	–	–												
मा	ऽ	ऽ	न												

अन्तरा

				–	म	–	म	म	–	म	ग	–	म	प	प
				–	हु	ए	म	नो	ऽ	र	थ	ऽ	पू	र्ण	ह
प	–	ध	–	–	धसांसां		नि	ध	नि	ध	प	प	–	प	–
मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	माऽ	न	नी	ऽ	य	से	ऽ	मि	ल	क	र
सां	नि	ध	प	म	म	–	म	–	म	म	ग	–	म	प	प
०	०	०	०	०	चा	र	चाँ	ऽ	द	ल	ग	ऽ	ग	ये	ह
प	–	ध	–	–	धरें	सां	नि	ध	नि	ध	प	प	–	प	–
मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	इस्	पा	ऽ	व	न	अ	व	स	र	प	र
ग	प	ध	सां	–	प	ध	सां	–	सां	सां	–	नि̲	नि̲	–	नि̲
०	०	०	०	०	आ	ज	आ	ऽ	प	के	ऽ	शु	भा	ऽ	ग
ध	प	प	–	–	प	ध	सां	–	सां	रें	गं	सां	नि̲	–	नि̲
म	न	प	र	०	आ	ज	आ	ऽ	प	के	ऽ	शु	भा	ऽ	ग
ध	प	प	–	–	पनि̲	–	ध	ध	प	प	म	म	प	ग	ग
म	न	प	र	०	बढ़ो	ऽ	ह	मा	ऽ	री	ऽ	शा	ऽ	न	आ
–	म	ध	–	–	पध्	प	म	ग	–	रे	सा	सा	–	–	ग
ऽ	प	का	ऽ	ऽ	स्वाऽ	ग	त	ह	ऽ	श्री	ऽ	मा	ऽ	न	आ
–	म	धप्	ध	–	पध्	प	म	ग	–	रे	सा	सा	–	–	–
ऽ	प	काऽ	ऽ	ऽ	स्वाऽ	ग	त	है	ऽ	श्री	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दुनियाँ आगे बढ़ती जाये रहे क्यों पीछे नारी रे

दुनियाँ आगे बढ़ती जाये रहे क्यों पीछे नारी रे।
रहे क्यों पीछे नारी रे, रहे क्यों पीछे नारी रे।
नारियों को आगे आना, काम कुछ करके दिखलाना।
मार्ग उन्नति का अपनाना, न बाधाओं से घबराना।
समझलें मिलजुल कर हम आज हमारी जिम्मेदारी रे।
करें आओ हम नव निर्माण, व्यक्ति का करें चलों उत्थान।
बनायें अपने को गुणवान, करें जग नारी का गुणगान।
मिले हर नारी को सम्मान करें इसकी तैयारी रे।
अगर सारी बहने जागे, हमारे सारे दुख भागें।
नारियाँ आ जायें आगे, आज का युग यह ही माँगे।
करें आओ युग का निर्माण, इसी में शान हमारी रे।

दुनियाँ आगे बढ़ती जाये

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
रे	प	म	ग	रे	ग	ग	रे	सा	रे	सा	नि॒	सा	–	सा	सा
दु	नि	याँ	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	ब	ढ़	ती	ऽ	जा	ऽ	ये	र
रे	प	म	ग	रे	ग	ग	रे	सा	रे	सा	नि॒	सा	–	–	म
हे	ऽ	क्यों	ऽ	पी	ऽ	छे	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ	र
म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	ग	म	प	–	–	प
हे	ऽ	क्यों	ऽ	पी	ऽ	छे	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ	र
प	नि॒	नि॒	ध	प	ध	ध	प	म	प	म	ग	रे	ग	रे	–
हे	ऽ	क्यों	ऽ	पी	ऽ	छे	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
रे	प	म	ग	रे	ग	ग	रे	सा	रे	सा	नि॒	सा	–	सा	सा
दु	नि	याँ	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	ब	ढ़	ती	ऽ	जा	ऽ	ये	र
रे	प	म	ग	रे	ग	ग	रे	सा	रे	सा	नि॒	सा	–	–	
हे	ऽ	क्यों	ऽ	पी	ऽ	छे	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ	

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

															रे
															ना
–	रे	रे	ग	सा	रे	रे	म	म	ग	रे	सा	सा	–	–	रे
ऽ	रि	यों	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	को	ऽ	आ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	का
–	रे	रे	ग	सा	रे	रे	म	म	ग	रे	सा	सा	–	–	म
ऽ	म	कु	छ	क	र	के	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	ना	ऽ	ऽ	मा
–	म	म	–	म	–	म	–	म	–	ग	म	प	–	–	रे
ऽ	र्ग	उ	ऽ	त्र	ति	का	ऽ	अ	प	ना	ऽ	ना	ऽ	ऽ	न
रे	–	रे	ग	सा	रे	रे	म	म	ग	रे	सा	सा	–	–	म
बा	ऽ	धा	ऽ	ओं	ऽ	से	ऽ	घ	व	रा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	स
म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	ग	म	प	–	–	प
म	झ	लें	ऽ	मि	ल	जु	ल	क	र	ह	म	आ	ऽ	ज	ह
प	नि	नि	ध	प	ध	ध	प	म	प	म	ग	रे	ग	रे	–
मा	ऽ	री	ऽ	जि	ऽ	म्में	ऽ	दा	ऽ	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ

चाँद सितारों से हम इसकी माँग सजायेंगे

चाँद सितारों से हम इसकी माँग सजायेंगे।
दुल्हन सा प्यारा देश बनायेंगे॥

दूर उड़ाकर ले जायेंगे हम पंछी पिंजरा अपना।
जब तक है पर साथ हमारे आजादी फिर क्या सपना॥
माँगी हुई रिहाई से हम प्राण गवायेंगे॥ दुल्हन सा०॥

जिन बागों की कलियों के होठो पे हो गम के साये।
पतझड़ की ताना साही से फूल न जिससे खिल पाये॥
फसले बहारे बनकर तुमको हम दिखलायेंगे॥दुल्हन सा०॥

भूख गरीबी बेकारी क्यों भोग रहे हो किस्मत से।
आओ बना दे पहले जैसा इनको अपनी हिम्मत से॥
देश के माथे से हम मिलकर दाग मिटायेंगे॥ दुल्हन सा०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चाँद सितारों से हम इसकी

स्थायी कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
ग	–	–	प	म	ग	ग	म	रे	ग	रे	प	प	–	प	–
चाँ	ऽ	द	सि	ता	ऽ	रों	ऽ	से	ऽ	ह	म	इ	स	की	ऽ
साँ	–	–	नि	ध	प	म	ध	प	म	ग	–	–	–	–	–
माँ	ऽ	ग	स	जा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग	रे	प	प	–	–	रे	रे	ग	रे	प	म	ग	रे	रे
दु	ऽ	ल्ह	न	सा	ऽ	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	रा	ऽ	दे	ऽ	श	ब
ग	रे	सा	नि़	सा	–	–	–								
ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ								
				अन्तरा											
								सां	–	–	नि	रें	सां	सां	–
								दू	ऽ	र	उ	ड़ा	ऽ	क	र
सां	–	सां	नि	रें	सां	सां	ध	–	ध	–	ध	ध	–	ध	प
ले	ऽ	जा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ह	म	पं	क्षी	ऽ	पिं	ज
नि	ध	ध	ध	ध	–	म	ग	प	–	प	प	प	–	सां	नि
रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	पिं	ज	रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	पिं	ज
रें	सां	सां	सां	सां	–	–	–	गं	–	–	–	–	रें	सां	नि
रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रें	–	–	–	–	–	–	–	ध	–	नि	–	सां	–	सांगं	रेंगं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ
सां	–	–	–	–	–	–	–	सां	–	सां	नि	रें	सां	सां	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ब	त	क	है	ऽ	प	र
सां	–	सां	नि	रें	सां	सां	ध	–	ध	–	ध	ध	–	ध	प
सा	ऽ	थ	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	आ	ऽ	जा	दी	ऽ	फि	र
नि	ध	ध	ध	ध	–	म	ग	प	–	प	प	प	–	सां	नि
क्या	ऽ	स	प	ना	ऽ	फि	र	क्या	ऽ	स	प	ना	ऽ	फि	र
रें	सां	सां	सां	सां	–	–	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	प
क्या	ऽ	स	प	ना	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	सौ	ऽ	ग	न्ध	ये	ऽ
प	म	–	ध	–	प	म	–	ध	–	ध	–	ध	–	ध	नि

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

लें	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	सौ	ऽ	ग	न्ध	ये	ऽ
नि	ध	–	सां	नि	ध	प	म	ग	–	ग	–	ग	–	ग	प
लें	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	सौ	ऽ	ग	न्ध	ये	ऽ
प	म	–	ध	–	प	म	–	ध	–	ध	–	ध	–	ध	नि
लें	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	सौ	ऽ	ग	न्ध	ये	ऽ
नि	ध	–	–	–	–	–	–	नि	–	नि	–	रें	रें	–	रें
लें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	माँ	ऽ	गी	ऽ	हु	ई	ऽ	रि
ध	–	ध	–	सां	–	सां	–	सां	–	–	नि	ध	प	म	ध
हा	ऽ	ई	ऽ	से	ऽ	तो	ऽ	प्रा	ऽ	ण	गँ	वा	ऽ	यें	ऽ
प	म	ग	–	–	–	–	–	रे	ग	रे	प	प	–	–	रे
गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ऽ	ल्ह	न	सा	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग	रे	प	म	ग	रे	रे	ग	रे	सा	नि	सा	–	–	–
प्या	ऽ	रा	ऽ	दे	ऽ	श	ब	ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ

नन्हें बच्चे आने वाले कल की तुम तस्वीर हो

नन्हें बच्चे आने वाले कल की तुम तस्वीर हो।
नाज करेगी दुनियाँ तुम पर, दुनियाँ की तकदीर हो।
तुम हो जिस कुटिया के दीपक, जग में उजाला कर दोगे।।
भोली भाली मुस्कानों से, सबकी झोली भर दोगे।।
बिगड़ी जो तकदीर बदल दे, ऐसी तुम तस्वीर हो।।
नाम न लेना रोने का, रोतों हँसाने आये हो।
नहीं रूठना किसी से तुम, रूठों को मनाने आये हो।।
हँसते चलो जमाने में तुम, चलता हुआ एक तीर हो।।
एक दिन होगें जमी आसमाँ, चाँद सितारे हाथों में।
एक दिन होगी बागडोर, इस जग की तुम्हारे हाथों में।।
तोड़ सकें न दुश्मन जिसको, ऐसी तुम जंजीर हो।।

मनोविकारों के निवारण में संगीत को सफल उपचार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है– डॉ० वाल्टर क्यूग, जर्मनी, मनोरोग चिकित्सक

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

नन्हें बच्चे आने वाले

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	रे	रे	ग	ग	–	ग	रे	सा	रे	रे	ग	ग	–	ग	–
न	ऽ	न्हें	ऽ	ब	ऽ	च्चे	ऽ	आ	ऽ	ने	ऽ	वा	ऽ	ले	ऽ
ग	–	म॑	–	ग	–	रे	–	ग	–	–	म॑	प	म॑	प	ग
क	ल	की	ऽ	तु	म	त	ऽ	स्वी	ऽ	ऽ	र	हो	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	म॑	म॑	प	–	नि	–	ध	–	ध	प	प	म॑	ग	म॑
ना	ऽ	ज	क	रे	ऽ	गी	ऽ	दु	नि	याँ	ऽ	तु	म	प	र
प	ध	ध	प	म॑	प	म॑	ग	ग	–	–	ग	प	म॑	ग	रे
दु	नि	याँ	ऽ	की	ऽ	त	क	दी	ऽ	ऽ	र	हो	ऽ	ऽ	ऽ
सा	रे	रे	ग	ग	–	ग	–	ग	म॑	प	म॑	प	ध	नि	–
न	ऽ	न्हें	ऽ	ब	ऽ	च्चे	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०

अन्तरा

ध	नि	नि	–	नि	–	सां	नि	ध	नि	नि	–	नि	–	सां	नि
तु	म	हो	ऽ	जि	स	कु	टि	या	ऽ	के	ऽ	दी	ऽ	प	क
ध	नि	सां	नि	ध	–	प	म॑	म॑	प	प	ध	ध	–	–	–
ज	ग	में	उ	जा	ऽ	ला	ऽ	क	र	दो	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ
म॑	–	म॑	ध	ध	–	ध	–	म॑	–	म॑	ध	ध	–	ध	प
भो	ऽ	ली	ऽ	भा	ऽ	ली	ऽ	मु	ऽ	स्का	ऽ	नों	ऽ	से	ऽ
ध	नि	नि	ध	प	–	म॑	ग	ग	–	ग	–	प	म॑	ग	रे
स	ब	की	ऽ	झो	ऽ	ली	ऽ	भ	र	दो	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ
सा	रे	रे	ग	ग	–	ग	रे	सा	रे	रे	ग	ग	–	ग	–
बि	ग	ड़ी	ऽ	जो	ऽ	त	क	दी	ऽ	र	ब	द	ल	दो	ऽ
ग	–	म॑	–	ग	–	रे	–	ग	–	–	म॑	प	म॑	प	ग
ऐ	ऽ	सी	ऽ	तु	म	त	ऽ	स्वी	ऽ	ऽ	र	हो	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	म॑	म॑	प	–	नि	–	ध	–	ध	प	प	म॑	ग	म॑
ना	ऽ	ज	क	रे	ऽ	गी	ऽ	दु	नि	याँ	ऽ	तु	म	प	र
प	ध	ध	प	म॑	प	म॑	ग	ग	–	–	ग	प	म॑	ग	रे
दु	नि	याँ	ऽ	की	ऽ	त	क	दी	ऽ	ऽ	र	हो	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चन्दन सी इस देश की माटी तपोभूमि हर ग्राम हो

चन्दन सी इस देश की माटी तपोभूमि हर ग्राम हो।
हर नारी देवी की प्रतिमा, बच्चा राम हो।
जिसके सैनिक समर भूमि में , गाया करते थे गीता।
जहाँ खेत में हल के नीचे, खेला करती थी सीता।
जीवन का आदर्श जहाँ पर, परमेश्वर का काम हो।।

यहाँ कर्म से भाग्य बदल देती, श्रम निष्ठा कल्याणी।
त्याग और तप की गाथाएँ, गाती थी कवि की वाणी।
ज्ञान जहाँ का गंगा जल सा, निर्मल हो अविराम हो।।

रही सदा मानवता वादी, इसकी संस्कृति की धारा।
मिलकर रहना सीखें फिर से, मस्जिद गिरिजा गुरुद्वारा।
मानवीय संस्कृति का फिर सारे जग में गुण गान हो।।
हर शरीर मन्दिर सा पावन, हर मानव उपकारी हो।
क्षुद्र असुरता को ठुकरा दे, प्रभु का आज्ञाकारी हो।
जहाँ सबेरा शंख बजाता, लोरी गाती शाम हो।।

चन्दन सी इस देश की माटी

	स्थायी								कहरवा ताल							
x				०					x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८		१	२	३	४	५	६	७	८
प़	–	प़	ग	ग	–	ग	म		ग	रे	रे	ग	रे	सा	सा	–
च	ऽ	न्द	न	सी	ऽ	इ	स		दे	ऽ	श	की	मा	ऽ	टी	ऽ
म	म	–	रे	–	सा	सा	–		म	रे	सा	नि़	नि़	–	–	–
त	पो	ऽ	भू	ऽ	मि	ह	र		ग्रा	ऽ	ऽ	म	हो	ऽ	ऽ	ऽ
प़	–	प़	रे	रे	–	रे	–		रे	–	रे	–	रे	रे	रे	–
ह	र	ना	ऽ	री	ऽ	दे	ऽ		वी	ऽ	की	ऽ	प्र	ति	मा	ऽ
म	–	म	ग	रे	ग	रे	सा		सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ब	ऽ	च्चा	ऽ	ब	ऽ	च्चा	ऽ		रा	ऽ	ऽ	म	हो	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

ग	–	ग	–	प	–	ध	–	सां	नि̲	नि̲	नि̲	–	नि̲	नि̲	–
जि	स	के	ऽ	सै	ऽ	नि	क	स	म	र	भू	ऽ	मि	में	ऽ
नि̲	सां	सां	नि̲	सां	नि̲	ध	प	प	–	प	–	प	–	–	–
गा	ऽ	या	ऽ	क	र	ते	ऽ	थे	ऽ	गी	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	–	ग	प	प	ध	–	सां	नि̲	नि̲	–	नि̲	–	नि̲	–
य	हाँ	ऽ	खे	ऽ	त	में	ऽ	ह	ल	के	ऽ	नी	ऽ	चे	ऽ
नि̲	सां	सां	नि̲	सां	नि̲	ध	प	प	–	प	–	प	–	–	–
खे	ऽ	ला	ऽ	क	र	ती	ऽ	थी	ऽ	सी	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ
ध	प	प	ग	ग	रे	रे	-	प	ग	रे	सा	सा	–	–	–
खे	ऽ	ला	ऽ	क	र	ती	ऽ	थी	ऽ	सी	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ
प़	–	प़	ग	ग	–	ग	म	ग	रे	रे	ग	रे	सा	सा	–
जी	ऽ	व	न	का	ऽ	आ	ऽ	द	ऽ	र्श	ज	हाँ	ऽ	प	र
म	–	म	रे	रे	सा	सा	–	म	रे	सा	नि़	नि़	–	–	–
प	र	मे	ऽ	श्व	र	का	ऽ	का	ऽ	ऽ	म	हो	ऽ	ऽ	ऽ
प़	–	प़	रे	रे	–	रे	–	रे	–	रे	–	रे	रे	रे	–
ह	र	ना	ऽ	री	ऽ	दे	ऽ	वी	ऽ	की	ऽ	प्र	ति	मा	ऽ
म	–	म	ग	रे	ग	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ब	ऽ	घा	ऽ	ब	ऽ	घा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	हो	ऽ	ऽ	ऽ

नौ जवानों उन्हें याद कर लो

नौ जवानों उन्हें याद कर लो जरा।
जो शहीद हो गये इस वतन के लिए॥
जल रही है उन्हीं के लहू से शमां।
दे रही रोशनी जो चमन के लिए॥
नौजवानों वतन से तुम्हें प्यार है।
तो सुनो शूरवीरों की ये दास्तां॥
राणा, सांगा, शिवाजी सरीखे बनो-
जुट पड़ो दुश्मनों के दमन के लिए॥ १॥ नौजवानों०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

रानी पद्मावती और दुर्गावती।
रजिया सुल्ताना, झाँसी की रानी बनो॥
गुड़िया फैशन की या तितलियाँ मन बनो।
ये सबक हर किसी माँ-बहन के लिए॥ २॥ नौजवानों०॥

चन्द्रशेखर, भगतसिंह, बिस्मिल बनो।
वीर अशफाक, अब्दुलहमीदों जगो॥
जो चुनौती मिले तुम उसे तोड़ दो।
कुछ भी मुश्किल नहीं, बाँकेपन के लिए॥ ३॥ नौजवानों०॥

सोच लो है जवानी - अरे किस लिए।
मुफ्त व्यसनों में इसको गँवाओ नहीं॥
वीर हो तुम सम्भालो नये मोर्चे।
छोड़ दो कायरों को पतन के लिए॥ ४॥ नौजवानों०॥

भोग का भ्रम भगा दो - तपस्वी बनो।
त्याग की प्यार की - फिर चला दो हवा॥
विश्वगुरु बन दिशा दो जगतको तुम्हीं।
तुम हो विख्यात ही ऐसे फन के लिए॥ ५॥ नौजवानों०॥

नौ जवानों उन्हें याद कर लो

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
													प	–	प
													नौ	ऽ	जं
ग	–	–	–	–	ग	प	रे	ग	–	–	–	ग	–	–	–
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नों	ऽ	उ	न्हें	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
रे	–	रे	–	ग	सा	–	ग	रे	–	–	–	–	धं	–	प
द	ऽ	क	ऽ	र	लो	ऽ	ज	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	शं
धं	–	–	–	–	धं	सा	पं	धं	–	–	–	प	–	प	–
हीं	ऽ	ऽ	ऽ	द	हों	ऽ	गं	यें	ऽ	ऽ	ऽ	इ	ऽ	स	ऽ
–	–	प	प	ध	प	–	ग	रे	–	–	सा	–	पं	–	पं
ऽ	ऽ	व	त	न	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जं	ल	रं

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ग	–	–	–	–	ग	प	रे	ग	–	–	–	ग	–	–	–
ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	उ	न्हीं	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
रे	–	रे	रे	ग	सा	–	ग	रे	–	–	–	–	ध़	–	प़
ऽ	ऽ	ल	हू	ऽ	से	ऽ	स	मां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे़	ऽ	रे़
ध	–	–	–	–	ध	सा	प	ध़	–	–	–	प	–	–	–
ही़	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रो़	ऽ	श़	नी़	ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	प	ध	प	–	ग	रे	–	–	सा	–	प़	–	प़
ऽ	ऽ	च	म	न	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नौ़	ऽ	ज़
ग	–	–	–	–	ग	प	रे	ग	–	–	–	ग	–	–	–
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नों	ऽ	उ	न्हें	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
रे	–	रे	–	ग	रे	–	सा	सा	–	–	–	–			
द	ऽ	क	ऽ	र	लो	ऽ	ज	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ			

अन्तरा

													प	–	प
													नौ	ऽ	ज
प	–	–	–	–	प	ध	ग	प	–	–	–	ग	–	सा	–
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नों	ऽ	व	त	न	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	प	–	प	ध	ग	प	–	–	ग	ग	–	ग़	–
ऽ	ऽ	तु	म्हें	ऽ	प्या	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग़	ग़	–	ग़	–	ग	ग़	ग	–	–	रे	–	सा	–
ऽ	ऽ	सु	नो	ऽ	शू	ऽ	र	वी	ऽ	ऽ	ऽ	रों	ऽ	की	ऽ
–	–	ग	रे	ग	रे	–	सा	सा	–	–	–	–	प़	–	प़
ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	स्तां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	णा
ग	–	–	–	–	ग	प	रे	ग	–	–	–	ग	–	–	–
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	शि	वा	ऽ	ऽ	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ
रे	–	रे	रे	ग	सा	–	ग	रे	–	–	–	–	ध़	–	प़
ऽ	ऽ	स	री	ऽ	खे	ऽ	ब	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जु़	ट	प़
ध़	–	–	–	–	ध़	सा	प़	ध़	–	–	–	प	–	–	–
ड़ो़	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दु़	ऽ	श्म	नों	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	प	ध	प	–	ग	रे	–	–	सा	–			
ऽ	ऽ	द	म	न	के	ऽ	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ			

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

इस धरा के लिये

हम जियेंगे मरेंगे वतन के लिए।
इस धरा के लिए इस गगन के लिए॥
इसकी माटी को चन्दन सा महकायेंगे।
इसके कण-कण को तारों सा चमकाएँगे॥
अपने कदमों को आगे बढ़ाते हुए।
इस वतन पर सभी कुछ लुटा जायेंगे॥
हम जलेंगे नई रोशनी के लिये॥
सारा सुख दुख भी मंजूर है साथियो।
हौसला हम में भरपूर है साथियो।
आओ हम सब गले से गले मिल चलें।
अब न मंजिल बहुत दूर है साथियो।
सारी दुनियाँ में चैनों अमन के लिये॥
यह अँधेरा मिटा करके दम लेंगे हम।
भेद सारा मिटा करके दम लेंगे हम।
हर घरों को जो किरणों का उपहार दे।
वह सबेरा बुलाकर ही दम लेंगे हम।
आदमी-आदमी की खुशी के लिये॥

इस धरा के लिये

स्थायी

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
			ध	–	नि	नि	रे	रे	–	–	सा
			हं	म	जिं	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	म
सा	ग	ग	–	–	ग	म	प	–	म	–	ग
रें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	व	त	न	ऽ	के	ऽ	लि
म	–	–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	–	ध
ये	ऽ	ऽ	इ	स	ध	रा	ऽ	के	ऽ	ऽ	लि
ध	–	–	ध	–	सां	नि	–	–	ध	–	प
ये	ऽ	ऽ	इ	स	ग	ग	न	ऽ	के	ऽ	लि
म	–	–									
ये	ऽ	ऽ									

कहरवा ताल

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

			ग	–	ग	ग	–	ग	–	–	म
			इ	स	की	मा	ऽ	टी	ऽ	ऽ	को
रे	–	रे	सा	सा	रे	सा	नि़	नि़	रे	–	सा
चं	ऽ	द	न	सा	ऽ	म	हं	का	ऽ	ऽ	यें
सा	–	–	सा	–	सा	सा	ग	ग	–	–	ग
गे	ऽ	ऽ	इ	स	के	क	ण	क	ण	ऽ	को
ग	प	प	–	–	प	ध	प	म	–	–	ग
ता	ऽ	रों	ऽ	ऽ	सा	च	म	का	ऽ	ऽ	यें
म	–	–	म	–	म	म	ध	ध	–	–	ध
गे	ऽ	ऽ	अ	प	ने	क	द	मों	ऽ	ऽ	को
ध	सां	सां	–	–	सां	रें	–	सां	नि़	–	ध
आ	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	ऽ	ते	ऽ	हु
नि़	–	–	नि़	–	नि़	ध	–	ध	–	–	नि़
ए	ऽ	ऽ	इ	स	व	त	न	प	र	ऽ	स
प	–	म	–	–	ग	भ	–	प	म	–	ग
भी	ऽ	कु	छ	ऽ	लु	टा	ऽ	ऽ	जा	ऽ	यें
म	–	–	ध	–	नि़	नि़	रे	रे	–	–	सा
गे	ऽ	ऽ	हं	म	ज	लें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	न
सा	ग	ग	–	–	ग	म	प	–	म	–	ग
ई	ऽ	रो	ऽ	ऽ	श	नी	ऽ	ऽ	के	ऽ	लि
म	–	–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	–	ध
ये	ऽ	ऽ	इ	स	ध	रा	ऽ	के	ऽ	ऽ	लि
ध	–	–	ध	–	सां	नि़	–	–	ध	–	प
ये	ऽ	ऽ	इ	स	ग	ग	न	ऽ	के	ऽ	लि
म	–	–									
ये	ऽ	ऽ									

हमको अपने भारत की मिट्टी

हमको अपने भारत की मिट्टी से अनुपम प्यार है।
अपना तन मन जीवन सब, इस मिट्टी का उपहार है।।
इस मिट्टी में जन्म लिया था, दशरथ नन्दन राम ने।
इस धरती पर गीता गाई, यदुकुल भूषण श्याम ने।
इस धरती के आगे मस्तक झुकता बारम्बार है।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

इस माटी की जौहर गाथा, गाई राजस्थान ने।
इसे बनाया पावन गाँधी, के महान बलिदान ने।
मीरा के गीतों की इसमें छिपी हुई झंकार है।।
इस मिट्टी की शान बढ़ायी, तुलसी, सूर, कबीर ने।
अर्जुन, भीष्म, अशोक, प्रतापी, भगत सिंह से वीर ने।
इस धरती के कण-कण में, शुभ कर्मों का संस्कार है।।
कण-कण मन्दिर इस माटी, का कण-कण में भगवान है।
इस मिट्टी का तिलक करो, ये अपना हिन्दुस्तान है।
इस माटी का हर सपूत, भारत का पहरेदार है।।

हमको अपने भारत की मिट्टी

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	–	रे	–	ग़	–	म	–	प	ध़	म	प	ग़	म	रे	–
ह	म	को	ऽ	अ	प	नी	ऽ	भा	ऽ	र	त	की	ऽ	मि	ऽ
ग़	म	म	–	ग़	रे	ग़	रे	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ट्टी	ऽ	से	ऽ	अ	नु	प	म	प्या	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	नि़	सां	नि़	ध़	प	नि़	–	नि़	ध़	नि़	ध़	प	म
अ	प	ना	ऽ	त	न	म	न	जी	ऽ	व	न	स	ब	इ	स
म	ध़	ध़	प	म	ग़	प	म	म	–	–	म	म	प	ध़	नि़
मि	ऽ	ट्टी	ऽ	का	ऽ	उ	प	हा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	नि़	सां	नि़	ध़	प	नि़	–	नि़	ध़	नि़	ध़	प	म
अ	प	ना	ऽ	त	न	म	न	जी	ऽ	व	न	स	ब	इ	स
म	ध़	ध़	प	म	ग़	प	म	म	–	–	ग़	रे	ग़	सा	–
मि	ऽ	ट्टी	ऽ	का	ऽ	उ	प	हा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	रे	–	ग़	–	म	–	प	ध़	म	प	ग़	म	रे	–
ह	म	को	ऽ	अ	प	नी	ऽ	भा	ऽ	र	त	की	ऽ	मि	ऽ
ग़	म	म	–	ग़	रे	ग़	रे	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ट्टी	ऽ	से	ऽ	अ	नु	प	म	प्या	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

प	–	प	–	प	नि॒	नि॒	–	नि॒	सां	सां	सां	सां	–	सां	नि॒
इ	स	मि	ऽ	ट्टी	ऽ	में	ऽ	ज	ऽ	न्म	लि	या	ऽ	था	ऽ
नि॒	रें	रें	रें	सां	नि॒	रें	सां	सां	–	–	सां	सां	–	सां	नि॒
द	श	र	थ	न	ऽ	न्द	न	रा	ऽ	ऽ	म	ने	ऽ	हाँ	ऽ
नि॒	रें	रें	रें	सां	नि॒	रें	सां	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
द	श	र	थ	न	ऽ	न्द	न	रा	ऽ	ऽ	म	ने	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	प	नि॒	नि॒	–	नि॒	रें	रें	–	रें	–	रें	सां
इ	स	ध	र	ती	ऽ	प	र	गी	ऽ	ता	ऽ	गा	ऽ	ई	ऽ
रें	गं॒	गं॒	रें	सां	नि॒	रें	सां	सां	–	–	सां	सां	–	सां	नि॒
य	दु	कु	ल	भू	ऽ	ष	ण	श्या	ऽ	ऽ	म	ने	ऽ	हाँ	ऽ
नि॒	रें	रें	रें	सां	नि॒	रें	सां	सां	–	–	सां	सां	–	–	–
य	दु	कु	ल	भू	ऽ	ष	ण	श्या	ऽ	ऽ	म	ने	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	नि॒	सां	नि॒	ध॒	प	नि॒	–	नि॒	ध॒	नि॒	ध॒	प	म
इ	स	ध	र	ती	ऽ	के	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	म	ऽ	स्त	क
म	ध॒	ध॒	प	म	ग॒	प	म	म	–	–	म	म	प	ध॒	नि॒
झु	क	ता	ऽ	बा	ऽ	रं	ऽ	बा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
सां	–	सां	नि॒	सां	नि॒	ध॒	प	नि॒	–	नि॒	ध॒	नि॒	ध॒	प	म
इ	स	ध	र	ती	ऽ	के	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	म	ऽ	स्त	क
म	ध॒	ध॒	प	म	ग॒	प	म	म	–	–	ग॒	रे	ग॒	सा	–
झु	क	ता	ऽ	बा	ऽ	रं	ऽ	बा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ

गढ़ फिर कोई दीप नया तू मिट्टी मेरे देश की

अन्धी हुई दिशाएँ सारी, यों अँधियारी छा रही,
किरण तोड़ती श्वाँस रोशनी, जीने को छटपटा रही।
ऐसा कुछ ठहराव आ गया, आज विश्व की राह में,
पथ भूले बंजारे जैसी पीढ़ी चलती जा रही॥
कोई बाँह पकड़ ऐसे में, सही दिशा का ज्ञान दे,
सख्त जरूरत आज जगत को, उस सच्चे दरवेश की॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

देव भूमि यह जन्म दिये, जिसने अनगिन अवतार को।
ज्योति शिखा बन हरती आयी, यह जग के अँधियार को॥
हमको है विश्वास कि धरती, बाँझ नहीं इस देश की।
फिर से कोई नया मसीहा, देगी इस संसार को॥
इसकी मिट्टी उड़कर बैठी, सूरज के भी भाल पर।
नित उभरी आवाज यहाँ से, शांति प्रेम सन्देश की॥
यद्यपि प्रलयंकारी घन से, घिरा हुआ आकाश है।
फिर भी मानव के भविष्य से, अपना मन न निराश है॥
शायद इसी मोड़ के आगे, मानव का निज लक्ष्य हो।
इसी तिमिर के पीछे, शायद कोई नया प्रकाश हो॥
जब तक मेरा देश, मनुजता होना नहीं उदास तू।
निकट जन्म बेला है शायद, किसी नये अवधेश की॥

गढ़ फिर कोई दीप नया

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
ग	प	प	म	म	ग	ग	रे	रे	ग	ग	ग	ग	–	ग	सा
ग	ढ़	फि	र	को	ऽ	ई	ऽ	दी	ऽ	प	न	या	ऽ	तू	ऽ
–	सा	–	रे	सा	–	नि॒	–	सा	–	–	सा	रे	ग	म	प
०	मि	ऽ	ट्टी	मे	ऽ	रे	ऽ	दे	ऽ	ऽ	श	की	ऽ	ऽ	ऽ
–	सा	–	रे	सा	–	नि॒	–	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
०	मि	ऽ	ट्टी	मे	ऽ	रे	ऽ	दे	ऽ	ऽ	श	की	ऽ	ऽ	ऽ

सरगम

सा	रे	रे	ग	ग	म	म	प	–	प	–	ध	प	म	ग	म
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प	–	–	प	प	ध	प	–	–	प	–	ध	प	म	ग	म

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध	–	–	ध	ध	नि̲	ध	–	नि̲	ध	ध	प	प	म	म	ग
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ग	रे	रे	सा	सा	–	सा	–								
०	०	०	०	०	०	०	०								

अन्तरा

								नि़	–	नि़	–	नि़	नि़	ध़	नि़
								अं	ऽ	थी	ऽ	हु	ई	ऽ	दि
सा	–	सा	नि़	सा	रे	रे	–	रे	ग	ग	ग	ग	–	ग	म
शा	ऽ	एँ	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	यों	ऽ	अँ	धि	या	ऽ	री	ऽ
प	रे	ग	रे	सा	–	–	–	नि़	नि़	–	नि़	–	नि़	नि़	ध़
छा	ऽ	ऽ	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ	कि	र	ण	तो	ऽ	ड़	ती	ऽ
नि़	सा	सा	नि़	सा	रे	रे	–	रे	ग	ग	–	ग	–	ग	म
स्वाँ	ऽ	स	रो	ऽ	श	नी	ऽ	जी	ऽ	ने	ऽ	को	ऽ	छ	ट
प	रे	ग	रे	सा	–	–	–	ग	म	म	प	प	–	प	ध
प	टा	ऽ	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऐ	ऽ	सा	ऽ	कु	छ	ठ	ह
ध	प	प	प	–	प	प	ध	ध	नि̲	नि̲	ध	–	प	म	ग
रा	ऽ	व	आ	ऽ	ग	या	ऽ	आ	ऽ	ज	वि	ऽ	श्व	की	ऽ
ग	म	–	प	प	–										
रा	ऽ	ऽ	ह	में	ऽ										

सरगम

						ग	म	नि̲	ध	–	ध	नि̲	ध	–	ध
						०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सां	नि̲	नि̲	ध	ध	प	ग	म	नि̲	–	ध	–	प	–	–	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प	–	–	–	–	–	–	–	ध	प	म	ग	म	–	–	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
म	–	–	–	–	–	–	–	प	म	ग	रे	ग	–	–	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सा	–	ग	–	–	–	–	–	म	ग	रे	ग	प	–	–	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध	प	ग	म	ध	–	–	–	नि̲	ध	प	ध	सां	–	–	–
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ग	म	म	प	प	–	प	ध	ध	प	प	–	प	–	प	ध
प	थ	भू	ऽ	ले	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	जै	ऽ	सी	ऽ
ध	नि̲	नि̲	ध	ध	प	म	ग	ग	म	–	प	प	–	–	–
पी	ऽ	ढ़ी	ऽ	च	ल	ती	ऽ	जा	ऽ	ऽ	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ
नि	–	नि	–	नि	–	नि	ध	नि	सां	सां	–	सां	–	सां	प
को	ऽ	ई	ऽ	बाँ	ऽ	ह	प	क	ड़	ऐ	ऽ	से	ऽ	में	ऽ
प	प	सां	नि̲	ध	प	प	ध	म	–	–	ध	प	म	ग	–
स	ही	ऽ	दि	शा	ऽ	का	ऽ	ज्ञा	ऽ	ऽ	न	दे	ऽ	ऽ	ऽ
ग	प	प	म	म	ग	ग	रे	रे	ग	ग	ग	ग	–	ग	सा
स	ऽ	ख्त	ज	रू	ऽ	र	त	आ	ऽ	ज	ज	ग	त	को	ऽ
–	सा	सा	रे	सा	–	नि̣	–	सा	–	–	सा	रे	ग	म	प
०	उस	स	ऽ	च्चे	ऽ	द	र	वे	ऽ	ऽ	श	की	ऽ	ऽ	ऽ
–	सा	सा	रे	सा	–	नि̣	–	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
०	उस	स	ऽ	च्चे	ऽ	द	र	वे	ऽ	ऽ	श	की	ऽ	ऽ	ऽ

इस दहेज न ही फैलाया

इस दहेज न ही फैलाया भारी अत्याचार है।
इस दानव को मार भगाओ, यह समाज का भार है।
पुत्र जन्म होते ही घर में, लहर खुशी की छा जाती।
लेकिन कन्या इस धरती पर, एक समस्या बन जाती।
कैसे हाथ करेंगे पीले, यदि अभाव घर में धन का।
घर-वर दोनों ठीक चाहिए, प्रश्न समूचे जीवन का।
बात सैकड़ों की न कहीं भी, पहला अंक हजार है।। इस दानव०।।
शिक्षित और सुशील सुपुत्री, रूप गुणों की उजियारी।
किन्तु पिता के पास नहीं धन, इसीलिए बैठी क्वारी।।
चिन्ता ही दहेज की निशिदिन, किये यहाँ हैरान बड़ा।
एक तरफ शादी का सौदा, एक तरफ ईमान खड़ा।
परेशान होकर बहुतों ने, छोड़ दिया संसार है।। इस दानव०।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

नारी का क्या मूल्य न कोई, क्या वह पशु से दीन कहो।
नर की तुलना में क्यों इसको, माना इतना हीन कहो।
लड़के वाला लेन-देन में, कितनी अकड़ दिखाता है।
नीलामी जैसी बोली वह, नेगों की लगवाता है।
यह पुनीत सम्बन्ध नहीं है, निन्दनीय व्यवहार है॥इस दानव०॥
इस कुरीति ने दुष्कृत्यों की, बाढ़ भयंकर फैलाई।
घूँस मिलावट, चोर बाजारी, बेईमानी सिखलाई।
ओ समाज के ठेकेदारो, कुम्भकरण बन सोते हो।
अनाचार से आँख फेरकर, बीज पाप के बोते हो।
पैसे को भगवान बनाकर, रचा क्रूर व्यवहार है॥इस दानव०॥

इस दहेज ने ही फैलाया

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	–	सा	ध़	–	ध़	प	–	म	–	म	–	म	–	म	–
इ	स	द	हे	ऽ	ज	ने	ऽ	ही	ऽ	फै	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ
म	–	प	–	म	–	ग़	–	ग़	म	–	प	प	–	–	–
भा	ऽ	री	ऽ	अ	ऽ	त्या	ऽ	चा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	नि़	नि़	–	नि़	–	नि़	ध़	नि़	सां	सां	नि़	ध़	–	प	–
इ	स	दा	ऽ	न	व	को	ऽ	मा	ऽ	र	भ	गा	ऽ	ओ	ऽ
ध़	नि़	नि़	ध़	नि़	ध़	प	म	म	–	–	म	म	–	–	–
य	ह	स	मा	ऽ	ज	का	ऽ	भा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	सा	ध़	–	ध़	प	–	म	–	–	म	म	–	–	–
य	ह	स	मा	ऽ	ज	का	ऽ	भा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

ध़	–	ध़	ध़	–	ध़	ध़	नि़	नि़	सां	सां	नि़	ध़	–	प	–
पु	ऽ	त्र	ज	ऽ	न्म	हो	ऽ	ते	ऽ	ही	ऽ	घ	र	में	ऽ
प	प	–	ध़	नि़	ध़	प	म	म	–	म	–	म	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ल	ह	र	खु	शी	ऽ	की	ऽ	छा	ऽ	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	–	ध़	–	ध़	–	ध़	नि़	नि़	सां	सां	नि़	ध़	–	प	–
ले	ऽ	कि	न	क	ऽ	न्या	ऽ	इ	स	ध	र	ती	ऽ	प	र
प	–	प	ध़	नि़	ध़	प	म	म	–	म	–	म	–	–	–
ए	ऽ	क	स	म	ऽ	स्या	ऽ	ब	न	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ
मं	–	मं	–	मं	–	मं	मं	मं	गुं	गुं	सां	सां	–	मं	–
कै	ऽ	से	ऽ	हा	ऽ	थ	क	रें	ऽ	गे	ऽ	पी	ऽ	ले	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	मं	–	मं	–	मं	–	मं	मं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	हा	ऽ	थ	क
मं	गुं	गुं	रें	रें	–	रें	–	नि़	रें	रें	रें	–	रें	रें	गुं
रें	ऽ	गे	ऽ	पी	ऽ	ले	ऽ	य	दि	अ	भा	ऽ	व	घ	र
मं	गुं	रें	सां	सां	–	–	–	मं	–	मं	–	मं	–	मं	–
में	ऽ	ध	न	का	ऽ	ऽ	ऽ	घ	र	व	र	दो	ऽ	नों	ऽ
मं	गुं	गुं	रें	–	रें	रें	–	नि़	रें	रें	रें	रें	–	रें	गुं
ठी	ऽ	क	चा	ऽ	हि	ये	ऽ	प्र	ऽ	श्न	स	मू	ऽ	चे	ऽ
मं	गुं	रें	सां	सां	–	–	–	सां	गुं	रें	सां	नि़	–	ध़	प
जी	ऽ	व	न	का	ऽ	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	श्न	स	मू	ऽ	चे	ऽ
नि़	ध़	प	म	म	–	–	–	सा	–	सा	ध़	–	ध़	प	–
जी	ऽ	व	न	का	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	त	सै	ऽ	क	ड़ों	ऽ
म	–	म	म	म	–	म	–	म	–	प	–	म	–	गु़	गु़
की	ऽ	न	क	हीं	ऽ	भी	ऽ	प	ह	ला	ऽ	अं	ऽ	क	ह
गु़	म	–	प	प	–	–	–	प	नि़	नि़	–	नि़	–	नि़	ध़
जा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ	इ	स	दा	ऽ	न	व	को	ऽ
नि़	सां	सां	नि़	ध़	–	प	–	ध़	नि़	नि़	ध़	नि़	ध़	प	म
मा	ऽ	र	भ	गा	ऽ	ओ	ऽ	य	ह	स	मा	ऽ	ज	का	ऽ
म	–	–	म	म	–	–	–	सा	–	सा	ध़	–	ध़	प	–
भा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ	य	ह	स	मा	ऽ	ज	का	ऽ
म	–	–	म	म	–	–	–								
भा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ								

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तुम्हें जन्म दिन की बधाई

तुम्हें जन्म दिन की बधाई बधाई।
यहीं बात इन दीपकों ने बताई।
किया जो गया पंच तत्वों का पूजन,
इन्हीं पंच तत्वों के द्वारा बना तन।
अरे! देव दुर्लभ मिला है ये जीवन,
नहीं भोग में ही खपे देह पावन॥
यही बात इस माध्यम से बताई।
हरेक वर्ष के दीप तुमने जलाए,
तुम्हारा यह जीवन यूँ ही जगमगाये।
स्वयं यह प्रकाशित अँधेरा मिटाये,
भटकते हुओं को ये राहें दिखाये।
यही बात इन दीपकों ने सुझाई॥
नहीं देह तुम हो अमर आत्मा हो,
नहीं स्वार्थी जीव विश्वात्मा हो।
अधम हो नहीं दिव्य देवात्मा हो,
अगर साध लो तो परमात्मा हो॥
हो स्वामी अरे! मत करो सेवकाई।
सुमन सा सुगन्धित रहो मुस्कराओ,
ये जीवन सुमन देवता को चढ़ाओ।
जीओ लोकहित और आशीष पाओ,
जीवेम् शरदः शतम् व्रत निभाओ।
इसी वास्ते पुष्प अंज्जलि चढ़ाई॥

वृक्षों में प्रोटोप्लाज्मा गड्ढे भरे द्रव्य की तरह उथल-पुथल की स्थिति में रहता है। संगीत की तरंगें उसमें लहरें उत्पन्न करके प्रभाविकता में बढ़ोतरी करती है– डॉ० टी० एन० सिंह

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तुम्हें जन्म दिन की बधाई

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	–	रे	ग़	–	रे	–	ग़	सा	रे	–	रे	प	–	प	–
०	०	तु	म्हें	ऽ	ज	ऽ	न्म	दि	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ब	ऽ
ग़	–	–	रे	सा	–	रे	–	नि़	–	–	–	सा	–	–	–
धा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ब	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	सां	–	सां	–	सां	नि़	–	–	ध	प	–	प	–
०	०	य	ही	ऽ	बा	ऽ	त	इ	न	ऽ	दी	ऽ	ऽ	प	ऽ
प	म	–	म	ध	–	प	–	ग़	–	–	–	रे	–	सा	–
कों	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ब	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	रे	ग़	–	रे	–	ग़	सा	रे	–	रे	प	–	प	–
०	०	तु	म्हें	ऽ	ज	ऽ	न्म	दि	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ब	ऽ
ग़	–	–	रे	सा	–	रे	–	नि़	–	–	–	सा	–	–	–
धा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ब	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

–	–	सा	सा	–	ग	–	म	प	–	–	प	–	–	प	–
०	०	कि	या	ऽ	जो	ऽ	ग	या	ऽ	ऽ	पं	ऽ	ऽ	च	ऽ
ग	म	–	म	ध	–	प	–	ग़	–	–	–	रे	–	सा	–
त	ऽ	ऽ	त्वों	ऽ	ऽ	का	ऽ	पू	ऽ	ऽ	ऽ	ज	न	ऽ	ऽ
–	–	सा	सा	–	ग	–	म	प	–	–	प	–	–	प	–
०	०	उ	न्हीं	ऽ	पं	ऽ	च	त	ऽ	ऽ	त्वों	ऽ	ऽ	के	ऽ
ग	म	–	म	ध	–	प	–	ग़	–	–	–	रे	–	सा	–
द्वा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ब	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	ऽ	ऽ
–	–	ध	ध	–	ध	–	ध	ध	–	–	ध	प	–	ध	–
०	०	अ	रे	ऽ	दे	ऽ	व	दु	ऽ	ऽ	र्ल	भ	ऽ	मि	ऽ
सां	नि़	–	नि़	–	–	नि़	सां	ध	–	–	–	प	–	–	–
ला	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ये	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ	व	न	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

–	–	ध	ध	–	ध	–	ध	ध	–	–	ध	प	–	ध	–
०	०	न	हीं	ऽ	भो	ऽ	ग	में	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ	ख	ऽ
सां	नि̲	–	नि̲	–	–	नि̲	सां	ध	–	–	–	प	–	–	–
पे	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ह	ऽ	पा	ऽ	ऽ	ऽ	व	न	ऽ	ऽ
०	०	प	सां	–	सां	–	सां	नि̲	–	–	ध	प	–	प	–
०	०	य	ही	ऽ	बा	ऽ	त	इ	न	ऽ	दी	ऽ	ऽ	प	ऽ
प	म	–	म	ध	–	प	–	गु̲	–	–	–	रे	–	सा	–
कों	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	सु	ऽ	झा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ

भागीरथ तो गये किन्तु

भागीरथ तो गए किन्तु, गंगा उनके गुण गाती है।
आज स्वयं गायत्री माता, गुरुवर तुम्हें बुलाती है॥
यह सच है गंगा ने आकर, लाखों का उपकार किया।
गंगा तभी गली, जब भागीरथ ने, खुद को गला दिया॥
गंगा इसीलिए तो जग में, भागीरथी कहाती है॥ १॥ आज स्वयं०॥

गुरुवर ने गायत्री माँ को, तप कर करके सिद्ध किया।
बिछुड़े हुए बालकों को, माँ की गोदी में बिठा दिया॥
हे गायत्री माता! गुरु की महिमा कही न जाती है॥ २॥ आज स्वयं०॥

जब माँ आयी हो बेटे के, जाने का क्षण आया हो।
ऐसा लगता है विह्वल हो, माँ ने गले लगाया हो॥
पर पुत्रों को याद पिता की, बारम्बार सताती है॥ ३॥ आज स्वयं०॥

अब श्रद्धा-विश्वास हमारा, एकमात्र दृढ़ सम्बल है।
सूक्ष्म और कारण सत्ता का, संरक्षण ही प्रतिपल है॥
अब ऋषियुग्म आपकी सत्ता, प्राणों बीच समाती है॥ ४॥ आज स्वयं०॥

हाथ पकड़कर दोनों ने, जिस पथ पर हमें चलाया है।
हम विश्वास दिलाते हैं, उस पथ को नहीं भुलाया है॥
जन-पीड़ा से पीड़ित छाती, अब करुणा छलकाती है॥ ५॥ आज स्वयं०॥

संकल्पों को पूर्ण करेंगे, गुरुवर सदा प्राण-पण से।
पीछे नहीं हटेंगे गुरुवर! संघर्षों वाले रण से॥
लाख-लाख पुत्रों की श्रद्धा यह विश्वास दिलाती है॥ ६॥ आज स्वयं०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

मनुजों में देवत्व जगाकर, स्वर्ग धरा पर लायेंगे।
हम अज्ञान-अभावों से, मानव को मुक्त करायेंगे॥
ज्ञान गंग प्रज्ञापुत्रों द्वारा, अब घर-घर जाती है॥७॥ आज स्वयं०॥

भागीरथ तो गये किन्तु (गायत्री जयंती के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प	–	प	–	नि॒	–	नि॒	–	नि॒	सां	–	सां	–	सां	सां	–
भा	ऽ	गी	ऽ	र	थ	तो	ऽ	ग	ये	ऽ	कि	ऽ	न्तु	गं	ऽ
नि॒	सां	सां	नि॒	नि॒	प	प	म	म	–	म	–	म	–	–	ग॒
गा	ऽ	उ	न	के	ऽ	गु	ण	गा	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	प	–	म	ग॒	ग॒	म	म	–	ग॒	सा	सा	–
आ	ऽ	ज	स्व	य	म्	गा	ऽ	य	ऽ	त्री	ऽ	मा	ऽ	ता	ऽ
सा	ग॒	ग॒	–	सा	नि॒	–	नि॒	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
गु	रु	व	र	तु	म्हें	ऽ	बु	ला	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	प	–	म	ग॒	ग॒	म	म	–	ग॒	सा	सा	–
आ	ऽ	ज	स्व	य	म्	गा	ऽ	य	ऽ	त्री	ऽ	मा	ऽ	ता	ऽ
सा	ग॒	ग॒	–	सा	नि॒	–	नि॒	सा	–	सा	–	सा	–	ग॒	म
गु	रु	व	र	तु	म्हें	ऽ	बु	ला	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	०	०
मं॑	–	मं॑	–	–	मं॑	–	मं॑	–	–	म	–	ग॒	–	नि॒	–
०	०	या	ऽ	ऽ	द	ऽ	आ	ऽ	ऽ	प	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	–	–	सा	–	–	सा	–	–	–	सा	ग॒	म	मं॑
ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	गु	रु	व	र
–	–	मं॑	–	–	मं॑	–	मं॑	–	–	म	–	ग॒	–	नि॒	–
ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	द	ऽ	आ	ऽ	ऽ	प	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सा	–	–	सा	–	–	सा	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

सा	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	–
य	ह	स	च	है	ऽ	गं	ऽ	गा	ऽ	ने	ऽ	आ	ऽ	क	र
नि़	–	नि़	–	प़	–	प़	–	सा	–	–	सा	सा	–	–	–
ला	ऽ	खों	ऽ	का	ऽ	उ	प	का	ऽ	र	कि	या	ऽ	ऽ	ऽ
ग़	–	ग़	–	ग़	ग़	–	ग़	ग़	–	ग़	–	ग़	–	ग़	–
गं	ऽ	गा	ऽ	त	भी	ऽ	ग	ली	ऽ	ज	ब	भा	ऽ	गी	ऽ
म	–	म	–	म	–	म	ग़	म	प	–	प	प	–	–	–
र	थ	ने	ऽ	खु	द	को	ऽ	ग	ला	ऽ	दि	या	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	नि़	नि़	–	नि़	नि़	सां	सां	–	सां	–	सां	–
गं	ऽ	गा	ऽ	इ	सी	ऽ	लि	ये	ऽ	तो	ऽ	ज	ग	में	ऽ
नि़	सां	सां	नि़	नि़	प	–	म	म	–	म	–	म	–	–	ग़
भा	ऽ	गी	ऽ	र	थी	ऽ	क	हा	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	प	–	म	ग़	ग़	म	म	–	ग़	सा	सा	–
आ	ऽ	ज	स्व	य	म्	गा	ऽ	य	ऽ	त्री	ऽ	मा	ऽ	ता	ऽ
सा	ग़	ग़	–	सा	नि़	–	नि़	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
गु	रु	व	र	तु	म्हें	ऽ	बु	ला	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	प	–	म	ग़	ग़	म	म	–	ग़	सा	सा	–
आ	ऽ	ज	स्व	य	म्	गा	ऽ	य	ऽ	त्री	ऽ	मा	ऽ	ता	ऽ
सा	ग़	ग़	–	सा	नि़	–	नि़	सा	–	सा	–	सा	–	–	–
गु	रु	व	र	तु	म्हें	ऽ	बु	ला	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

जब जन्में कृष्ण भगवान्

जब जन्में कृष्ण भगवान्, जेल दरम्यान।
मुरलिया वाले, खुल गये जेल के ताले॥
देवकी ने पति को जगाया था।
सपने का हाल सुनाया था॥
ले जाओ पुत्र यशोधा के करो हवाले॥
वसुदेव की बेड़ी टूटी थी।
तकदीर कंस की फूटी थी॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सो गये मस्त जितने थे पहरे वाले।।
लेकर वसुदेव मुरारी को।
बढ़ते ही गये अगारी को।।
यमुना जी उमड़ी पड़े जान के लाले।।
वसुदेव समझ नहीं पाये थे।
श्रीकृष्ण ने पग लटकाये थे।।
छूकर पग जमुना घटी बढ़े मतवाले।।

जब जन्में कृष्ण भगवान्

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
														सा	नि़
														ज	ब
नि़	सा	सा	रे	–	म	ग़	रे	सा	–	–	रे	–	म	ग़	रे
ज	ऽ	न्में	कृ	ऽ	ष्ण	भ	ग	वा	न्	ऽ	जे	ऽ	ल	द	र
सा	–	–	सा	सा	रे	सा	नि़	नि़	सा	सा	रे	–	–	सा	नि़
म्या	न	ऽ	मु	र	लि	या	ऽ	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	खु	ल
नि़	सा	–	रे	–	म	ग़	रे	सा	–	सा	–	–	–		
ग	ये	ऽ	जे	ऽ	ल	के	ऽ	ता	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ		
				अन्तरा											
														प	–
														दे	व
प	–	प	–	म	ग़	ग़	म	म	प	प	–	प	–	ग़	रे
की	ऽ	ने	ऽ	प	ति	को	ज	गा	ऽ	या	ऽ	था	ऽ	स	प
रे	–	रे	–	रे	–	रे	ग़	म	ग़	रे	सा	सा	–	सा	रे
ने	ऽ	का	ऽ	हा	ऽ	ल	सु	ना	ऽ	या	ऽ	था	ऽ	ले	ऽ
रे	म	म	म	–	म	म	म	म	ग	ग	रे	रे	रे	सा	नि़
जा	ऽ	ओ	पु	ऽ	त्र	य	शो	दा	ऽ	के	ऽ	क	रो	ऽ	ह
नि़	सा	सा	रे	–	–	सा	रे	रे	प	म	म	–	म	म	म

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ओ	पु	ऽ	त्र	य	शो
म	ग	ग	रे	रे	रे	सा	नि़	नि़	सा	सा	रे	–	–	सा	नि़
दा	ऽ	के	ऽ	क	रो	ऽ	ह	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	खु	ल
नि़	सा	–	रे	–	म	ग़	रे	सा	–	सा	–	–	–		
ग	ये	ऽ	जे	ऽ	ल	के	ऽ	ता	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ		

घर घर में निराली ज्योति जले

घर-घर में निराली सुख शान्ति देने वाली ज्योति जले।

ज्ञान यज्ञ हम ऐसा रचायें
पावन दीप अखण्ड जलायें
नवयुग की ऊषा की लाली-ऊषा की लाली फैल चले॥ १॥

हों हम सब आचार परायण
घर-घर में प्रकटे दैवी गुण
आधि व्याधि हर लेने वाली, हर लेने वाली प्रीति पले॥ २॥

जन मन के कल्मष धो डालें
स्वार्थ नहीं परमार्थ सम्हालें
हो नन्दन वन सी हरियाली, वन की हरियाली गगन तले॥ ३॥

मानें सब जप-तप की गरिमा
जानें सब उस प्रभु की महिमा
बन जिसकी बगिया के माली, बगिया के माली हम निकले॥ ४॥

घर घर में निराली ज्योति जले (दीपावली के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
														सा	रे
														घ	र
ग	ग	ग	ध	प	–	ग	रे	–	ग	रे	सा	सा	–	सा	रे
घ	र	में	नि	रा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ज्यो	ति	ज	ले	ऽ	घ	र
ग	ग	ग	ध	प	प	सा	रे	ग	ग	ग	ध	प	–	ग	रे

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

घ	र	में	नि	रा	ली	सु	ख	शा	न्ति	दे	ने	वा	ऽ	ली	ऽ
–	ग	रे	सा	सा	–	सा	रे	ग	ग	ग	ध	प	प	सा	रे
ऽ	ज्यो	ति	ज	ले	ऽ	घ	र	घ	र	में	नि	रा	ली	सु	ख
ग	ग	ग	ध	प	–	ग	रे	–	ग	रे	सा	सा	–	सा	रे
शा	न्ति	दे	ने	वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ज्यो	ति	ज	ले	ऽ	घ	र
ग	ग	ग	ध	प	–	ग	रे	–	ग	रे	सा	सा	–	–	–
घ	र	में	नि	रा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ज्यो	ति	ज	ले	ऽ	०	०
						अन्तरा									
–	ग	प	ध	सां	सां	सां	सां	–	निसां	रें	सां	नि	ध	नि	प
०	ज्ञा	न	य	ऽ	ज्ञ	ह	म	ऽ	ऐऽ	सा	र	चा	ऽ	यें	ऽ
–	ग	ध	ध	ध	–	ध	ध	नि	–	सां	नि	ध	प	प	–
०	पा	व	न	दी	ऽ	प	अ	खं	ऽ	ड	ज	ला	ऽ	यें	ऽ
–	पध	प	ग	ग	रे	रे	रे	रे	–	ग	प	रे	–	सा	–
०	पाऽ	व	न	दी	ऽ	प	अ	खं	ऽ	ड	ज	ला	ऽ	यें	ऽ
–	सारे	ग	ध	प	–	सा	रे	ग	–	ध	–	प	प	सा	रे
०	नव	यु	ग	की	ऽ	ऊ	ऽ	षा	ऽ	की	ऽ	ला	ली	ऊ	ऽ
ग	–	ध	–	प	–	ग	रे	–	ग	रे	सा	सा	–		
षा	ऽ	की	ऽ	ला	ऽ	ली	ऽ	ऽ	फै	ल	च	ले	ऽ		

सन्देश नया कुछ लाया

सन्देश नया कुछ लाया, यह ज्योति पर्व है आया।
दीपक सा जीवन जी लो, यह मर्म सिखाता आया।।
पात्रता सुदीप बना लो, शुभ लगन वर्तिका डालो।
स्नेह भाव सरसालो, तो ज्योति दान भी पालो।
दीपक कहकर मुस्काया, साधक के मन को भाया।।
सूरज को छिप जाने दो, चन्दा को सुस्ताने दो।
तारागण दमक रहे हैं, हमको भी सुस्ताने दो।
दीपक दल आगे आया, तो दीपावली कहाया।।
मत संकुचो आगे आओ, घर-घर प्रकाश पहुँचाओ।
अँधियारे को धकियाओ, भटकों को राह दिखाओ।
जीवन को धन्य बनाया झिलमिल चमकेगी काया।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सद्भाव विवेक बढ़ालो, पावन पुरुषार्थ जगालो।
उल्लास उमंगे बाँटो, शुभ दीप भाव अपनालो।
जिसको यह जीवन भाया, उसको प्रभु ने अपनाया।।

सन्देश नया कुछ लाया (दीपावली के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
														प़	–
														सं	ऽ
सा	–	–	सा	सा	–	सा	रे	ग	–	प	–	–	–	प	–
दे	ऽ	श	न	या	ऽ	कु	छ	ला	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	य	ह
प	ध	ध	प	–	ग	ग	रे	रे	ग	ग	–	रे	सा	सा	–
ज्यो	ऽ	ति	प	ऽ	र्व	है	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ
सा	–	सा	ग	ग	रे	रे	सा	सा	ध़	ध़	प़	–	–	प़	–
प	क	सा	ऽ	जी	ऽ	व	न	जी	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	य	ह
सा	–	सा	ग	ग	रे	रे	सा	सा	–	सा	–	–	–		
म	ऽ	र्म	सि	खा	ऽ	ता	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ		
				अन्तरा											
														ग	–
														सू	ऽ
ग	ध	ध	–	ध	–	ध	सां	ध	प	प	–	–	ग	ग	–
र	ज	को	ऽ	छि	प	जा	ऽ	ने	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ	चं	ऽ
ग	ध	ध	–	ध	–	ध	सां	ध	प	प	–	–	ग	रे	–
दा	ऽ	को	ऽ	सु	ऽ	स्ता	ऽ	ने	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ	ता	ऽ
रे	–	रे	–	रे	–	रे	ग	ग	म	म	ग	रे	–	रे	–
रा	ऽ	ग	ण	द	म	क	र	हे	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म
रे	प	प	ग	ग	रे	रे	ग	रे	सा	सा	–	–	–	प़	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

को	ऽ	भी	ऽ	मु	ऽ	स्का	ऽ	ने	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ
सा	–	सा	–	सा	–	सा	रे	ग	–	प	–	–	–	प	–
प	क	द	ल	आ	ऽ	गे	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ
प	ध	ध	प	प	ग	–	रे	रे	ग	ग	–	रे	सा	सा	–
दी	ऽ	पा	ऽ	व	ली	ऽ	क	हा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ
सा	–	सा	ग	ग	रे	रे	सा	सा	ध़	ध़	प़	–	–	प़	–
प	क	सा	ऽ	जी	ऽ	व	न	जी	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	य	ह
सा	–	सा	ग	ग	रे	रे	सा	सा	–	सा	–	–	–		
म	ऽ	र्म	सि	खा	ऽ	ता	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ		

ज्योति जली घर घर में

ज्योति जली घर-घर में, आई आई दिवाली।
दीप सिखा मुस्काई, आई-आई दिवाली।।

घर, आँगन, देहरी दरवाजे।
जगमग आज सुशोभित साजे।
नव उल्लास जगाई। आई-आई दिवाली।।

पर्व मनोरम यह दीपों का।
राम भरत से कुल दीपों का।
भ्रातृ प्रेम ले आई। आई-आई दिवाली।।

अँधियारा कितना हो भारी।
नन्हीं ज्योति करे उजियारी।
स्नेह डगर दिखलाई। आई-आई दिवाली।।

मन्दिर मस्जिद या गुरुद्वारा।
नन्हा, दीप सभी को प्यारा।
सबमें प्रीति जगाई। आई-आई दिवाली।।

मन का अँधियारा मिट जाये।
दीवाली का पर्व मनायें।
घर-घर खुशियाँ छाई। आई-आई दिवाली।।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ज्योति जली घर घर में (दीपावली के गीत)

स्थायी — दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
प़	सा	–	सा	–	सा	सा	–	–	नि़	सा	–
ज्यो	ऽ	ऽ	ति	ऽ	ज	ली	ऽ	ऽ	घ	र	ऽ
रे	रे	–	सा	–	–	नि़	–	–	म	म	–
घ	र	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	ऽ
म	–	रे	–	सा	–	सा	–	–	सा	–	–
आ	ऽ	ई	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ

अन्तरा

सा	सा	–	ग	म	–	प	प	–	प	प	–
घ	र	ऽ	आँ	ऽ	ऽ	ग	न	ऽ	दे	ह	ऽ
ग	–	–	म	–	म	गु	–	–	रे	सा	–
री	ऽ	ऽ	द	ऽ	र	वा	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ
सा	सा	–	ग	म	–	प	नि	ध	प	–	प
ज	ग	ऽ	म	ग	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	सु
ग	–	–	म	–	म	गु	–	–	रे	सा	–
शो	ऽ	ऽ	भि	ऽ	त	सा	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ
प़	सा	–	सा	–	–	सा	–	–	नि़	सा	–
न	व	ऽ	उ	ऽ	ऽ	ल्ला	ऽ	ऽ	स	स	ऽ
रे	–	–	सा	–	–	नि़	–	–	म	म	–
भी	ऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ई	ऽ
म	–	रे	–	सा	–	सा	–	–	सा	–	–
ला	ऽ	ई	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दीपावली शुभ पर्व पर

दीपावली शुभ पर्व पर, दीपक जलाना चाहिए।
बाहर उजाला चाहिए, भीतर उजाला चाहिए।।
घर में उजाला चाहिए, मन में उजाला चाहिए।
सूर्य चन्दा है नहीं, इस रात में तो क्या हुआ।
दीपकों को उभरकर, जग जगमगाना चाहिए।।
पात्रता छोटी मगर, मन प्रेम से भरपूर है।
प्राण की बाती जला, शुभ ज्योति पाना चाहिए।।
वेदनाएँ विश्व में फैली हुई हैं हर जगह।
दु:ख बँटाकर दूसरों का, मुस्कुराना चाहिए।।
कर सकेगा पाप अँधियारा, हमारा क्या अरे।
ज्योति ले परमार्थ की हर, पग बढ़ाना चाहिए।।
धन व्यसन बनने न पाये, सावधानी से चलें।
खर्च पर सुविवेक का, अंकुश लगाना चाहिए।।
स्वार्थ का दुर्बुद्धि का, घेरा अगर है तोड़ना।
यज्ञ का सुविचार का, कुछ क्रम बनाना चाहिए।।

दीपावली शुभ पर्व पर

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
सा	सा	–	सा	सा	रे	सा	नि॒	–	सा	ग	ग	प	म॑	प	–
दी	पा	ऽ	व	ली	ऽ	शु	भ	ऽ	प	ऽ	र्व	प	र	ऽ	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
दी	प	क	ज	ला	ऽ	ना	ऽ	ऽ	चा	ऽ	हि	ए	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

–	ग	–	ग	प	–	ध	–	–	सां	–	सां	सां	–	सां	सां
०	सू	ऽ	र्य	चं	ऽ	दा	ऽ	ऽ	है	ऽ	न	हीं	ऽ	इ	स
नि	नि	–	नि	नि	–	नि	–	ध	नि	सां	नि	ध	नि	प	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ऽ	रा	ऽ	त	में	ऽ	तो	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	ऽ	ऽ
–	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
०	रा	ऽ	त	में	ऽ	तो	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	ऽ	ऽ
–	सा	–	सा	सा	रे	सा	नि̇	–	सा	ग	ग	प	मं	प	–
०	दी	ऽ	प	कों	ऽ	को	ऽ	ऽ	उ	भ	र	क	र	ऽ	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
जग	ज	ग	म	गा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	चा	ऽ	हि	ए	ऽ	ऽ	ऽ

आई दिवाली आई दिवाली

आई दिवाली, आई दिवाली, देखो आई दिवाली आई दिवाली।
दीपक-सी निष्ठा की करना रखवाली।। देखो आई दिवाली०।।

धन साधन सभी लोग, लक्ष्मी से पायेंगे।
सद्विवेक सन्तुलन गणपति सिखलायेंगे।
धन का हो सदुपयोग फैले खुशहाली।। देखो आई०।।

सम्पत्ति से जनहित के दीपक सजायेंगे।
सद्विवेक पाकर सब ज्योतित हो जायेंगे।
मिट जाये अँधियारा फैले उजियाली।। देखो आई०।।

नरकासुर गंदगी को घर से निकाल दो।
आलस को दूर कर उमंगे उछाल दो।
फूले-फले खुशियों से जीवन की डाली।। देखो आई०।।

मन में ना स्वार्थ रहे तन से पुरुषार्थ हो।
तन-मन से धन से नित पावन परमार्थ हो।
सब में उल्लास रहे कोई नहीं खाली।। देखो आई०।।

हमारे साधु-संतों की संगीत साधना का ही यह प्रभाव था कि कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, तुकाराम, नरसी मेहता ऐसी कृतियाँ कर गये जो हमारे संसार के साहित्य में सर्वदा ही अपना विशिष्ट स्थान रखेंगी। — स्व० डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आई दिवाली आई दिवाली

स्थायी — दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
सा	ध़	ध़	सा	सा	–	रे	–	–	ग	–	–
आ	ऽ	ई़	ऽ	दि	ऽ	वा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ
रे	–	सा	सा	सा	–	सा	–	–	प	प	–
आ	ऽ	ई	दि	वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	दे	खो	ऽ
सा	ध़	ध़	सा	सा	–	रे	–	–	ग	–	–
आ	ऽ	ई़	ऽ	दि	ऽ	वा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ
रे	–	सा	सा	सा	–	सा	–	–	–	–	–
आ	ऽ	ई	दि	वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	०	०	०
म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	ग
दी	ऽ	प	क	सी	ऽ	नि	ऽ	ष्ठा	ऽ	की	ऽ
रे	ग	ग	–	ग	–	ग	–	–	ग	–	–
क	र	ना	ऽ	र	ख	वा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ
म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–
दी	ऽ	प	क	सी	ऽ	नि	ऽ	ष्ठा	ऽ	की	ऽ
प	–	ध	प	म	–	म	ग	–	रे	सा	–
क	र	ना	र	ख	ऽ	वा	ली	ऽ	दे	खो	ऽ
सा	ध़	ध़	सा	सा	–	रे	–	–	ग	–	–
आ	ऽ	ई़	ऽ	दि	ऽ	वा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ
रे	–	सा	सा	सा	–	सा	–	–	–	–	–
आ	ऽ	ई	दि	वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	०	०	०

अन्तरा

म	–	म	–	म	ग	म	प	–	प	–	म
ध	न	सा	ऽ	ध	न	स	भी	ऽ	लो	ऽ	ग
ध	–	ध	–	ध	नि̲	ध	–	प	प	–	–
ल	ऽ	क्ष्मी	ऽ	से	ऽ	पा	ऽ	यें	गे	ऽ	ऽ
म	–	ध	ध	–	ध	म	–	ध	ध	–	प

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

स	द्	वि	वे	ऽ	क	सं	ऽ	तु	ल	न	ऽ
प	–	ध	सां	सां	नि	ध	–	प	प	–	–
ग	ण	प	ति	सि	ख	ला	ऽ	यें	गे	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	–	सां	सां	–	सां	–	प
ध	न	का	ऽ	हो	ऽ	स	दु	प	यो	ऽ	ग
प	–	ध	नि	ध	प	प	–	–	प	–	–
फै	ऽ	ले	ऽ	खु	श	हा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ
सां	–	सां	–	सां	–	सां	सां	–	सां	–	प
ध	न	का	ऽ	हो	ऽ	स	दु	प	यो	ऽ	ग
प	–	ध	नि̲	ध	प	म	म	ग	रे	सा	–
फै	ऽ	ले	ऽ	खु	श	हा	ली	ऽ	दे	खो	ऽ

आज दीप से दीप जलाओ

आज दीप से दीप जलाओ।
दीपों का त्यौहार मनाओ॥

फिर से समय सुहाना आया।
लहरों जैसे मन लहराया॥
उजियारे की धूमधाम से।
मन भी फूला नहीं समाया॥
फूलों जैसे हँसो हँसाओ॥ १॥ दीपों का॥

जगमग-जगमग, भीतर बाहर।
लगता है गागर में सागर॥
दीपों से सज गए थाल हैं।
कितने मनहर, कितने सुन्दर॥
दुनियाँ में प्रकाश फैलाओ॥ २॥ दीपों का०॥

भेदभाव को दूर भगाओ।
जन-जन के मन को हरषाओ॥
ईर्ष्या-द्वेष मिटे जीवन से।
अन्तर में वह दीप जलाओ॥
हँसी-खुशी की बीन बजाओ॥ ३॥ दीपों का०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आज दीप से दीप जलाओ (दीपावली के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
-	रे	सा	नि़	सा	सा	रे	-	-	प	ग॒	म	रे	-	सा	-
०	आ	ज	दी	ऽ	प	से	ऽ	ऽ	दी	प	ज	ला	ऽ	ओ	ऽ
-	रें	-रें	-	रें	-	रें	-	-	नि॒	ध॒ध॒	ध॒	नि॒	सां	सां	-
०	दी	ऽपों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	ऽ	हा	ऽर	म	ना	ऽ	ओ	ऽ
-	रें	-रें	-	रें	मं	रें	सां	-	नि॒	ध॒ध॒	ध॒	नि॒	सां	सां	-
०	दी	ऽपों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	ऽ	हा	ऽर	म	ना	ऽ	ओ	ऽ
-	म-	प	प	प	सां	सां	-	-	प	ग॒ग॒	म	रे	-	सा	-
०	हृद	य	ह	द	य	का	ऽ	ऽ	ति	मिर	मि	टा	ऽ	ओ	ऽ
-	रे	सा	नि़	सा	सा	रे	-	-	प	ग॒	म	रे	-	सा	-
०	आ	ज	दी	ऽ	प	से	ऽ	ऽ	दी	प	ज	ला	ऽ	ओ	ऽ

अन्तरा

-	म-	प	-	नि॒	ध॒	नि॒	नि॒	सां	-	सां	-	नि॒	-	सां	-
०	फिर	से	ऽ	दि	व	स	सु	हा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ
-	रें-	रें	-	रें	-	रें	सां	-	सांनि॒	रें	सां	ध॒	नि॒	प	-
०	लह	रों	ऽ	जै	ऽ	से	ऽ	ऽ	मन	ल	ह	रा	ऽ	या	ऽ
-	रें-	रें	-	रें	-	रें	-	-	नि॒	ध॒ध॒	ध॒	नि॒	सां	सां	-
०	उजि	या	ऽ	रे	ऽ	की	ऽ	ऽ	धू	ऽम	धा	ऽ	म	से	ऽ
-	रें-	रें	-	रें	मं	रें	सां	-	नि॒	ध॒ध॒	ध॒	नि॒	सां	सां	-
०	उजि	या	ऽ	रे	ऽ	की	ऽ	ऽ	धू	ऽम	धा	ऽ	म	से	ऽ
-	म	प	-	प	सां	सां	-	-	प	ग॒-	म	रे	-	सा	-
०	फू	लों	ऽ	जै	ऽ	से	ऽ	ऽ	हँ	सोऽ	हँ	सा	ऽ	ओ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

प्रेम उमंगें खुशियाँ लाया

प्रेम उमंगें खुशियाँ लाया दीपों का त्यौहार।
हृदय-हृदय से दीप जलाकर, बाँटो नव उपहार॥

सूरज चन्दा छिप जाये तो, दीपक सा आलोक बिखेरो।
अंधकार अज्ञान मिटाने, शिव सा विष का प्याला पीलो॥
बढ़े कदम अब नही रुकेंगे, इसका करो प्रसार।

दीपावली मनायें हम सब, संकल्पों को धारण करके।
खुशियाँ बाँटें हम आपस में, दुखी जनों के आँसू पीकर॥
तभी बनेगा यह पावन दिन, समता का त्यौहार॥

डरें नहीं घनघोर रात्रि से, यह सन्देश दिवाली देता।
आश रखें उज्ज्वल भविष्य की, नन्हा दीपक भी कह देता।
राम-राज्य निश्चित आयेगा, होगा जग उद्धार॥

प्रेम उमंगे खुशियाँ लाया (दीपावली के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
प	–	प	सां	सां	–	सां	–	सां	नि̲	नि̲	ध	ध	प	प	–
प्रे	ऽ	म	ऊ	मं	ऽ	गें	ऽ	खु	शि	याँ	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ
प	–	प	सां	सां	–	सां	–	सां	नि̲	नि̲	ध	ध	प	प	म
प्रे	ऽ	म	ऊ	मं	ऽ	गें	ऽ	खु	शि	याँ	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ
म	ग	म	–	म	–	प	–	म	–	–	ग̲	सा	रे	रे	नि̲
दी	ऽ	पों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	हा	ऽ	र	म	ना	ऽ	यें	ऽ
नि̲	रे	रे	ग̲	म	ग̲	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	रे	रे	नि̲
दी	ऽ	पों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	हा	ऽ	र	म	ना	ऽ	यें	ऽ
नि̲	रे	रे	ग̲	म	ग̲	रे	सा	सा	–	–	–	–	–	–	–
दी	ऽ	पों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	हा	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

प	–	प	म	म	ग़	ग़	म	म	प	प	–	प	–	प	–
सू	ऽ	र	ज	चं	ऽ	दा	ऽ	छि	प	जा	ऽ	ये	ऽ	तो	ऽ
प	नि़	नि़	ध	सां	नि़	ध	प	प	–	–	प	प	–	प	–
दी	ऽ	प	क	सा	ऽ	आ	ऽ	लो	ऽ	क	बि	खे	ऽ	रो	ऽ
प	नि़	नि़	नि़	–	नि़	नि़	प	प	नि़	नि़	नि़	सां	गं़	रें	सां
अं	ऽ	ध	का	ऽ	र	अ	ऽ	ज्ञा	ऽ	न	मि	टा	ऽ	ने	ऽ
नि़	–	नि़	ध	सां	नि़	ध	प	प	–	प	–	प	–	प	–
शि	व	सा	ऽ	वि	ष	का	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	पी	ऽ	लो	ऽ
प	प	–	सां	सां	–	सां	–	सां	नि़	–	ध	ध	प	प	–
ब	ढ़े	ऽ	क	द	म	अ	ब	न	हीं	ऽ	रु	कें	ऽ	गे	ऽ
प	प	–	सां	सां	–	सां	–	सां	नि़	–	ध	ध	प	प	म
ब	ढ़े	ऽ	क	द	म	अ	ब	न	हीं	ऽ	रु	कें	ऽ	गे	ऽ
म	ग	ग	–	म	म	प	प	म	–	–	ग़	सा	रे	रे	नि़
इ	स	का	ऽ	क	रो	ऽ	प्र	सा	ऽ	र	म	ना	ऽ	यें	ऽ
नि़	रे	रे	ग़	म	ग़	रे	सा	सा	–	–	सा	सा	रे	रे	नि़
दी	ऽ	पों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	हा	ऽ	र	म	ना	ऽ	यें	ऽ
नि़	रे	रे	ग़	म	ग़	रे	सा	सा	–	–	–	–	–	–	–
दी	ऽ	पों	ऽ	का	ऽ	त्यौ	ऽ	हा	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

शिव का सुमिरन हर घड़ी

शिव का सुमिरन हर घड़ी, करना कराना चाहिए।
यों अशिव के संग से, बचना बचाना चाहिए॥

मान जा मन हर घड़ी, आठों पहर शिवध्यान कर।
तोड़ रिश्ता अशिव से, भवपार होना चाहिए॥ १॥ शिव का०॥

क्यों अरे! तू पड़ गया,
चक्कर में मायाजाल के॥
सत्य, शिव, आनन्द में,
मन को लगाना चाहिए॥ २॥ शिव का०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

क्यों वियोगी की तरह तू,
जल रहा सन्ताप से॥
इस कुयोगी हृदय को-
योगी बनाना चाहिए॥ ३॥ शिव का०॥

शिव का सुमिरन (शिवरात्रि के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	सा	–	सा	सा	रे	सा	नि़	–	सा	ग	ग	प	म॑	प	–
०	शि	व	का	सु	मि	र	न	ऽ	ह	र	घ	ड़ी	ऽ	ऽ	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
कर	ना	ऽ	क	रा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	चा	ऽ	हि	ए	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

–	ग	–	ग	प	–	ध	–	–	सां	–	सां	सां	–	सां	–
०	मा	ऽ	न	जा	ऽ	म	न	ऽ	ह	र	घ	ड़ी	ऽ	आ	ऽ
नि	नि	–	नि	नि	–	नि	–	ध	नि	सां	नि	ध	नि	प	–
ऽ	ठों	ऽ	प	ह	र	शि	व	ऽ	ध्या	ऽ	न	क	र	ऽ	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
आ	ठों	ऽ	प	ह	र	शि	व	ऽ	ध्या	ऽ	न	क	र	ऽ	ऽ
–	सा	–	सा	सा	रे	सा	नि़	–	सा	ग	ग	प	म॑	प	–
०	तो	ऽ	ड़	रि	ऽ	श्ता	ऽ	ऽ	अ	शि	व	से	ऽ	ऽ	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
भव	पा	ऽ	र	हो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	चा	ऽ	हि	ए	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

मन में नव उल्लास भर होली मनाना चाहिये

मन में नव उल्लास भर होली मनाना चाहिये।
पर्व के उल्लास में, सबको नहाना चाहिए॥
भर रही है कीच मन में, द्वेष की दुर्भाव की।
साफ कर अन्त:करण को, होली मनाना चाहिए॥ १॥ मन में०॥

हैं सभी इन्सान-
हो इन्सानियत से प्यार भी॥
भेद सारे मेटकर, होली मनाना चाहिए॥ २॥ मन में०॥

बच गए प्रह्लाद-
जलकर मर गयी थी होलिका॥
नीति हित साहस जगाकर, होली मनाना चाहिए॥ ३॥ मन में०॥

पक गयी है फसल तो-
पहले प्रभु को दें चढ़ा॥
यज्ञ में दें आहुति तब, अन्न खाना चाहिए॥ ४॥ मन में०॥

स्वार्थ की भीषण तपन से-
हैं सभी झुलसे हुए॥
प्यार का है रंग रुचिकर, सबको लगाना चाहिए॥ ५॥ मन में०॥

मन में नव उल्लास भर (होली के गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–	सा	–	सा	सा	रे	सा	नि॒	–	सा	ग	ग	प	म॑	प	–
०	म	न	में	न	व	उ	ऽ	ऽ	ल्ला	ऽ	स	भ	र	ऽ	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
हो	ली	ऽ	म	ना	ऽ	ना	ऽ	ऽ	चा	ऽ	हि	ये	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

–	ग	–	ग	प	–	ध	–	–	सां	–	सां	सां	–	सां	–
०	भ	र	र	ही	ऽ	है	ऽ	ऽ	की	ऽ	च	म	न	में	ऽ
नि	नि	–	नि	नि	–	नि	–	ध	नि	सां	नि	ध	नि	प	–
ऽ	द्वे	ऽ	ष	की	ऽ	दु	ऽ	ऽ	र्भा	ऽ	व	की	ऽ	ऽ	ऽ
–	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
०	द्वे	ऽ	ष	की	ऽ	दु	ऽ	ऽ	र्भा	ऽ	व	की	ऽ	ऽ	ऽ
–	सा	–	सा	सा	रे	सा	नि	सा	सा	ग	ग	प	मं	प	–
०	सा	ऽ	फ	क	र	के	ऽ	अ	न्तः	ऽ	क	र	ण	को	ऽ
नि	नि	–	सां	ध	–	प	–	ग	ग	–	प	रे	–	सा	–
हो	ली	ऽ	म	ना	ऽ	ना	ऽ	ऽ	चा	ऽ	हि	ए	ऽ	ऽ	ऽ

आओ आओ सुहागिन नारि कलश सिर धारण करो

आओ-आओ सुहागिन नारि, कलश सिर धारण करो।
आओ राधा-रुक्मिणि नारि, कलश सिर धारण करो॥
कलश के मुख में, विष्णु जी सोहें।
कंठ से लगकर, शङ्कर मोहें॥
ए जी ब्रह्मा सोहें मूलाधार, कलश सिर धारण करो॥ १॥ आओ-२॥
तेरी चूड़ी अमर हो जाय - - -
सात समुद्रों का निर्मल जल।
सात द्वीप औ, पृथ्वी अञ्चल॥
गंगा-यमुना की पावन धार, कलश सिर धारण करो॥ २॥ आओ-२॥
तेरो ललना अमर हो जाय- - -
चार वेद का ज्ञान भरा है।
वसुधा और संसार भरा है॥
ए तो मनवाञ्छित दातार, कलश सिर धारण करो॥ ३॥ आओ-२॥
तेरी बिन्दिया अमर हो जाय, कलश सिर धारण करो॥
आओ माता, बहनों आओ।
कलश गीत सब मिलकर गाओ॥
ये तो गायत्री सावित्री परिवार, कलश सिर धारण करो॥ ४॥ आओ-२॥
आओ राधा रुक्मिणि नारि- - - - -

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

आओ आओ सुहागिन नारि (कलश-यात्रा के गीत)

स्थायी — दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
			सा	सा	रे	सा	नि़	नि़	–	प़	–
			आ	ओ	ऽ	आ	ऽ	ओ	ऽ	सु	ऽ
नि़	सा	–	रे	सा	–	रे	–	–	–	सा	–
हा	ऽ	ऽ	गि	न	ऽ	ना	ऽ	ऽ	रि	क	ऽ
नि़	सा	–	रे	म	–	म	ग	रे	ग	रे	सा
ल	श	ऽ	सि	र	ऽ	धा	ऽ	र	ण	क	ऽ
सा	–	–	प	प	–	प	–	ध	ध	–	प
रो	ऽ	ऽ	आ	ओ	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ऽ
म	ग	सा	रे	म	ग	रे	–	–	–	सा	–
ल	ऽ	ऽ	क्ष्मी	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	रि	क	ऽ
नि़	सा	–	रे	म	–	म	ग	रे	ग	रे	सा
ल	श	ऽ	सि	र	ऽ	धा	ऽ	र	ण	क	ऽ
सा	–	–	सा	सा	रे	सा	नि़	नि़	–	प़	–
रो	ऽ	ऽ	आ	ओ	ऽ	आ	ऽ	ओ	ऽ	सु	ऽ
नि़	सा	–	रे	सा	–	रे	–	–	–	सा	–
हा	ऽ	ऽ	गि	न	ऽ	ना	ऽ	ऽ	रि	क	ऽ
नि़	सा	–	रे	म	–	म	ग	रे	ग	रे	सा
ल	श	ऽ	सि	र	ऽ	धा	ऽ	र	ण	क	ऽ
सा	–	–									
रो	ऽ	ऽ									

अन्तरा

			–	–	–	–	–	रे	–	म	म
			०	०	०	०	०	क	ल	श	के
प	–	–	प	–	–	–	–	रे	प	प	ध
मु	ख	ऽ	में	ऽ	ऽ	०	०	वि	ऽ	ष्णु	जी
प	म	ध	प	म	ग	रे	–	रे	–	म	म

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सो	ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	ऽ	०	क	ऽ	ग्ठ	में
प	नि़	ध	प	–	–	–	–	रे	प	प	ध
ल	ग	ऽ	क	र	ऽ	०	०	शं	ऽ	क	र
प	म	ध	प	म	ग	रे	–	–	सा	सा	रे
मो	ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	ये	जी	ऽ
सा	नि़	नि़	–	प़	–	नि़	सा	–	रे	सा	–
ब्र	ह्	मा	ऽ	सो	ऽ	हे	ऽ	ऽ	मू	ला	ऽ
रे	–	–	–	सा	–	नि़	सा	–	रे	म	–
धा	ऽ	ऽ	र	क	ऽ	ल	श	ऽ	सि	र	ऽ
म	ग	रे	ग	रे	सा	सा	–	–			
धा	ऽ	र	ण	क	ऽ	रो	ऽ	ऽ			

दीपयज्ञ का पर्व

दीपयज्ञ का पर्व आया रे, आओ जीवन को धन्य बना लो रे।
आओ सुख सौभाग्य जगा लो रे।।

पावन हिमालय से ऋषि मुनि आये, ईश्वर का सन्देशा लाये।
अनुदान अनमोल पालो रे, आओ जीवन को धन्य बना लो रे।।

देव शक्तियाँ उमड़ रही हैं, असुर शक्तियाँ भाग रही है।
धरती को स्वर्ग बना लो रे, आओ जीवन को धन्य बना लो रे।।

आदि शक्ति वेद-माता आई, सद्विचार सद्वैभव लाई।
निर्मल बुद्धि बना लो रे, आओ जीवन को धन्य बना लो रे।।

यज्ञ देव प्रभु स्वयं पधारे, ले आये सौभाग्य हमारे।
तन मन स्वच्छ बना लो रे, आओ जीवन को धन्य बना लो रे।।

लहर उठी नई शान्तिकुंज से, जुड़ जाओ सब शक्ति पुंज से।
उज्ज्वल भविष्य बना लो रे, आओ जीवन को धन्य बना लो रे।।

संगीतज्ञ अपनी संगीत साधना के द्वारा उसी उच्च मानसिक स्थिति में जा पहुँचते हैं, जहाँ कोई आध्यात्मिक योगी अपनी योग साधना के बलपर।
संसार के सर्वश्रेष्ठ वायोलेन वादक– लार्ड यहूदी मेन्यूहिन

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दीपयज्ञ का पर्व (दीपयज्ञ के गीत)

स्थायी — गर्बा– दादरा ताल

x			०			x			०		
१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
ग	–	ग	ग	–	ग	ग	–	रे	रे	–	सा
दी	ऽ	प	य	ऽ	ज्ञ	का	ऽ	ऽ	प	ऽ	र्व
सा	–	–	रे	–	–	ग	–	–	ग	रे	–
आ	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	आ	ओ	ऽ
सा	–	रे	ग	रे	–	सा	–	ध़	–	प़	–
जी	ऽ	व	न	को	ऽ	ध	ऽ	न्य	ऽ	ब	ऽ
ध़	–	रे	रे	–	सा	सा	–	–	–	–	–
ना	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

सा	–	सा	–	सा	–	सा	–	सा	ध़	सा	–
पा	ऽ	व	न	हि	ऽ	मा	ऽ	ल	य	से	ऽ
सा	रे	–	रे	ग	–	रे	सा	–	सा	–	–
ऋ	षि	ऽ	मु	नि	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ
सा	–	–	सा	–	–	सा	–	–	ध़	सा	–
ई	ऽ	ऽ	श्व	र	ऽ	का	ऽ	ऽ	सं	ऽ	ऽ
सा	रे	–	रे	ग	–	रे	सा	–	सा	–	–
दे	ऽ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ
ग	–	ग	–	ग	–	ग	–	रे	–	–	सा
अ	नु	दा	ऽ	न	ऽ	अ	न	मो	ऽ	ऽ	ल
सा	–	–	रे	–	–	ग	–	–	ग	रे	–
पा	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	आ	ओ	ऽ
सा	–	रे	ग	रे	–	सा	–	ध़	–	प़	–
जी	ऽ	व	न	को	ऽ	ध	ऽ	न्य	ऽ	ब	ऽ
ध़	–	रे	रे	–	सा	सा	–	–	–	–	–
ना	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

देव संस्कृति दिग्विजय को चल पड़ी चतुरङ्गिणी

देव संस्कृति दिग्विजय को चल पड़ी चतुरङ्गिणी।
धन्य होंगे जो कि इस अभियान से जुड़ जायेंगे॥

अश्व केवल एकता का, शक्ति का प्रतिमान है।
अश्व है मन और पावक, अश्व हर गतिमान है॥
आश्वमेधिक यज्ञ से जो भी जुड़ा इन्सान है।
मन्यु का मिलता उसे, करुणा भर अनुदान है॥
जो समर्पण भाव से इस यज्ञ के होता हुए।
वे सभी साधन सुसंतति और सद्गति पायेंगे॥ १॥ देवसंस्कृति०॥

दुष्टताओं ने कुटिल गठजोड़ काफी कर लिया।
विश्व का वातावरण, घातक विषैला कर दिया॥
इस समय संवेदना और शौर्य का मिलना सही।
एक हो लें अश्वमेधों का प्रयोजन है यही॥
इसलिए प्रतिभा-पराक्रमवान् दोनों एक हों।
आज जो मिलकर चलेंगे, अग्रणी कहलायेंगे॥ २॥ देवसंस्कृति०॥

है निहित इस यज्ञ में ही, राष्ट्र की अभ्यर्थना।
बलवती होती बहुत, राष्ट्रीयता की भावना॥
राष्ट्रहित पुरुषार्थ की, मिलती इसी से प्रेरणा।
और दैवी शक्तियों में, संगठन की चेतना॥
देवसंस्कृति विश्व को फिर, एक कर दिखलायेगी।
विश्ववसुधा के सहज हम, नागरिक बन जायेंगे॥ ३॥ देवसंस्कृति०॥

श्रेष्ठतम इस यज्ञ से, भीषण उठा तूफान है।
दुष्टता के पाँव अब, जमना नहीं आसान है॥
अब यहाँ दुष्प्रवृत्ति कोई भी नहीं टिक पायेगी।
फिर धरा निर्मल बहुत, सुख शान्तिमय हो जायेगी॥
विश्व तब होगा सुवासित, वृक्ष सुमनों से भरा।
वायु बनकर हर सुमन की, गंध हम फैलायेंगे॥ ४॥ देवसंस्कृति०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चल पड़ी चतुरङ्गिणी (अश्वमेध यज्ञ के गीत)

स्थायी — दीपचन्दी ताल

x			२				०			३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
सा	–	ग़	प	–	प	प	प	–	ध़	प	–	म	–
दे	ऽ	व	सं	ऽ	स्कृ	ति	दि	ऽ	ग्वि	ज	य	को	ऽ
प	–	ध़	सां	–	सां	नि़	नि़	गं़	रें़	सां	–	–	–
च	ल	प	ड़ी	ऽ	च	तु	रं	ऽ	गि	णी	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध़	सां	–	सां	नि़	नि़	गं़	रें़	सां	–	–	–
च	ल	प	ड़ी	ऽ	च	तु	रं	ऽ	गि	णी	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	ग़	प	–	प	म	म	ध़	प	म	–	ग़	ग़
ध	ऽ	न्य	हों	ऽ	गे	ऽ	जो	ऽ	कि	इ	स	अ	भि
रे़	–	सा	नि़	–	ध़	ध़	सा	–	सा	सा	–	–	–
या	ऽ	न	से	ऽ	जु	ड़	जा	ऽ	यें	गे	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	ग़	प	–	प	म	म	ध़	प	म	–	ग़	ग़
ध	ऽ	न्य	हों	ऽ	गे	ऽ	जो	ऽ	कि	इ	स	अ	भि
रे़	–	सा	नि़	–	ध़	ध़	सा	–	सा	सा	–	–	–
या	ऽ	न	से	ऽ	जु	ड़	जा	ऽ	यें	गे	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

ग़	–	ग़	ग़	–	ग़	रे	ग़	–	ग़	ग़	–	ग़	रे
अ	ऽ	श्व	के	ऽ	व	ल	ए	ऽ	क	ता	ऽ	का	ऽ
ग़	–	ग़	ग़	–	प	म	ग़	–	रे़	सा	–	–	–
श	ऽ	क्ति	का	ऽ	प्र	ति	मा	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	म	–	म	म	म	–	म	म	–	म	–
अ	ऽ	श्व	है	ऽ	म	न	औ	ऽ	र	पा	ऽ	व	क
रे	–	ग़	म	–	नि़	नि़	ध़	–	प	प	–	–	–
अ	ऽ	श्व	ह	र	ग	ति	वा	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ध	–	ध	ध	–	ध	ध	ध	–	ध	ध	–	ध	–		
आ	ऽ	श्व	मे	ऽ	धि	क	य	ऽ	ज्ञ	से	ऽ	जो	ऽ		
ध	–	ध	ध	–	नि॒	सां	नि॒	–	ध॒	प	–	–	–		
भी	ऽ	जु	ड़ा	ऽ	इ	ऽ	न्सा	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ		
सां	–	सां	सां	–	सां	सां	सां	–	सां	सां	–	सां	–		
म	ऽ	न्यु	का	ऽ	मि	ल	ता	ऽ	उ	से	ऽ	क	रु		
सां	–	रें॒	सां	–	नि॒	नि॒	सां	–	रें॒	गं॒	–	सां	–		
णा	ऽ	भ	रा	ऽ	अ	नु	दा	ऽ	न	है	ऽ	क	रु		
सां	–	रें॒	सां	–	नि॒	नि॒	सां	–	रें॒	गं॒	–	ध॒	ध॒		
णा	ऽ	भ	रा	ऽ	अ	नु	दा	ऽ	न	है	ऽ	क	रु		
ध॒	म	म	म	ग॒	ग॒	रे॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	–	–	–		
णा	ऽ	भ	रा	ऽ	अ	नु	दा	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ		
सा	–	ग॒	प	–	प	प	प	–	ध॒	प	–	म	–		
जो	ऽ	स	म	ऽ	र्प	ण	भा	ऽ	व	से	ऽ	इ	स		
प	–	ध॒	सां	–	सां	नि॒	नि॒	गं॒	रें॒	सां	–	सां	–		
य	ऽ	ज्ञ	के	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	हु	ए	ऽ	इ	स		
प	–	ध॒	सां	–	सां	नि॒	नि॒	गं॒	रें॒	सां	–	–	–		
य	ऽ	ज्ञ	के	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	हु	ए	ऽ	ऽ	ऽ		
सा	–	ग॒	प	–	प	म	म	ध॒	प	म	–	ग॒	ग॒		
वे	ऽ	स	भी	ऽ	सा	ऽ	ध	न	सु	स	ऽ	न्त	ति		
रे॒	–	सा	नि॒	–	ध॒	ध॒	सा	–	सा	सा	–	–	–		
औ	ऽ	र	स	द्	ग	ति	पा	ऽ	यें	गे	ऽ	ऽ	ऽ		
सा	–	ग॒	प	–	प	म	म	ध॒	प	म	–	ग॒	ग॒		
वे	ऽ	स	भी	ऽ	सा	ऽ	ध	न	सु	स	ऽ	न्त	ति		
रे॒	–	सा	नि॒	–	ध॒	ध॒	सा	–	सा	सा	–	–	–		
औ	ऽ	र	स	द्	ग	ति	पा	ऽ	यें	गे	ऽ	ऽ	ऽ		

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जन्म लिया फिर भागीरथ ने ज्ञान गंग सरसाने

जन्म लिया फिर भागीरथ ने ज्ञान गंग सरसाने।
देवतत्व सब आज जुटे हैं, ज्योति अखण्ड जलाने॥

तेज दिया खुद सविता ने, तप विश्वामित्र से ऋषि ने।
गायत्री ने प्राण पिलाया, शीतलता दी शशि ने॥
धर्म हेतु वीरों की बलिसा, प्रखर हौसला दिल में।
मन में इतना स्नेह कि क्या, चिकनाहट होगी तिल में॥
यह आया है व्यथित धरा की, अन्तर्पीर मिटाने॥ १॥ देवतत्व०॥

हरिश्चन्द्र सा सत्य कर्ण सी, है उदारता मन में।
जनहित में लगने दधीचि की, लगीं हड्डियाँ तन में॥
एक बना था चन्द्रगुप्त तब, इसने लाख बनाये।
आज करोड़ों व्यक्ति स्वार्थ तज, जन सेवा हित आये॥
वे अपने हो गये आज तक, थे जो जन अनजाने॥ २॥ देवतत्व०॥

लिखा व्यास बन युग साहित्य, जिसे यह विश्व पढ़ेगा।
पढ़कर बदलेंगे विचार, जिससे यह युग बदलेगा॥
यह कबीर की राखी इसमें, गीता जैसा बल है।
परमहंस ने मानवता को, दिया नया सम्बल है॥
रचा नव्य प्रज्ञापुराण, नवजीवन ज्योति जगाने॥ ३॥ देवतत्व०॥

नवयुग के इस महायज्ञ में, बन शाकल्य जला है।
और हमें जीवन जीने की, दी अनमोल कला है॥
सारे ऋषियों की साधों को, नूतन प्राण मिला है।
शैल शृङ्खलाओं में चिन्मय, ब्राह्मी कमल खिला है॥
स्वर मुरली के बाण राम के, आज रहे न पुराने॥ ४॥ देवतत्व०॥

जीवन का तात्पर्य मानव जीवन से है, पशु-पक्षी जीवन से नहीं और संगीत से तात्पर्य केवल शास्त्रीय संगीत ही नहीं, बल्कि भाव संगीत, चित्र पट संगीत, लोक संगीत आदि से भी है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

स्वर एवं ताल लिपि

जन्म लिया फिर भागीरथ ने

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
ग़	–	ग़	रे	सा	रे	सा	नि़	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	–
ज	ऽ	न्म	लि	या	ऽ	फि	र	भा	ऽ	गी	ऽ	र	थ	ने	ऽ
०	०	०	०	० तातिर किटतक तिरकिट				धा	ऽति	ना	ति	न	ग	धा	धिं
सा	म	म	म	–	प	ग़	म	नि़	प	प	–	–	–	–	–
ज्ञा	ऽ	न	गं	ऽ	ग	स	र	सा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
धा	ऽति	ना	ति	न	ग	धा	धिं	धा	ऽति	ना	ति	तक	तक	तिर	किट
प	नि़	नि़	ध	–	प	प	म	म	ग़	ग़	ग़	म	प	प	ग़
दे	ऽ	व	त	ऽ	त्व	स	ब	आ	ऽ	ज	जु	टें	ऽ	हैं	ऽ
धा	ऽधि	ना	धि	न	ग	धा	धिं	धा	ऽति	ना	ति	न	क	तिर	किट
म	प	प	म	ग़	–	रे	सा	सा	–	सा	–	रे	ग़	म	प
ज्यो	ऽ	ति	अ	ख	ऽ	ण्ड	ज	ला	ऽ	ने	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ
धा	ऽधि	ना	धि	न	ग	धा	धिं	धा	ऽति	ना	ति	तिट	तिट	किट	तक
म	प	प	म	ग़	–	रे	सा	सा	–	सा	–				
ज्यो	ऽ	ति	अ	ख	ऽ	ण्ड	ज	ला	ऽ	ने	ऽ				
धा	ऽधि	ना	धि	न	ग	धा	धिं	धा	ऽति	ना	ति				

म्यूजिक

												म	ग़	म	ग़
												०	०	०	०
												नाना	किट	नाना	किट
प	–	–	–	–	–	म	ग़	म	–	–	ग़	सा	रे	रे	नि़
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	गधि	नक	तिट	ताऽ	गधि	नगा	धिट	धाऽ	गधि	नक	तिट	ताऽ	गधि	नगा	धिट
–	–	ग़	ग़	–	रे	–	सा	सा	–	–	–	प	ग़	ग	ग़

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	गधि	नक	तिट	ताऽ	गधि	नग	धिट	धाऽ	गधि	नक	तिट	नक	धिन	नाना	किट
प	–	–	–	–	–	म	गु	म	–	–	गु	सा	रे	रे	नि़
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	गधि	नाऽ	तिट	ताऽ	गधि	नाऽ	धिट	धाऽ	गधि	नाऽ	तिट	ताऽ	गिध	नाऽ	धिट
–	–	गु	गु	–	रे	–	सा	सा	–	–	–	म	गु	म	गु
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	गधि	नाऽ	तिट	ताऽ	गधि	नाऽ	धिट	धाऽ	गधि	नाऽ	तिट	धाति	ऽन्न	ताति	ऽन्न
प	नि़	नि़	प	–	–	प	प	प	सां	–	नि़	प	म	गु	म
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	गधि	नग	धिन	ऽऽ	ऽऽ	धिट	धिट	ताऽ	कति	नक	तिन	तक	ताऽ	तिर	किट
प	–	–	प	–	–	प	–	प	नि़	नि़	प	–	–	प	प
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ता	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ता	ऽ	धाऽ	गधि	नग	धिन	धा	धा	तिर	किट
प	सां	–	नि़	प	म	गु	म	प	–	–	–	–	–	म	गु
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ताऽ	कति	नक	तिन	ता	ता	तिर	किट	धाऽ	नति	नग	धाति	धाऽ	नति	नग	धाति
म	–	–	गु	सा	रे	रे	नि़	–	–	गु	गु	–	रे	–	सा
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	नति	नग	धाति	धाऽ	नति	नग	धाति	धाऽ	नति	नग	धाति	धाऽ	नति	नग	धाति
सा	–	–	–	म	गु	म	गु	प	–	–	–	–	–	म	गु
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाऽ	नति	नग	धाति	गेगे	तिरकिट	तकता	तिरकिट	धेधे	नाड़ा	ऽग	धाड़ा	धेधे	नाड़ा	ऽग	धाड़ा
म	–	–	गु	सा	रे	रे	नि़	–	–	गु	गु	–	रे	–	सा
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धेधे	नाड़ा	ऽग	धाड़ा	धेधे	नाड़ा	ऽग	धाड़ा	धेधे	नाड़ा	ऽग	धाड़ा	धेधे	नाड़ा	ऽग	धाड़ा
सा	–	–	प	म	गु	रे	सा								
०	०	०	०	०	०	०	०								
ता	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ता	तिर	किट								

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

ग़	–	ग़	रे	सा	रे	सा	नि़	रे	सा	सा	–	सा	–	सा	सा
ते	ऽ	ज	दि	या	ऽ	खु	द	स	वि	ता	ऽ	ने	ऽ	त	प
धा	ऽधि	ना	धि	न	ग	धा	धिं	धा	ऽति	ना	ति	न	ग	धा	धिं
सा	म	म	म	–	प	ग़	म	नि़	प	प	–	–	–	–	–
वि	ऽ	श्वा	मि	ऽ	त्र	से	ऽ	ऋ	षि	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
धा	ऽधि	ना	धि	न	ग	धा	धिं	धा	ऽति	ना	ति	धा	धा	तिर	किट
ग़	–	ग़	रे	सा	रे	सा	नि़	रे	सा	सा	सा	सा	–	सा	–
गा	ऽ	य	ऽ	त्री	ऽ	ने	ऽ	प्रा	ऽ	ण	पि	ला	ऽ	या	ऽ
धाड़ा	धेधे	ना	धि	न	ग	ध	धिं	ताड़ा	केके	ना	ति	न	ग	धा	धिं
सा	म	म	म	म	प	ग़	म	नि़	प	प	–	–	–	–	–
शी	ऽ	त	ल	ता	ऽ	दी	ऽ	श	शि	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
धाड़ा	धेधे	ना	धि	न	ग	धा	धिं	ताड़ा	केके	ना	ति	ता	ता	तिर	किट
प	नि़	नि़	नि़	–	नि़	नि़	ध	प	ध	ध	–	प	ध	म	–
ध	ऽ	र्म	हे	ऽ	तु	वी	ऽ	रों	ऽ	की	ऽ	ब	लि	सा	ऽ
धाऽ	गधि	नग	धिन	ना	धिं	नाना	तिट	ताऽ	कति	नक	तिन	ना	तिं	नाना	तिट
प	नि़	नि़	नि़	सां	गं़	रें	नि़	सां	–	सां	–	नि़	ध	प	–
प्र	ख	र	हौ	ऽ	स	ला	ऽ	दि	ल	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
धाऽ	गधि	नग	धिन	ना	धिं	नाना	तिट	ताऽ	कति	नक	तिन	नाना	तिट	नाना	तिट
प	नि़	नि़	–	नि़	नि़	नि़	ध	प	ध	ध	ध	प	ध	म	म
म	न	में	ऽ	इ	त	ना	ऽ	स्रे	ऽ	ह	कि	क्या	ऽ	चि	क
धाऽ	गधि	नग	धिन	नग	धिन	नक	तिट	ताऽ	कति	नक	तिन	नक	तिन	नक	तिट
प	नि़	नि़	नि़	सां	गं़	रें	नि़	सां	–	सां	–	नि़	ध	प	प
ना	ऽ	ह	ट	हो	ऽ	गी	ऽ	ति	ल	में	ऽ	ऽ	ऽ	चि	क
धाऽ	गधि	नग	धिन	नघ	धिन	नक	तिट	ताऽ	कति	नक	तिन	ताड़ा	किन	ताड़ा	किन
प	सां	नि़	ध	प	म	ध	प	ग़	–	रे	नि़	सा	–	–	–
ना	ऽ	ह	ट	हो	ऽ	गी	ऽ	ति	ल	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
धाऽ	गधि	नग	धिन	नग	धिन	नाना	किट	धा	ऽ	नाना	किट	धा	ऽ	नाना	किट
ग़	–	ग़	रे	सा	रे	सा	नि़	रे	सा	सा	सा	सा	–	सा	–
य	ह	आ	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	व्य	थि	त	ध	रा	ऽ	की	ऽ
धा	तिट	तिं	तिं	तक	तिट	धिन	गिन	धा	तिट	तिं	तिं	तक	तिट	धिना	तिट
सा	म	म	म	म	प	ग़	म	नि़	प	प	–	–	–	–	–
अ	ऽ	न्त	र	पी	ऽ	र	मि	टा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

धा	तिट	तिं	तिं	तक	तिट	धिन	गिन	धा	तिट	तिं	तिं	तकि	टत	किट	ताऽ
प	नि॒	नि॒	ध	-	प	प	म	म	ग॒	ग॒	ग॒	म	प	प	ग॒
दे	ऽ	व	त	ऽ	त्व	स	ब	आ	ऽ	ज	जु	टे	ऽ	हैं	ऽ
धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नानी	धाना
म	प	प	म	ग॒	-	रे	सा	सा	-	सा	-	रे	ग॒	म	प
ज्यो	ऽ	ति	अ	ख	ऽ	ण्ड	ज	ला	ऽ	ने	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ
धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नागी	धाना
म	प	प	म	ग॒	-	रे	सा	सा	-	सा	-	प	ग॒	रे	सा
ज्यो	ऽ	ति	अ	ख	ऽ	ण्ड	ज	ला	ऽ	ने	ऽ	०	०	०	०
धागी	नाना	नागी	धाना	धागी	नाना	नागी	धाना	धन	नन	नन	नन	तिट	धाऽ	नधा	ऽन

ज्योति पुंज के द्वार साँझ जाने कैसे घिर आई है (विदाई गीत)

ज्योतिपुञ्ज के द्वार साँझ, जाने कैसे घिर आयी है।
जाओ युग के सृजन साधको, तुमको आज विदाई है॥

टूट गये पाथेय कि जिनके, लूट गयीं स्वर्णिम घड़ियाँ।
तुम्हें तोड़नी हैं जाकर फिर, उन हाथों की हथकड़ियाँ॥
अर्ध्य चढ़ाया करते हैं जो, देवों के दरबार में।
शक्ति नहीं रह गयी कि जिनकी, वाणी और पुकार में॥
उनमें फिर साहस भरना है, लानी फिर अरुणाई है॥ १॥ जाओ०॥

चमक धुल गयी जिन आखों की, पावस से रोते-रोते।
घिरी अमावस जिनके आँगन, पूर्ण चन्द्र होते-होते॥
अमृत कलश जो बाँटा करते, वे विष के व्यापारी हैं।
देने वाले दान स्वयं ही, वे बन गये भिखारी हैं॥
उनके हृदय कपाट खोलने की बेला फिर आयी है॥ २॥ जाओ०॥

दर्द हमारा पीड़ा बनकर, जागे अन्तर ज्वाल में।
अन्तर में सन्देश हमारे, तिलक तुम्हारे भाल में॥
इनको नहीं समझना आँसू, ये पावन गंगा जल हैं।
तपती हुई दोपहरी में जो, करते मन को शीतल हैं॥
यह सरिता का मिलन सिन्धु से, यह तप की तरुणाई है॥ ३॥ जाओ०॥

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ज्योति पुंज के द्वार साँझ (विदाई गीत)

स्थायी — कहरवा ताल

x				०				x·				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८
–सा	नि॒सा	रे	रे	–	रे	सा	रे	म	ग॒	ग॒	म	–	प	प	–
०ज्यो	ऽऽ	ति	पुं	ऽ	ज	के	ऽ	द्वा	ऽ	र	साँ	ऽ	झ	जा	ऽ
ग॒	म	नि॒	प	ग॒	–	रे	नि॒	रे	–	रे	–	ग॒	–	म	प
ने	ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	घि	र	आ	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग॒	म	नि॒	प	ग॒	–	रे	नि॒	सा	–	सा	–	सा	–	सा	–
जा	ऽ	ने	ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	घि	र	आ	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ
–सा	नि॒सा	रे	–	रे	रे	सा	रे	म	ग॒	ग॒	म	–	प	प	–
०जा	ऽऽ	ओ	ऽ	यु	ग	के	ऽ	सृ	ज	न	सा	ऽ	ध	कों	ऽ
ग॒	म	नि॒	प	ग॒	–	रे	नि॒	रे	–	रे	–	ग॒	–	म	प
तु	म	को	ऽ	आ	ऽ	ज	वि	दा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग॒	म	नि॒	प	ग॒	–	रे	नि॒	सा	–	सा	–	सा	–		
तु	म	को	ऽ	आ	ऽ	ज	वि	दा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ		

म्यूजिक

														नि॒	नि॒
														०	०
सा	–	–	–	–	नि॒	नि॒रे	सारे	नि॒सा	–ध॒	नि॒–	प	–	–	प	नि॒
०	०	०	०	०	०	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०
रे	–	–	–	–	सा	सागु	रेगु	सारे	–सा	–	–	–	–	नि॒	नि॒
०	०	०	०	०	०	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०
सा	–	–	–	–	नि॒	नि॒रे	सारे	नि॒सा	–ध॒	नि॒–	प	–	–	प	नि॒
०	०	०	०	०	०	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०
रे	–	–	–	–	सा	सागु	रेगु	सारे	–सा	–	–	–	–	म	प
०	०	०	०	०	०	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०
ध॒	–	नि॒	नि॒	सां	–	ध॒	नि॒	रें	–	गं॒	रें	सां	–	म	प
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध॒	–	नि॒	नि॒	सां	–	ध॒	नि॒	रें	–	गं॒	रें	सां	–नि॒	धुप	मगु
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	००	००

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

रेसा	सासा	रे	प	ग	-म	रेग	सा	-	धध	नि	नि	सा	-प	गम	रेग
००	००	०	०	०	००	००	०	०	००	०	०	०	००	००	००
सा	सासा	रे	प	ग	-म	रेग	सा	-	धध	नि	नि	सा	-	-	-
०	००	०	०	०	००	००	०	०	००	०	०	०	०	०	०

अन्तरा

सा	-	सा	सा	सा	-	सा	नि	नि	सा	रे	सा	निसा	-नि	धनि	धप
टू	ऽ	ट	ग	ये	ऽ	पा	ऽ	थे	ऽ	य	कि	जिन	ऽऽ	केऽ	ऽऽ
रे	-	रे	रे	ग	-	म	प	ग	-	रे	नि	सा	-	-	-
लू	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	स्व	ऽ	र्णि	म	घ	ड़ि	याँ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	सा	-	सा	-	सा	सा	नि	नि	सा	रे	सा	निसा	-नि	धनि	धप
तु	म्हें	ऽ	तो	ऽ	ड़	नी	ऽ	है	ऽ	जा	ऽ	कर	ऽऽ	फिर	ऽऽ
रे	-	रे	-	ग	-	म	प	ग	-	रे	नि	सा	-	-	-
उ	न	हा	ऽ	थों	ऽ	की	ऽ	ह	थ	क	ड़ि	याँ	ऽ	ऽ	ऽ
म	-	प	प	नि	ध	नि	-	सां	-	सां	-	नि	-	सां	-
अ	ऽ	र्घ्य	च	ढ़ा	ऽ	या	ऽ	क	र	ते	ऽ	हैं	ऽ	जो	ऽ
नि	-	नि	-	सां	-	सां	नि	निसां	रें	-	सां	निसां	-नि	धनि	धप
दे	ऽ	वों	ऽ	के	ऽ	द	र	बाऽ	ऽ	ऽ	र	मेंऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
म	-	प	प	नि	ध	नि	नि	सां	सां	-	सां	नि	नि	सां	-
श	ऽ	क्ति	न	हीं	ऽ	र	ह	ग	ई	ऽ	कि	जि	न	की	ऽ
नि	-	नि	-	सां	-	सां	नि	निसां	रें	-	सां	निसां	-नि	धनि	धप
वा	ऽ	णी	ऽ	औ	ऽ	र	पु	काऽ	ऽ	ऽ	र	मेंऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
म	प	सां	-	प	म	नि	प	ग	-	रे	नि	सा	-	-	-
वा	ऽ	णी	ऽ	औ	ऽ	र	पु	का	ऽ	ऽ	र	में	ऽ	ऽ	ऽ
-सा	निसा	रे	-	रे	रे	सा	रे	म	ग	ग	म	म	प	प	-
०उ	नऽ	में	ऽ	फि	र	सा	ऽ	ह	स	भ	र	ना	ऽ	है	ऽ
ग	म	नि	प	ग	-	रे	नि	रे	-	रे	-	ग	-	म	प
ला	ऽ	नी	ऽ	फि	र	अ	रु	णा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	नि	प	ग	-	रे	नि	सा	-	सा	-	सा	-	-	-
ला	ऽ	नी	ऽ	फि	र	अ	रु	णा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तालशब्दस्य निष्पतिः प्रतिष्ठार्थेन धातुना।
गीतं, वाद्यं च नृत्यं च भाति ताले प्रतिष्ठितम्॥ सं० म०

तीनताल– परिचय

'तीन ताल' प्राचीन तालों में से ही है। शास्त्रों में इसका नाम आदिताल तथा योराजधर ताल भी बताया गया है, मगर वर्तमान समय में इसे त्रिताल या तीनताल ही कहते हैं। इस ताल में विलम्बित, मध्यलय तथा तराने भी गाये-बजाये जाते हैं। इसकी मात्रा १६ और भाग ४ हैं, इसमें १, ५ और १३ पर ताली तथा ९ पर खाली होती है।

ठेका तीन ताल

१	२	३	४	५	६	७	८
x				२			
धा	धिं	धिं	धा ।	धा	धिं	धिं	धा ।
०९	१०	११	१२ ।	३१३	१४	१५	१६ ।
धा	तिं	तिं	ता ।	ता	धिं	धिं	धा । (धा)
							x

शम्या तु द्विकला कार्या तालो द्विकल एव च।
पुनश्चैककला शम्या संनिपातः कलात्रयम्॥ (आचार्य भरत)

ग्यारह अक्षर और सोलह मात्राएँ आठ कलाओं में अर्थात् चौसठ सेंकेण्डों में मिलकर गाने चाहिए और इस गान का ताल निम्न निर्देश के अनुसार होना चाहिए– प्रथम दो कलाओं में दाहिने हाथ से थपकी देनी चाहिये और बाद की दो कलाओं में बायें हाथ से। उसके बाद एक कला में दाहिने हाथ से और अंत में तीन कलाओं तक दोनों हाथों से थपकी देनी चाहिये।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

उठान (तीनताल)

x धिटधिट	धिड़नग	तिरकीटतूना	किड़नग।
२ धिटतक	ताधिट	तकता	कतकत।
० धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	तक्ड़ान	धाकत।
३ गींतड़ा	ऽनधा	तूना	कत्ता।
x धिटतक	ताधिट	तकता	धिटतक।
२ ता	कतकत	धिटतक	ताधिट।
० तकता	धिटतक	ता	कतकत।
३ धिटतक	ताधिट	तकता	धिटतक। (धा x)

कायदा नं० १ (तीनताल)

१	x धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	३ धाति	धागे	तिना	किना।
	० ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	३ धाति	धागे	धिना	गिना।
२	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
३	धाति	धागे	धाति	धागे।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	ताती	ताके।	ताति	ताके	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
४	धाति	धागे	धिना	गिना।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	तिना	किना।	ताति	ताके	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१	धाति	धागे	धाति	धागे।	धिना	गिना	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	ताति	ताके।	तिना	किना	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

६	धिना	गिना	धाति	धागे।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तिना	किना	ताति	ताके।	ताति	ताके	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
७	धिना	गिना	धिना	गिना।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तिना	किना	तिना	किना।	ताति	ताके	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
८	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	किड़नक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	ताति	ताके	तिना	किना।
	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
९	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	किड़नक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	किडनक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१०	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	ताति	ताके	तिना	किना।
	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
११	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	किड़नक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	किड़नक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	किड़नक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

१२	घिड़नग	तिरकिट	घिड़नग	तिरकिट।	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	किड़नक	तिरकिट	किड़नक	तिरकिट।	किड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१३	तकता	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तकता	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	किड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
१४	धाति	ऽधा	गिना	धागे।	तिना	गधा	कता	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ऽता	किना	ताके।	तिना	गधा	कता	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१५	धाधा	तिरकिट	धाधा	तिरकिट।	धाधा	तिरकिट	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिन	किना।
	ताता	तिरकिट	ताता	तिरकिट।	धाधा	तिरकिट	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१६	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	ताति	ताके	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१७	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।
	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
१८	धातिर	किटतक	धातिर	किटतक।	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटतक	तातिर	किटतक।	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

१९ धातिर किटतक धाति धागे। धातिर किटतक धाति धागे
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना
तातिर किटतक ताति ताके। तातिर किटतक ताति ताके
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना

२० धातिर किटतक धाधा तिरकिट। धातिर किटतक धाधा तिरकिट
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना
तातिर किटतक ताता तिरकिट। तातिर किटतक ताता तिरकिट
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना

२१ धाधा तिरकिट धाधा तिरकिट। धाधा तिरकिट धिना गिना
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना
ताता तिरकिट ताता तिरकिट। ताता तिरकिट तिना किना
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना

२२ धातिर किटतक धाऽ धातिर। किटतक धाऽ धातिर किटतक
धातिर किटतक तकधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना
तातिर किटतक ताऽ तातिर। किटतक ताऽ तातिर किटतक
धातिर किटतक तकधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिन

२३ धातिर किटतक धाधा तिरकिट। धातिर किटतक धाधा तिरकिट
धातिर किटतक धाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना
तातिर किटतक ताता तिरकिट। तातिर किटतक ताता तिरकिट
धातिर किटतक धाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना

२४ घिड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धातिर किटतक तकधा तिरकिट
घिड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धातिर किटतक तकधा तिरकिट
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना
धातिर किटतक तकधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना
किड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। तातिर किटतक तकता तिरकिट।
किड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धातिर किटतक तकधा तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
धातिर किटतक तकधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

२५	धातिर	किटतक	धिना	गिना।	धातिर	किटतक	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटतक	तिना	किना।	तातिर	किटतक	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
२६	धातिर	किटतक	धातिर	किटतक।	धातिर	किटतक	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटतक	तातिर	किटतक।	तातिर	किटतक	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
२७	धातिर	किटतक	धातिर	किटतक।	धिना	गिना	धातिर	किटतक।
	धातिर	किटतक	धिना	गिना।	धातिर	किटतक	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	तातिर	किटतक	तातिर	किटतक।	तिना	किना	तातिर	किटतक।
	तातिर	किटतक	तिना	किना।	तातिर	किटतक	तिना	किटतक।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
२८	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	तकधा	तिरकिट	धातिर	किटतक।
	तकधा	तिरकिट	तकधा	तिरकिट।	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरिकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।	तकता	तिरकिट	तातिर	किटतक।
	तकता	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
२९	तकधा	तिरकिट	तकधा	तिरकिट।	तकधा	तिरकिट	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तकता	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	तकता	तिरकिट	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३०	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाती	नाऽ
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	ताति	ताके	नाती	नाऽ
३१	धाति	धागे	नाती	नाऽ।	धाति	धागे	नाति	नाऽ।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाधि	नाऽ।
	ताति	ताके	नाति	नाऽ।	ताति	ताके	नाति	नाऽ।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाधि	नाऽ।
३२	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाति	नाऽ।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाधि	नाऽ।
३३	धागे	नाति	नाऽ	धागे।	नाति	नाऽ	धागे	नाति।
	नाऽ	धाति	धागे	नाधा।	तिरकिट	धागे	नाति	नाऽ।
	ताके	नाति	नाऽ	ताके।	नाति	नाऽ	ताके	नाति।
	नाऽ	धाति	धागे	नाधा।	तिरकिट	धागे	नाति	नाऽ।
३४	धागे	नाति	नाना	तिना।	धागे	नाति	नाना	तिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	नाति	नाऽ।
	ताके	नाति	नाना	तिना।	ताके	नाति	नाना	तिना।
	ताति	ताके	नाता	तिरकिट।	धाति	धागे	नाति	नाऽ।
३५	धातिर	किटधा	गिना	धाति।	धातिर	किटधा	गिना	धाति
	धातिर	किटधा	गिना	धाति।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटता	तिना	ताति।	तातिर	किटता	तिना	ताति।
	तातिर	किटता	तिना	ताता।	ताति	ताके	धिना	गिना।
३६	धातिर	किटधा	तिरकिट	धाधा।	धिना	धाति	धाधा	धिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटता	तिरकिट	ताता।	तिना	ताति	ताता	तिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
३७	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।
	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।
	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
३८	धातिर	किटतक	धातिर	किटतक।	धातिर	किटतक	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटतक	तातिर	किटतक।	तातिर	किटतक	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
३९	धिना	गिना	धिना	गिना।	धातिर	किटतक	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तिना	किना	तिना	किना।	तातिर	किटतक	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
४०	घिड़नग	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	धातिर	किटतक	तकधा	तिरकट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	किड़नक	तिरकिट	तकता	तिरकिट।	तातिर	किटतक	तकता	तिरकिट।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
४१	धाक्ड़धा	ऽनधा	घिड़नग	तिरकिट।	धाक्ड़धा	ऽनधा	घिड़नग	तिरकिट।
	धाक्ड़धा	ऽनधा	घिड़नग	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताक्ड़ता	ऽनता	किड़नग	तिरकिट।	ताक्ड़ता	ऽनता	किड़नग	तिरकिट।
	ताक्ड़ता	ऽनता	किड़नग	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
४२	धातिर	किटतक	तिरकिट	धातिर।	किटतक	तिरकिट	धिना	गिना।
	धाति	धागे	धिना	गिना।	धाति	धागे	तिना	किना।
	तातिर	किटतक	तिरकिट	तातिर।	किटतक	तिरकिट	तिना	किना।
	धाति	धागे	धिना	गिना।	धाति	धागे	धिना	गिना।
४३	धागे	तिरकिट	धिना	गिना।	धागे	तिरकिट	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताके	तिरकिट	तिना	किना।	ताके	तिरकिट	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।
४४	धागे	तिरकिट	धागे	तिरकिट।	धागे	तिरकिट	धिना	गिना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	तिना	किना।
	ताके	तिरकिट	ताके	तिरकिट।	ताके	तिरकिट	तिना	किना।
	धाति	धागे	नाधा	तिरकिट।	धाति	धागे	धिना	गिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

४५ धागेना धागेना धागेना धागेना। धागेना धागेना धागेना धागेना।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
ताकेना ताकेना ताकेना ताकेना। ताकेना ताकेना ताकेना ताकेना।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

४६ धागेना धातिरकिट धागेना धातिरकिट। धाति धागे धिना गिना।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
ताकेना तातिरकिट ताकेना तातिरकिट। ताति ताके तिना किना।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

४७ धागेना धातिरकिट धागेना धातिरकिट। तकतिरकिट तकतिरकिट तकतिरकिट तकतिरकिट
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
ताकेना तातिरकिट ताकेना तातिरकिट। तकतिरकिट तकतिरकिट तकतिरकिट तकतिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

४८ धाति धागे नाधा तिरकिट। तकतक तिरकिट तकतक तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
ताति ताके नाता तिरकिट। तकतक तिरकिट तकतक तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

४९ तकतक तकतक तिरकिट तकतक। तकतक तिरकिट तकतक तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
तकतक तकतक तिरकिट तकतक। तकतक तिरकिट तकतक तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

५० तकतक तकतक तकतक तकतक। तकतक तिरकिट तकतक तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे तिना किना।
तकतक तकतक तकतक तकतक। तकतक तिरकिट तकतक तिरकिट।
धाति धागे नाधा तिरकिट। धाति धागे धिना गिना।

तिहाई

धाति धागे धिना गिना। धा धिना गिना धा।
धिना गिना धा धाति। धागे धिना गिना धा।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

धिना गिना धा धिना। गिना धा धाति धागे।
धिना गिना धा धिना। गिना धा धिना गिना। (धा)
x

कायदा नं० २ तीनताल (धिन गिन का)

x
१ धिन गिन धिन गिन। धिन[२] गिन तक तक।
तिन किन तिन किन। तिन[३] किन तक तक।
२ तक तक धिन गिन। तक तक धिन गिन।
तक तक धिन गिन। धिन गिन तक तक।
तक तक तिन किन तक तक तिन किन।
तक तक तिन किन। धिन गिन तक तक।
३ धिन गिन धिन गिन। तक तक धिन गिन।
धिन गिन तक तक। तिन किन तक तक।
तिन किन तिन किन। तक तक तिन किन।
तिन किन तक तक। धिन गिन तक तक।
४ तक तक तक तक। धिन गिन तक तक।
तक तक धिन गिन। तक तक तिन किन।
तक तक तक तक। तिन किन तक तक।
तक तक तिन किन। धिन गिन तक तक।
५ धिन गिन धिन गिन। धिन गिन धिन गिन।
धिन गिन तक तक। धिन गिन तक तक।
तिन किन तिन किन। तिन किन तिन किन।
धिन गिन तक तक। धिन गिन तक तक।
६ तक तक तक तक। तक तक धिन गिन।
धिन गिन तक तक। धिन गिन तक तक।
तक तक तक तक। तक तक तिन किन।
धिन गिन तक तक। धिन गिन तक तक।
७ धिन गिन तक धिन। गिन तक धिन गिन।
धिन गिन तक धिन। गिन तक तक ऽऽ।
धिन गिन तक धिन। गिन तक धिन गिन।
धिन गिन तक धिन। गिन तक तक ऽऽ।
तिन किन तक तिन। किन तक तिन किन।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तिन	किन	तक	तिन।	किन	तक	तक	ऽऽ।
धिन	गिन	तक	धिन।	गिन	तक	धिन	गिन।
धिन	गिन	तक	धिन।	गिन	तक	तक	ऽऽ।

तिहाई

धिनगिन तकधिन गिनतक धिनगिन। धा ऽ धिनगिन तकधिन।
गिनतक धिनगिन धा ऽ। धिनगिन तकधिन गिनतक धिनगिन। (धा)
x

कायदा नं० ३ तीनताल (कहरवा अङ्ग का)

	x						
१	धाना	नाधि	धिना	धाना।	नाधि	धिना	धिरधिरकिटतक।
	°तानां	नाति	तिना	ताना।	३नाति	तिना	धिरधिरकिटतक।
२	धाना	धाना	नाधि	धिना।	धाना	धाना	नाधि धिना।
	धाना	नाधि	धिना	धाना।	नाधि	धिना	धिरधिर किटतक।
	ताना	ताना	नाति	तिना।	ताना	ताना	नाति तिना।
	धाना	नाधि	धिना	धाना।	नाधि	धिना	धिरधिर किटतक।
३	धिरधिर	किटतक	नाधि	धिना।	धिरधिर	किटतक	नाधि धिना।
	धिरधिर	किटतक	नाधि	धिना।	धाना	नाधि	नाधि धिना।
	तिरतिर	किटतक	नाति	तिना।	तिरतिर	किटतक	नाति तिना।
	धिरधिर	किटतक	नाधि	धिना।	धाना	नाधि	नाधि धिना।
४	धिरधिर	किटतक	नाधि	धिना।	धिरधिर	किटतक	नाधि धिना।
	धिरधिर	किटतक	धिरधिर	किटतक।	नाधि	धिना	नाधि धिना।
	तिरतिर	किटतक	नाति	तिना।	तिरतिर	किटतक	नाति तिना।
	धिरधिर	किटतक	धिरधिर	किटतक।	नाधि	धिना	नाधि धिना।
५	धाति	नाधा	नाति	धाना।	धाति	नाधा	नाति धाना।
	धिरधिर	किटतक	धाति	नाधा।	धिरधिर	किटतक	धाति नाधा।
	ताति	नाता	नाति	ताना।	ताति	नाता	नाति ताना।
	धिरधिर	किटतक	धाति	नाधा।	धिरधिर	किटतक	धाति नाधा।
६	धिरधिर	धिरधिर	किटतक	धिरधिर।	धिरधिर	किटतक	नाधि धिना।
	धिरधिर	धिरधिर	किटतक	धिरधिर।	धिरधिर	किटतक	नाधि धिना।
	तिरतिर	तिरतिर	किटतक	तिरतिर।	तिरतिर	किटतक	नाति तिना।
	धिरधिर	धिरधिर	किटतक	धिरधिर।	धिरधिर	किटतक	नाधि धिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तिहाई

धिरधिर किटतक नाधि धिना। धा नाधि धिना धा।
नाधि धिना धा धिरधिर। किटतक नाधि धिना धा।
नाधि धिना धा नाधि। धिना धा धिरधिरकिटतक।
नाधि धिना धा नाधि। धिना धा नाधि धिना। (धा)
x

कायदा नं० ४ तीनताल (तक का)

x
१ धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। ²तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
0
तिनतक तिनतक तकतक तिनतक। ³तकतिन तकतक तिनतक धिनतक।
२ धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। धिनतक धिनतक तकतक धिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
तिनतक तिनतक तकतक तिनतक। तिनतक तिनतक तकतक तिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
३ तकधिन तकतक धिनतक तिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
तकतिन तकतक तिनतक तिनतक। तकतिन तकतक तिनतक तिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
४ तकतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक धिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
तकतक तिनतक तकतक तिनतक। तकतिन तकतक तिनतक तिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
५ तकतक तकतक धिनतक तकतक। तकतक धिनतक तकतक धिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
तकतक तकतक तिनतक तकतक। तकतक तिनतक तकतक तिनतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
६ धिनतक धिनतक धिनतक तकतक। धिनतक धिनतक धिनतक तकतक।
धिनतक धिनतक तकतक धिनतक। तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

	तिनतक	तिनतक	तिनतक	तकतक।	तिनतक तिनतक तिनतक तकतक।
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
७	धिनतक	धिनतक	धाऽ	धिनतक।	धिनतक धाऽ तकतक धिनतक।
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनकिन।
	तिनतक	तिनतक	ताऽ	तिनतक।	तिनतक ताऽ तकतक तिनतक।
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनकिन।
८	धिनतक	तकतक	धिनतक	तकतक।	धिनतक तकतक तकतक धिनतक।
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
	तिनतक	तकतक	तिनतक	तकतक।	तिनतक तकतक तकतक तिनतक।
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
९	तकतक	तकतक	तकतक	तकतक।	तकतक तकतक तकतक तकतक
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।
	तकतक	तकतक	तकतक	तकतक।	तकतक तकतक तकतक तकतक।
	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	तकधिन तकतक धिनतक तिनतक।

तिहाई

	धिनतक	धिनतक	तकतक	धिनतक।	धा तकतक धिनतक धा।
	तकतक	धिनतक	धा	धिनतक।	धिनतक तकतक धिनतक धा।
	तकतक	धिनतक	धा	तकतक।	धिनतक धा धिनतक धिनतक।
	तकतक	धिनतक	धा	तकतक।	धिनतक धा तकतक धिनतक। (धा) x

कायदा नं० ५ तीनताल (आड़ी)

	x			२
१	धागिना	धातिरकिट धितिट	धागिना।	धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना।
	[१]ताकिना	तातिरकिट तितिट	ताकिना।	[३]तातिरकिट तिनक तिनति नाकिना।
२	धागिना	धातिरकिट धितिट	धागिना।	धागिना धातिरकिट धितिट धागिना।
	धागिना	धातिरकिट धितिट	धागिना।	धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना।
	ताकिना	तातिरकिट तितिट	ताकिना।	ताकिना तातिरकिट तितिट ताकिना।
	ताकिना	तातिरकिट तितिट	ताकिना।	धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३ धागिना धातिरकिट धागिना धातिरकिट। धागेना धातिरकिट धितिट धागिना।
धागिना धातिरकिट धागिना धातिरकिट। धागेना धातिरकिट धितिट धागिना।
ताकिना तातिरकिट ताकिना तातिरकिट। ताकिना तातिरकिट तितिट ताकिना।
धागिना धातिरकिट धागिना धातिरकिट। धागेना धातिरकिट धितिट धागिना।

४ धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना। धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना।
धागिना धातिरकिट धितिट धागिना। धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना।
तातिरकिट तिनक तिनति ताकिना। तातिरकिट तिनक तिनति नाकिना।
धागिना धातिरकिट धितिट धागिना। धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना।

५ धागिना धातिरकिट धितिट धागिना। धातिरकिट धितिट धागिना धातिरकिट।
धितिट धागिना धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना धिनधि नागिना।
ताकिना तातिरकिट तितिट ताकिना। तातिरकिट तितिट ताकिना तातिरकिट।
तितिट ताकिना धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना धिनधि नागिना।

तिहाई

धातिरकिट धिनक धिनधि नागिना। धा धिनधि नागिना धा।
धिनधि नागिना धा धातिरकिट। धिनक धिनधि नागिना धा।
धिनधि नागिना धा धिनधि। नागिना धा धातिरकिट धिनक।
धिनधि नागिना धा धिनधि। नागिना धा धिनिधि नागिना। (धा)
x

परन नं० १ तीनताल (रास का)

x २
तिरकिट तकता ऽन धिट। धिट कता ऽन धागे।
°तिट कड़धा ऽन धागे। ³धिन धिन ऽन धागे।

x
धिरधिर कड़धा ऽन धागे। ²धिरधिर किटतक तिरतिर किटतक।
°धिरधिर किटतक तिरतिर किटतक। ³धिरधिर किटतक तिरतिर किटतक। (धा)
x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

परन नं० २ तीनताल

x
धिट धिट धागे तेटे। २क्रधा तेटे धागे तेटे।
०क्रधा तेटे क्रधा तेटे। ३क्रधा तेटे धागे तेटे।
x
क्रधे त्तधि किट क्रधे। २त्तधि किट कत कत।
०धिंतिर किटतक तागे तेटे। ३धिंतिर किटतक तागे तेटे।
x
कति टत गेन धेऽ। २तगे नधे ऽत गेन।
०धा तिट कत कत। ३कति टत गेन धेऽ।
x
तगे नधे ऽत गेन। २धा तिट कत कत।
०कति टत गेन धेऽ। ३तगे नधे ऽत गेन। (धा)
x

परन नं० ३ तीनताल (नृत्य का)

x
धीगी धीगी धीगी धीगी। २थेइ ऽ ऽ ऽ।
०ता ऽ थेइ तत्त। ३थेइ ऽ ऽ ऽ।
xधा किट तक धुम। २किट तक तिर किट।
०ता किट तक तुम। ३किट तक तिर किट।
तिकx धा धा तिक। धा२ धा धीगी धीगी।
०तिक धा धा तिक। ३धा धा तोम ऽ।
xता ऽ थेइ ता। २ऽ ऽ थेइ ता।
०ऽ ऽ थेइ ता। ३ऽ तिक धा धा। (थेइ)
x

'नृत्यं ताल-लयाश्रितम्' के अनुसार आचार्य भरत ने नर्तकी की संख्या बढ़ाने के लिए ताल और गीत की संख्या भी विधि अनुसार बढ़ाने की बात कही है-

कलानां वृद्धिमासाद्य ह्यक्षराणां च वर्द्धनात्।
वर्धनान्नर्तकीनां च वर्धमानकमुच्यते।

अर्थात् ताल का समय बढ़ाकर उसके साथ गीत के भी अक्षर बढ़ाये जायँ और इनके बढ़ाने पर उसी प्रमाण में नर्तकी की संख्या भी बढ़ाई जाय।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

टुकड़ा नं० १ तीनताल

x
धेत्तधेत्त तिरकिटधेत्त धेत्तधेत्त तिरकिटधेत्त। २धिटधिट धागेतेटे क्रधातेटेधागेतेटे।
°क्रधातेटे क्रधातेटे क्रधातेटे धागेतेटे। ३कतिटत गेनधागे तिटकत गदिगन।

x
धा गेगे धा गेगे। २धा कतकत धा गेगे।
°धा गेगे धा कतकत। ३धा गेगे धा गेगे। (धा)
x

टुकड़ा नं० २ तीनताल

xना धिड़ा ऽन तिर। २किट तक ता किट।
°तक तिर किट तक। ३धिड़ा ऽनत किट तक। (धा)
x

टुकड़ा नं० ३ तीनताल

xति ऽक्र ति ना। २किड़ नग तू ना।
°क त्ता तिरकिट धिन। ३गिन धागे नधा तिरकिट। (धा)
x

टुकड़ा नं० ४ तीनताल (४ लय का बोल)

x
ठॉह- धिं धा धिं धा।
दुगुन- २कता धिंधिं धाधिं धिंधा।
तिगुन- °कतिरकिट तिंता कतिरकिट तिंता।
चौगुन- ३कत्ता धातिरकिटधि नकधातिर किटधिनक। (धा)
x

टुकड़ा नं० ५

x
धागेतेटे कतगदिगन तागेतेटे कतगदिगन । २धागेऽधि गिनधागे तिटकत गदिगन।
°धेत्ता तिरकिटधे तागिना धाकत। ३धा ऽकत धा ऽकत। (धा)
x

बरसाती टुकड़ा नं० ६ तीनताल

x
तकिटत्त किटतक तकाऽत काऽतक। २तूंऽऽतूं ऽऽतूंऽ धातिरकिटतक ताऽ।
°तातिरकिटतक धाऽ धातिरकिटतक तातिरकिटकत। ३धा धा धा धा।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ˣधाधाधा धाकिटतक ताताता ताकिटतक। ²नानाना नाकिटतक धाधाधाकिट तकताताता
°किटतकना नाऽकिटतक धाधाकिटतक ताताकिटतक। ³नानाकिटतक धाकिटतक ताकिटतक नाकिटतक। धा
x

मोहरा– तीनताल

ˣतिरकिटतक तिरकिटतक तिरकिटतकतिर किटतकक्ड़ान।
²धातिरकिटतक तातिरकिटतक धातिरकिटतक ऽतिरकिटतक।
°धाऽतिर किटतकधा क्ड़ानधा ऽतकतिरकिट।
³धाऽतिर किटतकधा क्ड़ानधा ऽतकतिरकिट। (धा)
x

तीन तीन समान वाले बोल (तीनताल)

ˣकऽतिट कऽतिट कऽतिट गेगेतिट। ²गेगेतिट गेगेतिट धातिरकिटधि तिटकत।
°धातिरकिटधि तिटकत धातिरकिटधि तिटकत। ³धाधिना धातूना धाधिना धातूना।
°धाधिना धातूना धा धाधिना। ²धातूना धातिना धातूना धाधिना।
°धातूना धा धाधिना धातूना। ³धाधिना धातूना धाधिना धातूना। (धा)
x

गत तोड़ा तीन ताल

x
धिटधिट धागेतेटे क्रधातेटे धागेतेटे। ²कतिटत गेनधागे तिटकत गदिगन।
°कतधा ऽनधाऽन धातिर किटधा। ³ऽनधाऽन धातिर किटधा ऽनधाऽन।
ˣकतधा ऽनधाऽन धातिर किटधा। ²ऽनधाऽन धातिर किटधा ऽनधाऽन।
°कतधा ऽनधाऽन धातिर किटधा। ³ऽनधाऽन धातिर किटधा ऽनधाऽन। (धा)
x

गत तीन ताल

ˣतकधुम किटतक धेत्ता ताधे।
²थुंकिट तकथुं गा ऽऽ।
°थुंथुं किटतक थुंगा ताधे।
³क्ड़ान तक गदिगन थुंथुं। (धा)
x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चक्रदार नं० १ तीनताल

x तिटकत गदिगन धाधा तिटकत। २ गदिगन धाधा तिटकत गदिगन।
० धाधा ऽता धा तिटकत। ३ गदिगन धाधा तिटकत गदिगन।
x धाधा तिटकत गदिगन धाधा। २ ऽता धा तिटकत गदिगन।
० धाधा तिटकत गदिगन धाधा। ३ तिटकत गदिगन धाधा ऽता। धा
x

चक्रदार नं० २ तीनताल

x तिटकत गदिगन धा तिटकत। २ गदिगन धाधा तिटकत गदिगन।
० धा धा धा तिटकत। ३ गदिगन धा तिटकत गदिगन।
x धाधा तिटकत गदिगन धा। २ धा धा तिटकत गदिगन।
० धा तिटकत गदिगन धाधा। ३ तिटकत गदिगन धा धा। (धा)
x

चक्रदार नं० ३ तीनताल

x दींदीं नाकिट तकिटधा ऽनधा। २ धातिर किटतक तिटकत गदिगन।
० धा धा धा दींदीं। ३ नाकिट तकिटधा ऽनधा धातिर।
x किटतक तिटकत गदिगन धा। २ धा धा दींदीं नाकिट।
० तकिटधा ऽनधा धातिर किटतक। ३ तिटकत गदिगन धा धा। (धा)
x

चक्रदार नं० ४ तीनताल

x कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट। २ धा ऽधा ऽ धा।
० ऽधा ऽ धा कड़ानतिरकिट। ३ तकतातिरकिट कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट धा।
x ऽधा ऽ धा ऽधा। २ ऽ धा कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट।
० कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट धा ऽधा। ३ ऽ धा ऽधा ऽ। (धा)
x

चक्रदार नं० ५ तीनताल (नृत्य का)

x धातिरकिट धातिरकिट धा धातिरकिट। २ धातिरकिट धा धातिरकिट धातिरकिट।
० धा धाधा धा धातिरकिट। ३ धातिरकिट धा धातिरकिट धातिरकिट।
x धा धातिरकिट धातिरकिट धा। २ धाधा धा धातिरकिट धातिरकिट।
० धा धातिरकिट धातिरकिट धा। ३ धातिरकिट धातिरकिट धा धाधा। (धा)
x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चक्रदार नं० ६ तीनताल (४ लय का)

x ति ट क त। २ग दि ग न।
० तिट कत गदि गन। ३ तिऽ टक ऽत गऽ।
x दिग ऽन तिटकत गदिगन। २ धा तिटकत गदिगन धा।
० तिटकत गदिगन धा ति। ३ ट क त ग।
x दि ग न तिट। २ कत गदि गन तिऽ।
० टक ऽत गऽ दिग। ३ ऽन तिटकत गदिगन धा।
x तिटकत गदिगन धा तिटकत। २ गदिगन धा ति ट।
० क त ग दि। ३ग न तिट कत।
x गदि गन तिऽ टक। २ ऽत गऽ दिग ऽन।
० तिटकत गदिगन धा तिटकत। ३ गदिगन धा तिटकतगदिगन। (धा)
x

फरमाइशी चक्रदार नं० ७ तीनताल

x ति ट क त। २ग दि ग न।
० तिट कत गदि गन। ३ तिटकत गदिगन धा तिटकत।
x गदिगन तिटकत गदिगन धा। २ तिटकत गदिगन तिटकत गदिगन।
० तिटकत गदिगन धा ति। ३ ट क त ग।
x दि ग न तिट। २ कत गदि गन तिटकत।
० गदिगन धा तिटकत गदिगन। ३ तिटकत गदिगन धा तिटकत।
x गदिगन तिटकत गदिगन तिटकत। २ गदिगन धा ति ट।
० क त ग दि। ३ग न तिट कत।
x गदि गन तिटकत गदिगन। २ धा तिटकत गदिगन तिटकत।
० गदिगन धा तिटकत गदिगन। तिटकत गदिगन तिटकत गदिगन। (धा)
x

चक्रदार नं० ८

x
धिरधिरकिटतक तकिटधा धिरधिरकिटतक तकिटधा।
२ धिरधिरकिटतक तकिटधा तकिटधा तकोटधा।
० तिट कत गदि गन।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३गिनतिरकिटतक	धागिनतिर	किटतकधा	गिनतिरकिटतक।
xधा	गिनतिरकिटतक	धागिनतिर	किटतकधा।
२गिनतिरकिटतक	धा	गिनतिरकिटतक	धागिनतिर।
°किटतकधा	गिनतिरकिटतक	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

चक्रदार नं० ९ तीनताल

xतिरकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटतकतिर	किटतकतिरकिट।
२किटतकतिरकिट	तकतातिरकिट	धातिरकिट	तकतातिरकिट।
°धातिरकिट	तकतातिरकिट	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

चक्रदार नं० १० तीनताल

xगिनातिट	गिनधा	क्रधेऽता	गिनातूना।
२घिड़नगतिरकिट	तकतातिरकिट	धातिरकिट	तकतातिरकिट
°धातिरकिट	तकतातिरकिट	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

चक्रदार नं० ११ तीनताल (आड़ी)

xधिनधि	ड़ाऽन	धिनधि	ड़ाऽन।
२धिनागे	गेनक	धागेतिटक	तगदिगन।
°तागेतिटक	तगदिगन	धा	ऽता।
धा	धागेतिटक	तगदिगन	तागेतिटक।
xतगदिगन	धा	ऽता	धा।
२धागेतिटक	तगदिगन	तागेतिटक	तगदिगन।
°धा	ऽता	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चक्रदार नं० १२ तीनताल

x धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	धातिरकिटतक	तातिरकिटतक।
२ धाऽ	धातित्	धाऽ	धातित्।
० धा	धातित्	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

चक्रदार नं० १३ तीनताल

x धातित्धा	तिरकिटधाती	धातिरकिटतक	तातिरकिटतक।
२ तिरकिटतकता	तिरकिटधाती	धाः	तिरकिटधाती।
० धा	तिरकिटधाती	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

चक्रदार नं० १४ तीनताल

x दींदीं	नागेतेटे	कतगदी	ऽन्नधागे।
२ तेटेक्रधा	ऽन्नकत	धाक्रधा	ऽन्नकत।
० धाक्रधा	ऽन्नकत	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

चक्रदार नं० १५ तीनताल

x क्रधाऽधा	तूनाकिटतक	धातिरकिटतक	तिरकिटतकधिर।
२ किटतकधाती	धाऽतिरकिट	तकधिरकिटतक	धातीधाऽ।
० तिरकिटतकधिर	किटतक धाती	धा	

(पुनः ३ बार बजावें)

रेला नं० १ तीनताल

x धातिर किटतक तिरकिट धातिर। २ किटतक तिरकिट धातिर किटतक।
० तातिर किटतक तिरकिट तातिर। ३ किटतक तिरकिट धातिर किटतक।

रेला नं० २ तीनताल

x धाधा तिरकट तिरकिट धाधा। २ तिरकिट तिरकिट धाधा तिरकिट।
० ताता तिरकिट तिरकिट ताता। ३ तिरकिट तिरकिट धाधा तिरकिट।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

रेला नं० ३ तीनताल

X धातिर किटतक धिरधिर किटतक। २ धातिर किटधिं नातिर किटतक।
० तातिर किटतक तिरतिर किटतक। ३ धातिर किटधिं नातिर किटतक।

रेला नं० ४ तीनताल

X धातिर किटतक तिरकिट धागे। २ धातिर किटतक तिरकिट ताऽ।
० धिरधिर किटतक तिरकिट धागे। ३ धातिर किटतक तिरकिट ताऽ।
X तातिर किटतक तिरकिट ताके। २ तातिर किटतक तिरकिट ताऽ।
० धिरधिर किटतक तिरकिट धागे। ३ धातिर किटतक तिरकिट धाऽ।

रेला नं० ५ तीनताल

X धातिर किटतक तिरकिट धागे। २ धिरधिर किटतक तिरकिट धागे।
० धातिर किटतक तिरकिट धागे। ३ धिरधिर किटतक तिरकिट धागे।
X धातिर किटतक तिरकिट धागे। २ धातिर किटतक तिरकिट ताऽ।
० धिरधिर किटतक तिरकिट धागे। ३ धातिर किटतक तिरकिट ताऽ।
X तातिर किटतक तिरकिट ताके। २ तिरतिर किटतक तिरकिट ताके।
० तातिर किटतक तिरकिट ताके। ३ तिरतिर किटतक तिरकिट ताके।
X धातिर किटतक तिरकिट धागे। २ धातिर किटतक तिरकिट ताऽ।
० धिरधिर किटतक तिरकिट धागे। ३ धातिर किटतक तिरकिट धाऽ।

रेला नं० ६ तीनताल

X धिरधिर किटतक धिरधिर किटतक। २ धिरधिर किटतक तिरकिट धागे।
० धिरधिर किटतक धिरधिर किटतक। ३ धिरधिर किटतक तिरकिट धागे।
X तिरतिर किटतक तिरतिर किटतक। २ तिरतिर किटतक तिरकिट तागे।
० धिरधिर किटतक धिरधिर किटतक। ३ धिरधिर किटतक तिरकिट धागे।

चक्करदार तिहाई- तीनताल

X धिरधिरकिटतक	तातिरकिटतक	धिरधिरकत	धिरधिरकत।
२ धा	धिरधिरकत	धिरधिरकत	धा।
० धिरधिरकत	धिरधिरकत	धा	धिरधिरकिटतक।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३तातिरकिटतक	धिरधिरकत	धिरधिरकत	धा।
xधिरधिरकत	धिरधिरकत	धा	धिरधिरकत।
२धिरधिरकत	धा	धिरधिरकिटतक	तातिरकिटतक।
०धिरधिरकत	धिरधिरकत	धा	धिरधिरकत।
३धिरधिरकत	धा	धिरधिरकत	धिरधिरकत। (धा) x

९ धा की तिहाई– तीनताल (नौहक्का)

xतिरकिटधेत्	तगीऽन्न	धा	तिरकिटधेत्।
२तिरकिटधेत्	तगीऽन्न	धा	तिरकिटधेत्।
०तिरकिटधेत्	तगीऽन्न	धा	तिरकिटधेत्।
३तगीऽन्न	धा	तिरकिटधेत्	तिरकिटधेत्।
xतगीऽन्न	धा	तिरकिटधेत्	तिरकिटधेत्।
२तदीऽन्न	धा	तिरकिटधेत	तगीऽन्न।
०धा	तिरकिटधेत्	तिरकिटधेत्	तगीऽन्न।
३धा	तिरकिटधेत्	तिरकिटधेत्	तगीऽन्न। (धा) x

दमदार तिहाई– तीनताल

xवड़ान	तिरकिट	तकता	तिरकिट।
२धा	ऽ	वड़ान	तिरकिट।
०तकता	तिरकिट	धा	ऽ।
३वड़ान	तिरकिट	तकता	तिरकिट। (धा) x

बेदम तिहाई– तीनताल

xतिटकत	गदिगन	धाकत्	धाकत्।
२धाकत्	धातिट	कतगदि	गनधा।
०कत्धा	कत्धा	कत्धा	तिटकत।
३गदिगन	धाकत्	धाकत्	धाकत्। (धा) x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

एकताल– परिचय

इस ताल में अधिकतर बड़े ख्याल गाने का प्रचलन है। कभी-कभी मध्यलय तथा तराने भी इस ताल में गाये बजाये जाते हैं। एक ताल में स्वतन्त्र वादन भी तबले पर बजाये जाते हैं। इसमें मात्रा-१२ विभाग-६ ताली- १, ५, ९ और ११ पर तथा खाली ३ और ७ पर होती है।

ठेका– एकताल

१	२	।	३	४	।	५	६
x			०			२	x
धीं	धीं	।	धागे	तिरकिट	।	तू	ना
७	८	।	९	१०	।	११	१२
०			३			४	x
क	त्ता	।	धागे	तिरकिट	।	धी	ना

लोम विलोम– एकताल

(दोनों तरफ से उल्टा सीधा पढ़ने पर एक समान)

१	२	।	३	४	।	५	६
x			०		२		x
धाधा	धाधा	।	कतकतक	कतकनागेना ।	कतककतक	कतकनागेना।	
७	८	।	९	१०	।	११	१२
०		३				४	
नागेनाकतक	कतककतक।	नागेनाकतक	कतककतक।	धाधा	धाधा।		

गततोड़ा– एकताल (आड़ी)

१	२	।	३	४	।	५	६।
x			०			२	
धाक्रधाऽन	धाधाक्रधाऽन।	क्रधातिट	गित्रड़ाऽन	।	धाधिंकत्	तिटऽधा।	
७	८	।	९	१०	।	११	१२
०			३		४		
धिड़नगतिरकिट	तकतातिरकिट।	धातिरकिट	तकतातिरकिट।				

धातिरकिट तकतातिरकिट। (धा)
x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

कायदा– एकताल

x			०			२		
धातिर	किटतक	।	तिरकिट	धातिर	।	किटतक	तिरकिट।	
०धिना	गिना	।	३धाती	धागे	।	४धिना	गिना।	
xतातिर	किटतक	।	०तिरकिट	तातिर	।	२किटतक	तिरकिट।	
०तिना	किना	।	३धाती	धागे	।	४धिना	गिना।	

(उपरोक्त कायदे का पलटा बनाकर बजावें)

टुकड़ा नं० १ एक ताल

१	२	।	३	४	।	५	६।
x			०			२	
क्ड़ान	तूना	।	किड़नग	तिरकिट	।	तकधिर	किटतक।
७	८	।	९	१०	।	११	१२।
०			३			४	
तकघिड़ा	ऽनधिर	।	किटतक	धाती	।	धाऽति	धाऽधाति। (धा)

टुकड़ा नं० २ एकताल

१	२	।	३	४	।	५	६।
x			०			२	
धिनतक	धिनतक	।	तकतक	धिनतक	।	धिनतक	तिटघिड़।
७	८	।	९	१०	।	११	१२
०			३			४	
नगतिट	धिड़नग	।	तकधिड़	नगतिट	।	तकधिड़	नगतिट।
१३	१४	।	१५	१६	।	१७	१८
x			०			२	
धिड़नग	धिनतक	।	धा	तकधिड़	।	नगतिट	धिड़नग।
१९	२०	।	२१	२२	।	२३	२४
०			३			४	
धिनतक	धा	।	तकधिड़	नगतिट	।	धिड़नग	धिनतक। (धा)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

झपताल– परिचय

यह ताल खण्ड जाति की है। प्राचीन काल में इसे झंपा ताल भी कहते थे। इस ताल में विशेषकर छोटे ख्याल गाये जाते हैं। इसमें मात्रा १० ताली १, ३ और ८ पर तथा खाली ६ पर होती है तथा विभाग ४ हैं।

ठेका– झपताल

१	२	।	३	४	५	।	६	७	।	८	९	१०
x			२				०			३		
धी	ना	।	धी	धी	ना	।	ती	ना	।	धी	धी	ना

कायदा– झपताल

x			२			
धातिर	किटतक	।	तिरकिट	धातिर	किटतक	।
०			३			
तिरकिट	धाति	।	धागे	धिना	गिना	।
x			२			
तातिर	किटतक	।	तिरकिट	तातिर	किटतक	।
०			३			
तिरकिट	धाति	।	धागे	धिना	गिना	।

(उपरोक्त कायदे का पलटा बनाकर बजावें)

गोपूच्छा– झपताल

१	धा	गिना				
	धा	गदि	गिना			
	धा	कता	गदि	गिना		
	धा	तिट	कता	गदि	गिना	
	धातिर	किटधि	तिट	कता	गदि	गिना

		x		२				०		३		
२	धा	तिट ।		कत	गदि	गन ।	धा	तिट।	कत	गदि	गन।	
	x			२			०		३			
	ता	तिट ।		कत	गदि	गन ।	धा	तिट	कत	गदि	गन।	
		x		२			०		३			
३	धा	गिन ।		धा	गदि	गन ।	धा	तिट ।	कत	गदि	गन।	
	x			२			०		३			
	धा	गिन ।		धा	गदि	गन ।	धा	तिट ।	कत	गदि	गन।	

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

x २ ० ३
ता किन । ता कति कन । ता तिट । कत कति कन।
x २ ० ३
धा गिन । धा गदि गन । धा तिट । कत गदि गन।

टुकड़ा नं० १ झपताल

xदींदीं तिटतिट । २धागेतिट क्रधातिट धातिरकिटधि।
०तिटकत धाकत । ३धाकत धा ऽ ।
xधातिरकिटधि तिटकत । २धाकत धाकत धा।
०ऽ धातिरकिटधि । ३तिटकत धाकत धाकत । (धा) x

टुकड़ा नं० २ झपताल

xधिटधिट धागेतिट । २क्रधातिट धागेतिट कतिटत।
०गेनधागे तिटकत । ३गदिगन धा ऽ ।
xकतिटत गेनधागे । २तिटकत गदिगन धा ।
०ऽ कतिटतगेन । २धागे तिटकत गदिगन । (धा) x

टुकड़ा नं० ३ झपताल

xधेत्धेत् तिरकिटधेत् । २धागेतिट तागेतिट क्रधातिट ।
०तागेतिट तागेत्रक । ३तिनाकिना धाती धातागे ।
xत्रकतिना किनाधा । ०तीधा तागेत्रक तिनाकिना ।
०धाती धा । ३ऽ तागेत्रक तिनाकिना ।
xधाती धातागे । २त्रकतिना किनाधा तीधा ।
०तागेत्रक तिनाकिना । ३धाती धा ऽ ।
xतागेत्रक तिनाकिना । २धाती धातागे त्रकतिना ।
०किनाधा तीधा । ३तागेत्रक तिनाकिना धाती । (धा) x

त्रिपल्ली टुकड़ा– झपताल (९ धा वाला)

xधाऽन धितिट । २धातिरकिट धितिट कऽत ।
०धितिट धिन । ३धिनाऽ कऽतिट गेगेतिट ।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

[x]धातिरकिटधि तिटकत । [२]धिरधिरकिटतक तातिरकिटतक तक्ड़ान ।
[०]तक्ड़ान धा । [३]तक्ड़ान धा तक्ड़ान ।
[x]धा ऽ । [२]धिरधिरकिटतक तातिरकिटतक तक्ड़ान ।
[०]तक्ड़ान धा । [३]तक्ड़ान धा तक्ड़ान ।
[x]धा ऽ । [२]धिरधिरकिटतक तातिरकिटतक तक्ड़ान ।
[०]तक्ड़ान धा । [३]तक्ड़ान धा तक्ड़ान । (धा) x

रेला– झपताल

१ [x]धिंरिंकिटतक नातिरकिटतक। [२]धिंतिरकिटतक धिंतिरकिटतक नातिरकिटतक।
[०]तिंतिरकिटतक नातिरकिटतक। [३]धिंतिरकिटतक धिंतिरकिटतक नातिरकिटतक।

२ घिड़नग तिटघिड़ । नगतिट घिड़नग नगतिट।
किड़नग तिटकिड़ । नगतिट घिड़नग नगतिट।

रूपक ताल– परिचय

इस ठेके की जाति मिश्र है। इस ताल में अधिकतर गजल, कव्वाली तथा भजन गाये जाते हैं। वर्तमान समय में तबले पर रूपक ताल में स्वतंत्र वादन का काफी प्रचार है। इस ताल में कायदे, पेशकार, लग्गी, लड़ी, परन-टुकड़े तथा चक्रदार परन सभी चीजें बजाई जाती हैं। इसमें मात्रा ७ ताली ४ और ६ पर तथा खाली १ पर एवं विभाग ३ होते हैं।

ठेका– रूपक

१ २ ३ । ४ ५ । ६ ७
[०]ती ती ना । [१]धी ना । [२]धी ना

कायदा नं० १ रूपक (आड़ी)

१ धागिना धातिरकिट धितिट । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।
तातिना तातिरकिट तितिट । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।

२ धागिना धातिरकिट धागिना । धातिरकिट धागिना । धातिरकिट धितिट।
धागिना धातिरकिट धितिट। धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।
ताकिना तातिरकिट ताकिना। तातिरकिट ताकिना । तातिरकिट तितिट।
धागिना धातिरकिट धितिट । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३ धागिना धातिरकिट धितिट । धागिना धातिरकिट । धितिट धागिना।
धातिरकिट धितिट धागिना । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।
ताकिना तातिरकिट तितिट । ताकिना तातिरकिट । तितिट ताकिना।
तातिरकिट तितिट ताकिना । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।

४ धागिना धातिरकिट धितिट । धागिना धागिना । धातिरकिट धितिट।
धागिना धितिट धागिना । धातिरकिट धिनक । तिनति नागिना।
ताकिना तातिरकिट तितिट । ताकिना ताकिना । तातिरकिट तितिट।
ताकिना तितिट ताकिना । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।

५ धातिरकिट धिनक धातिरकिट । धिनक धिनधि । नागिना धागिना।
धातिरकिट धितिट धागिना । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।
तातिरकिट तिनक तातिरकिट । तिनक तिनति । नाकिना धागिना।
धातिरकिट धितिट धागिन । धातिरकिट धिनक । धिनधि नागिना।

६ धागिना धातिरकिट धाऽऽ । धागिना धातिरिकट। धाऽऽ धातिरकिट।
धिनक धिनधि नागिना । धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना।
ताकिना तातिरकिट ताऽऽ। ताकिना तातिरकिट। ताऽऽ धातिरकिट।
धिनक धिनधि नागिना। धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना।

७ धातिरकिट धिनक धिनधि। नागिना धातिरकिट। धिनक धिनधि।
नागिना धितिट धागिना। धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना।
तातिरकिट तिनक तिनति। नाकिना तातिरकिट। तिनक तिनति।
नाकिना तितिट ताकिना। धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना।

८ धिनधि नागिना धिनधि। नागिना धिनधि । नागिना धातिरकिट।
धिनक धिनधि नागिना। धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना।
तिनति नाकिना तिनति। नाकिना तिनति। नाकिना धातिरकिट।
धिनक धिनधि नागिना। धातिरकिट धिनक। धिनधि नागिना।

तिहाई– १ धा की (नौहक्का)

[०]धागिना धातिरकिट धातिरकिट। [१]धिनक धाऽ। [२]धातिरकिट धिनक।
[०]धाऽ धातिरकिट धिनक। [१]धाकत धातिरकिट। [२]धिनक धाऽ।
[०]धातिरकिट धिनक धाऽ। [१]धातिरकिट धिनक। [२]धाकत धातिरकिट।
[०]धिनक धाऽ धातिरकिट। [१]धिनक धाऽ। [२]धातिरकिट धिनक। (धा)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

कायदा नं० २ रूपक

१ °धागे तूना तिरकिट। १धागे नागे। २तूना तिरकिट।
°ताके तूना तिरकिट। १ताके नाके। २तूना तिरकिट।

२ धागे नागे तूना । तिरकिट धागे। नागे तूना।
तिरकिट धागे तूना । तिरकिट धागे। तूना तिरकिट।
ताके नाके तूना । तिरकिट ताके। नाके तूना।
तिरकिट ताके तूना । तिरकिट ताके। तूना तिरकिट।

३ धागे नागे धागे। नागे तूना। तिरकिट धागे।
नागे तूना तिरकिट। धागे नागे। तूना तिरकिट।
ताके नाके ताके । नाके तूना। तिरकिट ताके।
नाके तूना तिरकिट। ताके नाके। तूना तिरकिट।

तिहाई (बेदम)

°धागे नागे तूना । १तिरकिट धा। २धागे नागे।
°तूना तिरकिट धा । १धागे नागे। २तूना तिरकिट। (धा)
x

टुकड़ा नं० १ रूपक (कर्नाटक शैली का)

°धिनाधि नकधिन धागेनाति।
१नकधिन धातिनाकिट। २तकतातिरकिटतीऽ।
°ऽऽ धातिनाकिट तकतातिरकिट।
१तिंतिरकिट तकतातिरकिट। २तिंतिरकिट तकतातिरकिट। (ती)
x

टुकड़ा नं० २ रूपक

°धेत्तधेत्त तिरकिटधेत्त धागेतिट।
१तागेतिट क्रधातिट। २तागेतिट तागेत्रक।
°तिनाकिना धाकता तागेत्रक।
१तिनाकिना धाकता। २तागेत्रक तिनाकिना। (धा)
x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

टुकड़ा नं० ३ रूपक

°धिरधिरकिटतक तकिटधा धिरधिरकिटतक।
°तकिटधा धिरधिरकिटतक। २तकिटधा तकिटधा।
°तकिटधा तिट कत।
१गदि गन । २तिटकत गदिगन।
°धा तिट कत।
१गदि गन । २तिटकत गदिगन।
°धा तिट कत।
°गदि गन । २तिटकत गदिगन। (धा)
x

रेला नं० १ रूपक

°धातिर किटतक तिरकिट।
१धातिर किटतक। २तिरकिट तकता।
°तातिर किटतक। तिरकिट।
१धातिर किटतक। २तिरकिट तकता।

रेला नं० २ रूपक

°धातिर किटतक तिरकिट।
१धातिर किटतक । २तातिर किटतक।
°तातिर किटतक । तिरकिट ।
१धातिर किटतक । २तातिर किटतक।

रेला नं० ३ रूपक

१ °धातिर किटतक धिनगिन। १धातिर किटतक। २धिनगिन धिनगिन।
°तातिर किटतक तिनकिन। १तातिर किटतक। २तिनकिन तिनकिन।

२ धातिर किटतक धातिर। किटतक धातिर। किटतक धिनगिन।
तातिर किटतक तातिर। किटतक तातिर। किटतक तिनकिन।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३	धातिर	किटतक	धिनगिन।	धातिर	किटतक।	धिनगिन	धातिर।
	किटतक	धिनगिन	धातिर।	किटतक	धातिर।	किटतक	धिनगिन।
	तातिर	किटतक	तिनकिन।	तातिर	किटतक।	तिनकिन	तातिर।
	किटतक	तिनकिन	धातिर।	किटतक	धातिर।	किटतक	धिनगिन।
४	धिनगिन	धिनगिन	धातिर।	किटतक	धिनगिन।	धातिर	किटतक।
	तिनकिन	तिनकिन	तातिर।	किटतक	धिनगिन।	धातिर	किटतक।
५	धातिर	किटतक	धातिर।	किटतक	धातिर।	किटतक	धिनगिन।
	धिनगिन	धातिर	किटतक।	धिनगिन	धातिर।	किटतक	तिनकिन।
	तातिर	किटतक	तातिर।	किटतक	तातिर।	किटतक	तिनकिन।
	तिनकिन	धातिर	किटतक।	धिनगिन	धातिर।	किटतक	धिनगिन।

तिहाई– रूपक (बेदम)

°धातिर किटत धिनगिन। १धिनगिन धा। २धातिर किटतक।

°धिनगिन धिनगिन धा। १धातिर किटतक। २धिनगिन धिनगिन। (धा) X

कहरवा ताल– परिचय

कहरवा ताल भजन, काव्य संगीत, लोक संगीत, कव्वाली तथा फिल्मी गाने इत्यादि के साथ बजाया जाता है। ढोलक तथा नाल पर भी इस ताल में वादन प्रस्तुत किया जाता है। इसमें लग्गी, लड़ी तथा ठेके के प्रकार आदि बजाये जाते हैं। यह शृङ्गार रस का ताल है इसलिये इस ताल में सोलो वादन नहीं होता है इसके कारण इसमें कायदे, पेशकार, परन, टुकड़े आदि नहीं बजाये जाते हैं, पर आजकल कुछ विद्वान लोग कहरवा ताल में भी सोलो वादन करते हैं। इसमें मात्रा ८ ताली १ और ५ पर तथा विभाग २ होते हैं, मगर कुछ विद्वान लोग १ पर ताली और ५ पर खाली मानते हैं इस कारण दोनों तरीकों से प्रचलित हैं।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

ठका

	x				०			
	१	२	३	४	५	६	७	८
	धा	गे	ना	ति ।	न	क	धि	न

या

	x				०			
	धा	धि	ना	ति ।	न	क	धि	न

बदला हुआ ठेका

	x				०			
१	धा	धि	ना	ति ।	ना	धि	धि	न
२	धिं	धा	धा	ति ।	ना	धा	धि	न
३	धे	धे	न	क ।	धिं	धा	धा	धिं
४	धि	न	धा	गे ।	न	धि	न	क
५	न	क	धि	न ।	धा	गे	न	धि

उठान (कहरवा)

	x				०			
१	ताऽ	ककि	नक	किन ।	ककि	नक	नक	किन
२	नक	तिन	नक	तिन ।	किन	ककि	नक	किन
	ककि	नक	किन	ककि ।	नक	किन	ऽऽतिर	किटतक

बाँट (कहरवा)

	x				०			
१	धागे	धागे	धिना	गिना ।	ताके	ताके	तिना	किना
२	धागे	धिना	गिना	धागे ।	ताके	तिना	किना	ताके
३	धिना	गिना	धागे	धागे ।	तिना	किना	ताके	ताके
४	गिना	धागे	धागे	धिना ।	किंना	ताके	ताके	तिना
५	धा	धागे	धिना	गिना ।	ता	ताके	तिना	किना
६	धा	ऽधा	धिना	गिना ।	ता	ऽता	तिना	किना

बल (कहरवा)

	x				०			
१	धा	ऽ	तिर	किट ।	तक	ताऽ	तिर	किट
२	कड़ा	ऽन	तिर	किट ।	तक	ताऽ	तिर	किट
३	धाऽ	क्रधा	ऽन	धागे ।	धातिर	किटतक	तातिर	किटतक

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

४	ऽ	ऽ	तिट	तिट ।	किट	तक	तिर	किट
५	ति	ट	ता	तिर ।	किट	तक	तिर	किट

गत (कहरवा)

	x				०			
१	धागे	नाधि	गधि	नाड़ा ।	ताके	नाति	कति	नाड़ा
२	धाड़ा	धाति	नाड़ा	धिन ।	ताड़ा	ताती	नाड़ा	धिन
३	तक	धिन	गिन	धागे ।	तिरकीट	धिन	गिन	धा
	तक	तिन	किन	ताके ।	तक	तिरकीट	तकता	तिरकीट

लड़ी (कहरवा)

	x				०			
१	धागे	तिट	धाति	नग ।	ताके	तिट	धाति	नग
२	तिट	धागे	धाति	नग ।	तिट	ताके	धाति	नग
३	धाति	नग	धागे	तिट ।	ताति	नक	धागे	तिट
४	धागे	नधा	तिट	धागे ।	ताके	नता	तिट	धागे
५	धागे	धाति	नग	तिट ।	ताके	ताति	नग	तिट

चलन (कहरवा)

	x				०			
१	धागे	धागे	धिन	गिन ।	ताके	ताके	धिन	गिन
२	धागे	नधा	ऽधा	गिन ।	ताके	नता	ऽधा	गिन
३	धाधा	गिन	धा	गिन ।	ताता	किन	धा	गिन
४	धाऽग	धिनग	धिनधि	नागिन ।	ताऽक	तिनक	धिनधि	नागिन

लग्गी (कहरवा)

	x				०			
१	धाति	नाधि	नक	तिन ।	ताती	नाती	नक	धिन
२	धाड़ा	घेघे	नक	तिन ।	ताड़ा	घेघे	नक	धिन
३	धागे	नति	नक	धाधा ।	ताके	नति	नक	ताता
४	धिन	धागे	नति	नक ।	तिन	ताके	नति	नक
५	धिन	तधि	नधि	नड़ ।	तिन	तति	नति	नड़
६	धाति	नग	धाति	नग ।	ताति	नग	धाति	नग
७	घेघे	नक	धिन	धाड़ा ।	केके	नक	तिन	ताड़ा

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

८	घेत	कधि	नधि	नाड़ा ।	केत	कधि	नधि	नाड़ा
९	धागे	नधि	ऽकधि	नाड़ा ।	ताके	नति	ऽकति	नाड़ा
१०	धातिर	किटधिं	नाथी	नाड़ा ।	तातिर	किटतिं	नाती	नाड़ा
११	धाधिड़	कधि	ऽधि	नाड़ा ।	ताति	कति	ऽति	नाड़ा
११	धाधि	नगधि	नाधि	नाड़ा ।	ताकिड़	नकति	नाती	नाड़ा
१२	धाति	धाड़ा	ऽधि	नाड़ा ।	घेघे	नाड़ा	ऽधि	नाड़ा
१३	ताति	नाड़ा	ऽति	नाड़ा ।	घेघे	नाड़ा	ऽधि	नाड़ा
१४	धन	नाधि	कधि	नाड़ा ।	तिन	नाति	कति	नाड़ा
१५	नाधि	कधि	नाड़ा	धिन ।	ताति	कति	नाड़ा	तिन
१६	धिट	धाक	धिट	धिट ।	तिट	ताक	तिट	तिट
१७	धिकि	टधि	किट	ता ।	तिकि	टधि	किट	धा
१८	धाति	टधा	तिट	तिन ।	ताति	टधा	तिट	धिन
१९	धिकि	टत	गेन	तक ।	तिकि	टत	गेन	तक
२०	कति	टधि	किट	कत ।	कति	टधि	किट	नाना
२१	कड़क	कड़क	घेऽ	नाड़ा ।	घेऽ	धाड़ा	घेऽ	तिट
२२	धिन	धिन	धिना	ऽक ।	तिन	तिन	तिना	ऽक
२३	धाति	ऽन	नक	धिन ।	ताति	ऽन	नक	धिन
२४	धिन	तकि	ऽट	धा ।	तिन	तकि	ऽट	ता
२५	धिन	नग	ऽग	धाड़ा ।	तिन	नक	ऽक	ताड़ा
२६	नाधि	नाना	तक	धिन ।	नाति	नाना	तक	तिन
२७	धिन	नता	ऽक	धिन ।	तिन	नता	ऽक	तिन
२८	धेत्ता	कत्त	ऽता	धेत्त ।	तेत्ता	कत्त	ऽता	तेत्
२९	धा	गे	तिर	किट ।	ता	के	धिन	गिन
३०	गिन	धाधा	गिन	धाधा ।	किन	ताता	गिन	धाधा
३१	धाऽ	कधि	नक	धिन ।	ताऽ	कति	नक	तिन
३२	धा	तिरकिट	तगे	ऽन्न ।	ता	तिरकिट	तके	ऽन्न
३३	तिरकिट	तगे	ऽन्न	धा ।	तिरकिट	तगे	ऽन्न	ता
३४	धागे	ऽन्न	धा	तिरकिट।	ताके	ऽन्न	ता	तिरकीट
३५	तिरकिट	तकतिर	किटतक	तिरकीट।	धिरकिट	तकधिर	किटतक	धिरकिट
३६	तिरकिट	तकता	तरकीट	तक् ।	धिरकीट	तकधा	धिरकीट	तक्
३७	धा	नति	ना	गिन ।	गिन	धा	नति	ना
३८	गिन	धागे	नधि	ना ।	किन	ताके	नति	ना
३९	ताधिं	ऽधि	नाना	गिन ।	धाति	ऽति	नाना	किन

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

३	धागे	धागे	धागे	।	धा	तिं	तिं
४	धिन	नक	ताड़ा	।	किन	नक	धाड़ा
५	धागे	तिट	धागे		नागे	तिना	तिट
	ताके	तिट	ताके	।	नाके	तिना	तिट

गत (दादरा)

	x				०		
१	धिना	धाधि	नाधा	।	तिरकिट	धिना	तिरकीट
	किना	ताकि	नाता	।	तिरकीट	धिना	तिरकीट
२	धाऽ	ऽधा	गेन	।	धागे	तिना	किना
	ताऽ	ऽता	केन	।	धागे	धिना	गिना

मुखड़ा (दादरा)

x				०		
कड़ान	तूना	तिट	।	तक	तिरकीट	धा
तिट	तक	तिरकीट	।	धा तिटतक	तिरकीट	(धा) x

मोहरा (दादरा)

x				०		
धाऽगधि	नगधात्र	कधिनग	।	धिनगिन	धाऽगिन	धाऽगिन (धा) x

टुकड़ा (दादरा)

x				०		
कड़ान	तिरकीट	तकता	। तिरकीट	धा	तिरकीट	
तकता	तिरकीट	धा	। तिरकीट	तकता	तिरकीट	(धा) x

लग्गी (दादरा)

	x				०		
१	धागे	तिर	किट	। ताके	धिना	गिना	
२	गिना	गिना	धागे	। किना	किना	ताके	
३	गिना	नागे	गिना	। नागे	तूना	कत्ता	
	किना	नाके	किना	। नाके	धिना	कत्ता	

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

रेला (दादरा)

	x				०		
१	घिड़नग	तेटतेट	घिड़नग	।	किड़नक	तेटतेट	घिड़नग
२	धागे	तिना	किड़नक	।	तिरकिट	तकता	तिरकिट
	ताके	तिना	किड़नक	।	तिरकीट	तकता	तिरकीट
३	धातिर	किटतक	तिरकिट	।	धागे	तातिर	किटतक
	तातिर	किटतक	तिरकीट	।	धागे	धातिर	किटतक
४	धिनगिन	धिनगिन	तकतक	।	तिनकिन	तिनकिन	तकतक
५	तकतक	धिनगिन	धिनगिन	।	तकतक	तिनकिन	तिनकिन

प्रज्ञा बैण्ड (रिदम)

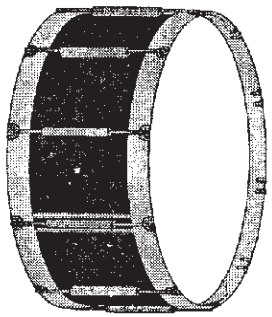

स्लो मार्च

तर	रम	पम	।	तर	रम	पम
तर	रम	पम	।	तर	रर	रर

मार्च फास्ट

तररर	ररर	रम ०	।	तररर	ररर	रम ०/ ००तर
	रमतर	रमपम	तररर	रमतर।		
	रमतर	रमतर	रमपम	पमतर।		
	रमतर	रमपम	तररर	रमतर।		
	ररर	ररर	रमपम	पम।		

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सावधान			विश्राम
फूरुरुरु	फूरुरुरु	रम	फूरु रुरु फूरु रुरु रम

गतियोग (१)

पम	फूरु	रम	पम।	पम	फूरु रम पम।
फूरु	रम	फूरु	रुरु।	रम	पम रम ०। पुनः २ बार

गतियोग (२)

फूरु	रुरु	फूरु	रुरु।	रम	फूरु रम पम।
फूरु	रम	फूरु	रुरु।	रम	पम रम ०। पुनः २ बार

गतियोग (३)

फूरु	रम	पम	०।	फूरु	रम पम ०।
फूरु	रुरु	फूरु	रुरु।	रम	पम रम ०। पुनः २ बार

गतियोग (४)

फूरु	रुरु	रम	पम।	फूरु	रुरु	रम	पम।
फूरु	रम	पम	फूरु।	रम	पम	रम ०। पुनः २ बार	

प्रज्ञायोग

रम	पम	फूरु	।	रम	पम फूरु ।
रम	पम	फूरु	।	रम	पम फूरु ०। पुनः ४ बार

लाठी योग

फूरु	रुरु	रम	पम।	०	फूरु रम पम।
०	फूरु	रम	पम।	फूरु	रुरु रम ०। पुनः २ बार

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तीनताल (विलम्बित)

ठेका नं० १

x १	२	३	४।	२ ५	६	७	८
धा	ऽ	तिर	किट।	धिं	ऽ	ऽ	क्र
० ९	१०	११	१२।	३ १३	१४	१५	१६
धिं	ऽ	धिं	ऽ।	धा	गे	ति	ट
x १७	१८	१९	२०।	२ २१	२२	२३	२४
धा	गे	तिर	किट।	धिं	ऽ	ऽ	क्र
० २५	२६	२७	२८।	३ २९	३०	३१	३२
धिं	ऽ	धिं	ऽ।	धा	गे	ति	ट
x ३३	३४	३५	३६।	२ ३७	३८	३९	४०
ता	के	तिर	किट।	तिं	ऽ	ऽ	क्र
० ४१	४२	४३	४४।	३ ४५	४६	४७	४८
तिं	ऽ	तिं	ऽ।	ता	के	ति	ट
x ४९	५०	५१	५२।	२ ५३	५४	५५	५६
धा	गे	तिर	किट।	धिं	ऽ	ऽ	क्र
० ५७	५८	५९	६०।	३ ६१	६२	६३	६४
धिं	ऽ	धिं	ऽ।	धा	गे	ति	ट
							(धा) x

तीनताल (विलम्बित)

ठेका नं० २

x १	२	३	४।	२ ५	६	७	८
धा	धागे	धिं	त्रक।	धिंत्रक	धिंधिं	धा	त्ति
० ९	१०	११	१२।	३ १३	१४	१५	१६
धा	धागे	धिं	त्रक।	धिंत्रक	धिंधिं	धा	त्ति
x १७	१८	१९	२०।	२ २१	२२	२३	२४
धा	धागे	तिं	त्रक।	तिंत्रक	तिंतिं	ता	त्ति
० २५	२६	२७	२८।	३ २९	३०	३१	३२
ताके	तिरकीट	धिगी	नधा।	त्रक	धिगी	नधा	त्रक
							(धा) x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

तीनताल (विलम्बित)

ठेका नं० ३

x१	२	३	४।	३५	६	७	८
धा	ऽधा	तिट	धिना।	धिक्ड़	धिना	धिड़नग	तिरकीट
०९	१०	११	१२।	३१३	१४	१५	१६
धा	ऽधा	तिट	धिना।	धिक्ड़	धिना	धिड़नग	तिरकीट
x१७	१८	१९	२०।	२२१	२२	२३	२४
धा	ऽधा	तिट	तिना।	तिक्ड़	तिना	किड़नग	तिरकीट
०२५	२६	२७	२८।	३२९	३०	३१	३२
ता	ऽता	तिट	धिना।	धिक्ड़	धिना	धिड़नग	तिरकीट

(धा) x

एकताल (विलम्बित)

ठेका नं० १

x१	२।	०३	४।	२५	६।	०७	८
धिं	ऽ।	क	त्रक।	धिं	ऽ।	धाधा	तिरकिट
३९	१०।	४११	१२।	x१३	१४।	०१५	१६
धा	ऽत।	धा	धागे।	ति	र।	कि	ट
२१७	१८।	०१९	२०।	३२१	२२।	५२३	२४
तू	ऽ।	क	तिट।	ना	ऽ।	ना	नाना
x२५	२६।	०२७	२८।	२२९	३०।	०३१	३२
कत्त	ऽ।	कधा	तिरकिट।	तिं	ऽ।	कड़ानतिरकीट	तकतातिरकिट
३३३	३४।	४३५	३६।	x३७	३८।	०३९	४०
धा	ऽ।	धा	क्ड़धागे।	ति	र।	कि	ट
२४१	४२।	०४३	४४।	३४५	४६।	४४७	४८
धिं	ऽ।	क	त्रक।	धा	ऽ।	धा	धाधा

(धा) x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

एकताल (विलम्बित)

ठेका नं० २

x १	२।	० ३	४।	२ ५	६।	० ७	८
धि	ऽ।	ऽ	ऽ।	धिं	ऽ।	ऽ	ऽ
३ ९	१०।	४ ११	१२।	x १३	१४।	० १५	१६
धा	ऽ।	गे	गेगे।	ति	र।	कि	ट
२ १७	१८।	० १९	२०।	३ २१	२२।	४ २३	२४
तू	ऽ।	ऽ	ऽ।	ना	ऽकड़।	ना	नाना
x २५	२६।	० २७	२८।	२ २९	३०।	० ३१	३२
कत्त	ऽ।	ऽ	ऽ।	ता	ऽ।	ऽ	ऽ
३ ३३	३४।	४ ३५	३६।	x ३७	३८।	० ३९	४०
धा	ऽ।	गे	गेगे।	ति	र।	कि	ट
२ ४१	४२।	० ४३	४४।	३ ४५	४६।	४ ४७	४८
धिं	ऽ।	ऽ	ऽ।	ना	ऽकड़।	ना	नाना
							(धिं) x

एकताल (विलम्बित)

ठेका नं० ३

x १	२।	० ३	४।	२ ५	६।	० ७	८
धिं	ऽ।	धिं	ऽ।	धा	गे।	तिर	किट
३ ९	१०।	४ ११	१२।	x १३	१४।	० १५	१६
तू	ऽ।	ना	ऽ।	कत्त	ऽ।	ता	ऽ
२ १७	१८।	० १९	२०।	३ २१	२२।	४ २३	२४
धा	गे।	तिर	किट।	धि	ऽ।	ना	ऽ
							(धा) x

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

रुद्रताल ११ मात्रा

ठेका

धीं।	तिरकिट।	धी।	ना।	तू।
x।	०।	३।	४।	०।
क।	त्ता।	धीधी।	नाधी।	धीना
७।	८।	०।	१०।	०

प्रकार ११ मात्रा (रुद्रताल)

धीधीं	धागेतिरकिट	तूना	कत्ता	धागे
धीना	धागेतिरकिट	धीना	धीधी	नाधी

कायदा रुद्र ताल

धा	क्रधा	तिट	धीन	धीऩा	गिना
धागे	त्रक	तीन	तीना	किना	
ता	क्रता	तिट	तिन	तिना	किना
धागे	त्रक	धिन	धिना	गिना	
धा	क्रधा	तिट	धा	क्रधा	तिट
धा	क्रधा	तिट	धिन	धिना	
गिना	धागे	त्रक	तिन	तिना	किना
धागे	त्रक	तीन	तिना	किना	
ता	क्रता	तिट	ता	क्रता	तिट
ता	क्रता	तिट	तिन	तिना	
किना	ताके	त्रक	तिन	तिना	किना
धागे	त्रक	धिन	धिना	गिना	

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

तिटकत गदिगन धागदि गनधा गदिगन (धा)
x

७ ८ ० १० ०

चक्रदार रुद्रताल

धिरधिरकिटतक तिरकिटधा धिरधिरकिटतक तिरकिटधा धिरधिरकिटतक तिरकिटधा

तिरकिटधा तिट कत गदि गन धा तिटकत गदिगन

तिट कत गदि गन धा तिटकत गदिगन

तिट कत गदि गन धा

(पुनः ३ बार बजावें)

तिहाई रुद्रताल

कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट धाती धा

कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट धाती धा

कड़ानतिरकिट तकतातिरकिट धाती (धा)
x

चौताल १२ मात्रा

ठेका

धा धा । दीं ता । तिट धा ।

x । ० । ० ।

दीं ता । तिट कत । गदि गन ।

० । ३ । ४

शूल ताल १० मात्रा

धा ऽ । दीं दीं । ता ऽ । तिट कत । गदि गन

x । ० । २ । ३ । ०

धमार ताल १४ मात्रा

क धि ट धि ट । धा ऽऽ । ग

x २ ०

दी न । दी न ता ऽऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

आड़ा चारताल १४ मात्रा

धीं	तिरकिट	।	धी	ना।	तू	ना	।	क	त्ता				
x		।	२		।	०		।	३				
तिरकिट	धिं	।	ना	धिं।	धि	ना	।						
०		।	४		।	०							

झूमरा ताल १४ मात्रा

धीं	ऽ	त्रक	।	धा	धीं	धीं	धा	त्रक	धीं	धीं।	धा	धा	तू	ना
x			।	२						।	३			

दीपचन्दी ताल १४ मात्रा

धा	धीं	ऽ	।	धा	धा	धीं	ऽ	।	ता	तीं	ऽ	।	धा	धा	धिं	ऽ
x			।	२				।	०			।	३			

तेवरा ताल ७ मात्रा

धा	दीं	ता	।	तिट	कत	।	गदि	गन
x			।	२		।	३	

पश्तो ताल ७ मात्रा

तिं	ऽ	त्रक	।	धीं	ऽ	।	धा	धा
०			।	१		।	२	

तिलवाड़ा ताल १६ मात्रा

धा	तिरकिट	धिं	धिं	।			धा	धा	तिं	तिं	।				
x				।			२								
ता	तिरकिट	धिं	धिं	।			धा	धा	धिं	धिं	।				
०				।			३								

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

जत ताल १६ मात्रा

धा	ऽ	धिं	ऽन	।		धा	ऽ	तिं	ऽन	।					
x				।		२				।					
ता	ऽ	तिं	ऽन	।		धा	ऽ	धिं	ऽन	।					
०				।		३									

गजझंपा ताल १५ मात्रा

धा	धिन	नक	तक।	धा	धिन	नक	तक।	धिन	नक	किट	तक	धिन	गदि	गन
x				।	२			।	३					

टप्पा ताल नं० १ (१६ मात्रा)

ना	धि	क	धि।	ना	धि	क	धि।	ना	ति	क	ति।	ना	धि	क	धि।
x				।	२			।	०			।	३		

टप्पा ताल नं० २ (१६ मात्रा)

धिं	ऽ	धा	ऽग।	धा	धिं	ता	ऽ।	कड़तिं	ऽ	ता	ऽक।	धा	धिं	धा	ऽ।
x				।	२			।	०			।	३		

खेमटा ताल १२ मात्रा

धा	गे	धि	गि	न	।	ता	गे	ति	न	कि	न
x					।	०					

बसंत ताल ९ मात्रा

धा।	धेत्।	त्।	थुं।	थुं।	तिट।	कत।	गदि।	गन
x ।	२ ।	३ ।	४ ।	० ।	५ ।	० ।	६ ।	०

मत्त ताल ९ मात्रा

धिं।	तिरकिट।	धि।	ना।	तू।	ना।	धीधी।	नाधी।	धीना
x ।	० ।	३ ।	४ ।	५ ।	६ ।	० ।	८ ।	०

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

भानुमती ताल ११ मात्रा

धा तिट धिन नक। धिट धिट। धागे तिट। तिन गदि गन
x । २ । ३ । ४

प्रताप शिखर (शिवताल) १३ मात्रा

धा किट तक धुम किट तक धेत्। ता । धा तिट कत गदि गन
x । २ । ३

भजन ठेका नं० १ (कहरवा ताल) ८ मात्रा

धीगी नाधी गीधी नागे। धीगी नाती नती नाके
x । ०

भजन ठेका नं० २ (कहरवा ताल) ८ मात्रा

धिऽ नाधिं ऽधि नाऽ। धीगी नातिं ऽति नाऽ
x । ०

करमा ताल नं० १ –१६ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

x २ ० ३
१ धागे तिट धिं ना । धागे तिट धिं ना। धागे तिट धिं ना। ऽ तिट तिं ना
x २ ०
२ तकिट तकिट तकिट तकिट। धिंत कधिं तक धिंता। धादीं ऽता तेटक तांऽग।
३
धादीं ऽता तेटक तांऽग

करमा ताल नं० २– १२ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

धि ट धिं ऽ ना ऽ । ति ट धिं ऽ ना ऽ
x । ०

दादरा ताल ६ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

x ०
१ धागे धा ती । नागे धा ती
x ०
२ धाऽ धिना किन। तागे धिना गिन

सुवा ताल नं० १ – १४ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

धा धि न। धा गे धि न। ता ति न। ता गे धि न
x । २ । ० । ३

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सुवा ताल नं० २ -- ६ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

	x				०		
१	गिन	ना	ड़ा	।	गिन	धा	ड़ा
	x				०		
२	धिट	धिन	नाड़ा	।	तिट	धिन	धाड़ा

पंथीताल ४ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

धा	ती	।	ना	गे	
x		।	२		

जेंवारा ताल ८ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

ध	ड़	ध	ड़	।	तिं	ऽ	न	क
x				।	०			

गौरा ताल– ५ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

धित्र	नागिन।	धित्र ।	धित्र	नागिन		
x	।	१	।	२		

होली ताल – १२ मात्रा (छत्तीसगढ़ की)

किस्म नं० १

गिन	ना	ड़ा	गिन	धा	ड़ा ।	तिन	ना	ड़ा	गिन	धा	ड़ा
x					।	०					

किस्म नं० २ – ६ मात्रा

गिन	ना	ड़ा	।	गिन	धा	ड़ा
x			।	०		

किस्म नं० ३ – ८ मात्रा

धिऽत्र	नागिन	धिऽत्र	नागिन ।	धिनधि	नागिन	तिऽत्र	नागिन
x			।	२			

किस्म नं० ४ – ४ मात्रा

धिऽत्र	गधड़	।	तिऽत्र	गधड़	
x		।	०		

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

किस्म नं० ५

तिऽन्न गधड़ । तिऽन्न गधड़

गुजराती गरबा ताल– १२ मात्रा (गुजरात की)

x ०
१ धिं ऽ न्न क ता ऽ । तिं ऽ न्न ग धा ऽ
x ०
२ धिं ऽ न्न क ता ऽ । तिर किट ता ग धा ऽ

पंचम सवारी ताल– १५ मात्रा

x २
धी ना धिधि । कत् धिधि नाधि धिना।
x ३
तिक्ड़ तिना तिरकिट। तूना । कत्ता धिधि नाधि धिना

कायदा

x २
१ धाती धागे नधा । तिरकिट धाति धागे तिना।
० ३
किड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धाति धागे तिना किना
x २
ताती ताके नता । तिरकिट ताति ताके तिना।
० २
किड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धाति धागे धिना गिना
x २
२ धाती धागे धाती। धागे धाती धागे धीना।
० ३
किड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धाती धागे धीना गीना
x २
ताती ताके ताती। ताके ताती ताके तीना।
० ३
किड़नग तिरकिट तकता तिरकिट। धाति धागे धीना गीना

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

(किसुनगढ़ वाले पं० रामजी प्रसाद दुबे से प्राप्त)

गत– तीन ताल (मध्यलय) राग- भीमपलासी

०					३			
९	१०	११	१२	।	१३	१४	१५	१६
सा	सां	नि॒	प	।	म	प	ग॒	म
x					३			
१	२	३	४	।	५	६	७	८
प	–	–	मप	।	ग॒	रे	सा	नि॒

तानें

१	नि॒सा	ग॒म	प–	नि॒सा	।	ग॒म	प–	नि॒सा	ग॒म	(प) x
२	–पम	ग॒म	प–	–पम	।	ग॒म	प–	–पम	ग॒म	(प) x
३	नि॒सा	ग॒म	पम	ग॒म	।	प–	प–	नि॒सा	ग॒म	
	पम	ग॒म	प–	प–	।	नि॒सा	ग॒म	पम	ग॒म	(प) x
४	ग॒म	पनि॒	पनि॒	सारें	।	गरें	सांगं	रेंसां	नि॒प	
	मप	ग॒म	प–	पम	।	ग॒म	प–	पम	ग॒म	(प) x
५	रेंगरें	सारेंसां	नि॒सांनि॒	पनि॒प	।	पमप	ग॒मग॒	रेग॒रे	सारेंसा	
	नि॒–सा	ग॒–म	प––	नि॒–सा	।	ग॒–म	प––	नि॒–सा	ग॒–म	(प) x

लहरा – तीन ताल (विलम्बित)

x					३			
९	१०	११	१२	।	१३	१४	१५	१६
ग	–	म	–	।	ध	–	नि	–
x					२			
१	२	३	४	।	५	६	७	८
सां	–	–	–	।	–	–	सां	रें
०					३			
९	१०	१	१२	।	१३	१४	१५	१६
नि	–	–	सां	।	ध	–	म	प
x					२			
१	२	३	४	।	५	६	७	८
°ग	–	–	म	।	रे^{२}	–	सा	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

लहरा तीन ताल (विलम्बित)

x				।	२			
१	२	३	४	।	५	६	७	८
सां-	सां-	सां-	धनि	।	रें-	रें-	गं-	मंपं
०					३			
९	१०	११	१२	।	१३	१४	१५	१६
गं-	रें-	सां-	रेंगं	।	रें-	सां-	ध-	निध

लहरा– तीन ताल (विलम्बित)

x१	२	३	४	।	५२	६	७	८
सां	–	सां	–	।	सां	–	सां	रें
°९	१०	११	१२	।	१३३	१४	१५	१६
नि	–	ध	–	।	म	–	नि	ध
x१७	१८	१९	२०	।	२१२	२२	२३	२४
ग	–	रे	–	।	नि	ध	सा	–
°२५	२६	२७	२८	।	२९३	३०	३१	३२
ग	–	म	–	।	ध	–	नि	ध

लहरा– तीन ताल (मध्यलय)

x१	२	३	४	।	५२	६	७	८
सां	–	नि	–	।	ध	–	ग	–
°९	१०	११	१२	।	३१३	१४	१५	१६
म	–	ध	–	।	नि	–	ध	–

लहरा – तीन ताल (नृत्य के लिये तीनों लय में)

राग-कलावती– विलम्बित लय (ठाह में) १६ मात्रा

१	२	३	४	।	५	६	७	८
xसां-	सां-	सां-	सां-रेंगं	।	३नि-	ध-	गप	गपधनि
९	१०	११	१२	।	१३	१४	१५	१६
°ध-	प-	ग-	धपगसा	।	३ग-	प-	ध-	निध

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

लहरा- तीन ताल (मध्यलय) राग हिंडोल

x१	२	३	४	।	२५	६	७	८
सां	-	नि	ध	।	निसां	धनि	मंध	गमं
०९	१०	११	१२	।	३१३	१४	१५	१६
साग	निसा	गमं	साग	।	मंध	निध	गमं	धनि

लहरा- तीन ताल (मध्यलय)

x१	२	३	४	।	२५	६	७	८
सां	नि	ध	म	।	ग	रे	सा	निध
०९	१०	११	१२	।	३१३	१४	१५	१६
म	निध	सानि	रेसा	।	गरे	मग	धम	निध

लहरा- तीनताल (मध्यलय)

x१	२	३	४	।	२५	६	७	८
सां	निध	पम	गरे	।	सारे	ग	-	रेग
०९	१०	११	१२	।	३१३	१४	१५	१६
म	-	गम	प	।	-	मप	ऽऽ	सारें

लहरा- तीन ताल (विलम्बित लय)

x१	२	३	४	।	२५	६	७	८
सां	सां	सांनि	धनि	।	रें	सां	गं	रें
०९	१०	११	१२	।	३१३	१४	१५	१६
गं	रेंगं	सां	सारेंगंपं	।	गं	रेंगं	सांनि	धनि

लहरा- एक ताल (विलम्बित लय)

x१	२	।	०३	४	।	२५	६	।
सा	-	।	-	-	।	प	-	।
०७	८	।	३९	१०	।	४११	१२	।
-	मप	।	ध	-	।	प	म	।
x१	२	।	०३	४	।	२५	६	।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ग़	सा	।	रे	म	।	ग़	–	।
०७	८	।	९	१०	।	४११	१२	।
सा	–	।	ध़	–	।	नि़	–	।

लहरा– चौताल– राग चन्द्रकौन्स (मध्यलय)

३९	१०	।	४११	१२	।	x१	२	।
ग़	म	।	ध़	नि	।	सां	–	।
०३	४	।	२५	६	।	०७	८	।
नि	ध़	।	ग़	म	।	ग़	सा	।

लहरा– एक ताल (मध्यलय) राग बिलावल

३९	१०	।	४११	१२	।	x१	२	।
सां	नि	।	ध	नि	।	सां	–	।
०३	४	।	२५	६	।	०७	८	।
सां	रें	।	सां	नि	।	ध	प	।

लहरा– एक ताल (मध्यलय) राग भैरवी

३९	१०	।	४११	१२	।	x१	२	।
सा	रे़	।	ध़	प	।	म	–	।
०३	४	।	२५	६	।	०७	८	।
ग़	रे़	।	ग़	रे़	।	सा	–	।

लहरा– सवारीताल (विलम्बित लय) राग वृंदावनी सारंग

x१	२	३	।	२४	५	६	७	।
नि़	नि़	प	।	म	रे	रे	सा	।
०८	९	१०	११।	३१२	१३	१४	१५	।
नि़	सा	रे	सा।	रे	रे	सा	–	।

लहरा– चौताल (विलम्बित लय)

१	२	।	३	४	।	५	६	।
सां	नि	।	ध़	मं	।	रे़	ग़	।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

७	८	।	९	१०	।	११	१२	।
रे	सा	।	ग	र्म	।	ध	नि	।

लहरा– झपताल (मध्यलय)

x१	२	।	२३	४	५	।
सां	धनि	।	प	गम	रे	।
°६	७	।	३८	९	१०	।
निरे	सा	।	पध	निसां	रेंगं	।

लहरा– झपताल (विलम्बित लय)

x१	२	।	२३	४	५	।
सां	रें	।	नि	सां	ध	।
°६	७	।	३८	९	१०	।
ध	निं	।	प	प	रें	।

लहरा– झपताल (विलम्बित लय) राग कौशिक ध्वनि

x१	२	।	२३	४	५	।
सां	सां	।	नि	ध	म	।
°६	७	।	३८	९	१०	।
ग	म	।	ग	सा	नि़	।
x१	२	।	२३	४	५	।
ध़	नि़	।	सा	म	ग	।
°६	७	।	३८	९	१०	।
म	ध	।	म	ध	नि	।

लहरा– झपताल– राग – हिंडोल (विलम्बित लय)

x१	२	।	२३	४	५	।
सां	सां	।	नि	ध	र्म	।
°६	७	।	३८	९	१०	।
ग	र्म	।	ग	सा	नि़	।
x१	२	।	२३	४	५	।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ध	नि	।	सा	ग	मं	।
^{०}६	७	।	^{३}८	९	१०	।
ग	मं	।	ध	नि	ध	।

लहरा– झपताल राग चन्द्रकौन्स

^{x}१	२	।	^{२}३	४	५
सां	नि	।	ध	म	ग
^{०}६	७	।	^{३}८	९	१०
सा	ग	।	म	ध	नि

लहरा– कहरवा (विलम्बित लय)

^{x}१	२	३	४	।	^{०}५	६	७	८
सां	नि	ध	म	।	ग	म	ध	नि

लहरा– रूपक (मध्यलय)

^{x}१	२	३	।	^{१}४	५	।	^{२}६	७
सां	सां	ध	।	नि	म	।	ध	नि

लहरा– रूपक (मध्यलय)

^{x}१	२	३	।	^{१}४	५	।	^{२}६	७
सां	सां	रें	।	नि	सां	।	ध	नि

लहरा– दादरा– (विलम्बित लय)

^{x}१	२	३	।	^{०}४	५	६	।
सां	नि	ध	।	म	ध	नि	।

लहरा– छत्तीसगढ़ का – भजल ताल (गम्मत के लिये)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x			।				।	x			।	x			
प	ध	सा	रे।	म	ग	रे	ग।	रे	ग	रे	ग।	सा	–	ध	प
प	ध	सा	रे।	म	ग	रे	ग।	रे	ग	रे	ग।	सा	–	–	–
प	ध	प	ध।	म	–	ग	सा।	रे	ग	रे	ग।	सा	–	–	–
प	ध	प	ध।	म	–	ग	सा।	रे	ग	रे	ग।	सा	–	ध	प

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सितार का संक्षिप्त इतिहास व घराना

इतिहास में सितार के सम्बन्ध में अभी तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिल पाया कि इसका अविष्कार व जन्म कैसे हुआ। किन्तु कुछ विद्वानों का मानना है कि यह वीणा का दूसरा रूप है। इसका आविष्कार चौदहवीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में अमीर खुसरो रहते थे, उनके द्वारा हुआ है। खुसरो जी वीणा पर तीन तार चढ़ाकर बजाते थे, तभी से इसका नाम 'सहतार' पड़ा और विद्वानों ने बदलकर इसका नाम सितार रख दिया। अमीर खुसरो जैसे संगीत प्रेमियों ने इसको अमर किया, वहीं से इसका जन्म मानते व सितार घराना उन्हीं के नाम से प्रारंभ हुआ।

अमीर खुसरो के अलावा तानसेन व उनके शिष्य परंपरागत ढंग से सितार वादन करते थे। तानसेन का सैनी घराना इतिहास में अभी भी प्रसिद्ध है। सितार में दो घराने हैं— एक अमीर खुसरो घराना, दूसरा सैनी घराना। सितार में गायकी अंग समावेश कर अपने समय के नामी कलाकारों में इनायत खाँ का नाम सितार वादकों में ऊँचे स्थान पर था।

सितार बजाने की बैठक

सितार बजाते समय पुरुषों व महिलाओं का अलग-अलग प्रकार से बैठने का तरीका है किन्तु सितार रखने का ढंग लगभग एक जैसा है। प्रथम सितार को दाहिनी ओर पैर पर रखते हैं फिर दाहिना हाथ सितार के तूँबे पर मोड़कर सीधा रखते हैं, डाड के ऊपर अंगूठा रखकर सितार को इसी हाथ पर स्थिर रखते हैं जिससे सितार हिले या गिरे नहीं।

दूसरा बायाँ हाथ सितार के पिछले हिस्से में पर्दे के धागों को देखते हुए स्वरों पर रखते हैं। तर्जनी व अंगूठे को गोलाई में पर्दे के किनारे पर स्वर दबाते हैं और हाथ फिसलाते हुए स्वर बजाते हैं जिससे आवाज स्पष्ट व मधुर सुनाई दे।

सितार बजाने का सूत्र

सितार बजाने के क्रम में दारा द्वारा अथवा दारा दारा का प्रयोग किया जाता है। आरोह अवरोह में ठाह दुगुन व चौगुन में दादिर दारा का इस तरह प्रयोग किया जाता है। जैसे— ठाह

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सा	रे	ग	म	प	आदि
दादिरदारा	दादिरदारा	दादिरदारा	दादिरदारा	दादिरदारा	

दुगुन

सा	रे	ग	म	प	ध	आदि
दादिर	दारा	दादिर	दारा	दादिर	दारा	

चौगुन

सा	रे	ग	म	प	ध	नी	सां	आदि
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	

दारा

दारा का प्रयोग सरल है जैसे—

सा	रे	ग	म	प	ध	नी	सां
दा	रा	दा	रा	दा	रा	दा	रा

मिजराप या स्टाइगर से दादिरदारा इस तरह बजायें।

दा— बायीं ओर (अन्दर)

दिर— बायाँ दायाँ (अन्दर बाहर) जल्दी से बजायें।

दा— बायीं ओर (अन्दर)

रा— दायीं ओर (बाहर)

सितार में झाला बजाने का तरीका

हाथ फ्री व मजबूत करने के लिए झाला का प्रयोग किया जाता है। यह वादन में मधुरता भी लाता है। दादिर दारा प्रकार नं० १।

जैसे— 'दा दिर दा' को मुख्य (मेन) स्वर पर बजायें तथा 'रा' को चिकारी पर बजायें। इस क्रम को पूरे स्वरों पर बजाते रहें।

दा रा दारा प्रकार नं० २

दा मुख्य (मेन) स्वर बजाये रा चिकारी पर।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दा रा रा रा प्रकार नं० ३

दा मेन स्वर पर, रा रा रा चिकारी पर बजायें। इस तरह लगन, मेहनत, परिश्रम से सितार में साधारण व्यक्ति ऊँचे कलाकार व गुणी बन सकते हैं।

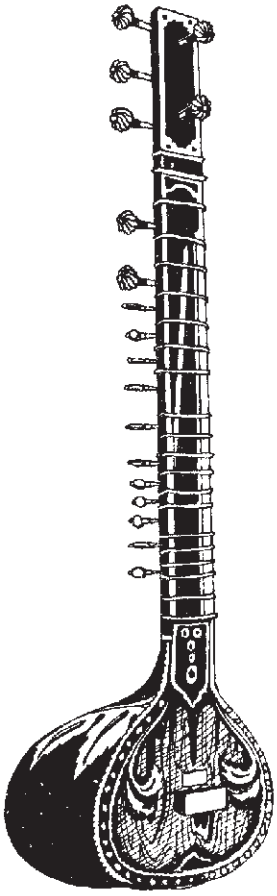

सितार के पर्दों की जानकारी

← मंद्र	सप्तक	का	तीव्र	म़॑	मध्यम
← ,,	,,	,,		प़	पंचम
← ,,	,,	,,	कोमल	ध़॒	धैवत
← ,,	,,	,,	शुद्ध	ध़	,,
← ,,	,,	,,	कोमल	नि़॒	निषाद
← ,,	,,	,,	शुद्ध	नि़	,,
← मध्य	सप्तक	का		सा	षडज
← (सा को खींचकर) कोमल				रे॒	ऋषभ
← ,,	,,	,,	शुद्ध	रे	,,
← ,,	,,	,,	कोमल	ग॒	गंधार
← ,,	,,	,,	शुद्ध	ग	,,
← ,,	,,	,,	शुद्ध	म	मध्यम
← ,,	,,	,,	तीव्र	म॑	,,
← ,,	,,	,,		प	पंचम
← ,,	,,	,,	शुद्ध	ध	धैवत
← ,,	,,	,,	कोमल	नि॒	निषाद
← ,,	,,	,,	शुद्ध	नि	,,
← तार	सप्तक	का		सां	षडज
← ,,	,,	,,	शुद्ध	रें	खींचकर कोमल रें॒
← ,,	,,	,,	शुद्ध	गं	खींचकर कोमल गं॒
← ,,	,,	,,	शुद्ध	मं	,, ,, तीव्र मध्यम (मं॑)

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सितार मिलाने की विधि

प्रथम १ नं० तार (बाज) मंद्र सप्तक के मध्यम (म) से मिलाते हैं

दूसरा २ नं० तार मंद्र सप्तक के षडज से मिलाते हैं (जोड़ी का तार)

तीसरा ३ नं० तार यदि सितार में दो जोड़ी के तार हैं तो दूसरे नं० तार में मिलाते हैं। अगर सितार के लरज खरज के तार हैं तो, मन्द्र सप्तक के पंचम या मध्यम से राग के अनुसार मिलाते हैं।

चौथा ४ नं० तार पंचम में लेकिन खरज के तार होने पर अतिमंद्र के षडज में मिलाते हैं।

पांचवाँ ५ नं० तार मध्यम या पंचम में राग के अनुसार मिलाते है।

छठवाँ ६ नं० तार षडज में मिलाते है।

सातवाँ ७ नं० तार तार सप्तक के साथ (षडज) में मिलाते हैं।

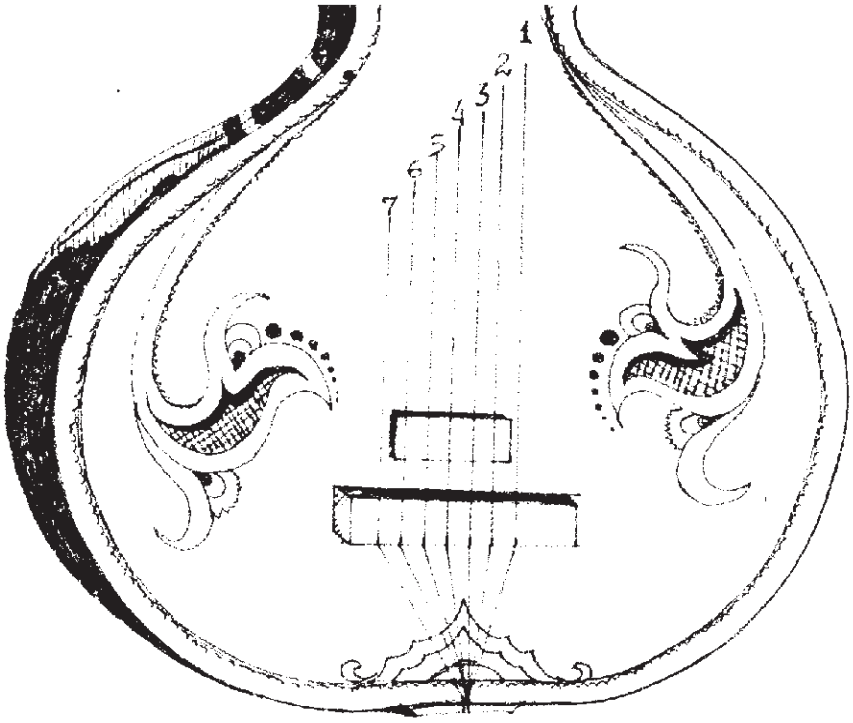

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

राग यमन

विलम्बित गत (मसीतखानी) (त्रिताल)

राग यमन कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इस राग के आरोह तथा अवरोह दोनों में सात-सात स्वरों का प्रयोग होता है, इसलिए इसकी जाति सम्पूर्ण-सम्पूर्ण है। इस राग में कोई भी स्वर वर्जित नहीं हैं। इसमें तीव्र मध्यम (म॑) का प्रयोग होता है तथा शेष सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। इस राग का वादी स्वर (ग) तथा सम्वादी स्वर (नी) है। इस राग का गायन समय रात्रि का प्रथम प्रहर है।

आरोह- नि॒ रे ग म॑ प ध नी सां

अवरोह- सां नी ध प म॑ ग रे सा

पकड़- नि॒ रे ग रे सा प म॑ ग रे सा

स्थाई

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
											गग	रे	सासा	नी	रे
											दिर	दा	दिर	दा	रा
x				२				०				३			
ग	ग	ग	रेरे	ग	धध	प	म॑	ग	रे	सा,	गग	रे	सासा	नि॒	ध
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा,	दिर	दा	दिर	दा	रा
x				२				०				३			
प	प	प	पप	म॑	धध	नि॒	रे	ग	रे	सा					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
x				२				०							

अन्तरा

											पप	ग	म॑म॑	ध	नि
											दिर	दा	दिर	दा	रा
x				२				०					३		
सां	सां	सां	सांसां	नि	रेंरें	गं	रें	नि	रें	सां	सांसां	सां	निनिध		प
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

x				२				०							
मं	निनिध	प		नि	रेरे	ग	रे	नि	रे	सा					
दा	दिर दा	रा		दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
x				२				०							

द्रुत गत (रजाखानी) त्रिताल

स्थाई

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								मं	पप	निनि	धध	प-	पमं	-ग	मं
								दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	रदा	ऽर	दा
x				२				०				३			
प	-प	रे	रे	नि	रेरे	सा	सा	नि	रेरे	गग	मंमं	प-	पमं	-ग	मं
दा	ऽर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	रदा	ऽर	दा
x				२				०							
प	-प	रे	रे	नि	रेरे	सा	सा								
दा	ऽर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा								
x				२											

अन्तरा

								मं	गग	मं	ध	-ध	नि	सां	सां
								दा	दिर	दा	रा	ऽर	दा	दा	रा
x				२				०				३			
नि	रेंरें	गंगं	रेंरें	सां-	सांनि	-नि	सां	सां	-सां	सां	नि	-नि	ध	प	प
दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	रदा	ऽर	दा	दा	ऽर	दा	दा	ऽर	दा	दा	रा
x				२											
मं	पप	गग	मंमं	ग-	गरे	-रे	सा								
दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	रदा	ऽर	दा								
x				२											

संगीत की गरिमा असीम है। उसे नाद ब्रह्म-शब्द कहकर भगवान् के समतुल्य ठहराया गया है।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

राधेश्याम तर्ज– नं० १ कहरवा ताल (विलम्बित एवं द्रुत लय)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
सां	–	सां	सां।	सां	–	सां	–।	नि̲	–	ध̲	प।	प	–	प	–
दू	ऽ	ध	द	ही	ऽ	के	ऽ	मं	ऽ	थ	न	से	ऽ	न	व
प	ध̲	म	म।	–	प	प	नि̲।	नि̲	ध̲	ध̲	प।	प	–	प	–
नी	ऽ	त	वि	ऽ	ज्ञ	ज	न।	पा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	न	व
प	ध̲	म	म।	–	प	प	नि̲।	नि̲	ध̲	ध̲	प।	प	–		
नी	ऽ	त	वि	ऽ	ज्ञ	ज	न।	पा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ		
														सा	–
														यो	ऽ
प	–	प	–।	प	–	प	–।	म	–	म	ग̲।	ग̲	–	ग̲	–
गी	ऽ	ज	न	प्रा	ऽ	णों	ऽ	को	ऽ	म	थ	क	र	कु	ऽ
प	–	प	–।	म	–	ग̲	रे।	ग̲	–	रे	सा।	सा	–	सा	–
ण्ड	ल	नी	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज	गा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	यो	ऽ
प	–	प	–।	प	नि̲	ध	नि̲।	प	–	प	म।	म	ग̲	ग̲	–
गी	ऽ	ज	न	प्रा	ऽ	णों	ऽ	को	ऽ	म	थ	क	र	कु	ऽ
प	–	प	–।	म	–	ग̲	रे।	ग̲	–	रे	सा।	सा	–		
ण्ड	ल	नी	ऽ	श	ऽ	क्ति	ज	गा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ		

राधेश्याम तर्ज– नं० २ कहरवा ताल (विलम्बित एवं द्रुत लय)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
														प	–
														क	र
सां	–	सां	–।	सां	–	सां	–।	सां	–	रें	–।	गं̲	–	–	–
ते	ऽ	हैं	ऽ	अ	र	णी	ऽ	मं	ऽ	थ	न	तो	ऽ	ऽ	ऽ
रें	सां	नि̲	ध̲।	सां	–										

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

सां -

क र

सां - सां -। सां - सां -। नि॒ - ध॒ प। प - प -

ते ऽ हैं ऽ अ र णी ऽ मं ऽ थ न तो ऽ य ऽ

प ध॒ म म। म प प नि॒। नि॒ ध॒ ध॒ प। प - प -

ज्ञा ऽ ग्नि प्र ग ट हो ऽ जा ऽ ती ऽ है ऽ य ऽ

प ध॒ म म। म प प नि॒। नि॒ ध॒ ध॒ प। प -

ज्ञा ऽ ग्नि प्र ग ट हो ऽ जा ऽ ती ऽ है ऽ

सा -

ज ब

प - प -। प - प -। म - म ग॒। ग॒ - ग॒ -

चि ऽ न्त न का ऽ मं ऽ थ न च ल ता ऽ त ब

प - प प। म - ग॒ रे। ग॒ - रे सा। सा - सा -

बा ऽ त स म झ में ऽ आ ऽ ती ऽ है ऽ ज ब

प - प -। प नि॒ ध नि॒। प - प म। म ग॒ ग॒ -

चि ऽ न्त न का ऽ मं ऽ थ न च ल ता ऽ त ब

प - प प। म - ग॒ रे। ग॒ - रे सा। सा -

बा ऽ त स म झ में ऽ आ ऽ ती ऽ है ऽ

राधेश्याम तर्ज– नं० ३ कहरवा ताल (मध्यलय)

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८

x ० x ०

सा -

सं ऽ

सा ध ध -। सा - रे -। ग म म -। म - म -

ग ति से ऽ जि न की ऽ न र प शु भी ऽ मा ऽ

ग ग - रे। - ग रे सा। रे - ग -। म - म -

न वी ऽ वृ ऽ त्ति अ प ना ऽ ते ऽ हैं ऽ मा ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

ग	ग	–	रे।	–	ग	रे	सा।	रे	–	ग	–।	म	–		
न	वी	ऽ	वृ	ऽ	त्ति	अ	प	ना	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ		
														ग	–
														उ	न
ग	–	ग	ग।	रे	ग	रे	सा।	रे	–	ग	ग।	म	म	म	–
की	ऽ	प्र	ति	भा	ऽ	से	ऽ	न	र	पि	शा	ऽ	च	द	ब
ग	–	ग	–।	रे	ग	रे	सा।	रे	–	ग	–।	म	–	म	–
जा	ऽ	ते	ऽ	या	ऽ	मि	ट	जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	द	ब
ग	–	ग	–।	रे	ग	रे	सा।	रे	–	ग	–।	म	–		
जा	ऽ	ते	ऽ	या	ऽ	मि	ट	जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ		

राधेश्याम तर्ज– नं० ४ कहरवा ताल (विलम्बित एवं द्रुत लय)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
														ध़	–
														ब	स
ध़	ध़	–	ध़।	ध़	–	ध़	प।	नि़	ध़	ध़	प।	प	–	प	–
इ	सी	ऽ	लि	ये	ऽ	तो	ऽ	ऋ	षि	यों	ऽ	ने	ऽ	य	ह
प	ध़	प	म।	–	प	ध़	सां।	नि़	–	ध़	प।	प	–	प	–
श्रे	ऽ	ष्ठ	क	ऽ	र्म	अ	प	ना	ऽ	या	ऽ	था	ऽ	य	ह
प	ध़	प	म।	–	प	ध़	सां।	नि़	–	ध़	प।	प	–		
श्रे	ऽ	ष्ठ	क	ऽ	र्म	अ	प	ना	ऽ	या	ऽ	था	ऽ		
														सा	–
														इ	स
प	–	प	–।	प	–	प	म।	म	–	म	ग़।	ग़	–	ग़	म
के	ऽ	ही	ऽ	फ	ल	से	ऽ	तो	ऽ	भा	ऽ	र	त	य	ह
प	ध़	प	म।	ग़	ग़	रे	रे।	ग़	–	रे़	सा।	सा	–	सा	–
वि	ऽ	श्व	व	ऽ	न्द्य	क	ह	ला	ऽ	या	ऽ	था	ऽ	इ	स
प	–	प	–।	प	नि़	ध	नि़।	प	ध़	प	म।	ग़	सा	ग़	म

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

के	ऽ	ही	ऽ	फ	ल	से	ऽ	तो	ऽ	भा	ऽ	र	त	य	ह
प	ध़	प	म।	ग़	ग़	रे	रे।	ग़	–	रे़	सा।	सा	–		
वि	ऽ	श्व	व	ऽ	न्ध	क	ह	ला	ऽ	या	ऽ	था	ऽ		

दोहा– राधेश्याम तर्ज– कहरवा ताल (विलम्बित द्रुत लय)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
ध़	–	ध़	–।	ध़	–	ध़	प।	–	नि़	ध़	प।	प	–	–	–
सा	ऽ	ग	र	मं	ऽ	थ	न	ऽ	ज	ब	हु	आ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध़	प	म।	ग	म	प	ध़।	प	–	–	म।	प	नि़	ध	नि़
नि	क	ले	ऽ	र	ऽ	ल	अ	ने	ऽ	ऽ	क	रा	ऽ	मा	ऽ
प	ध़	प	म।	ग	म	प	ध़।	प	–	–	–।	–	–	–	–
नि	क	ले	ऽ	र	ऽ	ल	अ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क
प	–	प	–।	प	–	प	म।	म	ग़	–	म।	प	नि़	ध	नि़
मं	ऽ	थ	न	क	र	सु	वि	चा	ऽ	ऽ	र	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म।	ग़	रे	ग़	रे।	सा	–	–	–।	–	–	–	–
जा	ऽ	गृ	त	क	रो	ऽ	वि	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क
प	–	प	–।	प	–	प	म।	म	ग़	–	म।	प	नि़	ध	नि़
मं	ऽ	थ	न	क	र	सु	वि	चा	ऽ	ऽ	र	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	म।	ग़	रे	ग़	रे।	सा	–	–	–।	–	–	–	–
जा	ऽ	गृ	त	क	रो	ऽ	वि	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क

रघुपति राघव राजाराम– कहरवा ताल

स्थायी

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
सा	सा	सा	सा।	सा	–	नि़	ध़।	नि़	–	रे	–।	रे	म	ग	म
र	घु	प	ति	रा	ऽ	घ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
रे	रे	ग़	रे।	सा	–	नि़	ध़।	नि़	–	रे	–।	सा	–	–	–
प	ति	ऽ	त	पा	ऽ	व	न	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

ग	–	ग	–।	ग	–	ग	सा।	म	–	म	ग।	म	–	–	–
ई	ऽ	श्व	र	अ	ऽ	ल्ला	ऽ	ते	ऽ	रे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	म
रे	रे	म	–।	प	–	ध	प।	म	–	ग	रे।	ग	–	सा	–
स	ब	को	ऽ	स	ऽ	न्म	ति	दे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	ऽ	न

चौपाई– धुन नं० १ राग विलावल (रामायण)– कहरवा ताल

स्थायी

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
ध़	–	सा	सा।	रे	रे	ग	ग।	म	म	म	म।	म	–	म	ग
बं	ऽ	द	उँ	गु	रु	प	द	प	दु	म	प	रा	ऽ	गा	ऽ
रे	ग	रे	सा।	रे	–	ग	ग।	म	ग	रे	सा।	रे	सा	सा	–
सु	रु	चि	सु	बा	ऽ	स	स	र	स	अ	नु	रा	ऽ	गा	ऽ

अन्तरा

प	प	प	प।	–	प	प	प।	प	ध	प	म।	म	–	प	ग
अ	मि	य	मू	ऽ	रि	म	य	चू	ऽ	र	न	चा	ऽ	रु	ऽ
रे	ग	रे	सा।	रे	रे	ग	ग।	म	ग	रे	सा।	रे	सा	सा	–
स	म	न	स	क	ल	भ	व	रु	ज	प	रि	वा	ऽ	रु	ऽ

चौपाई– धुन नं० २ कहरवा ताल

स्थायी

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
ध़	–	सा	सा।	ग	रे	ग	ग।	रे	ग	म	म।	म	–	म	ग
सा	ऽ	धु	च	रि	त	सु	भ	स	रि	स	क	पा	ऽ	सू	ऽ
रे	ग	ग	सा।	ग	रे	ग	ग।	म	ग	रे	सा।	सा	–	सा	–
नि	र	स	वि	स	द	गु	न	म	य	फ	ल	जा	ऽ	सू	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

सा प प प। प – प प। प ध प ध। म – म ग
जो ऽ स हि दु ख प र छि ऽ द्र दु रा ऽ वा ऽ
रे ग ग सा। ग रे ग ग। म ग रे सा। सा – सा –
ब ऽ न्द नी ऽ य जे हि ज ग ज स पा ऽ वा ऽ

चौपाई– धुन नं० ३ कहरवा ताल

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
ग – ग म। रे सा सा रे। नि़ – सा ग। रे ग ग सा
ना ऽ र द दे ऽ खा ऽ वि क ल ज यं ऽ ता ऽ
ग – ग म। रे सा सा रे। नि़ – सा ग। रे ग ग सा
ला ऽ गि द या ऽ को ऽ म ल चि त सं ऽ ता ऽ

अन्तरा

सा सा ग म। प प प प। म म प प। म प ग –
प ठ वा ऽ तु र त रा ऽ म प हिं ता ऽ ही ऽ
सा सा ग म। प – प प। म म प प। म प ग –
क हे सि पु का ऽ रि प्र न त हि त पा ऽ ही ऽ

चौपाई– धुन नं० ४ कहरवा ताल

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
ग ग – ग। – रे ग म। ग रे रे सा। निसा -नि़ सारे-नि़
ब ड़े ऽ भा ऽ ग मा ऽ नु ष त न पाऽ ऽऽ वाऽ ऽऽ
० निसा रे ग। रेग -सासा –।

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

x वंदे वे द माऽ ऽत र म
ग ग ग –। ग रे ग म। ग रे रे सा। निसा -नि सारे-नि
सु र दु र् ल भ स द् ग्रं ऽ थ न गाऽ ऽऽ वाऽ ऽऽ
० निसा रे ग। रेग -सा सा –।
x वंदे वे द माऽ ऽत र म

अन्तरा

सा सा ग म। प – प प। मं प मं प। ग म ग –
प र म स्व तं ऽ त्र न सि र प र को ऽ ई ऽ
० सासा ग म। प -मं प। ० मंमं प ध। म म -प ग –
x वंदे वे द मा ऽत र म x वंदे वे द मा ऽत र म
ग – ग ग। ग रे ग म। ग रे रे सा। निसा -नि सारे-नि
भा ऽ व इ म न हि क र हु तु म्ह सोऽ ऽऽ ईऽ ऽऽ
० निसा रे ग। रेग -सा सा –।
x वंदे वे द माऽ ऽत र म

चौपाई– धुन नं० ५ कहरवा ताल (विलम्बित लय)

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
– पध़ नि़ ध़। सा सा सा सा। – सारे सा नि़। सारे -सा रेम ग
० धरि धी ऽ र ज उ ठि। ऽ बैऽ ठि भु आऽ ऽऽ लूऽ ऽ
– सागम प। ग़ म ग़ रे। – मग़ रे सा। सा -नि़ धनि़ प़
० कहु सु मं ऽ त क हँ ऽ राऽ म कृ पा ऽऽ लूऽ ऽ

अन्तरा

– पप म ग़। प प प प। – म– ग़ सा। ग़ – म –
० कहाँ ऽ ल ख न क हँ ऽ राऽ म स ने ऽ ही ऽ
– सागम प। ग़ म ग़ रे। – मग़ रे सा। सा -नि़ धनि़ प़
० कहँ प्रि य पु ऽ त्र व ऽ धूऽ बै ऽ दे ऽऽ हीऽ ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

चौपाई- धुन नं० ६ कहरवा ताल

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८

x ० x ०

नि॒ ध ग म। प - प प। प ध नि॒ सां। नि॒ - ध प

भ र त ब च न स ब क हँ प्रि य ला ऽ गे ऽ

नि॒ ध ग म। प - प प। प ध नि॒ सां। नि॒ - ध प

रा ऽ म स ने ऽ ह सु धाँ ऽ ज नु पा ऽ गे ऽ

अन्तरा

- नि॒- नि नि। सां - नि॒ ध। प म ग रे। सा - रेग मप

० लोऽग बि यो ऽ ग बि ष म बि ष दा ऽ ऽऽ ऽऽ

गम रेम गरे सा।

गेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ

- सा-रे रे। रे ग म प। म ग रे सा। सा - रेग मप

० मंऽ त्र स बी ऽ ज सु न त ज नु जा ऽ ऽऽ ऽऽ

गम रेम गरे सा।

गेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ

चौपाई- धुन नं० ७ कहरवा ताल (द्रुत लय)

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८

x ० x ०

ध - ध -। ध - ध प। प ध प म। ग - रे -

जि न के ऽ य ह आ ऽ च र न भ वा ऽ ऽ ऽ

सा - रे -। ग - - -।

ऽ ऽ ऽ ऽ नी ऽ ऽ ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

म - म -। म - म -। म ध प म। ग - रे -
ते ऽ जा ऽ न हु नि श च र स म प्रा ऽ ऽ ऽ
सा - रे -। ग - - -।
ऽ ऽ ऽ ऽ नी ऽ ऽ ऽ

चौपाई- धुन नं० ८ कहरवा ताल (द्रुत लय)

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
म - म -। म ग रे सा। - सा रे सा। रे -सा- ध़
अ ति स य प्री ऽ ति दे ऽ खि र घु रा ऽई ऽ दे
- ध़ सा रे। रे सा सा -।
ऽ खि र घु रा ऽ ई ऽ
म - म -। म ग रे सा। सा - रे सा। रे -सा- ध़
ली ऽ न्हे ऽ स क ल वि मा ऽ न च ढ़ा ऽई ऽ वि
ध़ - सा रे। रे सा सा -।
मा ऽ न च ढ़ा ऽ ई ऽ

चौपाई- धुन नं० ९ कहरवा ताल (द्रुत लय)

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
प - प -। ध - म -। ग रे म -। म - म ग
जौं ऽ न ऽ हो ऽ ऽ ऽ ति ऽ सी ऽ ता ऽ सु धि
रे - ग -। रे सा सा -।
पा ऽ ई ऽ रा ऽ मा ऽ
ध़ - सा -। ग - - -। रे - प -। म - म ग

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

म धु ब न के ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ फ ल स क हिं कि
रे - ग -। रे सा सा -।
खा ऽ ई ऽ रा ऽ मा ऽ

चौपाई– धुन नं० १० कहरवा ताल (मध्य एवं द्रुत लय)

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
– नि– नि नि। सां सां नि ध। पध पनि धप मग। निसा रेग रेग मप
० मंऽ ग ल भ व न अ मंऽ ऽऽ गऽ लऽ हाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
गम गरे सानि सा।
रीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ
– निसा रे रे। रेग रेम गप गम। रेग रेम गरे सानि। निसा रेग रेगमप
– द्रव हूँ सो दऽ सऽ रऽ थऽ अऽ जिऽ रऽ बिऽ हाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
गम गरे सानि सा।
रीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ

चौपाई– धुन नं० ११ तीन ताल (राग पूर्याधनाश्री)

स्थायी

९ १० ११ १२।१३ १४ १५ १६। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
0 ३ x २
नि सा ग मं। प मं ग मं। प – ग मं। ग रे सा –
हा ऽ ज ग ए ऽ क बी ऽ र र घु रा ऽ या ऽ
नि सा ग मं। प मं ग मं। प – ग मं। ग रे सा –
के हि अ प रा ऽ ध बि सा ऽ रे हु दा ऽ या ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

ग	-	म॑	प।	नि	-	नि	ध॒।	रें	नि	ध॒	ग।	प	म॑	म॑	-
आ	ऽ	र	ति	ह	र	न	स	र	न	सु	ख	दा	ऽ	य	क
ग	-	म॑	प।	नि	-	नि	ध॒।	रें	नि	ध॒	ग।	प	म॑	म॑	-
हा	ऽ	र	घु	कु	ल	स	रो	ऽ	ज	दि	न	ना	ऽ	य	क

चौपाई– धुन नं० १२ तीन ताल (राग मालकौंस)

स्थायी

९	१०	११	१२।	१३	१४	१५	१६।	१	२	३	४।	५	६	७	८
0				३				x				२			
ग॒	म	ग॒	सा।	नि॒	सा	ध॒	नि॒।	सा	सा	म	म।	ग॒	-	म	-
जा	ऽ	म	वं	ऽ	त	के	ऽ	ब	च	न	सु	हा	ऽ	ए	ऽ
ग॒	म	ग॒	सा।	नि॒	सा	ध॒	नि॒।	सा	सा	म	म।	ग॒	-	म	-
सु	नि	ह	नु	मं	ऽ	त	ह	द	य	अ	ति	भा	ऽ	ये	ऽ

अन्तरा

ग॒	ग॒	म	म।	ध॒	ध॒	नि॒	नि॒।	सां	सां	सां	सां।	गं॒	नि॒	सां	-
त	ब	ल	गि	मो	हि	प	रि	खे	हु	तु	म्ह	भा	ऽ	ई	ऽ
नि॒	नि॒	नि॒	नि॒।	नि॒	-	नि॒	नि॒।	ध॒	नि॒	सां	नि॒।	ध॒	म	म	-
स	हि	दु	ख	कं	ऽ	द	मू	ऽ	ल	फ	ल	खा	ऽ	ई	ऽ

चौपाई– धुन नं० १३ तीन ताल (राग बसंत बहार)

स्थायी

९	१०	११	१२।	१३	१४	१५	१६।	१	२	३	४।	५	६	७	८
0				३				x				२			
सां	सां	नि॒	प।	म	-	नि॒	प।	ग॒	-	ग॒	म।	रे	-	सा	-
ज़ि	य	बि	न।	दे	ऽ	द	न।	दी	ऽ	बि	न।	बा	ऽ	री	ऽ
म	-	म	म।	म	प	ग	म।	नि॒	नि॒	नि॒	ध।	नि	-	सां	-
तै	ऽ	सि	अ।	ना	ऽ	थ	पु।	रु	ष	बि	न।	ना	ऽ	री	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

अन्तरा

रें रें रें रें। – मं रें सां। रें – नि नि। सां – सां –
ज हँ बि लो ऽ क मृ ग सा ऽ व क नै ऽ नी ऽ
नि नि प प। प नि म प। रें रें नि नि। सां – सां –
ज नु त हँ ब रि स क म ल सि त श्रे ऽ नी ऽ

चौपाई– धुन नं० १४ कहरवा ताल– राग विलाबल

इस धुन पर रामायण की सभी चौपाइयाँ गाई जा सकती हैं। चौपाई के लिए धुन के दो चरण हैं। इनमें से किसी भी चरण पर कोई भी चौपाई गाई जा सकती है परन्तु गायन शैली के अनुसार एक चौपाई पहले चरण पर और दूसरी चौपाई दूसरे चरण पर गाई जानी चाहिए। क्रमशः दो-दो चौपाइयाँ भी एक-एक चरण पर गाई जा सकती हैं। काव्य की दृष्टि से प्रत्येक चौपाई में ३२ और ताल की दृष्टि से १६ मात्रायें हैं। चौपाई का दूसरा भाग पहले भाग के आधार पर होगा। लय साधारण, ताल कहरवा। स्वर स्थान मध्यसप्तक का काली १। विस्तार क्षेत्र मध्य सप्तक के 'सा' से 'प' तक। इस धुन में कोई स्वर कोमल नहीं है। आरम्भ स्थान ताल की पहली मात्रा।

स्थायी

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। १ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८
x ० x ०
सा रे रे रे। रे ग सा रे। ग – म ग। रे सा सा –
ब ऽ न्द उँ प्र थ म म ही ऽ सु र च र ना ऽ
सा रे रे रे। रे ग सा रे। ग – म ग। रे सा सा –
मो ऽ ह ज नि त सं ऽ स य स ब ह र ना ऽ

अन्तरा

म – म म। म – म प। ग – रे सा। रे ग ग –
सु ज न स मा ऽ ज स क ल गु न खा ऽ नी ऽ
म – म म। म – म प। ग – रे सा। रे ग ग –
क र उँ प्र ना ऽ म स प्रे ऽ म सु बा ऽ नी ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

दोहा– धुन नं० १ कहरवा ताल (विलम्बित लय)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
ग	ग	–	ग।	ग	ग	ग	ग।	ग	ग	रे	म।	ग	–	–	–
ज	रा	ऽ	म।	र	न	दु	ख।	र	हि	त	त।	नु	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	म	म।	म	ग	रे	म।	ग	–	–	–।	–	–	–	–
स	म	र	जि।	तै	ऽ	ज	नि।	को	ऽ	ऽ	ऽ।	ऽ	ऽ	ऽ	उ
ग	–	ग	ग।	म	रे	रे	रे।	रे	–	रे	रे।	ग	रे	सा	नि॒
ए	ऽ	क	छ।	ऽ	त्र	रि	पु।	ही	ऽ	न	म।	हि	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	–	रे	रे।	ग	रे	सा	नि॒।	सा	–	–	–।	–	–	–	–
रा	ऽ	ज	क।	ल	प	स	त।	हो	ऽ	ऽ	ऽ।	ऽ	ऽ	ऽ	उ

दोहा– धुन नं० २ कहरवा ताल (विलम्बित लय)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
ग	ग	प	–।	नि	ध	नि	नि।	सां	–	–	सां।	सां	–	–	–
गि	रि	जा	ऽ	सं	ऽ	त	स	मा	ऽ	ऽ	ग	म	ऽ	ऽ	ऽ
नि	–	नि	ध।	सां	नि	ध	प।	प	–	–	–।	–	–	–	–
स	म	न	ला	ऽ	भ	क	छु	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न
मं॑	–	मं॑	–।	मं॑	मं॑	–	मं॑।	प	–	ग	म।	ग	–	–	–
बि	नु	ह	रि	कृ॒	पा	ऽ	न	हो	ऽ	ऽ	इ	सो	ऽ	ऽ	ऽ
नि॒	–	रे	ग।	प	रे	ग	रे।	सा	–	–	–।	–	–	–	–
गा	ऽ	व	हिं	बे	ऽ	दु	पु	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न

दोहा– धुन नं० ३ कहरवा ताल (विलम्बित लय)

इस धुन पर सभी दोहे गाये जा सकते हैं। इस धुन में दोनों 'ग' प्रयुक्त हैं। अन्य स्वर शुद्ध हैं। 'नि॒' मंद्र सप्तक की है। लय बीच की रहेगी। ताल कहरवा। काव्य के अनुसार ६० और ताल के आधार पर ६४ मात्रायें हैं। स्वर स्थान मध्य

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सप्तक का काली १। विस्तार क्षेत्र मंद्र सप्तक के 'नि़' से मध्य सप्तक के 'प' तक। आरम्भ स्थान ताल की पहली मात्रा।

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
सा	सा	सा	सा।	नि़	सा	रे	ग़।	रे	ग़	रे	सा।	सा	–	–	–
सु	नि	स	मु	झ	हि	ज	न	मु	दि	त	म	न	ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग़	ग़	ग़।	रे	ग़	रे	सा।	सा	रे	ग़	–।	–	–	–	–
म	ऽ	ज्ञ	हिं	अ	ति	अ	नु	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग
रे	म	म	म।	म	ग़	म	प।	ग़	म	ग़	रे।	ग़	सा	–	–
ल	ह	हिं	चा	ऽ	र	फ	ल	अ	क्ष	त	त	न	ऽ	ऽ	ऽ
सा	रे	ग़	म।	गम	–ग़	रे	सा।	सा	–	–	–।	–	–	–	–
सा	ऽ	धु	स	माऽ	ऽऽ	ज	प्र	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग

सोरठा नं० १ कहरवा ताल (रामायण)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
सा	सा	सा	सा।	सा	सा	नि़	सा।	रे	–	–	–।	–	–	–	–
जो	ऽ	सु	मि	र	त	सि	धि	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ
नि़	नि़	नि़	–।	सा	सा	रे	म।	ग	ग	रे	सा।	सा	–	–	–
ग	न	ना	ऽ	य	क	क	रि	ब	र	ब	द	न	ऽ	ऽ	ऽ
सा	सा	सा	सा।	सा	–	नि़	सा।	रे	–	–	–।	–	–	–	–
क	र	हु	अ	नु	ऽ	ग्र	ह	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ
नि़	–	नि़	नि़।	सा	सा	रे	म।	ग	ग	रे	सा।	सा	–	–	–
बु	ऽ	द्धि	रा	ऽ	सि	सु	भ	गु	न	स	द	न	ऽ	ऽ	ऽ

सोरठा नं० २ कहरवा ताल

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
प	–	प	प।	–	ध	प	म।	ग	रे	–	–।	–	–	–	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

मू	ऽ	क	हो	ऽ	इ	बा	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
नि़	–	नि़	नि़।	सा	सा	रे	म।	ग	ग	रे	सा।	सा	–	–	–
पं	ऽ	गु	च	ढ़	इ	गि	रि	ब	र	ग	ह	न	ऽ	ऽ	ऽ
सा	–	सा	सा।	सा	–	नि़	सा।	रे	–	–	–।	–	–	–	–
जा	ऽ	सु	कृ	पाँ	ऽ	सो	ऽ	द	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
नि़	नि़	नि़	नि़।	सा	सा	रे	म।	ग	ग	रे	सा।	सा	–	–	–
द्र	व	उ	स	क	ल	क	लि	म	ल	द	ह	न	ऽ	ऽ	ऽ

सोरठा नं० ३ कहरवा ताल

इसमें सब स्वर शुद्ध हैं। लय साधारण। स्वर स्थान मध्य सप्तक का काली १। विस्तार क्षेत्र मंद्र सप्तक के 'प' से मध्य सप्तक के 'प' तक। आरंभ स्थान ताल की पहली मात्रा।

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
प़	सा	सा	सा।	सा	रे	सा	नि़।	रे	–	–	–।	–	–	–	–
ब	ऽ	न्द	उँ	गु	रु	प	द	कं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज
म	ग	रे	सा।	नि़	सा	रे	ग।	म	ग	रे	सा।	सा	–	–	–
कृ	पा	ऽ	सि	ऽ	न्धु	न	र	रू	ऽ	प	ह	रि	ऽ	ऽ	ऽ
प़	सा	सा	सा।	सा	रे	सा	नि़।	रे	–	–	–।	–	–	–	–
म	हा	ऽ	मो	ऽ	ह	त	म	पुं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज
म	ग	रे	सा।	नि़	सा	रे	ग।	म	ग	रे	सा।	सा	–	–	–
जा	ऽ	सु	व	च	न	र	वि	क	र	नि	क	र	ऽ	ऽ	ऽ

छन्द नं० १ रूपक ताल (रामायण)

१	२	३।	४	५।	६	७।	१	२	३।	४	५।	६	७
x			१		२		०			१		२	
											।	सा	ध़
												बे	ऽ
सा	–	रे।	ग	म।	ग	रे।	सा	–	रे।	ग	म।	ग	रे
ठे	ऽ	ब	रा	ऽ	स	न	रा	ऽ	मु	जा	ऽ	न	कि

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सा – रे। सा ध़। सा –। रे म ग। रे –
मु दि त म न द स र र थु भ ए
। प प
त नु
प – प। ध प। म ग। रे – रे। ग रे। सा नि़
पु ल क पु नि पु नि दे ऽ खि अ प ने ऽ
प़ नि़ नि़। सा –। रे म। ग – रे। सा –
सु कृ त सु र त रु फ ल न ए
। सा ध़
भ रि
सा – रे। ग म। ग रे। सा – रे। ग म। ग रे
भु व न र हा ऽ उ छा ऽ हु रा ऽ म बि
सा – रे। सा ध़। सा –। रे म ग। रे –
बा ऽ हु भा ऽ स ब हीं ऽ क हा ऽ
। प प
के हि
प – प। ध प। म ग। रे – रे। ग रे। सा नि़
भाँ ऽ ति ब र नि सि रा ऽ त र स ना ऽ
प नि़ नि़। सा –। रे म। ग – रे। सा –
ए ऽ क य हु मं ऽ ग लु म हा ऽ

छन्द नं० २ रूपक ताल (रामायण)

१ २ ३। ४ ५। ६ ७। १ २ ३। ४ ५। ६ ७
x १ २ ० १ २
। सा ध़
क र
सा – रे। ग़ –। रे सा। सा – रे। ग़ –। रे सा
जो ऽ रि ज न कु ब हो ऽ रि बं ऽ घु स
सा – रे। सा ध़। सा –। रे म ग। रे –

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

मे	ऽ	त	को	ऽ	स	ल		रा	ऽ	य	सों	ऽ			
												।	रे	–	
													बो	ऽ	
रे	–	रे।	म	–।	म	ग।		रे	ग	सा।	रे	सा।	नि़	–	
ले	ऽ	म	नो	ऽ	ह	र		ब	य	न	सा	ऽ	नि	स	
प़	नि़	नि़।	सा	–।	रे	म।		ग	–	रे।	सा	–			
ने	ऽ	ह़	सी	ऽ	ल	सु		भा	ऽ	य	सों	ऽ			
												।	सा	ध़	
													सं	ऽ	
सा	–	रे।	ग़	–।	रे	सा।		सा	–	रे।	ग़	–।	रे	सा	
ब	ऽ	ध	रा	ऽ	ज	न		रा	ऽ	व	रें	ऽ	ह	म	
सा	–	रे।	सा	ध़।	सा	–।		रे	म	ग।	रे	–			
ब	ड़े	ऽ	अ	ब़	स	ब		बि	धि	भ	ए	ऽ			
												।	रे	–	
													ए	हि	
रे	–	रे।	म	–।	म	ग।		रे	ग	सा।	रे	सा।	नि़	–	
रा	ऽ	ज	सा	ऽ	ज	स		मे	ऽ	त	से	ऽ	व	क	
प	नि़	नि़।	सा	–।	रे	म।		ग	–	रे।	सा	–			
जा	ऽ	नि़	बे	ऽ	बि	नु		ग	थ	ल	ए	ऽ			

छन्द नं० ३ ताल विलम्बित कहरवा (रामायण)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
											।			ध़	–
														भं	ये
ध	–	ध	ध।	सा	–	रे	–।	म	–	म	म।	म	–	म	ग
प्र	ग	ट	कृ	पा	ऽ	ला	ऽ	दी	ऽ	न	द	या	ऽ	ला	ऽ
रे	ग	ग	–।	रे	ग	रे	सा।	सा	–	रेग	मग	।रे	–		
कौ	ऽ	स	ऽ	ल्या	ऽ	हि	त	का	ऽ	रीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ		
											।			रे	–
														ह	र

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

रे	–	रे	रे।	ग	–	ग	रे।	रे	ग	रे	सा।	सा	–	रे	–
षि	त	म	ह	ता	ऽ	री	ऽ	मु	नि	म	न	हा	ऽ	री	ऽ
रे	प	म	ग।	रे	ग	रे	सा।	सा	–	सा	–।	–	–		
अ	ऽ	द्भु	त	रू	ऽ	प	बि	चा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ		
											।			प	–
														लो	ऽ
प	–	प	ध।	नि̲	–	नि̲	ध।	प	ध	प	म।	म	–	म	–
च	न	अ	भि	रा	ऽ	मा	ऽ	त	नु	घ	न	श्या	ऽ	मा	ऽ
ग	–	ग	–।	रे	ग	रे	सा।	सा	–	रेग	मग।	रे	–		
नि	ज	आ	ऽ	यु	ध	भु	ज	चा	ऽ	रीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ		
											।			रे	–
														भू	ऽ
रे	–	रे	रे।	ग	–	ग	रे।	रे	ग	रे	सा।	सा	–	रे	–
ष	न	ब	न	मा	ऽ	ला	ऽ	न	य	न	बि	सा	ऽ	ला	ऽ
रे	प	म	ग।	रे	ग	रे	सा।	सा	–	सा	–।	–	–		
सो	ऽ	भा	ऽ	सि	ऽ	न्धु	ख	रा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ		

छन्द नं० ४ रूपक ताल (रामायण)

इस धुन में दोनों 'ग' लगते हैं अन्य सभी स्वर शुद्ध हैं, लय साधारण। ताल रूपक। स्वरलिपि की दो पंक्तियाँ हैं जिन पर शब्दों की कोई भी पंक्ति गाई जा सकती है, पर नियम के अनुसार पहले पहली पंक्ति और फिर दूसरी पंक्ति गायें। पहली पंक्ति पर शब्दों की कितनी पंक्तियाँ गाई जायें और दूसरी पर कितनी पंक्तियाँ गाई जायें यह बात आप अपनी सुविधा के अनुसार निश्चित करें। स्वर स्थान मध्य सप्तक का काली १। विस्तार क्षेत्र मंद्र सप्तक के 'नि' से मध्यसप्तक के 'ध' तक। आरंभ स्थान ताल की छठी मात्रा।

स्थायी

६	७।	१	२	३।	४	५।	६	७।		१	२	३।	४	५
२		०			१		२			०			१	
सा	नि̣।	सा	–	रे।	ग̲	–।	रे	सा।		सा	–	रे।	ग̲	–

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

क स की ऽ न्ह ब र बौ ऽ रा ऽ ह बि धि
रे सा। सा - रे। सा -। सा ध़। सा - ग़। रे -
जे हि तु म हिं सु ऽ न्द र ता ऽ द ई ऽ
रे -। रे - रे। रे म। म ग। रे ग रे। सा -
जो ऽ फ ल च हि य सु र त रु हिं सो ऽ
सा नि़। सा - रे। सा रे। ग म। रे ग रे। सा -
ब र ब स ब बू ऽ र हिं ला ऽ ग ई ऽ

अन्तरा

प प। प - प। प -। ग म। प ध प। म -
तु म स हि त गि रि ते ऽ गि रौं ऽ पा ऽ
म म। म म -। म -। म -। ग रे म। ग -
व क ज रौं ऽ ज ल नि धि म हँ प रौं ऽ
रे रे। रे - रे। रे ग। म ग। रे ग रे। सा -
घ र जा ऽ उ अ प ज स हो ऽ उ ज ग
सा नि़। सा - रे। सा रे। ग म। रे ग रे। सा -
जी ऽ व त बि बा ऽ ह न हौं ऽ क रौं ऽ

श्लोक नं० १– ताल रहित (रामायण)

१ २ ३ ४। ५ ६ ७ ८। ९ १० ११ १२। १३ १४ १५ १६
ग - ग -। ग - ग ग। ग रे म ग। ग - - -
व ऽ र्णा ऽ ना ऽ म र्थ सं ऽ घा ऽ नां ऽ ऽ ऽ
म म - म। - - म -। ग रे - म। ग - - -
र सा ऽ नां ऽ ऽ छ ऽ न्द सा ऽ म पि ऽ ऽ ऽ
ग - ग ग। - ग - ग। म रे रे -। रे - सा नि़
म ऽ ङ्ग ला ऽ नां ऽ च क ऽ र्ता ऽ रौ ऽ ऽ ऽ
नि़ - नि़ नि़। रे - रे -। ग रे - सा। सा - - -
व ऽ न्दे ऽ वा ऽ णी ऽ वि ना ऽ य कौ ऽ ऽ ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

श्लोक नं० २– ताल रहित (रामायण)

१	२	३	४।	५	६	७	८।	९	१०	११	१२।	१३	१४	१५	१६
प	प	–	प।	–	प	–	प।	प	–	प	–।	प	–	–	–
भ	वा	ऽ	नी	ऽ	श	ऽ	ङ्क	रौ	ऽ	व	ऽ	न्दे	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध	–।	म	–	म	–।	ग	रे	–	म।	ग	–	–	–
श्र	ऽ	द्धा	ऽ	वि	ऽ	श्वा	ऽ	स	रू	ऽ	पि	णौ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	ग	–।	ग	ग	–	ग।	म	रे	रे	–।	रे	–	सा	नि़
या	ऽ	भ्यां	ऽ	वि	ना	ऽ	न	प	ऽ	श्य	ऽ	न्ति	ऽ	ऽ	ऽ
नि़	–	नि़	–।	रे	–	रे	–।	ग	रे	–	सा।	सा	–	–	–
सि	ऽ	द्धा	ह्	स्वा	ऽ	न्त	ह्	स्थ	मी	ऽ	श्व	रम्	ऽ	ऽ	ऽ

श्लोक नं० ३– दादरा विलम्बित (रामायण)

इसमें सब स्वर शुद्ध हैं। लय साधारण दादरा। ताल रहित होकर भी गाने की व्यवस्था है। विस्तार क्षेत्र मंद्रसप्तक के 'ध' से मध्यसप्तक के 'ध' तक। स्वर स्थान मध्यसप्तक का काली १ सबके लिये। आरम्भ स्थान ताल की पहली मात्रा।

१	२	३	।	४	५	६।	१	२	३	।	४	५	६
x				०			x				०		
ध	सा	सा	।	–	–	सा।	रे	–	ग	।	–	–	–
नी़	ऽ	ला	ऽ	ऽ	म्बु		ज	ऽ	श्या		ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग	म	।	–	–	म।	म	–	म	।	–	ग	रे
म	ल	को		ऽ	ऽ	म	लां	ऽ	गम्		ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग	सा	।	–	–	सा।	रे	ग	ग	।	–	–	–
सी	ऽ	ता		ऽ	ऽ	स	मा	ऽ	रो		ऽ	ऽ	ऽ
म	ग	रे	।	–	–	ग।	सा	–	सा	।	–	–	–
पि	त	वा		ऽ	ऽ	म	भा	ऽ	गम्		ऽ	ऽ	ऽ
सा	प	प	।	–	–	प।	प	–	प	।	–	–	–
पा	ऽ	णौ		ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	सा		ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	।	–	–	ध।	म	–	म	।	–	–	ग

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

य	क	चा		ऽ	ऽ	रु		चा	ऽ	पम्		ऽ	ऽ	ऽ
रे	ग	सा	।	–	स	–।		रे	ग	ग	।	–	–	–
न	मा	ऽ		ऽ	मि	ऽ		रा	ऽ	मम्		ऽ	ऽ	ऽ
म	ग	रे	।	–	–	ग।		सा	–	सा	।	–	–	–
र	घु	वं		ऽ	ऽ	श		ना	ऽ	थम्		ऽ	ऽ	ऽ

आरती– धुन नं० १– कहरवा ताल (मध्य लय)

स्थायी

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
सा	–	सा	रे।	नि़	–	रे	–।	ग़	–	रे	सा।	नि़	रे	सा	–
आ	ऽ	र	ति	श्री	ऽ	रा	ऽ	मा	ऽ	य	ण	जी	ऽ	की	ऽ
सा	–	सा	रे।	नि़	नि़	रे	रे।	ग़	ग़	रे	सा।	नि़	रे	सा	–
की	ऽ	र	ति	क	लि	त	ल	लि	त	सि	य	पि	य	की	ऽ

अन्तरा

सा	–	ग	म।	प	–	प	–।	ग	म	ध	प।	ग़	–	रे	सा
गा	ऽ	व	त	ब्र	ह्	मा	ऽ	दि	क	मु	नि	ना	ऽ	र	द
सा	–	ग	म।	प	प	प	–।	ग	म	ध	प।	ग़	–	रे	सा
बा	ऽ	ल	मी	ऽ	क	वि	ऽ	ज्ञा	ऽ	न	बि	सा	ऽ	र	द
सा	सा	ग	म।	प	–	प	प।	ग	म	ध	प।	ग़	–	रे	सा
सु	क	स	न	का	ऽ	दि	शे	ऽ	ष	अ	रु	सा	ऽ	र	द
सा	सा	सा	रे	नि़	नि़	रे	रे।	ग़	–	रे	सा।	नि़	रे	सा	–
ब	र	नि	प	व	न	सु	त	की	ऽ	र	ति	नी	ऽ	की	ऽ

आरती– धुन नं० २– कहरवा ताल (मध्य लय)

स्थायी

१	२	३	४।	५	६	७	८।	१	२	३	४।	५	६	७	८
x				०				x				०			
सा	–	सा	सा।	नि़	सा	नि़	ध़।	नि़	रे	रे	सा।	रे	ग़	रे	–
आ	ऽ	र	ति	श्री	ऽ	रा	ऽ	मा	ऽ	य	ण	जी	ऽ	की	ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.

www.awgp.org | www.akhandjyoti.org

सा - सा सा। नि़ सा नि़ ध़। नि़ रे रे सा। रे ग़ रे -
की ऽ र ति क लि त ल लि त सि य पि य की ऽ

अन्तरा

म म म म। म म म म। ग म ग रे। रे ग़ रे -
क लि म ल ह र नि वि ष य र स फी ऽ की ऽ
म म म म। म - म म। ग म ग रे। रे ग़ रे -
सु भ ग सिं गा ऽ र मु ऽ क्ति जु ब ती ऽ की ऽ
म म म म। - म म म। ग म ग रे। रे ग़ रे -
द ल न रो ऽ ग भ व मू ऽ रि अ मी ऽ की ऽ
प - प ध। नि़ ध प म। ग रे ग प। म - म -
ता ऽ त मा ऽ त स ब बि धि तु ल सी ऽ की ऽ

Disclamer/Warning: All literary and artistic material on this website is copyright protected and constitutes an exclusive intellectual property of the owner of the website. Any attempt to infringe upon the owners copyrights or any other form of intellectual property rights over the work would be legally dealt with. Though any of the information (text, image, animation, audio and video) present on the website can be used for propagation with prior written consent.